

रॉबिन शर्मा

FAMILY WISDOM

NOW IN
HINDI

पारिवारिक सफलता के सूत्र

द मॉठक हू सोल्ड हिज़ फेरारी के लेखक की प्रस्तुति

“रॉबिन शर्मा की किताबें पूरी दुनिया में लोगों को महानता से भरे जीवन जीने में मदद पहुंचा रही हैं।”

पॉलो कोयल्हो, द एलकेमिस्ट के लेखक

Robin Sharma's books have sold
6
MILLION
COPIES SOLD
WORLDWIDE

JAICO

मॉन्क हू सोल्ड हिज़ फेरारी की तारीफ

“यह एक रोमांचक कहानी है जो हमें सीख देती है और साथ ही खुशियां भी ।” पाउलो कोएल्हो, द. अलकेमिस्ट के लेखक

“किसी झंझावात से कम नहीं । यह पुस्तक आपके जीवन को सफल बनाएगी ।” मार्क विक्टर हैनसेन, सह-लेखक, चिकन सूप फॉर द साउल ।

“रोबिन शर्मा ने कहानी को मूर्त रूप में प्रस्तुत किया है जिसमें सूचनाओं के विलक्षण टूल को जीवन की साधारण फिलॉसफी में बदल दिया गया है । खुशियों से भरपूर यह पुस्तक आपके जीवन को बदल देगी ।” एलेन सेंट जेम्स, सिंपलीलाइफ युअर लाइफ एण्ड इनर सिंपलीसिटी के लेखक ।

“यह पुस्तक वैयक्तिक विकास, वैयक्तिक प्रभावोत्पादकता और व्यक्तिगत खुशियों के मार्ग में मनोरंजन, रोचकता, विलक्षणताओं से भरपूर कृत्य का संग्रह है । इसमें बुद्धिमत्ता का खजाना है जो किसी भी एकल व्यक्ति के जीवन को सुधार कर उसे उत्कृष्टता के शिखर पर पहुँचा सकती है ।” ब्रेन ट्रेली, मैक्सिमम अचीवमेंट के लेखक ।

“रोबिन शर्मा के पास हम सबके लिए बहुत ही महत्वपूर्ण संदेश है- जो हमारे जीवन को बदल सकता है । उन्होंने आज के इस भागमभाग भरी जिंदगी में वैयक्तिक संतुष्टि की प्राप्ति के लिए एक अद्भुत नियमावली (हैंडबुक) उपलब्ध कराई है ।” स्टॉक दीगरमो, सक्सेस मैगजीन के भूतपूर्व प्रकाशक ।

“..... जीवन के सबसे बड़े प्रश्न पर प्रकाश डालती है ।” द एडमोनटोन जर्नल ।

“द मॉन्क हू सोल्ड हिज़ फेरारी सूत्रबद्ध, उपयोगी और निश्चय ही पढ़ने योग्य सर्वोत्तम.... यह अपने पाठकों को चूहा दौड़ से बहार निकलने में निश्चित रूप से सहायक होगी ।” द किंगस्टन व्हिग-स्टैण्डर्ड

“एक चमत्कारी पुस्तक । रोबिन एस. शर्मा आगामी ओग मैडिनो हैं ।” डोटि वाल्टर्स, स्पीक एण्ड ग्रो रिच के लेखक ।

“..... सामान्य बुद्धिमत्ता जिससे कोई भी व्यक्ति लाभान्वित हो सकता है ।” द कलगेरी हेराल्ड ।

“यह पुस्तक वैयक्तिक विकास पर लिखी द वेल्टी बारबर की श्रेणी में रखी जा सकती है । जो महत्वपूर्ण अवधारणाओं पर अंतरदृष्टियुक्त संदेश देती है जो हमारे दैनंदिन जीवन में बेहतर संतुलन, नियंत्रण और प्रभावोत्पादकता लाने में सहायक है ।” इन्वेस्टमेंट एक्जिक्यूटिव

“..... खजाना सच्ची सफलता और खुशियों के लिए पवित्र और शक्तिशाली फॉर्मूला । रोबिन एस. शर्मा ने सदियों की बुद्धिमत्ता को अपनी लेखनी से कागज पर उतारा है और उसे आज की डाँवाडोल स्थितियों के लिए प्रासंगिक और उपयोगी बनाया है । मैं इसकी व्याख्या नहीं कर सकता ।” ज्वॉय टाइ, नेवर फीअर नेवर क्विट के लेखक ।

“..... व्यक्ति को अपनी क्षमताओं को जानने के लिए सामान्य नियम ।” द हैलिफैक्स डेली न्यूज ।

“एक अद्भुत कहानी जो आपके जीवन को सफल बना सकती है ।” द अल्टीमेट पॉवर के लेखक केन वेगोस्की ।

“किसी भी व्यक्ति के जीवन की दशा को उन्नत करने के लिए एक अद्भुत रचना जिसमें सामान्य परंतु अगाध रूप से शक्तिशाली विचारों का पूरा सेट मिलता है । मैं अपने सभी पुस्तक प्रेमियों को यह पुस्तक पढ़ने की संस्तुति करता हूँ ।” जॉर्ज विलियम्स, प्रेसिडेंट, करात कन्सुल्टिंग इंटरनेशनल

“रोबिन इस पुस्तक में आध्यात्मिक ऊंचाई के साथ ही वैयक्तिक संतुष्टि भी देते हैं।” दि ओट्टावा सिटीजेन .

“रोबिन भूत और वर्तमान दोनों का चित्रण पाठक के मनपसंद तरीके से करते हैं। स्वयं ही करो मैनुअल में व्यक्तिगत उपलब्धियों को अधिकतम कर पाने के लिए एक-एक चरण की विधि दी गई है। सफलता के भेद में शारीरिक फिटनेस और मानसिक शांति सम्मिलित है। रोबिन का संदेश इतना शक्तिशाली है कि जैसे लेसर बीम। उनके शब्दों में जैसे कोई जादू हो।” दि हिंदू

“रोबिन शर्मा की संप्रेषणीय सुपर क्षमता ने उन्हें कारोबार और जीवन में नेतृत्व के विश्व के सफलतम विचारकों में अग्रणी बना दिया है।” दि टाइम्स आफ इंडिया

“हर आदिमी नेता है.....कार्य में नया नेतृत्व देना आपको अधिक प्रतिष्ठा और कार्य का अधिक सकारात्मक अनुभव दिलाता है। रोबिन इस बात में यकीन रखते हैं कि जीवन के प्रत्येक महत्वपूर्ण क्षेत्र में संतुलन रखना आवश्यक है। उनकी पुस्तकों को प्रमुख लीग स्पोर्ट्स और हॉलीवुड की हस्तियों ने सराहा है।”दि इकोनोमिक टाइम्स

“उनकी संगोष्ठियां की अपील लोगों के विशाल समूह तक पहुंचती है जिसमें एमडी, फिल्मस्टार, डाइरेक्टर्स और एक्जिक्यूटिव शामिल हैं। दीपक चोपड़ा का लेखन अध्यात्म पर अधिक है जबकि रोबिन का लेखन अधिक व्यावहारिक है और दर्शन (फिलॉसफी) को आसान बनाने की कोशिश करता है।” दि इंडियन एक्सप्रेस

“रोबिन शर्मा आज सर्वाधिक पढ़े जानेवाले अंतरराष्ट्रीय लेखक हैं, वह ताकत हैं जिसकी गिनती अग्रणी लेखकों में होती है।” सिटी इंडियन एक्सप्रेस

“जिसका व्यक्तित्व सौम्य है, मुस्कराता चेहरा है और जो बड़ी आसानी से व्यक्तिगत संबंध कायम करने की क्षमता रखता है, वह रोबिन शर्मा यदि प्रशिक्षण गुरु, जिस टैग को वह अपने लिए स्वीकार नहीं करते, का सम्मान पाते हैं तो इसमें आश्चर्य ही क्या है।” दि फ्री प्रेस जर्नल

“पुस्तक बहुत ही साधारण सी है परंतु एक सफल विधिवेत्ता की प्रेरणादायक कहानी है जो वह सब कुछ देती है जो जीवन को अधिकाधिक तृप्ति दे। अर्थ, प्रसन्नता और संतुष्टि की गहरी समझ के वास्ते इसमें उत्सुकता बनी रहती है।” डीएनए

“रोबिन की सभी पुस्तकें संदेश देती हैं, ठीक उसी भांति उनकी यह पुस्तक भी सकारात्मक ऊर्जा विकीर्णित करती है और कारोबार तथा स्व सहायता के लिए भावनाएं उद्बलित करती है। रोबिन सचमुच ही विश्वास करते हैं कि उनके अनुभवों से कई लोग लाभान्वित हुए हैं, विशेष रूप से जब वे कारपोरेट सत्रों का संचालन कर रहे होते हैं।” दि एशियन एज

“रोबिन से मिलकर कोई भी व्यक्ति यही भावना लेकर लौटता है कि उसकी मुलाकात किसी बिल्कुल ही सच्चे इंसान से हुई है।” डेकन हेराल्ड

“जानेमाने स्व सहायता गुरु रोबिन शर्मा की पुस्तकें पढ़नेवालों में जिन शख्सियतों का शुमार है, वे हैं इस्रायल के भूतपूर्व प्रधानमंत्री और नोबल पुरस्कार विजेता साइमन पेरेस, माइकल येओ और रिकी मार्टिन.” विजय टाइम्स

‘शर्मा पाठकों को ज्ञान के मार्ग पर ले जाते हैं।’ दि क्रोनिकल हेराल्ड

“प्रेरणादायक वक्ता शृंखला में जिन ओजपूर्ण नामों का उल्लेख किया जा सकता है, उनमें इनका भी नाम लिया जाता है। यह पूरी तरह उचित है क्योंकि कारपोरेट कोच के रूप में भारतीय नेतृत्व के बीच आप अपने विजन (मनःसृष्टि) और विश्व स्तरीय संगठन खड़ा करने के लिए हाथों हाथ लिए जाते हैं।” दि न्यू इंडियन एक्सप्रेस

मॉन्क हू सोल्ड हिज़ फेरारी से नेतृत्व बुद्धिमत्ता की तारीफ

“वर्ष के दौरान प्रकाशित बिजनेस पुस्तकों में सर्वश्रेष्ठ ।” - प्रोफिट मैगजीन

“अत्यंत सूचनाप्रद, पढ़ने में सहज और अत्यंत लाभदायी... हमने इसकी प्रतियां अपने सभी प्रबंधन टीमों को और स्टोर परिचालकों को वितरित की है । प्राप्त प्रतिक्रियाएं बहुत ही सकारात्मक हैं ।” डेविड ब्लूम, सीईओ, शॉपर्स डगमार्ट

“रोबिन शर्मा आज के अत्यधिक उलझनभरे नेतृत्वता के मुद्दों पर बिल्कुल स्पष्ट, व्यावहारिक तरीके से अपना समाधान प्रस्तुत करते हैं । आज के युग में जब बिजनेस जगत के लोग तमाम तरह की समस्याओं से जूझ रहे हैं, यह पुस्तक बहुत ही सुकून देती है ।” इआन टर्नर, प्रबंधक, सेलेस्टिका लर्निंग सेंटर

“यह पुस्तक बुद्धिमत्ता और सामान्य बुद्धि पाने के लिए स्वर्ण भंडार के समान है ।” डीन लैरी टैप, रिचार्ड अइवी स्कूल आफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी आफ बिजनेस, यूनिवर्सिटी आफ वेस्टर्न ओनटैरियो

“यह बहुत ही प्रभावशाली पुस्तक है जो किसी भी बिजनेस व्यक्ति को आगे बढ़ने और प्रभावशाली रूप से जीने में मददगार सिद्ध होगी ।” जिम ओ नील, डायरेक्टर आफ आपरेशन्स, डिस्ट्रिक्ट सेल्स डिवीजन, लंदन लाइफ

“संन्यासी, बिजनेस में संतुलन लाने के तरीके की ओर इशारा करता है.... पुस्तक की सामग्री...” दि टोरेन्टो स्टार

“दि मॉन्क हू सोल्ड हिज़ फेरारी से नेतृत्व बुद्धिमत्ता पुस्तक विक्रेताओं की सूची में सबसे अग्रणी स्थान की ओर बढ़ रही है ।” इन्वेस्टमेंट एक्जिक्यूटिव

“शर्मा का मिशन है पाठकों को वह अंतरदृष्टि देना जो उनके बिजनेस को ऐसे संगठन में परिवर्तित करे जो आज के युग में फले-फूले और उन्नति करे ।” सेल्स प्रमोशन मैगजीन

“शर्मा पश्चिम के महान दर्शनशास्त्रियों की बुद्धिमत्तावाली बातों को सम्मिश्र करते हैं और उसे बिजनेस वर्ल्ड पर लागू करते हैं ।” दि लिबरल

“शर्मा बीते कल के मास्टर्स से मिले ज्ञान का उपयोग इस बात पर रोशनी डालने के लिए करते हैं कि कैसे हम हाइ-टेक, तीव्र परिवर्तनीय विश्व के तनावों को दूर करें ।” दि रेड डीयर एडवोकेट

पारिवारिक सफलता के सूत्र

द मॉन्क हू सोल्ड हिज़ फेरारी के लेखक की प्रस्तुति

FAMILY WISDOM



रॉबिन शर्मा



जयको पब्लिशिंग हाउस

अहमदाबाद बेंगलोर भोपाल भुवनेस्वर चेन्नई
दिल्ली हैदराबाद कोलकाता लखनऊ मुम्बई

प्रकाशक
जयको पब्लिशिंग हाउस
ए-2 जश चेंबर्स, 7-ए सर फिरोजशाह मेहता रोड
फोर्ट, मुम्बई - 400 001
jaicopub@jaicobooks.com
www.jaicobooks.com

© रॉबिन शर्मा

हारपर कालिन्स पब्लिशर्स लिमिटेड,
टोरंटो, कनाडा के सहयोग से

FAMILY WISDOM FROM
THE MONK WHO SOLD HIS FERRARI
पारिवारिक सफलता के सूत्र
ISBN 978-81-8495-391-6

पहला जयको संस्करण: 2012
चौथा जयको संस्करण: 2015

बिना प्रकाशक की लिखित अनुमति के इस पुस्तक का कोई भी भाग, किसी भी प्रकार से इस्तेमाल नहीं किया जा सकता, न कॉपी किया जा सकता है, न रिकार्डिंग और न ही कम्प्यूटर या किसी अन्य माध्यम से स्टोर किया जा सकता है।

मैं यह पुस्तक अपने असाधारण बच्चों कोलबि और बायनका,
मेरे जीवन काल के दो महानतम और बुद्धिमानतम शिक्षकों को समर्पित करता हूं.
मैं तुम दोनों को अत्यधिक प्यार करता हूं.

मैं यह पुस्तक अपने सबसे प्यारे मित्र और साथी स्व. जॉर्ज विलियम को भी समर्पित
करता हूं, जो वह इंसान है जिसने कई जिंदगियों की संवेदना को छुआ है
लेकिन समय से बहुत पहले हमसे विदा ले चुका.

अतत: मैं यह पुस्तक आप पाठक को समर्पित करता हूं. इसके पन्नों में दिए गए
पाठ की सीख आपको ऐसी प्रेरणा दे जिससे आप एक अच्छे बुद्धिमान व्यक्ति,
अच्छे माता-पिता, और परिवार के भले मुखिया बन सकें जो विश्व में
बच्चों को सच्चा और श्रेष्ठ जीवन जीने की अभिप्रेरणा दे.

अब से सौ वर्ष बाद यह तथ्य बेमानी हो जाएगा कि मेरे पास बैंक में कितना पैसा था, मैं किस प्रकार के भव्य भवन में रहा करता था अथवा मैं किस प्रकार की बेहतरीन कार में चला करता था, बल्कि इसके उलट, यह विश्व हो सकता है पूरी तरह अलग ही हो क्योंकि मेरी जरूरत एक बच्चे के जीवन को थी.

लेखक अनाम

हृदय में बने रहने के लिए हम पीछे छोड़ जाते हैं मैं मरा नहीं हूँ.

थॉमस कैपबेल

अनुक्रमणिका

[आभार स्वीकृति](#)

[मेरा सबसे बड़ा अभिज्ञान](#)

[मेरे जीवन का सबसे बड़ा निःकृष्टतम अनुभव](#)

[जीवन का उपहार](#)

[एक संन्यासी का आना](#)

[ग्रेट जुलियन मैनटल की विस्मयकारी यात्रा](#)

[परिवार के नेता की प्रथम मास्टरी](#)

[परिवार के नेता की द्वितीय मास्टरी](#)

[परिवार के नेता की तृतीय मास्टरी](#)

[परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी](#)

[परिवार के नेता की पाँचवी मास्टरी](#)

[लेखक के बारे में](#)

आभार स्वीकृति

सर्वप्रथम, धन्यवाद विश्व के उन सभी लोगों का जिन्होंने मॉन्क हू सोल्ड हिज फेरारी शृंखला के अंतर्गत पुस्तकें पढ़ी हैं और न सिर्फ अपने जीवन को समृद्ध करने बल्कि अपने आस-पास रहनेवालों के जीवन को भी समृद्ध बनाने के लिए पुस्तक में दी गई जानकारी को लागू करने की बुद्धिमत्ता दिखाई है। मुझे आपके पत्र और आपके ई-मेल पाकर, तथा यह जानकर कि कैसे मेरे द्वारा दिए गए पाठों ने आपकी यात्रा को आसान बनाया, बहुत ही खुशी होती है। आपने परिवर्तन, उन्नति और नेतृत्व के लिए जो साहस जुटाया, उसके लिए मैं आपका आभार मानता हूँ।

मैं अपने मित्र हार्वर कॉलिन्स का विशेष रूप से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिसने मुझे इन पुस्तकों को लिखते रहने में अपना सहयोग दिया, उत्साह बढ़ाया और प्रेरित किया। मैं तुपहोल्म, क्लॉड प्रिमे, जुडी ब्रनसेक, डेविड मिलर, लॉयड केली, अपने प्रचारक डॉर पॉटर, मेरी कैम्पबेल, नील एरिक्सन, पॉलाइन थॉमपसन और विशेष रूप से निकोल लैंगलोइस, जो मेरा ध्यान रखनेवाले, मुझे अंतर्दृष्टि देनेवाले और अद्भुत लेखक हैं, के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ।

यह कृतज्ञता मेरे अति उत्कृष्टता से समर्पित एक्जिक्यूटिव सहायक ऐन ग्रीन के प्रति भी अवश्य है जिन्होंने इस पुस्तक को लिखने में मेरे समय आवंटन का प्रबंधन कुशलता से किया और मेरे साथी रिचार्ड कार्लसन के प्रति है - जो अपने संदेश को जीता है-और मेरे मित्र मालकॉन मैकिलोप को है, जिन्होंने मुझे लेकसाइड रिट्रीट उपलब्ध कराई और मैं संसार से पीछा छुड़ाकर मनमोहक परिवेश में परिवार बुद्धिमत्ता (फेमिली विसडम) को पूरा कर सका। मैं अपने सभी मेंटर्स का भी धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मुझे ध्यान मग्न होकर लिखने की प्रेरणा दी। मेंटर्स में जिनका नाम मैं लूंगा वे हैं गेरी विनर, एड कारसन और लॉरेन क्लार्क। मैं कृतज्ञ हूँ अपने उन सब कारपोरेट क्लाइंट के प्रति जिन्होंने आपके सम्मेलनों में मेरे नेतृत्व के संदेशों को सुनने का लाभार्जन किया और जिन्होंने यह जानने की बुद्धिमत्ता दिखाई कि लोग आपके उद्यम की आत्मा का तिरस्कार करते हुए किस तरह झूठ बयानी करते हैं। दिल की गहराइयों से जिल हेवलेट का धन्यवाद जिन्होंने मेरा मार्गदर्शन किया। मैं हृदय से अपने माता-पिता शिव और शशि शर्मा के प्रति कृतज्ञ हूँ जिन्होंने एक आदर्श माता-पिता का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया और मुझ पर अपना प्यार और समर्थन न्योछावर किया। बहुत-बहुत आभार मेरे भाई संजय और भाभी सूसन के प्रति जो मेरे साथ तब खड़े थे जब मुझे उनकी सर्वाधिक जरूरत थी।

और अंत में, मैं कोलबी और बायनका, अपने दोनों बच्चों का धन्यवाद करता हूँ जिन्होंने मुझे ढेर सारी खुशियां दीं।

मेरा सबसे बड़ा अभिज्ञान

हम आमतौर पर वह बनने से घबराते हैं जिसकी झलक हम अपने सबसे बेहतरीन पलों में देख सकते हैं।

— अब्राहम मैसलो

जीवन का सर्वाधिक दुःखःद पहलू मृत्यु को प्राप्त होने में नहीं है अपितु हमारे जीवित रहते हुए हम सचमुच जी पाने में असफल रहते हैं, इसमें है। हममें से न जाने कितने लोग अपने जीवन में छोटे बनकर ही रह जाते हैं, हम अपने मनुष्यत्व की संपूर्णता को सुबह की पहली किरण भी देखने नहीं देते। मैंने अंत में सीखा है कि जीवन में जो सबसे मूल्यवान है वह यह नहीं कि उसके पास कितने खिलौने हैं अथवा हमने कितना धन इकट्ठा किया है, बल्कि वह यह है कि हमने अपने बीच प्रतिभाओं में से कितने को मुक्त किया और ऐसे प्रयोजनों के लिए उनका उपयोग किया जिससे विश्व का मूल्यवर्धन हुआ हो। जो सर्वाधिक सच है वह यह है कि हमने कितनी जिंदगियों को स्पर्श किया और हम विरासत में क्या छोड़कर जा रहे हैं। टॉल्स्टॉय बड़ी खूबसूरती से इसे अपने शब्दों में व्यक्त करते हैं: हम अपने लिए तभी जी पाते हैं जब हम औरों के लिए जीते हैं।

बुद्धिमत्ता की इस सामान्य सी बात को समझने में मुझे पूरे चालीस वर्ष लगे। लंबे चालीस वर्ष यह पता करने में लगे कि वास्तव में सफलता का अनुसरण नहीं किया जा सकता। सफलता परिणामस्वरूप है और औरों के जीवन को समृद्ध बनाने में व्यतीत हुई आपकी जिंदगी के अनायास लेकिन अपरिहार्य बायप्रोडक्ट के रूप में आपके जीवन में प्रवाहित होती है। जब आपका फोकस जीवन की प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए जीते रहने की अनिवार्यता से हटता है, तब आपका अस्तित्व सफलताओं के थपेड़ों से झूम उठता है।

मैं अभी भी यकीन नहीं कर पा रही हूं कि मुझे 'आधा जीवनकाल' यह पता लगाने के लिए प्रतीक्षा में गंवाना पड़ा कि मानव अस्तित्व की सच्ची संतुष्टि बेहतरीन भाव-भंगिमा धारण करने में नहीं है जो हमें अखबारों और बिजनेस मैगजीन के पहले पन्ने पर छापती है, अपितु भद्रता या शालीनता के उन मूल व्यवहारों में है जो हममें से प्रत्येक दैनंदिन के व्यवहार में, यदि वह ऐसा करने की ठान ले, ला सकता है। मानव हृदय रखनेवाली महान नेता मदर टेरेसा, उनका स्थान दूसरा कोई नहीं ले सकता, ने इसे सर्वोत्तम तरीके से शब्दों में इस प्रकार कहा है: "बड़ा कोई काम नहीं होता, भरपूर प्यार से किया गया काम बड़ा होता है।" मैं इसे अपने जीवन में बहुत कुछ खोने के बाद जान पायी।

अभी तक मैं कमाई के लिए अपने प्रयासों में इतना व्यस्त रही कि मैं जीवन जीने को कहीं पीछे ही छोड़ आई। मैं जीवन में बड़ी से बड़ी खुशी हासिल करने के पीछे इतना भागना रहा कि छोटी-छोटी खुशियों को देख ही नहीं सका, वे सूक्ष्म खुशियां जो हमारे दैनंदिन जीवन में स्वतः ही आती हैं और चली जाती हैं लेकिन हम उन्हें समझ और देख नहीं पाते। मेरे दैनिक कार्य समय की सीमा से बाहर हो चले थे, मेरा मस्तिष्क अपनी क्षमता से बाहर काम करता था और मेरी आत्मा अतृप्त रह रही थी। आपके सामने अगर मैं सच्चाई बयान करूं तो मैं कहूंगी कि मेरे जीवन में सफलताएं बस दुनियावी दिखावे के लिए थीं लेकिन अंतर्मन की संतुष्टि की बात कहूं तो मैं अंदर से पूरी तरह खोखला थी।

मैं पुरानी धारणाओं को माननेवाली व्यक्ति थी जो मानती थी कि खुशियां तब आती हैं जब आदमी अपने लिए बढ़िया कार खरीद ले, बढ़िया घर बना ले और उसे बढ़िया जॉब की पदोन्नति मिल जाए। मैं मानव मूल्यों की कीमत उसके हृदय की विशालता अथवा उसके चरित्र की ऊंचाई से नहीं आकती थी बल्कि उसकी जेब की मोटाई और उसके बैंक खाते के आकार से आकती थी। आप कह सकते हैं कि मैं अच्छा इंसान नहीं थी। मैं आपसे यही तर्क करूंगी कि मुझे जीवन के वास्तविक अर्थ के बारे में कोई आयडिया नहीं था अथवा यह नहीं पता था कि जो जीवन मैं जी रही थी उसे किस प्रकार संचालित किया जाना चाहिए। हो सकता है इसकी वजह उन लोगों की संगति रही हो जिनका मुझे साथ मिला हुआ था लेकिन बिजनेस वर्ल्ड में जिन लोगों को मैं जानती हूं वे सभी इसी धारणा को जीते थे। हम सब अपने दिनों के मूल्यवान घंटे सफलता के सोपानों को पाने में समर्पित करते थे जो हमारा स्वप्न हुआ करता था कि हमें इच्छित आफिस कॉर्नर मिलेगा, हैम्पटन्स में वैभवपूर्ण ग्रीष्मकालीन घर होगा और संभवतः फ्रांस में चमत्कारिक स्की चैनल भी होगा। हम सभी प्रसिद्धि पाने, अपनी प्रशंसा पाने और सत्कार पाने की लालसा में जीते थे। हम सभी ऐश्वर्य से भरी जिंदगी जीना चाहते थे। और हममें से हर कोई यही चाहता था कि हर जगह

उसकी ही पूछ रहे ।

और जबकि मैं भी भविष्य में एक दिन माँ बनने और परिवार की जिम्मेदारी उठाने का ख्याल मेरे मन को प्रफुल्लित करता था, मेरे उन शांत और मृदुल क्षणों का स्वप्न फोर्ब्स अथवा फॉरचून पत्रिका के मुख पृष्ठ पर छपी मेरी स्लिम काया के साथ की मुख्य पंक्तियों से बहुत कुछ मिलता-जुलता था जो यह कहने के बजाए कि लिटिल लीग गेम्स में कैथरीन बच्चों का मनोबल बढ़ा रही हैं, कहती “कैथरीन क्रूज: जिसने सभी नियमों को तोड़ा और फिर भी जीत उसीकी ।” मैं कुछ इस तरह की प्रतिज्ञा मन में किया करती थी – आज का दिन मेरी जिंदगी का सर्वोत्तम दिन होगा और मेरे पास अमीर लोगों का दिमाग है और योद्धाओं के समान हृदय है । मैं तुम्हें इस समय अपना सिर हिलाते हुए देख सकती हूँ, लेकिन मैं सफलता की इतनी भूखी थी कि मैं उसके लिए किसी भी सीमा तक जा सकती थी । मैं वह सब कुछ कहने और करने को तैयार थी जो मुझसे कहने या करने के लिए कहा जाता, और यदि कोई दुर्भाग्य से मेरे रास्ते में आता तो मैं उसको रौंदते हुए ऊपर निकल जाती। मैं नहीं कहती की जैसे पहले मैं थी उसपर मुझे गर्व है । अपितु मैं सिर्फ इतना बता रही हूँ कि मैं कैसी थी । मैं कठोर, निष्ठुर, महत्वाकांक्षी थी और मुझमें यह दोष आ गया था कि मैंने जिस संसार की रचना अपने लिए की थी उसमें जीते रहने के लिए मैं अपनी भावनाओं के द्वार को बंद कर रही थी ।

मेरा जीवन मेरे कार्य से परिभाषित होता था और मुझे महसूस हुआ कि बिजनेस में सफलता के चरम पर मेरा पहुंचना तय है । मेरे आफिस की दीवारों पर महान इंग्लिश कवि हेनरी वड्सवर्थ लॉंगफेलो की ये पंक्तियां उद्धृत थीं जो मैं मानती हूँ कि यह सब कुछ कहती हैं:

महान लोगों की जीवन गाथाएं हमें स्मरण कराती हैं
हम अपने जीवन को कामयाबी की ऊंचाई पर पहुंचा सकते हैं
और अलविदा होने के बाद पीछे समय की रेत पर
अपने पैरों के निशां छोड़ जाते हैं ।

अवश्य ही एमबीए स्कूल के मेरे मित्र और मैंने अनर्थक मीठी उक्तियां, जैसे- ‘लोग पहले’ और लोग कितना जानते हैं इसका उन्हें तब तक ज्ञान नहीं होता जब तक उन्हें यह पता नहीं हो जाता कि वो कितने फिक्रमंद हैं, तोतारटंत कर ली थीं जो ऊंची एड़ी के जूते पहननेवाले बड़े-बड़े परामर्शदाताओं और नामी-गिरामी बिजनेस प्रोफेसरों के द्वारा बार-बार परोसी जाती थीं । लेकिन हममें से प्रत्येक के मन की गहराई में, केवल एक ही इच्छा जगती रहती थी: अपना स्वार्थ जैसे भी हो पूरा करो और अपने उद्देश्य, आकांक्षाओं और सपनों को हासिल करो – भले ही ऐसा करने में हमें कितने ही लोगों को कुचलकर आगे बढ़ना पड़े । और परिणामस्वरूप हम प्रोफेशनल सफलता पाने के पीछे और धन लोलुप होकर अपनी आत्मा को ही मार बैठे । हमने अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था अपने काम को । और भले ही अब मुझे यह स्वीकार करने में संकोच हो रहा है, तथापि शुरूआती दौर में ये सब मजेदार लगता था । वास्तव में ही मजेदार ।

मैं अपनी क्लास में अक्वल छात्रा थी, मैं काम करने के लिए अपनी इच्छा के अनुरूप सर्वोत्तम कंपनी कभी भी हासिल कर लेती थी । स्वभाव से विद्रोही होने के कारण प्रत्येक कंपनी के प्रस्ताव को मैं ठुकराने में आनंदित हुआ करती थी भले ही वह कंपनी मुझे छह अंकों का वेतन देने का प्रस्ताव करती । मेरी माँ को मेरी यह कारगुजारी विस्मय में डाल दिया करती थी और वह सोचती थी कि मैं अपना दिमाग गवां बैठी हूँ । बिजनेस स्कूल के मेरे एक पसंदीदा प्रोफेसर, जिनका शौक था वह रास्ता चुनना जिससे होकर कम ही लोग गुज़रे हों, की सलाह मुझे याद आती है (उन्होंने सिखाया कि अपने लिए आदर्श जॉब ढूंढने जब आप निकलते हैं, आप यह मत पूछें कि क्या यही वह कंपनी है जिसमें मुझे नौकरी करनी है ? बल्कि आप अपने आपसे सवाल करें कि क्या यही वह कंपनी है जो मेरी होगी?), मैंने एक मामूली नामवाली फ़िन्नेन्सियल सर्विसेज फर्म में फास्ट ट्रेक मैनेजमेंट पोजीशन पा ली, जिसमें असीमित वृद्धि की संभावना छुपी थी ।

प्रतिदिन सुबह ठीक ५:१५ बजे मेरी चमचमाती मर्सिडीज-जो मुझे मेरे नए नियोक्ता से बोनस में मिली थी- सत्तर मंज़िली कांच और मेटल निर्मित कार्यालय टॉवर के तहखाने के पार्कड से झूमती हुई निकल जाती थी, जहाँ मुझे अपनी जिंदगी के आगामी कुछ वर्ष बिताने थे । एक हाथ में वॉल स्ट्रीट जर्नल की ताजा प्रति और दूसरे में मगरमच्छी त्वचायुक्त केस हाथों में लेकर मैं एलीवेटर में प्रवेश करती थी और उसके बाद बांसठवीं मंज़िल स्थित

अपने ऑफिस में हो रहती थी। यह मेरा वास्तविक घर था।

ऑफिस में पहुंचने के बाद मैं अपने सभी मेसेजेस देखती थी, सभी फोन कॉल के जवाब देती थी। और इसके बाद के सोलह-सत्रह घंटे अत्यधिक उत्तेजना और लगभग अव्यवस्था में बीत जाते थे। देखते ही देखते मेरी पदोन्नति डिवीजनल और फिर सीनियर और फिर वाइस प्रेसीडेंट के पद पर हो गई, मैं तब पैंतीस वर्ष से अधिक न थी। मैं पूरे विश्व की हवाई यात्रा फर्स्ट क्लास में करती, बड़े-बड़े बिजनेस इलीट की बराबरी में उठती और बैठती, श्रेष्ठतम रेस्तरां में खाती और बड़े-बड़े डील (बिजनेस सौदे) इस तरह हथियाया करती थी जिसे देखकर मेरे समकालीनों को दांतों तले उंगली दबानी पड़ जाती। अंततः मुझे सुख-सुविधा से भरपूर लक्जूरियस आफिस मिला और अब मैंने वह स्की शैले (लकड़ी का बंगला) भी खरीद लिया, जिसके लिए मैं अपने स्टॉक ऑप्शन का शुक्रगुज़ार हूं जो आसमान की ऊंचाईयों को छू रहा था।

कुछ वर्षों पहले मैंने और बिजनेस स्कूल के मेरे कुछ दोस्तों ने मिलकर एक वेब आधारित कंपनी प्रारंभ की जिसका नाम था [ब्रेवलाइफ.कॉम](#)। यह कंपनी कारपोरेट्स के उन इच्छुक कर्मचारियों को प्रशिक्षण और विकास के नए क्रांतिकारी तरीकों का प्रशिक्षण देती थी जो गलाकाट प्रतियोगिता के दिनों में उत्कृष्टता प्राप्त करना चाहते थे। भले ही प्रारंभ के दिनों में हमारा यह उद्देश्य हमारे लिए महज़ एक टाइमपास था, किंतु आगे चलकर [ब्रेवलाइफ.कॉम](#) सब की जुबान पर चढ़ गया, और कुछ ही महीनों में हमारा यह अद्भुत उद्देश्य देश की लगभग प्रत्येक प्रतिष्ठित बिजनेस पत्रिका में अपना स्थान बना चुका था। पंडितों की भविष्यवाणी थी कि हमारा यह वेंचर पब्लिक ऑफरिंग के लिए पूरी तरह फिट था और वेंचर कैपिटलिस्ट हमारे आस-पास ऐसे मंडराने लगे थे जैसे गिद्ध अपने शिकार पर झपट्टा मारने की ताक में हो, मैं और मेरे पार्टनरों को अच्छी तरह मालूम हो चुका था कि हमारी गिनती भी बहुत जल्द रईसों में होगी। यह सब एक साथ ही घटित हो रहा था, जैसाकि मैंने अपने शांति के क्षणों में कल्पना की थी। मैं धनाढ्य बनूंगी, समारोहों की पहचान ही मुझसे हुआ करेगी और सब मुझे ही प्यार करेंगे। मुझे वह सब सांसारिक सुख सुविधाएं हासिल हो सकती थीं जिसकी अभिलाषा मैं अंतर्मन से किया करती थी और आखिरकार मैं इतना साधन संपन्न हो चुकी थी कि मैं जिंदगी अपनी शर्तों पर जी सकती थी। मैं सफलता की चोटी की ओर अग्रसर थी और जिंदगी ऐसे जी रही थी जिसकी चाहत मुझे हमेशा से ही थी। लेकिन जहाँ एक ओर मैं अपने स्वप्न को साकार होता हुआ देख रही थी, वहीं मुझे एक अनोखा एहसास हुआ जिसने मेरे जीवन रूपी जहाज की दिशा ही मोड़ दी। मैं कितना भी इन्कार करने की कोशिश करती, लेकिन मैं अपनी इस हालत के सामने अपने को एक बौना इंसान महसूस करती थी।

मेरी शादीशुदा जिंदगी सात वर्ष की थी जिसमें भावनाओं और रिश्तों का कहीं कोई नामोनिशां भी नहीं था। मैं अपने पति, जॉन क्रुज, से वाइल्डरनेस रिट्रीट कंपनी में मिली थी, जहाँ मैंने पहली बार काम पकड़ा था, जिसने अपने उच्च निष्पादनवाले एक्जिक्यूटिवों को उनके नेतृत्व कुशलता के गुणों को तराशने के लिए भेजा था। जॉन एक संघर्षरत उद्दमी था जो पहाड़ों में प्रेरणा पाने की उम्मीद लेकर आया था, और हम दोनों एक ही टीम में थे, जिनके सामने चुनौती देती हुई चट्टान पर चढ़ने का मिशन था वह भी आधी रात में। उसने मेरी निर्भीकता और दृढ़प्रतिज्ञता की तारीफ़ की और मैं उसी छण उसकी सज्जनता और जिंदगी जीने की उसकी दीवानगी की ओर खिंचती चली गई। मेरी सतर्कता मेरे एक काम न आई और हम दोनों में प्यार हो गया तथा छह सप्ताह बाद हम दोनों विवाह बंधन में बंध गए।

जॉन एक भला आदमी था लेकिन दुनिया में उसके जैसी संपूर्ण भलाई और उसके जैसे धवल चरित्र की ताकत का जो मूल्य होना चाहिए था वह उसे कभी नहीं मिला करता। हम दोनों के साथ-साथ के गुज़रे शुरूआती दिनों में अच्छे पल भी आए लेकिन जैसे-जैसे बरस बीतते गए हम दोनों संबंधों में दरार पड़नी शुरू हो गई जो एक - दूसरे की उपेक्षा की प्रक्रिया की उपज थी। उसे प्रकृति और सैर-सपाटों में मजा आता था, लेकिन मुझे चमचमाते रेस्तरां और उच्च वर्ग के फैशन शो में मजा आया करता था। उसको एक से बढ़कर एक पुस्तकें रखने और आंगन में काठ या लकड़ी पर नक्कासी करने का शौक था और मेरी दिलचस्पी थी एक से बढ़कर एक कीमती शराब और फाइन आर्ट में। लेकिन आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि हम दोनों के बीच का अलगाव, जिसके कारण हमारा विवाह आदर्श विवाह कहलाने लायक भी नहीं बचा था, उपर्युक्त कारणों से नहीं था। वास्तविक कारण था कि मैं अपने घर पर पति के साथ के लिए कभी होती ही नहीं थी।

जब मैं ड्राइव-वे में रात्रि के पहर में प्रवेश कर रही होती तब तक तो जॉन सो चुका होता था। और जब तक वह

सोकर उठ रहा होगा तब तक तो मेरी मर्सिडीज ऑफिस के लिए कूच कर गई होती थी। एक ही घर की एक ही छत के नीचे हम दोनों सोते जरूर थे लेकिन फिर भी यह कहना अधिक उपयुक्त होगा कि हम दोनों अलग-अलग जिंदगी जी रहे थे। लेकिन एक मनुष्य के रूप में जो बात मुझे अंदर ही अंदर खोखला और दुःखी महसूस करा रही थी वह जॉन के साथ मेरे संबंधों से भी आगे दूर बहुत दूर की बात थी। हमारे दो छोटे-और बहुत ही प्यारे बच्चे थे, जो मुझे पता है कि हम दोनों की शास्वत अनुपस्थिति के कारण कहीं के भी नहीं रह गए थे। वे मुझसे कभी नहीं पूछते कि मैं ऑफिस में सारा दिन क्या करती रही लेकिन उनकी आँखें उनके दर्द की पूरी दासतां बयान करती थीं, और बयान करती थीं कि उन्हें उस औरत, जिसे वे माँ कहते थे, के साथ कितने करीबी छणों की आवश्यकता थी।

पोर्टर, हमारा बेटा, छह वर्ष का हो रहा था और सरिता, हमारी बेटी, तीन वर्ष की हो गई थी। मैं जानती थी कि दोनों बच्चों के चरित्र को सही रूप देने और उसे विकसित करने के लिए शुरूआत के ये दिन हर तरह से बहुत ही कीमती थे। मैं जानती थी, मेरे बच्चों की यह वह अवस्था थी जब उन्हें ऐसे महान, प्यार देनेवाले रोल मॉडलों की आवश्यकता थी जो उनमें रह रही बाल आत्माओं पर अपना प्यार लुटाते और उनमें बुद्धिमत्ता का विकास करते। मैं जानती थी, मैं जितने समय के लिए अपने बच्चों से दूर रहती उसके लिए मुझे कई घंटे पछतावे में बिताने होते थे, लेकिन कुछ ऐसे कारणों से जो समझ के बाहर हैं, मैं मेरी हाइपर कॉम्पलेक्स प्रोफेशनल जिंदगी का अंतहीन हिस्सा बन चुके अपने ऑफिस से और उसके साथ जुड़ी जिम्मेदारियों से खुद को छुड़ा नहीं पा रही थी।

“जिंदगी अवसरों के झरोखों की शृंखला”, जो पूरी तरह गुंथे जाने पर पूर्णता को प्राप्त होती है, मेरे बुद्धिमान पिताजी कहा करते थे। मेरे पास इतनी सामान्य समझ और दिमाग था जो मैं अच्छी तरह समझती थी कि पोर्टर और सरिता अभी मासूम थे और मेरी सर्वाधिक जरूरत उन्हें अभी थी। यदि एक बार यह अवसर हाथ से गया तो मैं अपने बच्चों में मूल्य प्रतिष्ठित करने, उन्हें अच्छे गुणों से संपन्न करने और बड़े होने पर उन्हें वैभवशाली जीवन व्यतीत करने के लिए उनमें दृष्टी पैदा करने का मौका हमेशा के लिए गंवा दूंगी। और मैं जानती थी, मैं अपने आपको कभी माफ़ न कर सकी क्योंकि जब मेरे बच्चों को मेरी सबसे अधिक जरूरत थी तब मैं उनके पास न रह सकी। मेरा अनुमान है कि मुझमें इतना साहस ही नहीं था कि मैं अपनी अव्यवस्थित जिंदगी को छोड़ पाती और अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं पर सच में ही ध्यान दे पाती और न ही मुझमें इतनी बुद्धिमानी थी कि मैं अपनी प्राथमिकताओं को अपनी दिनचर्या में ही स्थान दे पाती। भले ही मैंने कितनी भी कोशिशें कर ली हों लेकिन मैं अपने आपको जीवन में तीव्र गति से बढ़ने से रोकने में नाकामयाब रही और अपने जीवन में संतुलन नहीं बना पाई। मैंने सच में ही महसूस किया कि मैं भागमभागवाली जिंदगी और मेरी कार्य-सूची की सीमा से बाहर जा रही मदों से मिलनेवाली संतुष्टि के बिना जी ही नहीं सकती। मैं सबके सामने इस सच्चाई को स्वीकार करती हूँ कि मेरा परिवार जिस बात के लिए वास्तव में गिना जाता था, तथ्य उसके सर्वथा विपरीत थे। सभी सबूतों से यही पता चलता है कि मेरा कैरियर और धनाढ्य बनने की मेरी इच्छा सर्वोपरि थी, जॉन और बच्चे तो बहुत बाद में आते थे।

मेरे जीवन का सबसे बड़ा निकृष्टतम अनुभव

यदि मुझे अपना जीवन फिर से प्रारंभ करना पड़े तो मैं और अधिक निश्चितता से रहूंगी, मैं जितना शांत इस ट्रिप पर रही हूँ, इससे कहीं अधिक शांत मैं तब रहूंगी। मैं बहुत सारे पहाड़ों की सैर करूंगी, बहुत सारी नदियों में तैरूंगी और बहुत सारे सूर्यास्त होते हुए देखूंगी। मुझे पहले से कहीं ज्यादा तकलीफें होंगी, लेकिन वे बनावटी कम और वास्तविक अधिक होंगी। अरे मैंने अपने सर्वोत्तम छणों को पा लिया, और यदि मुझे फिर से इस जीवन की शुरुआत करनी पड़े तो मैं और अधिक इन छणों को जिऊंगी। वास्तव में मैं कुछ भी पाने की कोशिश नहीं करूंगी, सिवाय उन छणों के जो एक के बाद एक जीवन में आते चले गए।

– नडाइन स्टेअर, आयु ८९

अधिकांश लोग वास्तव में ही पता नहीं लगा पाते कि जिंदगी क्या चीज है जब तक उनकी मृत्यु उनके दरवाजे पर दस्तक देने नहीं आ जाती। जब उन्हें अपनी नश्वरता का पता चलता है, तब वे जिंदगी के अर्थ की गहराई में उतर पाते हैं और उन्हें पता चलता है कि उन्होंने कितना कुछ अब तक गवां दिया है। जिंदगी इस तरह से बहुत क्रूर हो सकती है। इसके उपहार अधिकांशतया सामने नहीं आ पाते जब तक अंत समय न आ जाए। जब हम अपनी युवावस्था में होते हैं और हमारे सामने जीने के लिए पूरी जिंदगी पड़ी होती है, हम अपने जीने को बाद में देखेंगे कहकर टालने में लग जाते हैं। अगले वर्ष मैं प्रकृति में अपना अधिक समय बिताऊंगा या खूब हसूंगा या खूब प्यार करूंगा। अगले वर्ष मैं अपने बच्चों के साथ अधिक समय गुज़ारूंगा और साहित्य की उत्कृष्ट रचनाएं पढ़ूंगा। अगले वर्ष मैं अधिक से अधिक सूर्यास्त देखूंगा और अच्छे मित्र बनाऊंगा। लेकिन फिलहाल तो मुझे बहुत सारे काम करने हैं और पता नहीं कितने लोगों से मुलाकातें करनी हैं। ये सब आज जिस युग में हम जी रहे हैं उस युग के मानक टाल-मटोल बहाने हैं। बहुत अच्छे लेकिन मैं जो जानती हूँ वह यह है कि यदि आप जीवन में सक्रिय नहीं होते तो जीवन में एक विशेष आदत है वह आप पर हावी हो जाता है। और दिन बढ़कर सप्ताह बन जाते हैं, सप्ताह बढ़कर महीने बन जाते हैं और महीने बढ़कर वर्ष बन जाते हैं और फिर एक दिन आपको पता भी नहीं होगा और जीवन का अंत ही आ जाएगा। बुद्धिमत्ता की बात सपष्ट रूप से यही है कि अपनी जिंदगी को डिफाल्ट में रखकर न जिएं बल्कि अपनी जिंदगी को अपनी मर्जी की डिजाइन से जिएं। जिंदगी फिर से शुरू करें और ठोस वास्तविकता को मूर्त रूप देने का काम करना प्रारंभ करें जो आपका मन जानता है, जो आपका निमित्त है। आजसे आप अपनी जिंदगी ऐसे जीना प्रारंभ करें जो आप मृत्यु शैया पर होने के समय जीने की सोचते। अथवा अगर हम से मुहावरे में कहना चाहें तो मार्क ट्वेन के शब्दों में- “अपना जीवन आप ऐसे जिएं कि आपकी मृत्यु पर महाब्राह्मण (मृत्यु संस्कार करनेवाला) भी आंसू बहाए।”

यह जगत, जिसमें हम सभी रहते हैं, बिल्कुल ही अलबेला है। हम मिसाइल का प्रक्षेपण इतनी शुद्धता से कर सकते हैं कि वह विश्व के किसी भी कोने में अचूक निशाने पर मार कर सकती है, लेकिन हमारे पांव अपने नए पड़ोसी से मिलने के लिए गली में नहीं निकल पाते। हमें अपना अधिकांश समय टेलीविजन देखने में गवां माना जाता है, लेकिन अपने बच्चों के साथ बैठकर बातें करना और उनसे जुड़ना मंजूर नहीं। हम यह जरूर कहते हैं कि हमें संसार को बदलने की जरूरत है, लेकिन हम खुद को बदलने को तैयार नहीं होते। और जब हमारे जीवन का सूर्यास्त होता है और हम जब अपने बीते हुए दिनों की समीक्षा करने लगते हैं, हम खुशियों की एक झलक देख पाते हैं जो हमारे अनुभव का हिस्सा हो सकता था, हम पाते हैं कि हममें दयालुता भी हो सकती थी या हम भी एक अच्छा इंसान हो सकते थे। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। जब तक हममें से अधिकांश को होश आता है, तब तक तो चिरंशांति में विलीन हो जाने की बारी आ जाती है। मेरी तकदीर अच्छी थी जो मैं जल्द ही इस बात को समझ गई थी।

मैं [ब्रेवलाइफ.कॉम](#) की सफलता पर एक हाइ-टेक कानफ्रेंस में बोलने के लिए सैन फ्रांसिस्को के रास्ते में थी। एक बहुत बड़े बर्फ़ीले तूफान के कारण, जिसने शहर के अधिकांश हिस्से को और ट्रैफिक को जड़ कर दिया था,

मेरी फ्लाइट लगभग छूट ही गई थी। किसी तरह हम हवाई जहाज में बैठे। हवाई जहाज में मैं और मेरे दो बिजनेस पार्टनर फर्स्ट-क्लास की सीटों पर बैठे हाथ में बहुत ही अच्छी असाधारण रूप से बढ़िया शराब के ग्लास थामे प्रेजेंटेशन कैसे प्रस्तुत किया जाए इस पर चर्चा करने में मशगूल हो गए। लगभग तीस मिनट चर्चा करने के बाद, चूंकि सारा दिन ऑफिस में खटते-खटते मैं बेहाल हो चुकी थी, मैंने अपने आप को चर्चा से अलग कर लिया और सोने का उपाय करने लगी।

अचानक पब्लिक एड्रेस सिस्टम पर कैपटेन की आवाज़ सुनकर मैं जाग गई। “साथियो, हम सचमुच ही बहुत बुरे मौसम से होकर गुज़र रहे हैं। और ऐसा लगता है कि मौसम अभी और भी खराब होगा। कृपया अच्छी तरह देख लें कि आप सबने अपनी कमर पर सीट बेल्ट मज़बूती से बांध रखी है और ट्रे टेबल को खड़ी स्थिति में कर रखा है”, कैपटेन की चिर-परिचित घोषणा कह रही थी। यद्यपि कैपटेन ने सबको शांत रहने की अपनी घोषणा में पूरी सावधानी बरती थी, तथापि कैपटेन की आवाज़ उसे दगा दे गई, और मुझे ऐसा लगा कि कैपटेन जितना बता रहा है उससे कहीं भयानक स्थिति से उसे जूझना पड़ रहा होगा। जैसे ही कैपटेन की आगे की घोषणा मैंने सुनी मेरा कलेजा मुँह को आने लगा। “प्रतीत होता है कि इस प्रतिकूल मौसम ने हवाई जहाज पर सवार हम सब के लिए सच में ही बड़ी चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। पुनः, आप सभी अपनी-अपनी सीट बेल्ट बांध रखें और मैं आप सबको इस तूफान, जिससे होकर हम गुज़र रहे हैं, के बारे में अद्यतन स्थिति बताता रहूँगा”।

अगली बात जो मुझे पता थी वह यह थी कि केबिन लाइटें बुझ गई और इमरजेंसी लाइटें (आपात स्थिति होने पर) जल उठीं। हवाई जहाज भयंकर झकोले ले रहा था और प्लेटें फ्लोर पर गिरी पड़ रही थीं। यह वायुमंडलीय विक्षोभ जो प्रारंभ में सहनीय था, इस कदर भयानक हो चला था कि अब और सहा नहीं जा रहा था और उसके कारण मेरे पेट में मरोड़ें उठने लगीं। मैंने अपने पार्टनर जैक के चेहरे की ओर देखा - वह बिल्कुल युवा वारेन बीट्टी जैसा लगा और घर पर उसके भी दो बच्चे थे, बिल्कुल मेरी तरह। आमतौर पर गंभीर से गंभीर स्थितियों में भी शांत रहनेवाला वह व्यक्ति इस घटना से बुरी तरह डरा हुआ दिखाई देता था और लंबी-लंबी सांसें लेता हुआ दिख रहा था। उसने कांपते हुए हाथों से मेरे हाथ को पकड़ा और मुश्किल से आठ शब्द ही निकाल पाया जिसे मैं कभी भुला नहीं सकती: “कैथरीन मुझे लगता है हम सब क्रैश होने जा रहे हैं”।

मेरे लिए आपको बता पाना मुश्किल है कि अगले कुछ मिनटों में मैंने कैसा महसूस किया होगा। मैं जानती हूँ, जैक ठीक कह रहा था लेकिन आश्चर्य है कि मैं शांत थी और हालातों को स्वीकार कर चुकी थी। उसके हाथों को जोर से जकड़े हुए मैंने अपनी आंखें बंद कर लीं। और मैं अपने बच्चों के बारे में सोचने लगी। मेरा दिल बैठ गया जब मेरे मस्तिष्क पटल पर पोर्टर का मुस्कराता चेहरा नाच गया। मुझे उसके पहले शब्द और इस प्यारे बच्चे के पहली बार उठते हुए पग याद आ रहे थे। मैं उसे ट्री हाउस में हंसता हुआ देख रही थी जो जॉन ने उसके लिए घर के आंगन में बनाया था। वह वहाँ पर पी नट बटर में लिपटी हुई गाजर चबा रहा था जो उसका नाश्ता था और उसका मानना था कि वह जब बड़ा होगा तब वह इस नाश्ते को खा-खाकर सुपर हीरो बन जाएगा। मैंने खिलखिलाती सरिता को देखा जो पलंग पर कूद रही थी और अपने सुर में पूरी ताकत से राइम्स गा रही थी। और फिर देखा मैंने जॉन को जो बार-बी-क्यू, जिसे वह मजाक में कहा करता था कि मुझसे भी ज्यादा चाहता था, के बगल में ही बैक पोर्च में आइस कोल्ड कोरोना जिस पर लाइम की एक परत पड़ी थी हाथ में लिए आराम कर रहा था। लगभग स्लो मोशन में वह मुझे दिखा। इसके बाद मैंने देखा हम चारों, पूरा परिवार एक साथ छुट्टियाँ मनाने सिर्फ एक बार ही निकल पाए थे, कनाडा गए हुए हैं और पहाड़ियों पर चढ़ाई कर रहे थे। यहाँ सबसे अधिक रुचिकर बात यह थी कि हवाई जहाज क्रैश होने के पहले के उन अंतिम छणों में हजारों और लाखों ख्याल मन में आए होंगे लेकिन उनमें से एक भी ख्याल मेरे अपने बारे में अथवा मेरे बिजनेस के बारे में न था। मेरा अनुमान है कि जो हमारे बुद्धिमान पूर्वज सदियों से कहते आ रहे हैं कि अपने जीवन के अंत में तुम पाओगे कि जिन चीजों को तुमने बहुत बड़ा मान रखा था, वे, वास्तव में बहुत ही मामूली और छोटी थीं और जिन चीजों को तुमने मामूली और तुच्छ समझा था वे वास्तव में ही बड़ी और महत्वपूर्ण थीं।

जीवन के उन पलों में सामने खड़ी मृत्यु को देखकर मैं उस धन-दौलत के बारे में नहीं सोच रही थी जिसका अर्जन मैंने किया था अथवा उस कार के बारे में भी मैं नहीं सोच रही थी जिसे मैं चलाया करती थी अथवा अपने बिजनेस कार्ड पर लिखे गए टायटल को भी नहीं सोच रही थी। मेरे ख्यालों में कंपनी ने जो लाभार्जन किया है अथवा जिन मैगजीन्स के आवरण पृष्ठ पर मेरी तस्वीरें हुआ करती थीं, उसका भी ख्याल नहीं आया। जितने भी

खयाल मेरे मन में उस समय आ रहे थे वे सब मेरे परिवार से जुड़े खयाल थे । मैं कितना उन सबको प्यार करती थी, वे लोग मुझे किस तरह याद आएंगे और कितनी शिद्दत से मुझे इस बात का पछतावा हो रहा था कि मैं उनके लिए समय नहीं निकाल पायी । मेरे पिताजी कहा करते थे, शरीर भले ही शमशान भूमि में जलकर राख हो जाता है लेकिन शरीर के साथ इस जगत की कोई भी चीज साथ नहीं जाती । उनका इशारा निःसंदेह इसी ओर था कि आप अपने जीवनकाल में कितना कुछ कमाते हैं यह कोई मायने नहीं रखता क्योंकि उसे आप अपने साथ नहीं ले जा सकते । हम अपने साथ केवल यादें ही ले जा सकते हैं, कर्मों की यादें जो वास्तव में साथ जाती हैं । मैं अपनी नश्वरता को आंख के सामने प्रत्यक्ष देख रही थी और अंततः मुझे यह ज्ञान हुआ: मेरे परिवार से बढ़कर मेरे लिए दूसरा कोई न था।

जीवन का उपहार

अच्छे कार्य करने में विश्वास करना ही हीरो को जन्म देता है ।
बेंजामिन डिसरेली

अगली बात जो मुझे याद आती है, वह थी मैं जब जागी तब मुझे तमाम पारामेडिक्स के शोर-शराबेवाली टीम द्वारा किसी इमरजेंसी रूम में ले जाया जा रहा था । मैं अगले कुछ छणों तक होश में आकर फिर बेहोश होती रही और मैंने किसी को यह कहते हुए सुना : “हम इसे बचा नहीं पाएंगे । इसके सभी वाइटल साइन्स (जीवन के मुख्य लक्षण) लुप्तप्राय हैं । इस महिला को तत्काल आपरेशन टेबल पर लिटाओ!”

“माय गॉड”, मैंने सोचा, “मैं प्लेन क्रैश में ज़िंदा बच गई” । मेरे कपड़े खून से सने हुए थे और मेरी बाँह और पैरों पर जगह-जगह घाव ही घाव दिख रहे थे । मुझे ठंड लग रही थी और मैं कुछ भी बोलने-समझने की स्थिति में नहीं थी । मुझे प्यास लग रही थी । मैंने अपने जीवन में कभी इतनी प्यास नहीं महसूस की होगी । तभी मुझे यह भान हुआ कि मैं संभवतः आपरेशन टेबल पर ही न मर जाऊं !

मुझे नहीं पता था कि मैं किस शहर में हूँ । मुझे नहीं पता कि मेरे परिवारवालों को इस दुर्घटना की जानकारी हुई या नहीं । मुझे यह भी नहीं पता कि मेरे दोनों पार्टनर ज़िंदा थे या नहीं । लेकिन जल्द ही मेरा भय शांत हो गया और पता नहीं किन कारणों से मुझे ऐसा लगा कि मैं जीवित रहूँगी । मैंने तब जाना कि हमारी असफलताएं अनिवार्य रूप से अपने साथ खुशियां भी लाती हैं और अपने साथ वे सबक भी सिखाती हैं जिनकी हमें जीवन के अगले उच्च स्तर तक पहुँच पाने में जरूरत होती है । अंग्रेजी के महान कवि हेनरी वैड्सवर्थ लौंगफेलो इस बात को बहुत अच्छी तरह इन शब्दों में कहते हैं, “मेरे लिए अच्छा हुआ कि कुछ तो ताप से झूलस गया और कुछ जीवन रूपी बरसात में बह गया ।” मैं जानती हूँ, यदि मैं इस दुःखद घटना में बच गई हूँ तो इसके पीछे कोई न कोई कारण जरूर होगा । मैं बस उसी एक कारण को ढूँढ नहीं पा रही हूँ । और मुझे यह भी नहीं पता कि मेरा सबक क्या होगा ।

ऑपरटिंग टेबल पर लगभग १२ घंटे बिताने के बाद मुझे क्रिटिकल केअर वार्ड में ले जाया गया, जहाँ मुझे रिकवरी (स्वास्थ्यलाभ) की थकाऊ प्रक्रिया से होकर गुजरना था । अगली सुबह मेरी नींद मेरे कानों में पड़े मीठे बोलों, जो मैंने शायद ही कभी सुने हों, से खुली-ये आवाज़ें थीं पोर्टर और सरिता की । मम्मी, उठो । मम्मी, उठो ! हम तुम्हें प्यार करते हैं । दोनों बच्चों ने मंत्र की तरह उच्चार किया । जब मैं मुश्किल से आंखें खोल पायी तो सामने मैंने पोर्टर को पाया जो अपनी पसंदीदा क्यूरियस जॉर्ज टी-शर्ट में था और सरिता को भी देखा जो बहुत ही प्यारे लाल रंग के ड्रेस में थी जिसे वह अधिकतर पहनने की जिद किया करती थी । उनके साथ जॉन खड़ा था, गाल पर आंसू ढलक रहे थे, एक शब्द भी उसके मुँह से नहीं फूट पा रहा था । सबने मुझे आलिंगन में लिया । और इसके बाद हम सब रोने लगे ।

मैंने महीनों उसी अस्पताल के बिस्तर पर बिताए । दुःखद बात यह है कि प्लेन क्रैश में कई लोगों की जानें गई जिनमें जैक और रॉस, मेरे बिजनेस पार्टनर, भी सम्मिलित थे । यह इतना बड़ा धक्का था कि जिसने मुझे तोड़ कर रख दिया । हम तीनों ने मिलकर पिछले कई वर्षों के दौरान बहुत सारे अनुभव प्राप्त किए थे, और उनके बिना कंपनी चलाने में मेरी कोई रुचि नहीं थी । वे दोनों [ब्रेवलाइफ.कॉम](#) के सह संस्थापक मात्र ही नहीं थे; जैक और रॉस मेरे सबसे अच्छे दोस्त भी थे । दुर्घटना का अंतिम कारण, एफएए के अनुसार, पायलट एरर (पायलट का दोष) निर्णीत हुआ था और इसी बीच एक वकील ने उनके दावों के लिए काम करना शुरू किया, जबकि मैंने इस घटना को अपने पीछे ही छोड़ देने का मन बना लिया और मुझे अपने पैरों पर खड़े होने और अपने परिवार में लौटने के लिए जो करना आवश्यक था वह करने की मैंने ठान ली । भले ही जॉन और मेरे बच्चे प्रतिदिन मुझसे मिलने आते थे, मैं अपना अधिकांश समय पुनर्वसन, घाव भरने के प्रयत्नों को तेज करना, में व्यतीत करती थी । अस्पताल में डॉक्टर और नर्स तो ऊपर से भेजे गए देवदूत ही लगते थे जो मेरा पूरा ध्यान रखते थे तथा भरपूर करुणा और अनुकंपा मुझ पर लुटाते थे । जैसे-जैसे दिन बीतते गए, मैं स्वास्थ्यलाभ कर अपनी शक्ति वापस पाती गई और मेरा भविष्य मुझे सुनहरा दिखने लगा । लेकिन तभी एक दिन मेरे साथ कुछ ऐसा घटा जो बिल्कुल ही विस्मयकारी था ।

मरीजों से मिलने का समय अभी-अभी समाप्त हो चुका था और जॉन बच्चों को अपने साथ लेकर घर जा चुके थे । मैंने अभी तुरंत ही एक बहुत ही अच्छी किताब हाथ में लेकर पढ़ना शुरू की थी, नाम था-होप फॉर द फ्लॉवर्स,

लेखक-त्रिना पॉउलस, जो मुझे सिर्फ प्रेरणादायी ही नहीं अपितु मन की गहराई में जाकर ज्ञान की ज्योति जगानेवाली लगी। मैं अपने बिस्तर के साथवाली टेबल पर चाय लेने जा रही थी, तभी मैंने किसी को इलेक्ट्रिक व्हील चेयर में दरवाजे से घुसकर अपने कमरे की ओर बहुत तेज गति से आते देखा।

मेरी आंखें यह देखकर फटी की फटी रह गईं कि अस्पताल में इतने विलंब से कोई इतनी तीव्र गति से भी घूम सकता है, लेकिन मैंने अपने आपको उस ओर से हटा कर किताब में खो जाने का मन बना लिया। मैंने इस खास आदत को त्याग दिया था, विशेषकर तब जब कार्य की आवश्यकताएं पूरी ही न हो पा रही हों। लेकिन प्लेन क्रैश के बाद से ही मैंने मन ही मन इरादा कर लिया था कि मैं उन बातों का पूरा ध्यान रखूंगी जो वास्तव में ही मायने रखते हैं। प्रतिदिन बुद्धिमत्ता साहित्य से कुछ पढ़ना उन बातों में से एक था। क्रैश के कारण मुझे एक तरह से नया जन्म मिला था। यह नींद उड़ानेवाली घंटी की तरह था जिसकी मुझे आवश्यकता थी ताकि मैं अपनी प्राथमिकताओं की नए सिरे से जाँच कर सकूँ और अपने जीवन की आवश्यक साफ-सफाई कर सकूँ। अपने अस्पताल के कमरे के एकांत में मैंने कुछ सोच-विचार किया और कई वर्षों में पहली बार माता-पिता, पार्टनर और मनुष्य के रूप में मैंने अपनी भूमिका किस तरह निभायी, इस पर विचार किया। मैंने महसूस किया कि इस बार मुझे यह नई जिंदगी मिली है। मैं अब अधिक बुद्धिमत्ता, शालीनता और साधुशीलता से रहूँगी। मैंने तय कर लिया कि मैं अब उत्कृष्ट जीवन के मूल में जाऊँगी और अपने जीवन को बिल्कुल सादगी से जिऊँगी।

“सर्वोत्तम बातें सबसे करीब हैं-जैसे आपके नासिका छिद्र में श्वास का होना, आपकी आँखों में ज्योति का होना, आपके कदमों पर पुष्पों का होना, आपके हाथ में कर्तव्यों का होना, आपके ठीक सामने सही मार्ग का होना। तारों को मुट्ठी में मत करें, बल्कि जीवन में आनेवाले आसान सादे कार्य करें जो अक्सर ही रहते हैं, मानी हुई बात है कि प्रतिदिन के आपके कर्तव्य और प्रतिदिन की कमाई से मिली रोटी में जो मिठास है वह जीवन में और कहीं भी नहीं”, लिखा है रोबर्ट लुइस स्टीवंशन ने।

अभी जैसे ही मैंने अपनी किताब के पन्ने उलटने शुरू ही किए थे, फिर से वही बात दुहराई गई। व्हील चेयर में बैठी आकृति दूसरी बार मेरे कमरे के आगे से होकर दौड़ गई-परंतु इस बार वह पहले से भी अधिक गति से भाग रही थी। इससे भी अधिक आश्चर्यवाली बात यह थी कि वह व्यक्ति इस बार अपने सुरों में जोर-जोर से गीत गाता हुआ जा रहा था। मैंने गीत को सुना और पहचान गई-मैंने कई वर्षों बाद इसे आज सुना था। मेरे मातापिता इस गीत को गाकर मुझे सुनाया करते थे जब मैं बहुत छोटी थी। मुझे आश्चर्य हो रहा था कि वह अनजान विजिटर इस गीत के बोल कैसे जानता था। मुझे पता लगाना ही होगा कि कौन है वह व्यक्ति। लेकिन क्या ऐसा करना सुरक्षित होगा? क्या होगा यदि वह व्यक्ति कोई विक्षिप्त हो जो आस-पास की गलियों से चला आया हो? इसके बावजूद मेरी जिज्ञासा बढ़ती ही गई और मैं अपने बिस्तर से निकल कर बाहर आ गई। अपने विश्वसनीय वाकर को हाथों में जकड़ लिया।

मैं आहिस्ता-आहिस्ता हालवे की ओर जा रही थी इस उम्मीद में कि शायद पता चले कि वह सनकी कौन है। लेकिन मुझे कोई भी नहीं दिखा। हालवे बिल्कुल ही नीरव और शांत था, मात्र दो नर्सें वहाँ थीं जो अपने कार्यस्थल पर अपनी ड्यूटी कर रही थीं। “ओह, हेलो”, मैंने कॉरीडोर से गुजरते हुए गर्मजोशी से कहा।

“हाय कैथरीन”, उन्होंने जवाब में कहा। “सब कुछ ठीक तो है?”

“हाँ”, मैंने जवाब दिया। “मैं हैरान हूँ कि कौन था वह जो कुछ ही मिनट पहले हालवे से होकर गुजर रहा था। वह बहुत तेज गति से मेरा ध्यान आकृष्ट करते हुए गुज़रा। वह किसी को चोट भी पहुँचा सकता था, पता है आपको। और वह गीत क्यों गा रहा था? यदि आपलोग उसे दुबारा देखें तो मेहरबानी करके उसे धीमी रफ्तार में चलने के लिए कहें। जब आप उसे मिलें, उसे गाना गाने का पाठ सीखने के लिए भी कहें,” मैंने मुस्कुराते हुए कहा।

“लेकिन हमने तो किसी को नहीं देखा, नर्सों ने एक साथ कहा”।

“क्या, आप लोगों ने नहीं देखा”, मैंने झुंझलाते हुए पूछा।

“नहीं हमने नहीं देखा, सॉरी कैथरीन, शायद तुमने कोई बुरा सपना देखा होगा”।

“नहीं, मैंने कोई सपना नहीं देखा। मैंने उस अजनबी से दिखनेवाले व्यक्ति को उन इलेक्ट्रिक व्हील चेयरों में से एक पर इस हालवे की ओर बड़ी तीव्र गति से आते हुए देखा। और वह बच्चोंवाला वह गीत भी गा रहा था जिसे मैं अपने बचपन में सुना करती थी। मैंने यह गीत कई वर्षों से नहीं सुना।

मैं कैसी बेवकूफी भरी बातें कर रही थी, मुझे एहसास होने लगा था। नर्सें हंसने लगीं।

“तुम हमें बना रही हो न?”

“नहीं, मैं सच कह रही हूँ। यदि वह तुम्हें दुबारा नज़र आए तो उससे बात करना”, मैंने कड़ाई से कहा, “उसे अधिक जिम्मेदारी से रहेना चाहिए”।

“ओके. कैथरीन, हम ध्यान रखेंगे”, एक नर्स ने जवाब दिया, जो अभी भी दबी-दबी हंसी हंस रही थी।

जैसे ही मैं अपने कमरे में जा रही थी, फर्श पर पड़ी एक वस्तु की ओर मेरा ध्यान गया। यह वस्तु चमकदार और धातु निर्मित थी। मैंने इसे हाथ में लिया और जब रोशनी में पलटकर देखा तो मैं अपनी आँखों पर यकीन नहीं कर पायी। यह तो गोल्ड बटरफ्लाई थी। मुझे काटो तो खून नहीं। मेरे पिता ने मुझे और मेरे भाई जुलियन को ऐसी ही गोल्डन बटरफ्लाई दी थी ताकि यह हमें याद दिलाती कि हम दोनों को बड़े होकर स्वतंत्र विचारक बनना है और अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना है। उनके विचारों में बटरफ्लाई या तितली स्वतंत्रता, आत्मावलंबन और सुंदरता का प्रतीक थी-उनका मानना था कि ये सभी गुण हम दोनों अपने अंदर भी विकसित होने देंगे। उन्होंने गोल्डन बटरफ्लाईयां हम दोनों को उस दिन भेंट की जिस दिन वे फेडरल कोर्ट के न्यायाधीश बने थे। मुझे याद है कि उस दिन अपने पिता के ऊपर मैं कितना गर्व कर पाई थी। उन्होंने उस मुकाम तक पहुँचने के लिए अथक परिश्रम किया था और सफलता के प्रत्येक छण में उनकी मेहनत छिपी थी। पिताजी इतने अच्छे व्यक्ति थे: कुलीन, प्यार करनेवाले और अपनी गलती को स्वीकार करनेवाले।

मैंने अपनी बटरफ्लाई घर पर रख दी थी और उसे मैंने अपनी सबसे मूल्यवान वस्तुओं में सहेज कर रख लिया था, विशेषरूप से पिताजी की मृत्यु के बाद। मुझे नहीं मालूम कि मेरे भाई जुलियन ने अपनी बटरफ्लाई का क्या किया, जुलियन को जहाँ तक मैं जानती हूँ, उसने उसे बेच ही दिया होगा। मैं आपको बता दूँ, मेरा भाई दुनिया से अलग ही चरित्र का था। आप अपने जीवन में मेरे भाई जैसे चरित्र से मिल ही नहीं पाएंगे। मुझे ठीक से नहीं पता कि मैं कैसे उसके चरित्र को आपसे बयां कर पाऊँगी। हाँ, वह बहुत ही बुद्धिमान और तेज दिमागवाला तथा किसी की न सुननेवाला और अपने ही ढंग से जीनेवाला इंसान था।

बड़ा होते हुए वह हमेशा ही स्मार्ट-और अपनी क्लास में आत्मविश्वास से लबालब रहनेवाला रहा। उसकी सुंदरता चलचित्र के किसी स्टार से कम न थी जिसके कारण सहज ही क्लास की सर्वाधिक सुंदर लड़की उसकी ओर खिंची चली आती थी। उसके मस्तिष्क की बात करें तो उसने प्रत्येक वह सम्मान हासिल किया जो स्कूल द्वारा दिया जाता था। विश्वविद्यालय में वह एक ईलीट एथलीट, वाद-विवाद में बाजी मारनेवाला, फर्स्ट क्लास विद्यार्थी और प्लैनेटक्लास प्लेब्वाय था। उसमें ये सभी मानव गुण सहजता से भरे हुए थे। ये सब उसके पास उसकी अपनी बुद्धिमत्ता और अपने आकर्षण से भी कहीं अधिक थे। उसमें यह विलक्षण ऊर्जा और स्वयं अपना तेज इस तरह का था कि वह किसी की आंख से बच कर रह ही नहीं सकता था। और सोने पर सुहागा यह कि जुलियन एक बहुत ही अच्छे दिल का मालिक भी था। मैं सच में ही उसे बहुत प्यार करती थी और उसे मैं अपना हीरो मानती थी। साथ-साथ बड़े होने के दौरान हमने बहुत मजे किए, गर्मियों के दिन हम अपने लेकसाइड कॉटेज में बिताते थे और जाड़े के दिनों में हम अपने स्की हिल में होते थे। हम दोनों का अधिकांश समय हंसने और एक-दूसरे के साथ व्यावहारिक जोक करने में निकला करता था। सपाट शब्दों में कहें तो जुलियन अपनी तरह का अनोखा इंसान था। और वह मुझे बहुत याद आया करता है।

उम्मीद के मुताबिक उसने हार्वर्ड लॉ स्कूल से प्रथम श्रेणी में स्नातक किया। देश की सर्वोत्तम लॉ फर्मों में उसको अपने पास रखने की होड़ लगी थी। अल्प शब्दों में, यदि कहें तो उसने स्वयं को देश में सर्वोच्च और सर्वोत्तम महंगे विधिवेत्ता के रूप में प्रतिष्ठित कर लिया था और ऐसी-ऐसी सफलताएं अपनी झोली में डाली थीं जो किसी भी मानक पर लाजवाब कही जाएंगी। यहाँ तक कि मेरे पिताजी, जो आसानी से प्रशंसा नहीं करते और जो उत्कृष्टता का सही अर्थ जानते हैं, कई बार कहते थे: “वह लड़का वास्तव में ही अच्छा है। वास्तव में ही अच्छा। मैं अपनी ओर से बाजी लगाता हूँ कि वह एक न एक दिन सर्वोच्च न्यायालय में होगा। मैं तो कहूँगा वह ओल्ड ब्लॉक का एक चिप है।” हंसते हुए वह इतना जोड़ते थे।

जुलियन के सितारे कई वर्षों तक चमकते रहे। पूरे देश के स्मार्टेस्ट और कठोरतम ट्रायल न्यायविदों में जुलियन ने अपनी प्रतिष्ठा बना ली थी। उसकी आय सात अंकों में थी और अपने जीवन में वो सब कुछ उसने हासिल कर लिया था जो जीवन में उसे देने के लिए होता। उसने पास में ही, जहाँ सेलेब्रिटीज और एम्बेसेडर्स रहा करते थे, एक आलीशान मैनशन खरीद लिया था। उसने एक प्राइवेट जेट में निवेश किया जो उसे एक क्लाइंट से दूसरे क्लाइंट के पास रॉयल स्टाइल में ले जाता था और उसका टेलर इटली से फ्लाई करता था जो उसके लिए सूट

सिलकर और ट्रायल के लिए आया करता था। उसने एक प्रावेट आयरलैंड पर एक घर भी खरीदा जिसका नाम था निर्वाण। इस घर को उसने यह सोच कर खरीदा था कि यह जगह उसकी ऊर्जा को पुनः जगाएगी जहाँ वह अपनी भागमभाग भरी जिंदगी से सुकून पा सकेगा। लेकिन जुलियन के पास जितनी भी चीजें थीं उनमें से जितना अधिक लगाव उसे अपनी चमचमाती लाल रंग की फेरारी से था उतना किसी अन्य चीज के साथ नहीं था, जिसे वह हमेशा ही ड्राइव के सेंटर में पार्क किया करता था। यह कार उसकी सबसे बड़ी खुशी थी, उसका नशा था और तेज गति से और ईमानदारी से प्राप्त सफलता की राह में उसने जितने भी कष्ट उठाए थे, यह उसका ईनाम था।

कानून के प्रोफेशन में जुलियन की तेज रफ्तार उन्नति के रास्ते में ही मेरे भाई ने एक बला की खूबसूरत लड़की से शादी कर ली और इस गोल्डन जोड़े को एक बहुत ही सुंदर कन्या हुई जिसका नाम था ऐली। वह अद्भुत और प्यारी सी लड़की थी-जो असाधारण तेज से दमकती, हमेशा हंसती रहनेवाली और निरंतर शरारत करती रहनेवाली लड़की थी। मैंने ऐली जैसी गजब की नूरवाली और प्यारी लड़की आज तक नहीं देखी। कन्या को पाकर जुलियन की दुनिया ही बदल गई। निश्चय ही कानून विद के रूप में वह बहुत ही श्रेष्ठ था, और कोर्ट रूम के भीतर उसके गुणों में उतना ही पैनापन आज भी था। निश्चय ही उसके अंदर प्रतियोगिता की ज्वाला उतनी ही तीव्र थी और उसे आकाश कुसुम हाथ छूने को मजबूर कर रही थी। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते गए उसकी प्राथमिकताएं पहले से अब कहीं हट कर थीं। अब उसने प्रत्येक शुक्रवार को छुट्टी लेना शुरू कर दिया था। छुट्टी लेकर वह अपनी बिटिया के साथ खेला करता था और उसे अपनी पत्नी के साथ कहीं बाहर घुमाने ले जाया करता था। मुझे याद आता है वह अपनी जिंदगी के उन छणों में कितना खुश रहा करता था।

जुलियन तो हमेशा हैंडसम और फिट था लेकिन वास्तव में जब वह अपने परिवार के साथ होता तब उसके चेहरे पर एक अलग ही कांति और दर्प हुआ करता था। उसकी आंखों में लौ हुआ करती थी जब वह ऐली के साथ होता और मुझे पता था कि यह वह मनुष्य है जिसे अंदर की शांति मिल चुकी है जबकि हम सभी इस जटिलतम और अनंत अनिश्चितता के संसार में भटक रहे हैं। जुलियन को प्यार ही प्यार मिला हुआ था और दुनिया की हर खुशी उसके कदमों को चूम रही थी। लेकिन जिंदगी हमें तब पीछे धकेल देती है जब हमें इसके बारे में जरा भी भान नहीं होता या हमने जिंदगी का धक्का खाने लायक कोई काम नहीं किया होता है। आमतौर पर जब हम जीवन में ऊंचाइयों को छू रहे होते हैं तभी हम पर दुखों का पहाड़ टूटने की शुरुआत होती है। ऐसे समय में वह जो हमें प्राणों से भी प्यारा होता है, हमसे छीना जा सकता है और हम जीवन के निविड़तम छणों में सड़ने और जीते जागते नर्क भोगने के लिए अभिशप्त हो जाते हैं। जीवन के ये निविड़तम छण ऐसे होते हैं जिनमें रहकर हम अपने स्व के सच को देख पाते हैं। विकराल दुःख के उन छणों में हमें अपना असली चरित्र सामने नज़र आता है। जीवन में आई परीक्षा की उस घड़ी में हमारा परिचय अपने अंदर की सबसे खड़ी ताकत से होता है। और मैं जिस भाई को दुनिया में सबसे अधिक प्यार करती थी उसीके साथ बहुत जल्द ऐसा कुछ घटित हुआ कि उन छणों में उसने अपने अंदर की जिस शक्ति का परिचय प्राप्त किया उसकी उसने कभी कल्पना भी नहीं की होगी।

शरद ऋतु की धूपभरी दुपहरी का दिन था और जुलियन अपनी बिटिया ऐली को ड्राइव करते हुए उसकी सबसे अच्छी दोस्त की बर्थडे पार्टी में छोड़ने के लिए जा ही रहा था, कि उसे विपरीत लेन में एक कार आती हुई दिखाई दी जो विपरीत लेने छोड़कर उसकी लेन में आने जा रही थी। प्रारंभ में तो उसने इसके बारे में सोचा ही नहीं। जुलियन के यह देखकर होश उड़ गए कि कार न सिर्फ उसकी लेन में आ गई थी बल्कि वह बड़ी तेजी से उसकी कार की ओर दौड़ी आ रही थी जिसमें वह और ऐली दोनों सवार थे। अगले पलों में जो कुछ हुआ, जुलियन की जिंदगी हमेशा के लिए बदल गई। दूसरी कार का ड्राइवर अपने दोस्तों के साथ पूरे दिन पीता रहा था और फिर दूसरे दिन बदहाल हालात में उसने कार संभाली, कार की स्टेयरिंग से उसका नियंत्रण हट गया और उसकी कार सीधे जुलियन की कार में जा घुसी। विश्वास नहीं होता कि जुलियन को इस दुर्घटना में मात्र खरोंचे भर ही आई थीं। लेकिन सबसे बड़ी दुःख वाली बात थी कि छोटी सी प्यारी सी ऐली इतनी भाग्यशाली नहीं थी। कार की टक्कर होते ही उसका सिर कार की विंडशील्ड से जा टकराया था, वह बुरी तरह जख्मी हो गई थी। मेरा भाई उसे अपनी बाँहों में भरकर सड़क के बीचोबीच बैठकर चिकित्सकीय सहायता की गुहारें लगा रहा था। इस बयां न कर सकनेवाली घटना के बाद से जुलियन जुलियन ही न रहा। एक व्यक्ति जो प्रतिदिन अपनी जिंदगी का एक-एक कतरा जीता था आज उसके लिए जिंदगी का एक घंटा भी निकाल पाना कितना कठिन हो रहा था। मेरा दिल यह सब देखकर टूट गया।

अपने दुःखों को बांटने से बचने के छटपटाहट भरे प्रयास में उसने अपने आपको काम में डुबो दिया, जब तक

उसकी आँख खुली रहती वह काम किया करत । कभी-कभी तो पूरा सप्ताह ही काम में निकल जाता और अंत में अपने आलीशान ऑफिस के कूच में ही सो जाया करता और ऐसे किसी शख्स से भी मिलने को मना कर देता था जो उसे यह याद दिलाता कि वह कितनी बढ़िया जिंदगी जीने का शौकीन था । इस अंधकारयुक्त दिव्य उजाले ने जुलियन के कैरिअर को और भी अधिक सफलता दी थी, लेकिन इसके कारण उसके व्यक्तिगत जीवन का क्षरण हो रहा था । कारलोस कॅस्टनेडा ने लिखा है “एक आम आदमी और एक योद्धा के बीच का जो मूल अंतर है वह यह है कि योद्धा किसी बात को चैलेंज या चुनौती के रूप में स्वीकार करता है जबकि आम आदमी किसी भी स्थिति को या तो उपहार मानता है अथवा शाप” । मैं समझती हूँ, जुलियन मानता था कि वह अभिशप्त है ।

उसकी प्यारी पत्नी ने उसे यह कहते हुए छोड़ देने का निर्णय किया कि काम के प्रति उसकी दीवानगी और उसका भावशून्य होना जिंदगी को जिंदगी से छीन चुकी है । उसने मुझे विश्वास में लेकर बताया था कि वह जिस अवस्था में जी रहा है उससे उसे निकालने के लिए उसने अपने वश में जितना कुछ हो सकता था वह सब किया लेकिन कोई परिणाम न निकला । इससे भी घातक बात यह हुई कि उसने अपने शब्दों और क्रिया-कलापों से प्रदर्शित किया कि वह किसी की भी कोई मदद लेने का इच्छुक नहीं है । वह सिर्फ और सिर्फ अकेलापन चाहता था और कहता था आप अपना काम करो और जो भी दया दिखानी हो वह किसी और पर जाकर लुटाओ ।

जुलियन ने बुरी तरह शराब पीनी शुरू कर दी थी । वह नींद कम लेता था और अत्याधिक मात्रा में खाना खाने लग गया था और चर्बी इतनी बढ़ गई थी कि उसके कारण जो उसके अपने करीबी थे वे सब भी उससे दूर भागने लग गए । जो भी थोड़ा सा समय उसके पास होता था वह उसे असंभाव्य दुबली-पतली फैशन मॉडलों के साथ गुज़ारता या घटिया से स्टॉक ब्रोकरों के साथ, जिन्हें वह अपना तोड़ू दस्ता कहा करता था । यद्यपि मैं उन दिनों जुलियन को अधिक नहीं देख पाती थी-उसने यहाँ तक कि मेरे फोन भी उठाने बंद कर दिए-मैं जानती थी कि वह अपने आपको बुरे दिनों में ढकेल रहा है, बहुत ही बुरे दिन ।

एक दिन मैंने उसे हाथ में दो ब्रीफकेस थामे, जो कागजों के भार से फूले हुए थे, माथे से पसीना चुहचुहाते हुए शहर के मुख्य बाजार की ओर भागते हुए देखा । उसका व्यक्तित्व जो उस दिन मैंने देखा, मेरी आंखों में आंसू आ गए । मैं विश्वास न कर सकी कि मेरा भाई ऐसा दिखेगा । यौवन से दमदमाते उसके पहले के चेहरे पर झुर्रियों का लैंडस्केप बन गया था और उसकी आंखों में गहरा दुःख झांकता था । उसका तराशा हुआ व्यक्तित्व जिस पर उसे नाज़ हुआ करता था, भरपूर वजन के भार से दबने लगा था और भद्दा दिख रहा था । उसके होठों पर जो मिलियन डॉलर की मुस्कुराहट हमेशा खेलती रहती थी, वह भी न जाने कहाँ गुम हो गई थी । जुलियन, मेरा वह भाई जिसे मैं अत्यधिक प्यार करती थी और जिसकी मैं मुक्त कंठ से प्रशंसा किया करती थी, को खुद के खोदे गड्ढे में गिरते हुए देखकर मैं बहुत ही दुःखी हुई ।

कुछ महीनों बाद मुझे जुलियन के एक लॉ पार्टनर का फोन आया । मुझे बताया गया कि एक बड़े सिविल मामले की जिरह करने के दौरान जुलियन को कोर्टरूम के बीचोबीच में ही दिल का भारी दौरा पड़ा था । उसको तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया और खुशी इस बात की थी कि वह बच जाएगा, पार्टनर ने मुझे बताया । लेकिन हमेशा की तरह जुलियन किसी भी मुलाकाती को मिलने की इज़ाज़त नहीं देता था । “खासतौर पर परिवारवालों को”, उसके साथी ने अपने शब्दों पर जोर देते हुए कहा ।

“क्या मैं उसे कुछ मिनट भी नहीं देख सकती?” मैंने याचना के स्वर में कहा ।

“मैं तो यही चाहता कैथरीन, लेकिन तुम तो जुलियन को जानती हो । उसने हर किसी को अपने कमरे से बाहर निकाल दिया है और अस्पताल के स्टाफ को दरवाजे हर समय बंद रखने के लिए आदेश दे दिए हैं, यहाँ तक कि उसने एक सीनियर डॉक्टर पर मुकदमा करने की धमकी भी दे डाली है यदि उसके कमरे में स्थापित की गई प्रायवेट टोलफोन लाइन पर किसीने उससे बात की” ।

“जुलियन वही है,” मैंने अपने मन में कहा यहाँ तक कि अपने सर्वाधिक कमज़ोर छणों में भी वह सबसे पहले एक विधिवेत्ता ही था ।

“कुछ इससे भी आगे की बात है कैथरीन, जो तम्हें मालूम होनी चाहिए”, पार्टनर ने अपनी दबी हुई आवाज़ में कहा । “सचमुच मैं यकीन नहीं कर सकता, लेकिन जुलियन ने घोषणा कर दी है कि वह वकालत का धंधा छोड़ देगा । उसने अपना त्यागपत्र दे दिया है और फर्म को छोड़कर जा रहा है” ।

“तुम मज़ाक कर रहे हो, मैंने चकित होकर अपने कानों से जो सुना उस पर यकीन न करते हुए कहा ।” कानून

तो जुलियन की रगों में खून बनकर दौड़ रहा है, ठीक उसी तरह जिस तरह मेरे पिताजी की रगों में वह था। वह जब पाँच वर्ष का था तबसे ही उसने कानूनविद बनने का सपना देखना शुरू कर दिया था”।

“कैथरीन मैं तो तुम्हें सिर्फ वह बता रहा हूँ जो उसने मुझे आज के दिन सबसे पहले बताया”। पार्टनर ने ऐसी टोन में जवाब दिया जो दिखाता था कि वह खुद भी जुलियन के निर्णय से कितना स्तब्ध था।

अपने कहे हुए शब्दों को सच साबित करते हुए जुलियन ने सप्ताह भर के भीतर ही कानून को तिलांजलि दे दी। उससे भी अधिक स्तब्ध करनेवाली बात यह हुई कि उसने कुछ ही महीनों के भीतर ऐशो-आराम की अपनी सारी चीजें, अपना मेशन हवाई जहाज और प्रायवेट आयलैंड भी बेच डाला। यहाँ तक कि उसने अपनी लाल फेरारी, जो उसकी सफलता का सबसे बड़ा प्रतीक थी और जिसका वह कभी मालिक था, भी बेच डाली। मैंने जुलियन के ही किसी अन्य मित्र से जाना कि वह जीवन के गूढ़तम अर्थ की खोज में अपनी मातृभूमि भारत लौट गया था। जुलियन ने अपना कोई पता, कोई फोन नंबर नहीं दिया था जिस पर उससे संपर्क किया जा सकता और न ही ऐसा कोई संकेत दिया था जिससे उसके वापस लौट कर आने की कोई संभावना दिखती।

“तुम्हारा क्या अनुमान है”? मैंने उसके दोस्त से पूछा।

मेरा अनुमान है कि न तुम और न ही मैं दुबारा कभी जुलियन महान के करिश्मे को देख सकेंगे। बुझा हुआ सा जवाब मिला।

वर्षों बीत गए, मुझे जुलियन से कुछ भी सुनने को नहीं मिला, यहाँ तक कि उसका एक पोस्टकार्ड भी नहीं मिला। ऐसा लगता था मानो वह अपनी बहिन के होने के अस्तित्व अथवा अपनी बिटिया की मृत्यु से पूर्व की जिंदगी के होने को ही नकार रहा था। जुलियन के अस्तकाल से सबक सीखने में नाकाम रहकर मैं भी अपने कामों में डूब गई, जबकि मैंने अपना परिवार भी बना लिया था। भले ही मैं समय बीतने के साथ-साथ जुलियन को कमसे कम याद करती थी, मैं अपने शांति के छणों में, अधिकतर तब जब जॉन और बच्चे ऊपरवाले कमरे में सो रहे होते थे, मैं चाहकर भी अपने को यह सोचने से रोक नहीं पाती थी कि मेरा भाई कहाँ होगा और क्या वह ठीक होगा। मेरे मस्तिष्क में गर्मी के उन दिनों की यादें ताजा हो जातीं जब हम अपने समर प्लेस के डॉक (गोदी) तक तैरते हुए चले जाते थे और अपनी छोटी सी नौका में लेक के साथ-साथ नौकायन करते थे। मुझे जुलियन के मज़ाक करने की तीक्ष्ण समझ और उसकी उन शरारतों की याद आती है जो वह किसी के भी साथ, जो उसे तनिक भी गुस्सा दिलाता था, किया करता था। और सबसे अधिक मुझे जुलियन की आंखों में छुपी शरारतभरी चमक की याद आती है जो जुलियन की आंखों से कभी गई ही नहीं। जेनेटिक का कमाल यह था कि उसकी बेटी ऐली की आंखों में भी बिल्कुल वही चमक आ गई थी। हाय, कैसे मैंने उस छोटी सी बच्ची को गवां दिया। हाय, कैसे मैं अपने भाई को देख सकूंगी।

एक संन्यासी का आना

किसी व्यक्ति की खुशियां और उसके दुःख इस पर निर्भर नहीं करते कि उसके पास कितना सोना अथवा कितनी धन-संपत्ति है बल्कि खुशियाँ और उसकी तकलीफें व्यक्ति की आत्मा की देन है। एक बुद्धिमान व्यक्ति किसी भी देश में बिल्कुल निश्चित रहता है। निश्चल आत्मा के लिए तो संपूर्ण ब्रह्मांड ही उसका अपना घर है।
डिमोक्रिटस

“मैं तुम्हारा नया डॉक्टर हूँ”, हालवे के अँधेरे कोने से भारीभरकम आवाज में किसी ने कहा। मैंने जब उस ओर देखा तो मैं घोर आश्चर्य में पड़ गई। मैंने डॉक्टर का कोट पहने असाधारण रूप से सुदर्शन युवा को उस व्हील चेयर से उठते हुए देखा जो कॉरीडोर में दौड़ लगाती हुई दिखती थी। वह युवा अँधेरे से निकलकर मेरी ओर आ रहा था। हालांकि डॉक्टरोंवाला मानक स्टेथोस्कोप उसके गले में लटक रहा था, मुझे आश्चर्य हुआ किसी दूसरी चीज को देखकर जो उसने पहन रखी थी। उस युवा ने जैसे कोई लाल रंग का टोपीदार लबादा पहन रखा था जो बिल्कुल वैसा ही था जैसा मैंने तिब्बत के संन्यासियों को पहने देखा था। वह बहुत ही सफाई से कट किया हुआ था और उसका टेक्सचर बहुत ही सुंदर था जिसके लहराते हुए बॉर्डर/किनारों पर बहुत ही महीन सिलाई चलाई गई थी। मेरे लिए अभी भी उस मद्धिम रोशनी में उस आदमी को देख पाना कठिन था, लेकिन जब वह मेरे करीब आया तब मुझे एक बहुत ही असाधारण युवा और सुदर्शन चेहरे का आभास हुआ जो सकारात्मक ओज और ऊर्जा से प्रदीप्त था। मैं यह देखकर भी अवाक थी कि यह आदमी कितना जाना पहचाना सा लग रहा था मुझे।

पैरों में सैंडल पहने हुए, जिन पर छोटे-छोटे फूलों की नक्काशी थी, वह युवा स्वस्थ और बलिष्ठ दिख रहा था तथा उसमें विश्वास और आंतरिक शांति का विशेष भाव प्रत्यक्ष दिखाई दे रहा था। उसकी आंखें, जिन्हें मैं शीघ्र ही पूरी स्पष्टता से देख सकती थी, बिल्कुल वैसी ही दिख रही थीं जैसे दो चमकते हुए हीरे - जो मेरे अंदर बहुत गहराई तक मुझे बींध रही थीं और मैं हालवे में जड़वत होकर बस खड़ी की खड़ी रह गई।

“तुम किस तरह के डॉक्टर हो?” मैंने उत्सुकता से पूछा। “अगर तुम मेरी बात का बुरा न मानो तो तुम इस परंपरागत पहनावे में बिल्कुल अच्छे नहीं दिखते।”

“मैं अलग तरह का फैमिली डॉक्टर हूँ..., तुरंत जवाब मिला।” उस युवा का अधिकांश भाग अभी भी कॉरीडोर के अँधेरे हिस्से में ही था जो उसे रहस्य के पर्दे में रख रहा था।

“जो मैं देख पा रही हूँ उससे तो मुझे यही लग रहा है कि तुम कोई झाड़-फूंक करनेवाले ओझा-गुनिया होगे” मैंने छोटी सी हंसी हंसते हुए कहा। इसके बाद मैंने अपने सीईओ के सर्वाधिक असरदार टोन में कहा : “अच्छी बात है, लेकिन मुझे किसी फैमिली डॉक्टर की आवश्यकता नहीं है, समझे तुम नौजवान। मैं एक प्लेन क्रैश में थी। मैं बहुत बुरी तरह जखमी हो गई थी। और केवल विशेषज्ञ ही ऐसे व्यक्ति रह गए हैं, जिन्हें मैं आजकल देखने की इच्छुक हूँ। मैं क्षमा चाहूंगी लेकिन मेरी कोई रुचि नहीं है। मैं अपने पुराने डॉक्टर के अलावा किसी नए डॉक्टर को देखना नहीं चाहती। और यदि सच कहूँ तो तुम्हारी यह पोशाक मुझे और भी बेचैन कर रही है। क्या यह किसी संन्यासी की पोशाक नहीं है जिसे तुमने लोगों का विश्वास जीतने के लिए पहन रखा है?”

“सर्दियों में यह मुझे गर्म रखता है”, उसने मुस्कराते हुए जवाब दिया।

“और यह मुझे स्मरण कराता है कि मैं वास्तव में हूँ कौन?” आगे उसने कहा।

“और वह कौन हो सकता है?” मैंने आश्चर्य के साथ ऊंची आवाज़ में, उसकी दी हुई चुनौती को स्वीकार करते हुए कहा।

“उसके बारे में अधिक बातें बाद में होंगी। अभी के लिए तो मुझे तुमसे इतना ही कहना है कि मैं तुम्हारी मदद के लिए यहाँ आया हूँ। तुम्हें मुझमें हर तरह से भरोसा करना होगा, मेरे दिमाग में तुम्हारा हित ही सर्वोपरि है।”

“मैं तुममें अपना भरोसा रखूँ? तुम पागल तो नहीं हो?” मैंने उत्तेजित होते हुए जवाब दिया। क्या तुम्हें पता है, मैं किन मुश्किलों के दौर से गुज़री हूँ? तुम्हें जरा भी मालूम है कि मैंने कितना दर्द बरदाश्त किया है? मैं केवल अपने पुराने डॉक्टर को देखना चाहती हूँ, कुछ दर्द नाशक गोलियाँ और अस्पताल का शांत कमरा। मैं अपने कमरे में संन्यासी के लबादे में किसी जोकर को नहीं देखना चाहती जो मुझसे कहे कि वह मेरा नया डॉक्टर है और मुझसे

भरोसा रखने की भीख मांगे ।

“मैं तुमसे कुछ करने की भीख नहीं मांग रहा हूँ”, उस युवक ने शांति से जवाब दिया। “मैं तुम्हें महज इतनी सूचना दे रहा हूँ कि मैं तुम्हारी मदद इस तरीके से कर सकता हूँ कि जिसकी तुम कल्पना भी नहीं कर सकती । तुम्हारा पुराना डॉक्टर वास्तव में ही बहुत अच्छा डॉक्टर है । वास्तव में वह अपने फील्ड में सबसे माहिर डॉक्टर है और सर्वोत्तम चुनाव भी है-यदि यह केवल तुम्हारी देह मात्र को ठीक करने की बात हो तो ।”

“तुम क्या कहना चाहते हो?” मैंने और भी अधिक झुंझलाते हुए पूछा ।

“अच्छी बात है, तुम्हारा डॉक्टर तुम्हें तुम्हारा शारीरिक स्वास्थ्य वापस ला देगा । लेकिन मैं तुम्हारे लिए बहुत कुछ करने के लिए आया हूँ । मैं साथ ही साथ तुम्हें तुम्हारी जिंदगी में वापस ले जाने के लिए आया हूँ ।” वह प्रत्यक्ष रूप से चुप हो गया था और लगता था कि बहुत ही सावधानीपूर्वक आगे के शब्दों का चुनाव कर रहा था और फिर उसने असाधारण भद्रता का परिचय देते हुए, जिससे वह जितना दिखता था उससे भी कहीं अधिक परिपक्व दिखाई देने लगा था, कहा: “मैं जानता हूँ कि तुम अपने जीवन में संघर्ष भरे दिनों से होकर गुज़र रही हो-खासतौर पर अपने परिवार की ओर से । मैं जानता हूँ कि तुमने न सिर्फ शारीरिक कष्ट भोगे हैं बल्कि आत्मिक कष्ट भी झेले हैं, जो तुम्हारे अब तक के जीने के तरीके को बदलने और अपनी प्राथमिकताएं पुनः निर्धारित करने के लिए तुम्हें मज़बूर कर रहा है । मैं यह भी जानता हूँ कि तुम्हारे लिए तुम्हारा परिवार ही सब कुछ है और तुम्हारे अंदर कोई तुमसे कह रहा है कि इससे पहले कि देर हो जाए, सबसे पहली प्राथमिकता पर अपने परिवार को रखो ।”

“तुम्हें ये बातें कैसे मालूम हुई?” मैंने अपने भीतर सुरक्षा भाव रखते हुए फुसफुसाहट भरे शब्दों में उस व्यक्ति, जो मेरे बारे में इतना कुछ जानता था, से पूछा ।

“मेरा यकीन करो, मैं तुम्हारे बारे में छोटी से छोटी और सारी बातें जो तुम्हारे बारे में जानने योग्य हैं, जानता हूँ । मैं जानता हूँ कि तुम कहाँ पली बढ़ीं । मैं जानता हूँ कि चोकोलेट आइसक्रीम का लेप लगा सेब का टुकड़ा तुम्हारा पसंदीदा डिसर्ट है और वॉल स्ट्रीट तुम्हारी सबसे पसंदीदा फिल्म है । मैं तुम्हारा जन्म निशान भी जानता हूँ जो तुम्हारे...”

“रुक जाओ!” मैंने उसे रोकते हुए कहा । “पहले ही बहुत हो चुका है ।” मुझे लगा कि मैंने उसे सही कारण पर रोका ।

कौन है यह व्यक्ति? पहले तो वह उस व्हील चेअर में बैठकर हालवे में से उड़ता हुआ जाता है जैसे कि वह फॉर्मूलावन रेसकोर्स में सबसे आगे हो । इसके बाद वह मेरा नया “फैमिली डॉक्टर” होने के बारे में कोई मनगढ़ंत कहानी लेकर आता है । और अब वह मेरे पारिवारिक जीवन के बारे में बातें बता रहा है वह भी पूरी शुद्धता के साथ । मेरी चिंता बढ़ रही थी । यह युवक जरूर खतरनाक होगा ।

“सुनो । मुझे कुछ पता नहीं कि तुम कौन हो और न ही मैं इसकी कोई परवाह ही करती हूँ,” मैंने झूठ ही कहा । “मैं थक गयी हूँ, मैं दर्द में हूँ और मुझे आराम की जरूरत है । मैं तुम्हें एक सलाह देती हूँ, तुम उस व्हीलचेअर में जाकर बैठो और हालवे की तरफ वापस मुड़ जाओ और भूल जाओ कि हम कभी मिले थे । यदि नहीं तो,” मैंने अपनी पूरी हिम्मत बटोरते हुए धमकी भरे स्वर में कहा, “मैं उन नर्सों से सिक्यूरिटीवालों को तुरंत बुलाने के लिए कहूँगी ।”

वह युवक फिर भी निश्चित था और उसके आत्मविश्वास में कोई कमी नहीं थी । उसके बाद वह हंसने लगा ।

“ओह, कैथरीन, क्या तुम अपने आपको देख पाई । डॉक्टर के लबादे में संन्यासी को देखकर आपे से बाहर हो गईं जबकि खुद तुम उस बेकार से अस्पताल के गाउन में हो जिसके पीछे कोई प्रायवेसी नहीं है । मैंने हमेशा तुम्हारी हिम्मत की दाद दी है । इतना सब होने के बाद भी तुमने कभी किसी से हार नहीं मानी । मैं यह देखकर बहुत ही खुश हूँ कि तुम इतने वर्षों में जरा भी नहीं बदलीं ।”

यह व्यक्ति तो मेरा नाम भी जानता है । मुझे अब वास्तव में ही चिंता हो गई । तभी उस युवक ने एक बाँह ऊपर उठायी, मेरा हाथ पकड़ा, फिर शीघ्रतापूर्वक कुछ उसमें थमा दिया । और मैं नर्सिंग स्टेशन की ओर मदद मांगने के लिए जाने लगी ।

“मेरे पास से चले जाओ !” मैंने ऊंची आवाज़ में पास ही काम कर रही दो नर्सों का ध्यान आकर्षित करने के लिए कहा ।

“ठीक है”, कहकर उस युवक ने मेरा हाथ छोड़ दिया । “बस तुम मेरी बटरफ्लाई मुझे लौटा दो और मैं चला

जाऊंगा।”

“तुम्हारी बटरफ्लाई? दुनिया में और कोई चीज तुम्हें नहीं मिली जिसके बारे में तुम बात करो?” तुम सच में ही पागल हो। मैं जोर से चिल्लाई-तब तक मैंने अपने हाथ में पड़ी उस चीज को देखा नहीं था।

“तुम्हें ये कहाँ से मिली?” शांत होते हुए मैंने पूछा। “मेरे डैड ने मुझे एक जोड़ी तब दी थी जब मैं छोटी बच्ची थी,” मैंने मृदु होते हुए कहा। “उन्होंने ये बटरफ्लाई मेरे लिए और मेरे भाई जुलियन के लिए खासतौर पर बनवाई थी। ये सच में ही अद्वितीय और वास्तविक थीं। हमने इसके पहले इस जैसी दूसरी नहीं देखी थी। मैं तुम्हें सच कहती हूँ, मैं सोचती थी कि संसार में ये सिर्फ दो ही हैं। लेकिन मेरा अंदाज़ गलत था।”

“संसार में ये सिर्फ दो ही हैं”, भद्रतापूर्वक उसने जवाब में कहा।

मैं पूरी तरह घूम गई। यदि संसार में ऐसी गोल्डन बटरफ्लाई सिर्फ दो ही हैं जिनमें, से एक मेरे पास घर पर थी और दूसरी मेरे भाई जुलियन के पास, तो कैसे यह अस्पताल में आया हुआ अज़नबी विजिटर इसे पा सका? मैं पुनः चिंताग्रस्त हो गई। हो सकता है जुलियन किसी मुसीबत में हो।

“क्या तुम मेरे भाई जुलियन को जानते हो”? मैंने बड़ी उम्मीद से उससे सवाल किया।

“इतनी अच्छी तरह जितना तुम सोच भी नहीं सकतीं। बल्कि तुम कह सकती हो कि मैं और जुलियन असाधारण रूप से घनिष्ठ हैं”, उसने ठहाका लगाते हुए कहा जिससे पता चलता था कि वह जितना दिखा रहा है उससे कहीं अधिक जुलियन के बारे में जानकारी रखता है।

“कहाँ है वो?” मैंने व्यग्र होकर उससे पूछा।

“वो यहाँ है”, जवाब में उसने कहा, “सच कहूँ तो इसी अस्पताल में”।

“तुम मज़ाक कर रहे हो”, मेरे दिल की धड़कनें अब तेज हो चली थीं। मुझे अब थोड़े चक्कर से महसूस होने लगे थे। मेरा भाई, जो सुपरस्टार वादी (लिटिगेटर) था, जिसकी जिंदगी एक हादसे के कारण खाक में मिल चुकी थी और जो खुद अपनी तलाश में और अपनी आत्मा को बचाने के लिए वर्षों पहले भारत प्रस्थान कर गया था, लौट आया था और वास्तव में यहीं इसी अस्पताल में था। असंभव।

“कहाँ?” इस आदमी के खेल खेलने से ऊबकर मैंने पूछा।

“जुलियन यहीं तुम्हारी आंखों के सामने है, जुलियन लौट आया, जुलियन फिर आ गया। और पहले से भी कहीं अधिक बेहतर, मैं जोड़ना चाहूँगा,” उस युवक ने खुश होते हुए जोश में आकर कहा।

“मुझे माफ़ करना”, मैंने गंभीरतापूर्वक कहा। “मेरी समझ से तुम्हारे इरादे नेक हैं और मेरा अंतर्मन मुझसे कहता है कि तुम मुझे कोई नुकसान नहीं पहुंचाओगे। लेकिन मुझे बिल्कुल नहीं समझ में आ रहा कि तुम कौन हो और यहाँ पर क्यों आए हो। यदि तुम जानते हो कि जुलियन कहाँ है, क्यों नहीं तुम मुझे बताते कि वह मुझे कहाँ मिलेगा?”

वह युवक पीछे हटा और अपने हाथों को प्रार्थना करने के जैसे मोड़ा, जो मैंने भारत में लोगों को एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए देखा था। वह जड़ होकर खड़ा था और मेरी आंखों की गहराई में देख रहा था। उसने छण भर तो कुछ नहीं कहा और मैं सिर्फ उसकी श्वास की आवाज़ भर ही सुन पा रही थी। एक एकल अश्रु बिंदु उसके गालों से लुढ़क गया। इसके बाद लगा कि जैसे उसने अपने आपको संभाल लिया हो और अंतिम विराम लेने से पूर्व तथा मेरे प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व धीरे से अपने कोमल लबादे की बाँह से अपना चेहरा पोंछ।

“क्योंकि मेरी प्यारी बहिन कैथरीन, मैं तुम्हारा भाई जुलियन हूँ”।

वह युवक तब पहली बार उस अंधेरे साए से बाहर निकलकर सीधे रोशनी में आ गया। भले ही उसकी शारीरिक रचना सच में ही असाधारण थी, मेरे दिमाग में जरा भी संदेह नहीं था कि जो कुछ अभी-अभी मैंने सुना था वह सब सच था। मेरा प्यारा भाई, जो हिमालय पर्वत में अपूर्व अनुभव पाने गया था, अब अंततः लौट आया था।

ग्रेट जुलियन मैनटल की विस्मयकारी यात्रा

तुम जो अल्प भाग ही पूरा कर पाते हो, अनिवार्यतः अल्प बलिदान करो; तुम जो अधिक भाग पाते हो, अधिक बलिदान करो; तुम जो अत्यधिक पाते हो; सबसे बड़ा बलिदान करो।

—जेम्स एलेन

मैं अपनी भावनाओं को रोक नहीं पाई। अपने इकलौते भाई से बिछुड़े इतने वर्षों के बाद जब मैंने उसे अंततः लौटकर आया देखा तो मेरा दिल बल्लियों उछल रहा था। मैं बेतहाशा रोई, पहले के कुछ मिनिटों में मैंने इतने आंसू बहाए जितने मैंने इस अविस्मरणीय पुनर्मिलन से पूर्व पूरे दशक में नहीं बहाए होंगे। जब हमने एक दूसरे को गले लगाया और चुंबन दिए, मैं मुश्किल से ही यकीन कर पा रही थी कि जुलियन कितना बदल गया है। उसने कैसे यह जादुई चमत्कार किया और जब वह हमसे दूर था तब उसने क्या अनुभव प्राप्त किए? मेरी गणित से अभी वह अपने पचासवें वर्ष पूरे कर रहा होगा, सच कहूँ तो मैंने उसे जब आखिरी बार देखा था तब वह मुझे अपनी उम्र से बीस वर्ष बड़ा दिख रहा था। उस समय की बात करें तो उसका सूखा चेहरा, उसने जिंदगी में क्या-क्या दुर्दिन देखे थे और उसके असंतुलित जीवन शैली के भार का गवाह था। उसके शरीर का वजन नाटकीय ढंग से औसत से बहुत ज्यादा हो गया था, निरंतर खांसता रहता था और आमतौर पर सांस लेने में उसे तकलीफ रहने लगी थी। उस समय मुझे अच्छी तरह समझ में आ गया था कि पुराना जुलियन मर जाना चाहता था और वह अपने लिए जो भी करता था वह यही जानकर करता था कि उससे उसका अंत हो जाएगा।

लेकिन जो जुलियन अब मेरे सामने था वह तो इसके विपरीत उत्कृष्ट स्वास्थ्य का नमूना था। उसका शरीर सुदृढ़ और उसकी काठी सशक्त थी। उसके चेहरे से युवा ओज और खुशियों का झरना फूट रहा था। उसकी आंखें और भी विशेष थीं—अविश्वसनीय रूप से पैनी आंखें। उन आंखों में कुछ ऐसा था जो मुझे कहती थी कि यह युवक एक पुरानी आत्मा था जिसने बहुत कुछ देखा है और इतना कुछ सीखा है जिसकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता। वह बुद्धिमान और सांसारिक और सभ्य और दयालु प्रतीत होता था। “किसी भी इंसान के लिए सबसे बड़ी व्यक्तिगत हार जो वह बन सकता था और वास्तव में वह क्या बन बैठा के बीच का अंतर होता है” कहा है ऐशले मॉन्टेगु ने। यह व्यक्ति जो मेरे सामने खड़ा है, जिसके पास अपार क्षमता है फिर भी जो विनम्र है, वह है जो येन केन प्रकारेण वो बन बैठा जिसकी उसमें क्षमता थी। मैं सच में बता नहीं सकती कि क्यों मेरे मन में इस तरह की बात आई। मुझे यह कहना चाहिए कि उस समय मुझे यही समझ में आया कि मैं एक ऐसे इंसान के सामने खड़ी थी जो अपनी महानता की विशेष ऊँचाई को छू रहा था।

“मैं जानता हूँ कैथरीन, इस पर यकीन करना असंभव है। लेकिन वास्तव में ही यह और कोई नहीं मैं ही हूँ। हे ईश्वर, तुम्हें देखकर मुझे मेरी सारी खुशियाँ मिल गईं, मेरी छोटी बहिन। तुम्हें नहीं पता मैं तुम्हें कितना याद करता था और कितनी बार मैं तुम्हारे ही बारे में सोचता था।” पहुँचकर जुलियन ने कहा और मुझे एक बार फिर गले से लगाया और एक बहुत ही प्यारा सा चुंबन मेरे भाल पर अंकित किया।

“तुम मुझे फोन कर सकते थे और नहीं तो पत्र द्वारा ही सूचित कर देते”, मैंने जवाब दिया।

वह कुछ देर तक चुप रहा जबकि उसके चेहरे पर दुःख की परछाई छा गई। “मुझे बहुत ही दुःख हो रहा है जिस तरह मैंने तुमसे विच्छेदन किया, लेकिन ऐली की मृत्यु के बाद मेरा दिल और मेरी आत्मा दोनों ही टूट गए थे। मैंने अपने पूरे जीवनकाल में इतना दर्द और कभी नहीं सहा था। कुछ दिन तक तो मैं अपने साथ घटी घटना से इतनी भयंकर पीड़ा में रहा कि मैं बिस्तर से ही नहीं उठ सका। मैं किसी से भी बात करने का इच्छुक नहीं रहा। मैं किसी से मिलना भी नहीं चाहता था। मैंने जितना हो सका अपने आपको अपने काम में डुबो दिया। इस बहाने मेरा दिमाग ऐली की ओर से हटा रह सकता था।”

“लेकिन हम लोग मदद कर सकते थे” मैंने गंभीर होकर कहा।

“मैं नहीं मानता, कैथरीन। मैं बुरी तरह आहत था और मुझे सच में ही इस स्थान को छोड़कर जाने की जरूरत थी। तुमने मेरे दिल के दौरे के बारे में सुना होगा, है न?”

“हाँ, मैंने सुना था।” मैंने सहानुभूतिपूर्वक जवाब दिया और उसने मेरे कंधे पर अपनी बाँहें डाल दीं और हम

दोनों अपने कमरे की ओर बढ़ने लगे ।

“इसने मुझे लगभग खत्म कर दिया । डॉक्टरों का कहना है कि मैं जिंदा बच सका, यह किसी चमत्कार से कम नहीं था । उनका कहना था कि मैं बहुत बहादुर दिलवाला हूँ और जिंदा रहने की आग मुझमें जल रही थी । दिल के दौरे के बाद पूरे संसार में ऐसा कोई उपाय नहीं था कि मैं अपने कानून की प्रैक्टिस कर पाता । मेरे अंदर की लालसा और लगन दोनों ही वाष्पीकृत हो गए थे और मेरे अंदर किसी और चीज की भूख जाग उठी थी ।”

जैसे, किस चीज की?

“जिंदगी का गूढ़तम अर्थ समझने की प्यास मुझमें जाग उठी थी । हम जिस युग में जी रहे हैं, इसके बारे में बहुत सारी बातें सुनते हैं । हममें से कितने ही लोग जीवन के यक्ष प्रश्नों, जैसे-जीवन क्या है और मैं यहाँ क्यों आया हूँ और इस ग्रह पर हमारा अस्तित्व कितना सच है ?, से जूझ रहे हैं ।”

“मैंने इसे भी महसूस किया है, जुलियन ।”

“अरे, छोटी बहिन, तुम मुझे पहली बार जुलियन कह कर बुला रही हो । तुम वास्तव में ही यकीन कर रही हो कि ये मैं ही हूँ ।”

हाँ, मैं जानती हूँ । लेकिन तुम्हारा कायाकल्प होना बहुत ही आश्चर्यजनक है । मैं तब तक उसके करीब पहुँच गई थी, जुलियन के ब्रॉन्ज गालों का मैंने चुंबन किया और दूसरी बार कस कर उसे भींचा । जवाब में उसने भी मेरे भाल पर अपना चुंबन अंकित किया और हम दोनों ने एक-दूसरे को कसकर भींच लिया । यह आलिंगन अद्भुत मानवीय संबंध को महसूस करवा रहा था जिसे सिर्फ भाई-बहिन ही महसूस कर सकते हैं । जब हम एक-दूसरे को आलिंगन में ले रहे थे, मैंने महसूस किया कि जैसे जुलियन ने कांपना शुरू कर दिया हो । जब मैंने उसके चेहरे की ओर देखा तो पाया कि वह फिर से रोने लगा था । उसे रोते देख मुझे भी रोना आ गया और शीघ्र ही हम दोनों के चेहरे आंसुओं से भीग गए ।

जुलियन ने तुरंत ही अपनी भावनाओं पर नियंत्रण पा लिया, लेकिन मैंने देखा कि उसमें कोई शर्मिंदगी नहीं थी जो भावनाओं के इस ज्वार में उस पुराने जुलियन ने जरूर दिखाया होता । “तुमने मुझे बड़े होकर कभी रोते नहीं देखा होगा, क्या ये सच नहीं है कैथरीन ?”

“बिल्कुल सच है ।”

“जब मैं यहाँ से दूर चला गया तब मैंने बहुत सारी बातों में से जो एक बात सीखी थी वह थी वास्तविक रहना ।”

“क्या, वास्तविक रहना ।” मैंने पूछा क्योंकि मैं आश्चर्य नहीं थी कि जुलियन क्या समझाना चाहता था ।

“हाँ, कैथरीन । हममें से अधिकांश पूरी उम्र समाज के सामने एक मुखौटे में रहते हैं जो हमारे वास्तविक स्व को छुपा देता है । मानवता के सभी गुणों को ग्रहण करने के बजाए हम एक ऐसे व्यक्ति की छवि निर्मित करने के श्रम में लगे रहते हैं जो हम सोचते हैं कि दुनियावालों की नज़रों में होनी चाहिए । हम वह कहते हैं जो अन्य लोग हमसे कहलवाना चाहते हैं और वही पहनते हैं जो अन्य लोग हमसे पहनने की अपेक्षा करते हैं और वह करते हैं जो अन्य लोग हमसे करने की अपेक्षा करते हैं । जिस जिंदगी को जीने के लिए हम आए थे उसे जीने के बजाए हम अन्य लोगों के अनुसार जिंदगी जीने लगते हैं । ऐसा करते-करते हम एक धीमी मौत मरते हैं । ‘मरने के कई मार्ग में से एक मृत्यु भी है,’ अन्वेषक अल्वा साइमॉन ने कहा है । इसलिए अब मैं अपनी संपूर्ण जिंदगी उसी तरह जीता हूँ जिसे मेरा मन जीने के सही मार्ग के रूप में दर्शाता है । अगर मैं रोना चाहता हूँ तो मैं रोता हूँ, जैसाकि मैंने अभी-अभी किया क्योंकि मैं तुम्हें दुबारा देखकर बहुत ही आनंदित हुआ । यदि मैं खुशी से भरा होता हूँ तो मैं गीत गाता हूँ । यदि मैं किसी के लिए प्यार महसूस करता हूँ तो मैं उसे व्यक्त करता हूँ । मेरा अनुमान है कि तुम कह सकती हो कि मेरा मन अब खुली किताब है । मैं एक-एक पल को अब पूरी तरह जीता हूँ और इस महानतम उपहार, जिसे जीवन कहा जाता है, के पल प्रतिपल का आनंद लेता हूँ” ।

“और इसका अर्थ हुआ कि तुम ‘वस्तविक’ हो?” मैंने प्रश्न किया ।

“हाँ, इसका अर्थ हुआ कि मैं वह जिंदगी जी रहा हूँ जिसे जीने के लिए हम बने हैं । अधिक से अधिक लोग तो पालतू बन चुके हैं ।”

“पालतू बन चुके हैं ?”

“हाँ, वे अपने को पेश करने में और वह सब कुछ करने में जो दुनियावाले उनसे उम्मीद करते हैं, इतने काबिल हो चुके हैं कि वे पूरी तरह पालतू बन गए हैं-बिल्कुल उसी तरह जैसे प्रशिक्षित शील होती हैं ।”

“क्या यह तनिक कठोर नहीं हुआ, जुलियन ?”

“बिल्कुल नहीं, कैथरीन। मानवता के नाते हम सब का सर्वोच्च कर्तव्य है कि हम अपना जीवन सर्वोत्तम ढंग से जिएं और प्रत्येक दिन के अपने काम में उत्कर्षता हासिल करें। इसका अर्थ हुआ वास्तविक होना और अपने अंदर की बुद्धिमत्ता की सुनना। इसका अर्थ है उन बातों को न मानना जिसे आप जानते हैं कि वे आपके करने के लिए सही नहीं हैं और इसी तरह उन सभी वास्तविक प्राथमिकताओं को मानना जो आपकी खुशियों को बढ़ाता है और आपके पलों की वास्तविक पूर्ति करता है। “जुलियन ने कहना जारी रखा”। “मैं लौटकर वकालत कर सकता था, लेकिन यह मेरी व्यक्तिगत हार होती”।

“वह कैसे ?”

“क्योंकि मैं अपने जीवन में जिन बुरे दिनों से गुजरा हूँ, उनसे मैंने यही सीख ली है कि जो कुछ भी हमारे साथ घटित होता है वह किन्हीं कारणों से घटित होता है।”

“मैं तुमसे पूरी तरह सहमत हूँ। मैंने कहा, इसे एक सिद्धांत मानते हुए जिसे मैंने अपने जीवन में हाल ही में देखा था।”

“सिर्फ यही नहीं, मैंने यह भी सीखा कि जिंदगी में असफलताएं और कष्ट वास्तव में ही हमारे सबसे अच्छे मित्र हैं।” अलेक्जेंडर ग्राहम बेल ने इस बात को अच्छी तरह स्पष्ट करते हुए कहा है - ‘जब एक दरवाजा बंद होता है, दूसरा खुल जाता है। लेकिन हम आमतौर पर उस बंद दरवाजे को ही न जाने कब तक दुखी होकर देखते रहते हैं और यह भूल ही जाते हैं कि कोई दूसरा दरवाजा भी हमारे लिए खुल गया है।’ जुलियन ने अपने शब्दों पर जोर देते हुए कहा।

“बिल्कुल सच कहा।” मेरे मुंह से निकला।

“हाँ, कैथरीन। हमारे घाव अंततः हमें बुद्धिमत्ता ही देते हैं। हमारे रास्ते की रुकावटें हमारे लिए सफलता का सोपान बन जाती हैं। और हमारी असफलताएं हमें शक्ति देती हैं। लीटोन ने एक बार लिखा था कि प्रतिकूलताएं हीरे से निकली धूल हैं। जिससे स्वर्ग अपने गहनों की पॉलिस किया करता है।”

“कितने सुंदर शब्द हैं। मुझे इन शब्दों को नोट करने दो।” मैंने ईमानदारी से कहा।

“मेरी प्यारी बहिन इसे नोट करने की तुम्हें कोई जरूरत नहीं है। मैं तुम्हें वो सारी बातें सिखाऊंगा जो तुम्हारे लिए जरूरी हैं और यकीन मानो तुम एक भी बात मेरी नहीं भुला पाओगी। लेकिन यहाँ पर मैं अपनी बात जो कहना चाहता था वो है कि मैं लौटकर अपनी प्रैक्टिस (वकालत) कर सकता था और ढेर सारा धन कमा सकता था। लेकिन ऐसा करना उस अवसर को गंवा देना था जो जीवन में मुझे मिला था। ऐली की मृत्यु और मेरे तलाक और इसके बाद मुझे आए दिल के दौरे के लिए कोई न कोई कारण तो रहा होगा। मैं जानता हूँ कि यदि मैं चुनौती को स्वीकार कर लेता और दुर्दिन के संसार से बाहर निकल आता तो मेरे दिन बदल जाते, मैं कुछ ऐसा खोज पाता जो मुझे जीवन के बिल्कुल ही नवीन स्तर की ऊंचाइयों पर पहुँचाता। और मुझे संज्ञान हुआ कि ऐसा करके मुझे और भी खुशी, उल्लास और प्यार मिलता जिसकी मैं कभी कल्पना ही नहीं कर सकता था।”

“प्यार? जुलियन, मुझे याद नहीं आता कि मैंने कभी तुम्हें प्यार के विषय में इतना कुछ बोलते हुए सुना हो। हे ईश्वर, तुम किस तरह बदल गए हो।”

“कैथरीन, प्यार ही वो चीज है जिसकी इस संसार में हमें सबसे अधिक जरूरत है। और मैं केवल दूसरे लोगों को ही प्यार करने की बात नहीं कह रहा। हमें अपना प्यार अपने काम में भी दिखाना होगा। हमें अपना प्यार अपने चारों ओर के वातावरण में भी बिखेरना होगा, और सबसे बड़ी बात कि हमें खुद अपने आप को भी प्यार करना होगा। केवल तभी हम अपना प्यार वास्तविक अर्थों में पूरी तरह से दूसरे लोगों को दे पाएंगे। बुद्धिमत्ता की बात जो मैं कहना चाहता हूँ वह सीधे शब्दों में यह है: अपने जीवन को जीते हुए जो भी कुछ आप करते हैं उसमें आपका प्यार दिखना चाहिए। लीओ टॉल्स्टॉय ने लिखा है: ‘केवल एक स्पष्ट गुण किसी काम को अच्छा या बुरा बना देता है: यदि उससे प्यार की मात्रा में वृद्धि हुई तो वह अच्छा है। और यदि उसके कारण लोगों के बीच दरारें पड़ीं और शत्रुता पैदा हुई तो वह बुरा है।”

“इसलिए अधिक पूर्ण मानवीय बनने के लिए मुझे न सिर्फ जॉन, बच्चों और मेरे आस-पास के सभी मनुष्यों के साथ अधिक प्यार बढ़ाना होगा बल्कि मुझे अपना प्यार अपने काम के साथ भी दिखाना होगा? तब जाकर मैं वास्तविक और संपूर्ण कार्यकारी व्यक्ति बन पाऊँगी। लेकिन क्या यह उस असंतुलन को और भी बढ़ा नहीं देगा

जिससे मैं इतने लंबे समय से जूझती रही हूँ? मैं नहीं मानती कि मुझे और अधिक काम करना चाहिए, बल्कि मैं मानती हूँ कि मुझे काम कम करना चाहिए।”

“बहुत ही रोचक पर्यवेक्षण है तुम्हारा, कैथरीन। ठीक है, मेरा अनुमान है कि यह सब तुमने जिनको काम समझा है उससे ही जुड़ा है। तुम काम के बारे में बिल्कुल ही संकरा नज़रिया रख रही हो। मैं तुम्हारे जीवन में किए गए तुम्हारे कामों को प्यार करने की बात कह रहा हूँ।”

“क्या, मेरा जीवन किस काम आया?”

“हाँ। संभवतः तुम्हारे जीवन का प्रयोजन रहा है अपने दो सुंदर बच्चों को पाल-पोसकर बड़ा करना जो इस संसार में जाकर इसे बेहतर, बुद्धिमत्तापूर्ण जगह में बदल देंगे। मैं इस बात को भी मानता हूँ कि तुम्हारी जिंदगी के काम में ब्रेव लाइफ डॉट कॉम और उस उद्गम से जुड़ी जिंदगियों को बदलने का प्रयोजन भी शामिल है।

“तुम्हें ब्रेव लाइफ डॉट कॉम के बारे में करने पता चला?” मैंने आश्चर्य प्रकट करते हुए पूछा।” मैंने सोचा था कि तुम हिमालय पर्वत की किसी पहाड़ी पर एकांतवास में रह रहे होगे।”

“जब से मैं लौटकर आया हूँ, तुम्हारे बारे में पढ़ता रहा हूँ। तुम अपने बिजनेस फ्रंट पर कमाल का काम कर रही थीं, मेरी प्यारी बहिन, और मैं बिल्कुल भी अचंभे में नहीं हूँ। मुझे तुम्हें अच्छी तरह से प्रशिक्षित करना चाहिए था।” जुलियन ने ओढ़े हुए गर्व के साथ सुझाया।

“बड़े भाई, इतना भी मत फूलो। मैंने यह सब अपने बूते पर किया है।” मैंने हंसते हुए कहा।

“हमेशा स्वतंत्रतापूर्वक काम करनेवाली, कैथरीन। मैंने तुम्हारे अंदर के इसी गुण और तुम्हारी कठोरता, साथ ही हमेशा ऊंचाइयों को छूने की तुम्हारी लगन, जिसके लिए तुम हमेशा अडिग रहती हो, की सराहना की है। लेकिन मैं अपनी बात पर वापस आता हूँ - अपने जीवन में किए गए काम से प्यार करना सीखो। हर चीज और हर इंसान को प्यार करो। तुम्हारी जिंदगी बदल जाएगी।”

“क्या तुम कोई उदाहरण दे सकते हो?”

“चलो ठीक है, यदि मैं तुम्हारे सामने महान चिंतक खलील जिब्रान के शब्दों को रखूँ। उसके शब्द मुझे अत्यंत सुंदर लगते हैं जब वो कहता है ‘जब तुम काम कर रहे होते हो, तुम एक बंसी बन जाते हो जिसका हृदय उसकी तान में होता है जो बदलकर संगीत बन जाता है। श्रम की बूंदें बहाकर जिंदगी को प्यार करना जिंदगी के अंतिम रहस्य को जान लेने जैसा है। किया गया सारा काम व्यर्थ है यदि उसमें प्यार न हुआ, क्योंकि काम तभी दिखाई देता है जब उसमें प्यार हो।’ इसलिए ब्रेव लाइफ से जुड़े अपने काम को तुम प्यार के साथ पूरा करो। तुम अपनी सर्वोत्तम क्षमता से इसे पूरा करो और इस क्रम में जिंदगियों का मूल्यवर्धन भी करो। लेकिन अपने काम को एक माँ की तरह प्यार करो और अपनी भूमिका को जॉन के पार्टनर के रूप में।”

“ओके” मैंने पूरी तरह अभिभूत होते हुए कहा। “तो तुमने दिल का दौरा पड़ने के बाद वास्तव में क्या किया?”

“मैं बताता हूँ, मैंने बहुत ही समझदारी भरा निर्णय लिया कि मैं अपनी सारी चीजें बेच दूंगा। मुझे बिना भार ढोए यात्रा करनी है और मेरी सारी सांसारिक वस्तुएं मेरे दिमाग को भटकाती रहेंगी और मेरे जीवन का भार बनी रहेंगी। मैंने अपने जीवन को इतना साधारण बना लेने का निर्णय किया जिसमें मानव अस्तित्व के लिए जितना आवश्यक हो सिर्फ उतना ही रख सकूँ और फिर अंत तक साधारण ही बना रहूँ। और इस हेतु मैंने अपना मैशन (भव्य बंगला) बेच दिया। मैंने अपना हवाई जहाज बेच डाला। मैंने अपना आयरलैंड बेच दिया।”

“तुमने तो अपनी फेरारी भी बेच डाली, जुलियन। मुझे यकीन नहीं आया जब मैंने सुना कि तुमने अपनी फेरारी बेच डाली!”

“मुझे पता है मैंने ऐसा करके यहाँ तक कि खुद को भी आश्चर्य में डाल दिया। यह कहते हुए जुलियन के चेहरे पर मुस्कराहट खेल रही थी। जबकि वह अपने बहुत ही सुंदर पहनावे, रॉब (लबादे), की किनारी पर की गई कढ़ाई को हाथ से दूर कर रहा था।”

“मैंने भारत जाने का रास्ता पकड़ा जो मैं जानता था कि ऐसी जगह है जहाँ मेरे अधिकांश प्रश्नों के उत्तर मुझे मिल सकेंगे। वह हिस्सा मेरे जीवन का अविश्वसनीय आध्यात्मिक समय था। वर्षों बाद मुझे पहली बार एहसास हुआ कि मैं स्वतंत्र हूँ। मुझे पता है कि मैं ऐसे मार्ग पर अग्रसर हो रहा था, जो अति कठिन था और जीवन है क्या, इसकी संपूर्ण नई समझ मुझमें पैदा करता। जॉर्ज बर्नाड शॉ ने लिखा है ‘नरक में रहना और भागना एक ही बात है, जबकि स्वर्ग में रहना, आगे बढ़ाने जैसा है’। और न जाने कितने लंबे समय के बाद पहली बार, मुझे वास्तव में

एहसास हुआ कि अपने भविष्य का प्रणेता मैं खुद ही हूँ। मुझे एहसास हुआ जैसे कि मैं अपनी जिंदगी अपने मुताबिक जी रहा हूँ, न कि लोगों के मुताबिक-हममें से अधिकांश अपना जीवन जिस तरह जी रहे होते हैं।”

“मैं तुमसे सहमत हूँ जुलियन। अधिकांश लोग जीवन घटनाओं के अनुसार जीते हैं, प्रतिदिन की घटनाओं की प्रतिक्रिया में जीते हैं।” अपने भाई की प्रेरक बातों से प्रभावित होकर मैंने कहा।

“बहुत सुंदर बात कही तुमने कैथरीन। ओह! मैं तो बस प्रभावित हो गया हूँ तुम्हारी इस बात से।” उसने उत्साह में भरकर अपने दोनों कांस्य जैसे हाथों को अपने घुटनों पर पीटते हुए गला फाड़कर कहा। “तुम हमेशा तेज दिमाग की धनी रही हो, लेकिन अब तो तुमने कवयित्री का हृदय भी विकसित कर लिया है।”

“सही कहा, लेकिन नहीं, ऐसा नहीं है, जुलियन” मैंने नम्रता से जवाब दिया।

इसके बाद जुलियन अपने भारत भ्रमण की याद में खो गया। कैसे वह कभी ट्रेन, कभी साइकिल पर और कभी तो पैदल ही भटका था। वह वहाँ की अत्यंत उन्नत सभ्यता के लोगों से मिलकर बहुत ही खुश होता था और उनके बुद्धिमत्तापूर्ण मार्ग को अपनाने की कोशिश किया करता था। वह पुराने मंदिरों में गया और जीर्ण खंडहरों में चमत्कृत कर देनेवाले सूर्यास्त को देखा। वह अपने आप में बच्चों के जैसे उत्साह का संचार फिर से पा रहा था, जिसे वह कभी का खो चुका था और धीरे-धीरे उसकी ट्रेडमार्क मुस्कुराहट उसके चेहरे पर फिर लौट आई।

“मैं आसमान में निकले तारों को टकटकी लगाए देखा करता था। मैंने तत्व ज्ञान के सभी विषयों से संबंधित अंतरदृष्टि, जो मुझे मिल सकती थी, को अपने बड़े जर्नल में नोट करते हुए आत्मसात कर लिया था। मैं योगियों, संन्यासियों के पीछे भागता था और उनपर प्रश्नों की बौछार किया करता था जो इस बारे में होते थे कि जीवन का सर्वोच्च प्रयोजन वास्तव में क्या है और मैं अपने जीवन को किस भांति और भी सार्थक और गौरवमय बना सकता था। मैं उनसे जानना चाहता था कि इससे पहले कि मनुष्य को पछताना पड़े, कैसे वह अपने जीवन को स्वस्थ और आनंदमय तथा जीवंत बना सकता था। मुझे आश्चर्य होता है कि कैसे मैं अपने मानवीय संबंधों को और भी मजबूत कर सकता था और ऐली की मृत्यु और मेरी पत्नी द्वारा मुझे छोड़कर चले जाने के बाद मुझे मेरा खोया प्यार किस प्रकार प्राप्त होता। और मैं उनसे अपने मस्तिष्क में चल रहे तूफान को शांत करने की विद्या प्राप्त करने और मन के अंतर्गत की शांति जिसे मैं जानता था कि जीवन में वास्तविक शांति के लिए सबसे बड़ा और मजबूत आधार है, के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया करता था।”

“यह तो किसी अद्वितीय समय जैसी बात प्रतीत हो रही है, जुलियन। मैं विशेष रूप से गति धीमी रखकर जीवन का मौलिक आनंद जिसे हम सभी खो देते हैं, पाने की इच्छा रखना ही पसंद करती हूँ, क्योंकि हम इस नए संसार में जहाँ हमारा अस्तित्व होता है, की भागमभाग में ही खोकर रह जाते हैं। हाल ही में मैंने एक सूक्ति न्यूज पेपर से काट कर रखी है। उसे मैं तुम्हें दिखाती हूँ, “मैंने अपने बेड के साथ रखे टेबल की ड्राँअर में हाथ डालते हुए कहा। इसमें लिखी पंक्तियाँ थीं: हममें से अधिकांश जीवन के बड़े उपहारों को पाने से वंचित ही रह जाते हैं। दि. पुलिटजर। दि. नोबल। ऑस्कर्स। टोनीस। लेकिन हम सब जीवन के छोटे उपहारों के लिए पात्र हैं। पीठ पर शाबाशी एक धौल। कानों के पीछे का चुम्बन। चार पौंडवाल बास (धातु)। पूरा चांद। खाली पड़ी पार्किंग की जगह। छूटते पटाखे। बढ़िया खाना। रमणीय सूर्यास्त। गर्मागर्म सूप। ठंडी बीयर। जीवन के उत्कृष्ट उपहारों को पाने की दौड़ में मत लगे। इसकी छोटी खुशियों को जियो। हम सब के लिए इसमें सौगातें भरी पड़ी है।

“अरे वाह! यह तो बहुत ही बढ़िया बात है, कैथरीन। काश, ये पंक्तियाँ मैंने लिखी होतीं। जीवन के उतार-चढ़ाव से गुज़रने के दौरान जीवन के मूल रस का रसास्वादन करने की इसमें शिक्षा मिलती है। मैंने अब सीख लिया है कि जीवन का मार्ग उतना ही सुकर है जितना उसका अंत और सबसे महत्वपूर्ण है कि हम खुश रहना नहीं छोड़े जब तक कि भविष्य में कोई घटना हमारे साथ न घटे। हममें से अधिकतर लोग इस बारे में झूठ बयानी ही करते हैं।”

“इसे ठीक से समझाओ?”

“जरूर, मैं समझाता हूँ कैसे, क्या हम अपने आप से कहते नहीं हैं कि यदि मुझे वह पदोन्नति मिल जाती अथवा वह नई नौकरी मिल जाती तो मैं खुश होता। अथवा हम यह कहते हैं कि हमारे बच्चे जब बड़े हो जाएंगे और कॉलेज जाना शुरू कर देंगे, तब हम जीवन का आनंद खूब उठाएंगे। हम कहते हैं कि नौकरी से सेवानिवृत्त होकर हम तारों को देखने के लिए समय निकालेंगे, अपनी मर्जी से जिएंगे। लेकिन जीवन का यह सबसे बड़ा झूठ साबित होता है। तुम्हारे कुछ पा लेने से खुशी नहीं आ जाती? खुशी आती है जब तुम अपने मन में कोई विशेष विचार आने दो? इससे बढ़कर कोई खुशी नहीं है कि तुम किस प्रकार अपने जीवन की घटनाओं के अस्तित्व पर विचार

करते हो और किस प्रकार उनका अर्थनिरूपण करते हो। यह हासिल होता है, अपने जीवन में जो कुछ भी तुमने प्राप्त किया है उसका धन्यवाद पूरे मन से देने और अपने जीवन में जो तुम्हें छोटी-छोटी खुशियाँ हासिल हुई हैं उनके लिए कृतज्ञता बोध जागृत होने पर। जैसाकि महर्षि विचारक सेसिल ने एक बार कहा था: 'जीवन के प्रत्येक वर्ष में मेरा इस बात पर यकीन और भी बढ़ी जाता है कि सबसे बड़ी बुद्धिमानी और सर्वोत्तम कार्य यह है कि हम अपना ध्यान सुंदर बातों पर केंद्रित करें और बुरी बातों और झूठ से जितना दूर हो सकें दूर रहें।'

"इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात है यह याद रखना कि जिस हाथ से तुम देते हो वह वही हाथ है जिससे तुम पाते हो और दूसरों को देने से ही प्राप्त करने की प्रक्रिया का प्रारंभ भी होता है। खुशी को उद्देश्य मत बना लो जो तुम्हें आगे ले जाती है। दूसरों की सेवा करो और मन की गहराई से लोगों को समोन्नत करने को अपना ध्येय बना लो-ऐसा करने से खुशियाँ हासिल होंगी। 'जरा कल्पना करो, जीवन का उद्देश्य मात्र तुम्हारी खुशियाँ भर हों-तब तो जीवन बहुत ही क्रूर और अर्थहीन हो जाएगा। 'टॉल्स्टॉय ने कहा है। तुम्हें वही मानना है जो मानवता की बुद्धिमत्ता, तुम्हारी सोच और तुम्हारा दिल तुमसे कहता है: जीवन का अर्थ है उस शक्ति की सेवा करना जिसने तुम्हें इस संसार में भेजा है। और तब जीवन में चारों ओर खुशियाँ ही खुशियाँ होंगी।"

"बहुत ही सशक्त बात कही है। मुझे इन बातों पर गौर करना होगा लेकिन जब मैं एकांत पाऊंगी। परंतु अभी तो तुम मुझे अपनी यात्रा के बारे में ही बताओ। यह तो अविश्वसनीय कहानी लगती है।"

"कुछ बहुत ही कठिन वैयक्तिक उन्नयन और ज्ञान की खोज, जिसे मैंने अपने जीवन में पहली बार अनुभव किया, के कुछ महीनों के बाद," जुलियन ने कहना जारी रखा, "मेरे अंदर जीवन के अर्थ की सार्थकता, अर्थात् उत्कृष्टता और जीवन में आनंद ही आनंद को कैसे प्राप्त किया जा सकता है, को जानने की भूख अधिकाधिक बढ़ने लगी। मैं जिन शिक्षकों और पंडितों के साथ रहा उनसे जीवन के सत्य की गहराई को उद्घाटित करने और अपने ज्ञान बोध को और भी निखारने के लिए उनके पीछे लगा रहता था। वे लोग बहुत ही सौम्य और प्यारे लोग थे, अपना सारा का सारा ज्ञान वे बदले में कुछ भी पाने की आशा किए बिना हमारे साथ बांटते थे। मुझे अब मालूम हुआ वे लोग उसमें विश्वास रखते थे जिसे हम पर्याप्तता का सिद्धांत नाम से जानते हैं।"

"पर्याप्तता का सिद्धांत, मैंने ऐसा कोई नाम अभी तक नहीं सुना," मैंने बेड पर सीधे बैठते हुए अत्यधिक कौतूहल के साथ जवाब में कहा।

"जिस सिद्धांत की ओर मेरा इशारा है वह प्रकृति का समयशून्य और अडिर्ग सिद्धांत है। इसका विवेचन इस प्रकार है-दूसरों को आप जितना अधिक देते हैं उतना ही अधिक अंततः आप अपने आप से पाते हैं। मुझे यह बोध हुआ है कि यदि तुम जीवन में अधिक पर्याप्तता और वैभव की उम्मीद लगाते हो तो तुम्हें अधिक देना भी पड़ता है। पर्याप्तता एक ऊर्जा है जो विश्व में प्रवाहित हो रही है और जितना ही अधिक तुम उसे अपने से बाहर निसृत होने देते हो उतनी ही अधिक मात्रा में वह लौटकर तुममें समाहित हो जाती है। पर्याप्तता का सिद्धांत बिजनेस में भी उतना ही कारगर है। वैभवशाली बनने के लिए ये इच्छा मन से निकाल दो कि तुमने धन का कितना संग्रह कर लिया बल्कि ये सोचो कि तुम कैसे अधिक से अधिक मानव सेवा कर सकते हो। जब तुम उन लोगों, जिनकी तुम सेवा कर रहे हो, के जीवन मूल्य में अपनी एकाग्रता और प्रतिबद्धता के बल पर किसी प्रकार की श्रीवृद्धि कर सको, उसी पल से तुम पाओगे धन-दौलत की नदी बहनी शुरू हो गई है। कैथरीन, कभी मत भूलो कि धन एक भुगतान है जो ब्रह्मांड की ओर से मूल्यवर्द्धित और उपलब्ध कराई गई सेवा के लिए है। जितना अधिक मूल्यवर्धन तुम करोगे उतना अधिक धन तुम पाओगे।"

"तो क्या तुम कहना चाहते हो कि जो लोग बिजनेस करते हैं, अपना प्राथमिक उद्देश्य धन को बनाकर गलती करते हैं?"

"बिलकुल यही कहना है मेरा। धन के पीछे भागा नहीं जा सकता। धन तो व्युत्पत्ति है जो तुम्हारे जीवन में अपनेआप प्रवाहित होना प्रारंभ हो जाता है जब तुम्हारा उद्देश्य लोगों के जीवन को सुधारने और उनके सपनों को साकार करने में उनकी सहायता करना हो जाता है। विक्टर फ्रैंक्ल ने बहुत ही सटीक लिखा है: 'जिस तरह खुशियों के पीछे भागने से खुशियाँ नहीं मिल जातीं उसी तरह सफलता भी चाहने मात्र से नहीं मिल जाती।' इसे पाने के लिए अनिवार्य रूप से इसे ध्येय बनाना होता है। और यह तभी होता है जब निजी स्वार्थ से परे व्यक्ति का वैयक्तिक समर्पण निःस्वार्थ भाव से किसी कारण के प्रति होता हो।"

जुलियन ने जोड़ा: "भारत में मानवता के प्रति इस प्रकार की बुद्धिमत्ता और प्यार के बीच, मैंने पाया कि प्रत्येक जीवन के प्रति बहुत बड़ा प्रयोजन है।"

“क्या सचमुच ?”

“हाँ सचमुच, मेरी छोटी बहिन । हम इस संसार में आए इसीलिए हैं कि हम एक हीरो की तरह जिएं और संसार को अपने अनोखे तरीके से बदलें । हाल ही में मैंने अमरीकी एयरफोर्स के जनरल जेम्स डू लिटिल के शब्दों को पढ़ा, जिसने बुद्धिमत्ता की बात कही है और जिसे मैं अपने शब्दों में इस तरह कह सकता हूँ: ‘हमें धरती पर जन्म मिला है, वह किसी प्रयोजन के लिए है और वह प्रयोजन है धरती को और भी बेहतर बनाना । इसलिए हमें समाज को अपना योगदान देना है । यदि यह धरती हमारी उपस्थिति के परिणामस्वरूप पहले की तुलना में बेहतर जगह बन सकती है तो समझ लो कि हम अपने गंतव्य पर पहुँच गए हैं ।”

“यदि ऐसा है तो हममें से अधिकांश इस ओर ध्यान क्यों नहीं देते? क्यों हममें से अधिकांश इतने अधिक असंतुष्ट और दुखी हैं ?”

“क्योंकि हम अपने जीवन को अव्यवस्था और सांसारिक सुख और व्यस्तता से भरते रहने में इतने व्यस्त रहते हैं कि हमारे पास समय ही नहीं होता कि हम उन बातों पर विचार कर सकें जो वास्तव में हमारे जीवन के लिए महत्वपूर्ण हैं । मुझे एक प्राचीन जैन मास्टर की कही हुई बात याद आती है: ‘अधिकतर लोग प्रत्येक दिन अधिक और अधिक पाने के लिए प्रयास करते हैं जबकि मैं प्रतिदिन सामान्य और तनावमुक्त होकर जीने के लिए प्रयासरत रहता हूँ ।’ यदि हम केवल अपनी गति धीमी करते हैं तो ठहराव का बटन हमें अल्प अंतरालो पर दबाते रहना होगा और अपने जीवन के बृहदाकार चित्र का अवलोकन करना होगा और तब हमें यह अभिज्ञान भली भाँति होगा कि हम यहाँ क्यों हैं और हमारे लिए क्या करना जरूरी है । मुझे पता है कि तुम कौन सी अंतिम बात मुझसे सुनना चाहती हो और वह है तुम्हारी उड़ान, लेकिन उसमें भी लाक्षणिकता है जो मैं तुम्हारे साथ बांटना चाहता हूँ ।”

“तुमने बिल्कुल सही कहा । मैं अभी भी हवाई जहाज पर बैठकर उड़ने की जब सोचता हूँ तो मुझे डर लगता है, लेकिन तुम अपनी बात पूरी करो ।”

“मत डरो, कैथरीन । मैं तुम्हारे सभी डॉक्टरों से मिल चुका हूँ और यहाँ तक कि मैंने अपने कुछ पुराने मित्रों, जिनमें से कई देश के प्रतिष्ठित डॉक्टरों में से एक हैं, से भी तुम्हारे चार्ट का अवलोकन करवाया है और तुम्हारे स्वास्थ्य में सुधार के बारे में बातचीत की है । हरेक ने इस बारे में एक ही राय व्यक्त की है कि तुम्हारे स्वास्थ्य में बहुत ही तेजी से सुधार हो रहा है और तुम पूरी तरह स्वस्थ हो जाओगी । मुझे पता है कि तुम कितनी बड़ी त्रासदी से होकर गुजरी हो और मेरा यकीन मानो, मेरा यहाँ तुम्हारे पास आने का एकमात्र प्रयोजन यही था कि तुम पर आई आपदा में मैं तुम्हारी मदद कर सकता । लेकिन मैं जो बात कहना चाहता हूँ वह सीधे और सपाट शब्दों में यह है कि हवाई जहाज में यदि तुम ३५, ००० फीट की ऊँचाई से जमीन पर देखोगी तो तुम्हें विश्व का संपूर्ण परिदृश्य दिखाई देगा । तुम जंगल को पेड़ समझने की भूल नहीं कर सकतीं क्योंकि तुम संपूर्ण दृश्य देख रही होती हो ।”

“मैं सहमत हूँ क्योंकि मुझे बड़ी तस्वीर दिखाई देगी ।”

“बिल्कुल ठीक । हमें करना सिर्फ इतना है कि हम अपने जीवन में ऊपर उठें ३५, ००० फीट जितना ऊँचा ।”

“क्या हमें अधिक उड़ान भरनी चाहिए? । मैंने थोड़ा भ्रम में पड़ते हुए पूछा ।

मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूँ कि हमें अपने जीवन में बड़े परिदृश्य को पाना होगा, ताकि हम अपनी सर्वोच्च प्राथमिकताओं को पहचान सकें और उसे पूरा करने के मार्ग को बदलें । हमें ३५, ००० फीट तक ऊपर उठना होगा ताकि हम अपने कर्मों का सिंहावलोकन कर सकें कि किस प्रकार हम अपना दैनिक व्यवहार निभा पा रहे हैं और फिर हम इसमें आवश्यक सुधार करें और अपने गंतव्य की ओर जा रहे मार्ग पर पुनः लौटकर आ सकें । अधिकतर लोग इसके लिए पूरे प्रयास नहीं करते । जोन्ना स्मिथ बर्स ने इसे इस प्रकार कहा है:

हमें अपनी प्राथमिकताओं को परिभाषित करना होगा – मूल्य, प्रयास और स्वप्न जो हमें दिशा देते हैं - और उसको अपना ध्येय मानकर कर्म करने चाहिए यह काफी नहीं है कि हम अपना दैनिक काम निपटा कर बैठ जाएं । हमें अपने जीवन के सपनों की पूर्ति के लिए प्रत्येक दिन को एक प्लेटफॉर्म के रूप में उपयोग करना है । हमें अपने लिए और संसार जिसमें हम रहते हैं के लिए पूरी जिम्मेदारी उठानी होगी ताकि हम स्वयं भी इसमें रह सकें और अपने इर्द-गिर्द के संसार को भी इसमें सम्मिलित कर सकें ।”

“हाँ ।” मैंने जवाब में कहा । इसके पहले किसी ने मुझे ऐसी बुद्धिमत्ता की बात नहीं बताई जो मुझे इतनी सटीक लगी हो । मेरे मस्तिष्क में विचारों की घुड़दौड़ होनी शुरू हो गई थी, क्योंकि अब मैंने उन सारी बातों को पहिचान

लिया था जो मेरे जीवन में कहीं भी काम नहीं आ रही थीं और उन प्राथमिकताओं को जान लिया था जिसकी मैं लंबे समय से अनदेखी करती आ रही थी। सबसे अधिक विचार मुझे अपने परिवार के बारे में आ रहे थे। मुझे पोर्टर और सरिता की याद आ रही थी। मुझे उत्कठा हो रही थी कि जॉन ठीक-ठाक है या नहीं और वह घर पर इस समय क्या कर रहा होगा। मुझे क्या-क्या परिवर्तन अपने आपमें लाने हैं और अस्पताल से छूटते ही मुझे नया क्या-क्या करना है, इन सबके बारे में मैं स्वयं से वादे कर रही थी। इसके बाद मेरा दिमाग फिर जुलियन के बारे में सोचने लगा। मेरा भाई पहले के उस व्यक्ति की तुलना में कितना बड़ा बन गया था। पहले का जुलियन तेज दिमागवाला और अपने काम में मस्त रहनेवाला और आकर्षक व्यक्तित्व का स्वामी था। लेकिन नया जुलियन विचारवान और ज्ञानवान तथा बुद्धिमान था। मैं उसे इस रूप में और भी अधिक प्यार करती थी।

“तो जुलियन तुम कह रहे थे कि तुम जितने भी पंडितों से मिले उनसे ज्ञान की गहराई में अधिक और अधिक जाने की जिद करते थे। फिर क्या हुआ?”

“मैं कुछ चकित करनेवाली बातों को जान पाने में कामयाब रहा और स्वयं के बारे में ऐसी बातें जान सका जिससे मैं अन्यथा जीवनभर अपरिचित ही रह जाता।”

इस बीच, जुलियन मेरे बेड के नज़दीक की कुर्सी पर अपनी लंबी टांगें फैलाकर और अपने दोनों हाथों को सिर के पीछे रखकर आराम कर रहा था। जब वह बोलता था तब उसका चेहरा दमकने लगता था और उसकी आंखें संदेश की उत्तेजना से नाच रही होती थीं। मैं तो अपने भाई की बातों को सुनकर किंकर्तव्यविमूढ़ रह जाती थी और उसके मुँह से निकला प्रत्येक शब्द मुझे अपने सम्मोहन में बांध लेता था।

“उत्तर भारत में कुछ महीनों तक यात्रा करने के बाद, मुझे संन्यासियों के समूह, जो हिमालय की चोटियों में कहीं रहता था, के बारे में लोगों के बीच कानाफूसी सुनाई पड़ी। ग्रंथों के अनुसार, इन संन्यासियों, जिन्हें शिवाना के महान संन्यासी के नाम से जाना जाता है, - शिवाना का अर्थ उनकी जुंबा में होता है ज्ञान का सागर - ने असाधारण प्रणाली विकसित की है जिसे उपयोग में लाकर कोई भी व्यक्ति वैयक्तिक मास्टरी और संतोष के असाधारण स्तर को पा सकता था। इन संन्यासियों ने सदियों की बुद्धिमत्ता के निचोड़ को व्यावहारिकता और असाधारण रूप से शक्तिमान प्रक्रिया के रूप में ढाल लिया है जिसे अपनाकर वे शांति हर्ष और उल्लास के अत्युत्कृष्ट स्तर से संपन्न जीवन जीते हैं। केवल एक ही समस्या थी और वह यह कि इन दुर्लभ संन्यासियों को कैसे पाया जाए, यह कोई नहीं जानता। मैंने यह भी सुना कि कई तो इस प्रयास में अपने प्राणों से हाथ धो बैठे।”

“खैर जाने दो।” जुलियन ने मेरे कप से चाय की एक घूंट पीते हुए कहा, “तुम तो जानती हो, मैं हमेशा ही जोखिम उठाने में यकीन रखता हूँ। जैसाकि डैड अक्सर ही हमलोगों से कहा करते थे: ‘अपने जीवन के अंत में जिस बात पर हमें सबसे अधिक पछतावा होगा वह उन सभी जोखिमों के लिए नहीं होगा जो हमने उठाया बल्कि उन जोखिमों के लिए होगा जिन्हें हमने नहीं उठाया, वो सभी खतरे जिनसे हमने मुँह चुराया और वे सभी अनोखे अवसर जिन्हें हमने अपने हाथ से जाने दिया।’ याद रखो, कैथरीन, भय के उस पार स्वतंत्रता तुम्हारा स्वागत कर रही होगी। इसलिए भयमुक्त होकर और हर्षोल्लास से लंबालब होकर मैंने अंतिम ज्ञान की पिपासा शांत करने के लिए हिमालय पर्वत का रुख किया। और यदि मुझे संन्यासी न मिले होते तो मैं उनकी खोज में अपने प्राणों की बलि देने के लिए भी तैयार था।

“कई दिन और कई रातें मैं उन दुर्गम पर्वतों का आरोहण करता रहा। भले ही मुझे भयंकर दर्द और पीड़ा थी और एक बार नहीं बल्कि कई बार मौत के मुँह में जाते-जाते बचा, मैंने जिस सुंदरता का अनुभव इस दौरान किया वैसा अनुभव तो मैंने कभी किया ही नहीं था।” जुलियन ने कहा। “मेरा मानना है कि दृश्यों का वह मूर्त रूप और उस परिवेश की सादगी ही थी जिसने मेरे अंतर्मन की गहराई को छुआ। मैंने उस पथ पर आगे बढ़ते हुए अपने आपको ब्रह्मांड से इतना जुड़ा हुआ पाया और स्वयं को किसी चीज का एक हिस्सा महसूस किया जो इतना बृहदाकार था कि मुझसे भी बड़ा, बहुत ही बड़ा था। और मैंने कभी हार नहीं मानी। मैं चढ़ाई चढ़ता रहा, चढ़ता रहा, बस, यह उम्मीद मन में रखकर कि मैं जीवित रहूँगा और अंततः मुझे संन्यासियों की संगत जरूर मिलेगी। तुम्हें पता है, मैंने हमेशा इस बात में यकीन किया है कि निरंतरता एक ऐसा गुण है जिसे प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर विकसित करना ही चाहिए यदि उसे अपने जीवन के सपनों को साकार करना है। ‘कुछ इसलिए सफल होते हैं क्योंकि वे भाग्यशाली हैं: लेकिन हममें से अधिकांश सफल होते हैं क्योंकि वे दृढ़प्रतिज्ञ होते हैं।’” कहा है एनाटोल फ्रांस ने।

“मेरे तमाम प्रयासों और समर्पण के बाद आखिर एक दिन ऐसा आया जब मुझे सफलता मिल ही गई। एक दिन

मुझे एक आकृति की झलक दिखाई दी जो लंबे लहराते हुए लाल रंग के लंबादे में थी जिस पर एक गहरे नीले रंग का कनटोप लगा हुआ था । " मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई अकेला व्यक्ति यहाँ दिखाई दे सकता है । 'कोई अकेला व्यक्ति यहाँ इतनी ऊँचाई पर भला किस प्रयोजनार्थ हो सकता है?' मुझे विस्मय हुआ । "

"मैंने अपने साथ ही चढ़ाई कर रहे उस आकृति को आवाज़ लगाई, लेकिन यह क्या, वह आकृति रुककर मुझसे बातें करने के बजाए और भी तीव्र गति से पर्वत की चढ़ाई चढ़ने लगी । दूसरी बार जब मैंने फेफड़ों की पूरी ताकत लगाकर उसे आवाज दी तो वह अंजान यात्री अपनी पूरी गति से भागने लगा । जबकि उसका चेहरा अभी भी दिखाई नहीं दे रहा था, उसका लाल रंग का लबादा बड़ी शान से उसके पीछे हवा में लहरा रहा था । "

"हे मित्र, मुझ पर तरस खाओ, मैं भारी मुसीबत में हूँ! मैंने रोते हुए कहा। "मैं शिवाना को ढूँढने में तुम्हारी मदद लेना चाहता हूँ । मैं संन्यासियों की खोज में निकला हूँ, लेकिन मुझे लग रहा है कि मैं मार्ग भटक गया हूँ। "

"मेरी इस बात पर वह आकृति अचानक ही रुक गई । मैं अब इस रहस्यमयी व्यक्ति की ओर नज़दीक तक आ गया था, जिसका चेहरा अभी भी कंटोप से ढके होने के कारण छुपा ही था, लेकिन यह क्या वह व्यक्ति अब उलटा पलट कर मेरी ओर बढ़ने लगा । अचानक ही सूर्य का प्रकाश पुंज उसके चेहरे पर पड़ा और तब विदित हुआ कि वह व्यक्ति कोई पुरुष था । लेकिन कैथरीन, मैं तुम्हें बता दूँ कि मैंने इस जैसा पुरुष तो कभी देखा ही नहीं था । कभी नहीं । मेरा अनुमान है कि वह अपनी उम्र के पचासवें वर्ष में रहा होगा लेकिन उसका ताम्र वर्णीय चेहरा ओजपूर्ण और सुचिक्कन था । उसका शरीर विशेष रूप से बलिष्ठ और शक्तिमान था और उसमें से अनंत ऊर्जा फूट रही थी । वह बहुत ही ऊँचा लंबा खड़ा था और उसका पूरा परिवेश राजकीय दिखाई दे रहा था । मुझे उसकी आंखें आज भी याद हैं, जो इतनी तीक्ष्ण दृष्टिवाली थीं कि जिनके सामने मेरी आंखें टिकी न रह सकीं और तुरंत ही मैं दूसरी ओर देखने लगा । "

"मुझे विश्वास हो चला था कि मेरी खोज पूरी हो चुकी है । यह जरूर शिवाना का कोई महान संन्यासी होगा । और मैंने इस मनुष्य के सामने अपना हृदय खोल कर रख दिया, उससे सहायता की गुहार लगाते हुए और उसको यह समझाते हुए कि मैं इस दुर्गम स्थान पर अपने जान की बाजी लगाकर क्यों आया । मैंने उसे अपने पूर्व जीवन के बारे में बताया, कैसे मैं कानून की दुनिया में सफलता के चरम पर पहुँच कर सुपरस्टार की हैसियत प्राप्त कर चुका था, कैसे मेरा जीवन जेटसेट लाइफ़ स्टाइल का आदी हो चुका था, और उसके बाद अपनी बेटी ऐली की मृत्यु का वृत्तांत बताया जिसने मुझे पूरी तरह तोड़कर रख दिया था । मैंने उससे विनती की कि वह मुझे अपने साथ संन्यासियों के समुदाय में सम्मिलित कर ले और मुझे उनके पास उपलब्ध गहरी बुद्धिमत्ता की शिक्षा लेने की अनुमति दे ताकि मैं जीवन की पूर्णता, सार्थकता के रहस्य को समझ सकूँ । "

जुलियन ने मुझे बताया कि उस व्यक्ति ने उसकी आपबीती पूरे मनोयोग से बिना एक शब्द भी मुँह से निकाले सुनी । वह यकीन से इतना भी नहीं जानता था कि उसकी कही बातों में से एक भी बात उस व्यक्ति की समझ में आई भी या नहीं । लेकिन तभी आश्चर्यजनक रूप से उस संन्यासी का हाथ ऊपर उठा और उसकी बाँह मेरे भाई कंधे पर आ गई । "यदि तुम सच्चे हृदय से अपने जीवन को बुद्धिमत्तापूर्वक बेहतर ढंग से जीना सीखने की इच्छा रखते हो तो यह मेरा व्यक्तिगत कर्तव्य है कि इस काम में मैं तुम्हारी सहायता करूँ । मैं ऐसे किसी भी व्यक्ति को निराश नहीं करता जो जरूरत की घड़ी में मेरे पास आए । जिसे हमारी सहायता की आवश्यकता हो उसकी सहायता करना हमारी ली हुई पवित्र शपथों में से एक है और वह शपथ ऐसी है जिसे मैं अपने सीने से लगाकर रखता हूँ । वास्तव में मैं उनमें से एक हूँ जिसकी तुम्हें खोज थी । तुम ऐसे पहले व्यक्ति हो जिसने कई वर्षों के बाद हमें ढूँढा है । तुम्हें बधाई । मैं तुम्हारे इस कठिन हठ की प्रशंसा करता हूँ । अवश्य ही तुम कुशल वकील रहे होगे । " उसने मुस्कुराते हुए कहा । उस संन्यासी ने इसके बाद जुलियन को पर्वत में उस गुप्त स्थान की ओर ले चलना प्रारंभ किया जहाँ अन्य संन्यासी भी रहते थे, इस बात का यकीन दिलाते हुए कि वे सब उसका स्वागत बाँहें फैलाकर करेंगे और उसे उन प्राचीन सिद्धांतों की शिक्षा देंगे जो उन्हें उनके पूर्वजों से वर्षों से विरासत में मिलती चली आई है ।

"लेकिन यहाँ एक शर्त भी थी जो उस संन्यासी ने मुझ पर लगाई थी । " जुलियन ने गंभीर होते हुए कहा । "मुझे उसके कहे हुए शब्द अभी भी याद हैं: 'इसके पहले कि मैं तुम्हें अपने निजी संसार में सम्मिलित करूँ और अपने सामूहिक ज्ञान को तुम्हारे साथ बांटूँ, तुम्हें एक वादा करना होगा । यह सच है कि हम इन तिलस्मी पर्वतों में अलग-थलग पड़े हैं, लेकिन तुम्हारा संसार किस तरह नर्क के गर्त से होकर गुजर रहा है, हमें भली भाँति विदित है । लोग भूलने लगे हैं कि सहिष्णुता और प्यार से कैसे जीवन जिया जाता है । लोगों ने उन बातों को भुला दिया है जो वास्तव में मायने रखती हैं । वे धन के लिए जीवन के अर्थ को कुर्बानी दे बैठे हैं और ध्येय को साधने के बजाए लाभ

के पीछे भाग रहे हैं। उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता में उनका परिवार अब नहीं रहा और इसके परिणामस्वरूप उनके अर्द्धांग और उनके बच्चों को व्यर्थ ही भुगतना पड़ता है। वे अब अपने आप में नवशक्ति का संचार करने और सर्वोच्च मूल्यवान मानव संबंधों को विकसित करने के लिए समय नहीं निकाल पाते। वे यह भूल बैठे हैं कि जीवन की छोटी-छोटी खुशियाँ जैसे-बच्चे की हंसी का जादू या सूर्योदय की भव्यता से अधिक महत्वपूर्ण जीवन में कुछ भी नहीं है। मैं पूरे यकीन के साथ कह सकता हूँ कि तुम्हारे उस संसार के व्यक्तियों को खुशियों से भरा-पूरा, संपूर्ण जीवन जीने का हक है। मैं जानता हूँ कि ऐसे सभी व्यक्तियों के लिए आशा की जा सकती है, और मेरा अंतर्मन मुझसे कहता है कि इस आशा का दीप तुमसे ही प्रज्वलित होगा। तुम इन असाधारण अनुपम सौंदर्यबोधवले पर्वतों में हमारे बीच रहते हुए अपने जीवन का वास्तविक नेतृत्व करने के लिए एक विशिष्ट प्रणाली की खोज कर सकोगे। तुम उस शक्ति के बारे में जानोगे कि मनुष्य का आत्म बल इस उथल-पुथल भरे संसार में भलाई के लिए ही होना चाहिए। तुम जान पाओगे कि कैसे शक्तिमान, प्रसन्नचित, स्वस्थ और बुद्धिमान, इतना जितना कि पहले तुम कभी नहीं थे, रहा जा सकता है। तुम यह भी जान पाओगे कि जीवन को प्रभावी रूप से जीने के लिए संबंधों का महत्व कितना अधिक होता है और अपने जीवन को प्यार करने की वास्तविक समझ पुनः जागृत करने की कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण अद्वितीय तकनीक भी तुम जान पाओगे।”

“प्यार?” जुलियन ने पूछा, उसे आश्चर्य हुआ कि संन्यासी इसे भी महत्व दे सकता है।

“हाँ” तत्काल ही उत्तर मिला। “हम सबको अपने जीवन में अधिक प्यार की आवश्यकता है। सच कहूँ तो यह संसार उत्तम स्थान हो जाता यदि इसमें प्यार और भी रहा होता। लेकिन इसके पहले कि मैं तुम्हें अपनी संस्कृति में प्रवेश दिलाऊँ और अपने सभी भाइयों और बहिनों से तुम्हारा परिचय कराऊँ, तुम्हें मुझसे यह वादा करना होगा कि तुम हमारे चरणों में बैठकर जो भी पाठ सीखोगे उसे पश्चिम में उन लोगों के बीच बांटोगे जिन्हें उसकी जरूरत है। तुम उस प्राचीन सभ्यता के बुद्धिमत्तापूर्ण जीवन के संचालक बनोगे जो हमने विरासत में पाया है और पूरे संसार में इसका प्रचार-प्रसार करोगे ताकि अधिक से अधिक लोगों की सहायता की जा सके और अधिक से अधिक लोगों के जीवन को बदला जा सके। जीवन में इस बात का इतना महत्व नहीं कि तुम्हें जीवन में क्या मिला, अपितु इस बात का सर्वाधिक महत्व है कि तुमने इस जीवन को क्या दिया। जीवन वही है जो दूसरों की सहायता करे और तुम्हारे जीने के ढंग से यह संसार फलता और फूलता है। तुम्हें अपने दिल की गहराइयों से खुद अपने आपसे यह प्रतिज्ञा करनी होगी कि तुम अपने शेष दिनों में इस साधारण किंतु भुला दिए गए सिद्धांत को नहीं भुलाओगे। क्या तुम करोगे ऐसी प्रतिज्ञा?”

“मैंने इस सिद्धांत को मानने के लिए अपनी सहमति अविलंब दे दी,” जुलियन ने कहा और फिर छणिक चुप्पी साध ली। “कुछ ही घंटों के भीतर मैं एक बहुत ही सुरम्य गाँव, जिसे मैंने अपने जीवन में इससे पूर्व कभी नहीं देखा था, में खड़ा था। यह इतना सुंदर और इसके छटा इतनी लुभावनी थी कि जो इसे देखता तो बस देखता रह जाता। इस जैसा तो मैंने कभी कुछ देखा ही नहीं था, कैथरीन। प्रत्येक इमारत, जिसमें गाँव के बीचोबीच का मंदिर भी आ जाता है, गुलाब के पुष्पों से आच्छादित थी।”

“गुलाब के फूलों से?” मैंने प्रश्न किया।

“गुलाब। मेरा अभिप्राय है कि उस स्थान का सुवास इतना अविस्मरणीय था। और शिवाना का प्रत्येक निवासी उतना ही विशेष दिख रहा था जितना कि वह संन्यासी जो मुझे इस स्थान तक लेकर आया था। उस स्थान को देखकर मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं हो पा रहा था। वास्तव में ही मुझे यकीन नहीं हो रहा था। इस पौराणिक स्थान को ढूँढने में आखिर मैंने अपने जीवन को ही दांव पर लगा दिया था। अंततः मैंने इसे ढूँढ ही लिया और इसके बाद मुझे उस समुदाय का एक भाग होने का विशेषाधिकार और उनके चरणों में बैठकर अध्ययन करने का अवसर प्रदान किया गया। जो खुशी मुझे उस समय हुई उससे मेरी आंखें भर आई।”

जुलियन की कहानी ने मुझे लगभग दो घंटे तक बांधकर रखा। मेरे भाई की साहसिक यात्रा में उपन्यास की पूरी कच्ची सामग्री थी, इसके बावजूद उसने इसे प्रत्यक्ष जिया था। किन्हीं कारणों से मेरे रूम के बाहर खड़ी नर्सें हम दोनों को एकांत देने के इरादे से वहाँ से हट चुकी थीं, संभवतः यह जानकर कि जुलियन मेरे परिवार का सदस्य था और उसकी निकटता मेरे आत्मिक विकास के लिए फलदायी होगी। मुझे अचंभा हो रहा था कि वे भला उसकी पोशाक को देखकर क्या सोचती होंगी? संभवतः उन्होंने इस जगह तो यह पहला संन्यासी ही देखा होगा, मैंने मन ही मन हंसते हुए कहा। जुलियन ने शिवाना में क्या सीखा, मैं इसकी और प्रतीक्षा नहीं कर सकती थी। मैं अब यह जान चुकी थी कि उसने क्यों कहा कि वह यहाँ उसकी मदद के लिए लौट आया है। वह लौटकर घर आया था

क्योंकि संन्यासियों से की गई प्रतिज्ञा पूरी करने के लिए उसे जीवन को पुनर्जीवित करने की उनकी प्रणाली मुझे बतानी थी और मेरे साथ बुद्धिमत्तापूर्ण जीवन जीना था। मैं आशान्वित थी कि जुलियन मुझे मेरे पारिवारिक संबंधों को सुधारने में मेरी मदद करेगा और घर का माहौल बनाना मुझे सिखाएगा, जो मैं जानती थी कि हो सकता था। लंबे समय के बाद पहली बार मैं अधिक पूर्णता भरे जीवन की संभावना से अत्यधिक प्रसन्न महसूस कर रही थी। जीवन का सूनापन जिसने मुझे इतने लंबे अंतराल तक जकड़ रखा था ऐसे बीता जा रहा था कि जैसे तूफानभरे भूरे बादल सूर्य की चमकती किरणों के लिए फट जाते हों। जुलियन उठकर खड़ा हो गया।

“कैथरीन, मैं तुमसे मिलकर बहुत खुश हूँ,” उसने नम्रतापूर्वक कहा। “लेकिन मुझे थोड़ी देर के लिए जाना होगा। कुछ काम हैं जो मुझे करने हैं।”

“जुलियन मैंने तुम्हें वर्षों से नहीं देखा। तुम अभी मत जाओ, मैंने व्यग्र होते हुए कहा।”

“मैं तुमसे वादा करता हूँ, मैं आऊंगा लौटकर तुम्हारे पास। वास्तव में तो यहाँ से जल्दी लौटने का मेरा कोई प्लान ही नहीं है, और इसलिए तुमको मेरे साथ दिन गुजारने ही होंगे चाहे तुम इसे भला मानो या बुरा। तुमने अंदाज़ तो लगा ही लिया होगा कि मैं यहाँ क्यों आया हूँ।”

“शायद इसलिए कि तुम संन्यासी के सामने लिए गए अपने प्रण को पूरा कर सको?”

“सच कहा तुमने।” मैं जानता हूँ, तुम कितनी बड़ी मुसीबत में थी। मैंने प्लेन क्रैश के बारे में पढ़ा और यही कारण है कि मैं यहाँ भागा हुआ आया। लेकिन इसके भी पहले मैं जानता था कि तुम अंधकार में भटक गई थीं। मुझे अपने एक भूतपूर्व ला पार्टनर से पता चला कि तुम अपने काम में सफलता के चरम पर थीं लेकिन तुम्हारे व्यक्तिगत जीवन में बहुत ही गड़बड़ थी। तुम्हारे प्यारे-प्यारे दो बच्चों को तुम्हारी जरूरत है। तुम्हारा दायित्व है कि सबसे पहले तुम अपने बच्चों की जिम्मेदारियों को पूरा करो और उन्हें अपने अंदर नेतृत्व के गुण विकसित करने के लिए प्रेरित करो जो उन्हें किसी न किसी दिन बड़ा आदमी बनाने में, जिम्मेदारी संभालनेवाला युवक बनाने में मदद करेगा। मैं तुम्हें सिखाऊंगा कि कैसे गुरुतर माता-पिता बना जा सकता है और ऐसा करके कितनी शांति और कितना संतोष पाया जा सकता है। मैं संन्यासियों के रहस्य को कि कैसे संबंध बनाए रखे जाते हैं, तुम्हें बताऊंगा ताकि जॉन के साथ तुम अपने संबंधों को मजबूत बना सको। और मैं तुम्हें यह भी सिखाऊंगा कि कैसे तुम अपने जीवन की जटिलताओं को हल करो और एक आदर्श स्थिति बना सको।”

“क्या तुम्हारा सोचना है कि मुझे अपना कैरियर त्याग देना चाहिए?” मैंने पूछा।

“बिल्कुल नहीं। मैं यहाँ रहकर तुम्हें सिखाऊंगा कि कैसे इन सबको पाया जा सकता है। संतोषजनक प्रोफेशनल जीवन पाया जा सकता है जहाँ तुम बड़े-बड़े कामों को अंजाम दे सको और कई जिंदगियों के हृदय को छू सको साथ ही साथ खुशियों से भरा-पूरा पारिवारिक जीवन भी तुम जी सको जिसमें तुम घर की संस्कृति की सुगंध भली भांति भर सको।” वास्तव में, जुलियन आगे कहा, “मैंने पाया है कि घर में मजबूत नींव ही काम में बड़ी सफलता के लिए ईंधन बन जाता है।”

“क्या सचमुच ही जिंदगी के दोनों ही क्षेत्रों में उत्कृष्टता पायी जा सकती है?”

“हाँ, यह सच है।” जुलियन ने जवाब में कहा और दरवाजे की ओर बढ़ने लगा। “ट्रिक यह है कि काम में कठोर परिश्रम से कहीं ज्यादा होशियार या स्मार्ट बनने की है। तुम्हें अपने काम में अधिक मन लगाने और यह भली भांति जानने की जरूरत है कि कौन से काम की अनिवार्यता पहले है और कौन से काम हैं जिनकी अनिवार्यता बाद की है। यदि तुम ऐसा कर सको तो तुम्हें अपने परिवार के लिए अधिक समय मिलेगा और साथ ही तुम्हें खुद की देखभाल के लिए भी समय मिल सकेगा जिससे तुम्हारे जीवन में आत्मिक शांति और जीवन की खुशियाँ लौट आएंगी। लेकिन इस बारे में और बातें बाद में होंगी। मुझे कई जगहों पर जाना है और लोगों से मिलना है। जुलियन ने चिंता दिखाते हुए कहा। मुझे यह सोचकर विस्मय हो रहा है कि वे मॉडल जिनके साथ मैं डेट किया करता था, मेरी पोशाक के बारे में क्या सोचेंगी?” उसने मुंह चिढ़ाते हुए कहा।

“तुम मजाक कर रहे हो, है न?”

“मैं सच कह रहा हूँ, कैथरीन। मैं ऐसा इंसान बन गया हूँ जो अपनी बात पर रहता है और अपने संकल्प पूरा करता है। हम सबको अपने संकल्पों को पूरा करना ही चाहिए। मेरी खुद की जिंदगी उस जिंदगी से बिल्कुल ही अलग हो गई है, जिसे तुम जानती हो, मैं कभी जिया करता था। मैं अब सामान्य आदमी का सीधा और सपाट जीवन सिर्फ अपने ध्येय के लिए जीता हूँ। मेरे अव्यवस्थित दिन अब लद गए हैं।”

“मेरे भाई, मुझे तुम्हारे मुँह से निकली यह बात बहुत अच्छी लगी। अरे, लड़के मैं तुम्हारे बारे में सोचकर कितना चिंतित रहा करती थी।”

“अब और चिंता करने की जरूरत ही नहीं। धन्यवाद, मेरी प्यारी बहिन। तुम्हें मैं कितना प्यार करता हूँ!”

“और इसके साथ ही कानून का सुपरस्टार, जो अब ज्ञानी संन्यासी बन चुका था, ने मेरे माथे को एक बार पुनः चूमा और कमरे के बाहर निकल गया, उसका लबादा उसके पीछे लहरा रहा था। इस सर्वाधिक विस्मयकारी मुलाकात के दौरान उसने मेरे तकिए के पास बस एक चीज छोड़ी थी और वह थी उसकी गोल्डन बटरप्लाइ। जब मैंने उसे पलटा तो मैंने पाया कि जुलियन ने अपनी बहुत ही महीन लिखावट में उस पर कुछ शब्द उकेरा हुआ था। मैंने अक्षर देखने के लिए अपना चश्मा आँखों पर बैठाया और उकेरे गए पवित्र संदेश को पढ़ा। “कैथरीन,” उस पर लिखा था, “तुम्हारे बच्चे तुम्हारे जीवन में सबसे बड़ा पुरस्कार हैं और वे अभी छोटे ही होंगे। उन्हें सर्वाधिक महत्व दो, तुम्हारा जीवन खुशियों से भर उठेगा। मैं घर लौटकर बहुत ही खुश हूँ। तुम्हारा फैन जुलियन।”

परिवार के नेता की प्रथम मास्टरी

जीवन के नेतृत्व का प्रारंभ अपने घर से करो

पच्चीस वर्ष पूर्व किसी ने मुझे कहा था कि मेरे जीवन की सार्थकता मेरे बच्चों में अच्छे संस्कार मैं डाल सकूँ, इसमें है न कि इसमें कि मैं अपने कारोबार में कितना सफल हुआ।

रैबी हेरौल्ड कुशनेर

यदि बच्चे जैसा हमने सोचा होता है उसी के अनुसार बड़े होते हैं तो आपको जीनियस की प्राप्ति होती है।

गोएथ

मुझे अस्पताल से लौटकर घर आए हुए अभी एक महीना भी नहीं बीता होगा। अच्छी बात यह रही कि जैसा जुलियन ने मुझे कहा था, मैं अब पूरी तरह स्वस्थ हो गई थी और मुझमें जो शक्ति और हिम्मत पहले कभी हुआ करती थी, मैं उसे पूरी तरह फिर से पा चुकी थी। लेकिन बहुत सारी अन्य बातें उस ३५००० फीट की ऊंचाई पर मिली चेतावनी के कारण बदल गई थीं। मैंने अपने काम को युक्तिसंगत करने और अपने घर के बेसमेंट में ही ऑफिस खोलने का निर्णय किया। ऐसा करते ही पहले ऑफिस जाने में जो मुझे एक घंटे से कम का समय नहीं लगता था, अब मिनट भी नहीं लगता था। मैं अब अपना फ्लानेल पायजामा पहने हुए ही बड़ी-बड़ी फर्में के चीफ एक्जिक्यूटिव (सीईओ) से ट्रांसएटलांटिक कानफ्रेंस कॉल के जरिए बात करने का आनंद उठाती थी। यद्यपि मैंने अपनी प्राथमिकताएं पुनर्परिभाषित कर ली थीं, मैं अब भी उस पागलों जैसी भागमभाग को जो मुझे कारोबार करने के कारण मिला, भुला नहीं पा रही थी और मैं जुलियन के प्रति कृतज्ञ थी जिसने मुझे अपनी जिंदगी के इस भाग को तिलांजलि न देने की सलाह दी।

चिकित्सकों के कहे अनुसार मैंने व्यायाम की समय सारणी का पालन गंभीरतापूर्वक करना प्रारंभ कर दिया- जिससे मुझे बहुत आराम मिला-और मैंने पौष्टिकता से भरपूर भोजन लेना प्रारंभ किया। देर रात ड्राइव थ्रू विंडोज पिट स्टॉप्स बंद हो चुके थे और डबल पेपरोनी और बेकन के साथ थ्री-चीज़ पीज़ा भी बंद हो चुके थे। मैंने अपना ज्यादातर समय घर में रहकर जॉन और अपने बच्चों के साथ बिताना शुरू कर दिया था। वास्तव में ही मैं अपने जीवन की उस अलख को पुनः जगाने के प्रति अपने को समर्पित कर चुकी थी जिसे मैं कभी का खो चुकी थी। और सबसे बड़ा परिवर्तन जो देखने को मिला वह था जुलियन, जो कभी शहर की सबसे बड़ी हवेली (मैन्शन) का स्वामी रह चुका था और जो अपनी स्वतंत्रता से कभी भी समझौता न करने के लिए सर्वाधिक जाना माना नाम था, हमारे साथ ही रहने आ गया था और उसने गैराज के ऊपर एक छोटा सा घर बनाया जिसमें भरपूर धूप आती थी। मेरा अनुमान है कि वह वास्तव में ही अपने संकल्प को जीने की राह पर चल पड़ा था और चूंकि वह सादा जीवन की शक्ति का प्रचारक था, मुझे यह देखकर खुशी हो रही थी कि वह उसी राह पर चल भी रहा था। तथापि मैं स्वीकार करती हूँ कि मेरे लिए बहुत कठिन था यह विश्वास करना कि मेरा भाई जुलियन जो कभी जुलियन मेंटल नाम की एक हस्ती हुआ करती थी, हिमालय की पर्वतमालाओं, जहाँ उसे विश्व के सर्वाधिक महत्वपूर्ण संन्यासी का साक्षात्कार हुआ था, की असाधारण यात्रा से लौटकर अब मेरे गैराज के ऊपर ग्रेनी क्वार्टर्स में रह रहा था। जीवन में कभी इस प्रकार का चमत्कारिक परिणाम भी देखने को मिल सकता है।

इसके बाद भी मैं आपको बताना चाहूँगी कि मुझे अपने भाई के लिए कोई दुख अथवा दया महसूस नहीं हो रही थी। लेकिन, मुझे दुख हुआ कि जीवन में उसे कितने भयानक तूफानों से होकर गुजरना पड़ा। उसकी बिटिया ऐली का गम इतना बड़ा सदमा था जिसका वह हकदार नहीं था। इन सब बातों को सोचकर ही मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि उसने कभी अपना आत्म सम्मान खोया हो। यह सच है कि वह अब अपनी चमचमाती फेरारी में शहर में नहीं दिखता था, अपना शानदार मेंशन बेच डाला और अब वह एक सिमटी-सिकुड़ी हुई जगह में रह रहा था जो उसके पहले के ऑफिस के बाथरूम से थोड़ा ही बड़ा था। यह भी सच है कि वह अब शहर में आम चर्चा में नहीं रह गया था जो बमुश्किल ट्वेंटीज की उम्रवाली एक से एक सुंदर फैशन मॉडल्स के साथ देर रात हुआ करता था और जहाँ मोटी रकमवाले इनवेस्टमेंट बैंकर्स हवाई जहाज में बैठकर नसाऊ स्थित कैसिनो में रात गुज़ारने आते थे। मेरा

अनुमान है कि मुझे ऐसा लगता था कि उसे अपने बीते जीवन के भोग-विलास की किसी भी चीज में कोई रुचि नहीं रह गई थी, लेकिन उसे कहीं कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण चीज हाथ जरूर लग गई थी। जुलियन का स्वास्थ्य बहुत ही अच्छा था, उसके अंदर किशोरावस्था जैसी उमंग का संचार होता साफ दिखाई देता था और वह बुद्धिमत्ता का इतना महत्वपूर्ण संरक्षक बन गया कि मुझे व्याकुलता होने लगी। मेरी समझ से उसका जीवन जो कभी अत्यंत जटिल था, अब बिल्कुल ही सरल बन गया था। जो जीवन निरंतर निराशा के अंधकार में डूबा रहता था, अब उसमें चहुँओर हर्षोल्लास व्याप्त था। नहीं, जुलियन ने अपना आत्मसम्मान खोया नहीं था बल्कि उसने इसे अपने अनुसंधान से प्राप्त किया था।

“चलो हम ब्रेव लाइफ डॉट कॉम हैडक्वार्टर को चलें”, एक दिन उसने बिल्कुल पौ फटने के साथ की अपनी दैनिक सैर से लौटकर मेरी चमचमाती रसोई में प्रवेश करते हुए कहा। “वर्षों बीत गए मैं किसी ऑफिस टॉवर में नहीं गया, मुझे कारपोरेट जगत में क्या-क्या परिवर्तन आए हैं यह देखने की जिज्ञासा हो रही है।”

यद्यपि अब मैं कंपनी का काम अपने घर में ही रहकर किया करती थी, हमारे सभी कर्मचारी कंपनी के विलासितापूर्ण कार्यालयों में ही काम करते थे। ये कार्यालय मैंने और मेरे पार्टनरों-उनकी मृत्यु से पहले-ने मिलकर किराए पर लिए थे। शहर के सर्वाधिक प्रतिष्ठित स्काइस्क्रैपर, जिसके सामने का दृश्य देखो तो आंखें बरबस ही वहीं टिकी रह जाएं, मैं हमारे दो फ्लोर थे। मैं निश्चित अवधि के अंतराल पर ऑफिस जाती जरूर थी, लेकिन शीघ्र ही मुझे शहर के व्यावसायिक क्षेत्र में जाने से डरने लगा।

“इतने बड़े संसार में जुलियन तुम वहीं क्यों जाना चाहते हो? तुमने इतने वर्षों में अपने पुराने मित्रों से भी कोई बात नहीं की है। मैं सोचती थी कि वित्तीय जिला-वह स्थान जहाँ तुम मिस्टर बिग शॉट लायर का जीवन व्यावहारिक रूप से जी रहे थे- एकमात्र स्थान होगा जहाँ तुम जाना चाहोगे।”

“सच बात तो ये है कि हिमालय से लौटने के बाद मैंने अपने कुछेक मित्रों से बात की है, लेकिन उस बात को छोड़ो, “जुलियन ने गोपनीय सा जवाब दिया।” और वास्तव में ही मुझे शहर जाने की आवश्यकता है।”

“तुम्हें किस चीज की आवश्यकता है? तुम जानते हो तुम्हारी जरूरत की कोई भी चीज लाने में मुझे सबसे अधिक खुशी होगी।”

“सच पूछो तो मैं अपनी आवश्यकता के लिए नहीं बल्कि तुम्हारी आवश्यकता के लिए शहर जाना चाहता हूँ।”

“मेरी आवश्यकता के लिए? मुझे अपनी जरूरत के लिए वहाँ तक जाने में कोई रुचि नहीं है। मैं अपने घर पर रहकर काम करने में ही खुश हूँ और मेरी अनुपस्थिति में वहाँ का प्रत्येक स्टाफ सही तरह से अपना काम कर रहा है। और चाहे जो भी हो,” - मैंने कहना जारी रखते हुए कहा “जो तुम्हारी पोशाक है, जिसे तुम प्रतिदिन ओढ़े रखना चाहते हो, उसमें तो तुम्हें वहाँ की सिक्युरिटी से गुजर पाना नामुमकिन ही होगा। क्या तुम उसे प्रतिदिन पहनना चाहोगे? सड़क का हर आदमी आज ‘उस संन्यासी की चर्चा कर रहा है जो कूज परिवार के साथ रहने लगा है।’ यहाँ तक कि बूढ़ी मिस विलियम जो अपनी चौदह बिल्लियों के साथ पूरे दिन अंधेरे कमरे में रहती हैं, मेरे पास चलकर आयीं। मैं उस समय सामने के हिस्से में बागवानी कर रही थी। उन्होंने मुझसे तुम्हारे बारे में पूछा कि तुम कौन हो? मैं शर्त लगाती हूँ वह सोचती होगी कि तुम कितने सुंदर हो, जुलियन,” मैंने मजाक किया।

“लेकिन वह मेरी तरह नहीं है,” जुलियन ने बात को हंसी में उड़ाते हुए कहा। “कैथरीन, इस बार तो तुम मेरा यकीन मान लो।” उसने कहना जारी रखते हुए कहा “मेरे पास सिखाने लायक कोई बात है, जिसे आज मैं तुम्हारे साथ बांटना चाहता हूँ और तुम्हारा पुराना ऑफिस वह उपयुक्त स्थल है जहाँ इसे किया जा सकता है। वास्तव में पाँच गुर (मास्टरी) हैं, जिन्हें मैं तुम्हारे साथ बाँटने का इच्छुक हूँ-किसी भी परिवार के मुखिया के लिए आवश्यक पाँच गुर, यदि संक्षेप में कहें।”

“गुर (मास्टरी) क्या है?”

“मास्टरी वह कौशल है जिसके द्वारा कोई भी व्यक्ति निरंतर ध्यान केंद्रित करके तथा अभ्यास के द्वारा तीक्ष्ण बुद्धि पा लेता है। आनेवाले सप्ताहों में मैं तुम्हें पांच समय शुन्य और आधारभूत जीवनदर्शन के नियमों के बारे में बताऊंगा जो माता-पिता की तुम्हारी भूमिका को और तुम्हारे पारिवारिक जीवन की गुणवत्ता को पूर्णतया बदल डालेगा। परिवार के नेता की पाँच मास्टरी का आधार है शिवाना के महान संन्यासियों की शिक्षा। मैंने इसमें बस मात्र अपनी ओर से अपने स्वयं के पाठों को जोड़ भर दिया है ताकि इसे संतुलित रखा जा सके। जुलियन ने अपनी जानी-पहचानी मुस्कान बिखेरते हुए कहा। आज मुझे ऐसा लग रहा है कि जैसे तुम प्रथम मास्टरी (पहला गुर)

सीखने के लिए तैयार हो।”

“कौन सा गुर?,” मैंने सांस रोककर पूछा।

“यह कि जीवन का नेतृत्व शुरू होता है घर के नेतृत्व से”

“वाह, क्या बात है!” मुझे और भी बताओ।

“नहीं, तब तक नहीं जब तक हम शहर में नहीं चलते।,” जुलियन ने दृढ़तापूर्वक उत्तर दिया। “गठजोड़ पूरी तरह सही होना चाहिए”।

“ओके. चलो हम चलते हैं। मुझे मालूम है कि पांच मास्टरी मेरी जिंदगी को बदल देंगे। मुझे अभी-अभी इसका अनुभव हुआ। मुझे वास्तव में ही महसूस हो रहा है कि जैसे बुद्धिमत्ता, जो तुम मेरे साथ साझा कर रहे हो, मेरे विचारों, मेरे शब्दों और मेरे कार्य कलापों में क्रांतिकारी परिवर्तन करेंगे। मैंने अपनी कार की चाबियां मुट्ठी में पकड़े हुए जवाब दिया। और मेरे ख्याल से यही वह समय था जब कुछ जोखिम उठाने का पुनः उद्योग मुझे करना चाहिए था।”

“छोटी बहिन यही भावना होनी चाहिए। नई बातें सीखना और बड़े जोखिम उठाना ही जीवन है, क्या यह सच नहीं? जीवन में सर्वाधिक बड़ा जोखिम है बड़े से भी बड़ा जोखिम उठाने से मुँह चुराना।”

“क्या पीटर ड्रकर ने सच नहीं कहा था कि ‘जोखिम यह है कि उसे उठाना तुम्हें भारी पड़ेगा और यह भी कि उस जोखिम को न उठाना तुम्हें भारी पड़ेगा’?”

“सही कहा और इतिहास की बातों में थोड़ा और जाएं तो रोमन दर्शनशास्त्री सेनेका की कही हुई बात याद आती है कि ‘सफलता इसलिए नहीं मिली क्योंकि वो सब करना इतना कठिन था कि हम हिम्मत नहीं कर सके बल्कि इसके विपरीत हम कह सकते हैं कि सफलता इसलिए नहीं मिली क्योंकि हमने नहीं माना कि उसे कर पाना कठिन काम है।’ मैं अपनी खुद की जिंदगी में प्रत्येक दिन एक नपा-तुला जोखिम उठाता हूँ, भले ही वह कितना भी छोटा क्यों न हो’। इस प्रकार मैं प्रतिदिन अपने जीवन में आगे बढ़ता हूँ।”

“मैंने कुछ ही दिन पूर्व मूवी राउन्डर देखी थी। क्या तुमने भी देखी है?”

“मेरी छोटी बहिन, मैंने वर्षों से कोई मूवी देखी ही नहीं। हम संन्यासी लोग अपना अधिक समय वीसीआर के लिए नहीं दे पाते।” जुलियन ने इतने गुस्से में कहा कि जैसे वह अभी फट पड़ेगा। “कुछ भी हो पॉपकॉर्न हमेशा ही मेरे दांतों पर चिपक कर रह जाया करता है। यहाँ भी मैं ऐसा ही महसूस कर रहा हूँ।” उसने अपना मुँह बड़ा सा खोलते हुए और मुँह में पीछे की ओर दो दांतों के बीच के रिक्त स्थान को दिखाते हुए आगे कहा।

“मुझे विस्तार से कुछ नहीं सुनना, जुलियन। और तो और यह एक बहुत ही अच्छी मूवी है-इसमें जीवन में नाप-तोल कर लिए जा सकनेवाले जोखिमों और अपने अभीष्ट को पाने के बारे में बताया गया है, भले ही यह करना इतना असान काम नहीं है।”

“बहुत ही विलक्षण मालूम पड़ रहा है।”

“ऐसा ही है। और तो और, मूवी में, पप्पा वालेंडा...”

“वह महान हाइ-वायर वाकर?” जुलियन ने उत्साहपूर्वक बीच में जोड़ा।

“हाँ, वह रस्सी पर चलनेवाला महान व्यक्ति,” जुलियन। “इस मूवी में पप्पा वालेंडा कह रहे हैं: ‘जीवन वही है जो वायर या तार पर जिया जाता है, बाकी सब तो प्रतीक्षा मात्र है।”

“ओह, यह तो सही है, बहुत ही सही। और यह संपूर्ण सत्य भी है, कैथरीन। जो व्यक्ति जीवन में आगे बढ़ते हैं वो हैं जिन्होंने जीवन में बड़े सपने देखे हैं और फिर उन्हें साकार करने के लिए जितने भी आवश्यक जोखिम हैं, वो उन्हें उठाते हैं। वो अपने डर का सामना प्रत्यक्ष रूप से करते हैं, खेल को खेलते हैं और अपने दिनों को साहस के साथ जीते हैं। वो अपने भीतर के डर को चूर-चूर करते हैं, भले ही ऐसा करने में उन्हें कितना भी भयभीत क्यों न होना पड़े। याद रखें, एक दिन के लिए बाघ बनना पूरी जिंदगी भेड़ बनकर रहने से कहीं अच्छा है।”

“क्या बात कही तुमने जुलियन, बहुत ही सटीक शक्तिशाली शब्द चयन है।”

और इस प्रकार जुलियन ने आगे कहना जारी रखते हुए कहा, “यद्यपि मैं जानता हूँ कि तुम्हारे लिए संभव नहीं होगा कि तुम इतने लंबे अंतराल के बाद ब्रेवलाइन डॉट कॉम में जाकर काम करना प्रारंभ कर दो, लेकिन इसके बावजूद भी तुम्हें एक मौका लेना चाहिए। तुम्हें अवश्य ही पारितोषिक अपने आप ही मिलेंगे।”

“डर को महसूस करो और इसे तुम जैसे भी हो करो?।

“बिल्कुल वैसे ही,” जैसा मैंने तुमसे अस्पताल में कहा था, “डर को जीतकर तुम्हें हमेशा ही स्वतंत्रता मिलेगी।”

जुलियन के साथ मैंने चमचमाते हुए ऑफिस टॉवर में प्रवेश किया लेकिन मैं नर्वस हो रही थी, जबकि यह वही स्थान था जहाँ मैं कभी अपना सर्वाधिक मूल्यवान समय बिताया करती थी। इस स्थान की महक ही मेरे हृदय को अंदर तक गुदगुदा रही थी। जैसे ही हम दोनों ने एलीवेटर के रास्ते पर जाने के लिए कदम बढ़ाया, जो हमें स्टील और कांच निर्मित इमारत के सबसे ऊँचे स्थान पर अवस्थित ब्रेव लाइफ डॉट कॉम कॉरपोरेट ऑफिस तक ले जाती, एक सिक्युरिटी गार्ड हम दोनों की ओर बढ़ा।

“हाय, मिसेज कूज, तुम्हें दुबारा यहाँ पाकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। मैंने हवाई जहाज दुर्घटना के बारे में सुना। इस सिक्युरिटी स्टेशन पर काम करनेवाले जितने भी कर्मचारी हैं, सबको यह समाचार जानकर बहुत ही तकलीफ़ हुई। मुझे तुम्हारे पार्टनर्स लोगों के न बच पाने का बहुत ही दुख है। वे सब बहुत ही अच्छे व्यक्ति थे।”

“हाँ, मैट वे सब बहुत अच्छे व्यक्ति थे और मुझे उन सबकी बहुत याद आती है। उनकी याद करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरा अनुमान है कि जब मैं यह सुनती हूँ कि वे इतने सारे लोगों के लिए भले व्यक्ति थे तो मुझे उनके न रहने के गम को सहने की शक्ति मिलती है। तुमसे मिलकर मुझे भी बहुत खुशी हुई। मैं इन दिनों इस स्थान पर बहुत ही कम आ पाती हूँ। मैं अब कंपनी का काम घर में बैठे-बैठे ही कर लिया करती हूँ, इसलिए मैं अपने परिवार पर भी अधिक ध्यान दे पाती हूँ। निश्चय ही लौटकर यहाँ आना अजीब सा दिखता है।”

“यह तो बस एक परिवर्तन है, मिसेज कूज। मैं तो यही कहूँगा कि इस टॉवर में जितने भी लोग काम करने आते हैं उनमें सबसे अधिक परिश्रम आप ही किया करती थीं। मैं और मेरे अन्य साथी गार्ड इस बात की शर्त लगाया करते थे कि आप अमुक दिन कितनी जल्दी आएंगी और कितनी देर तक काम करती बैठेंगी।”

“बिल्कुल ठीक कह रहे हो, लेकिन वे बातें अब सिर्फ़ इतिहास बनकर रह गई हैं, मैट।” मैंने पूरी सहयता से जवाब देते हुए कहा।

“आपके बच्चे तो आपके इस निर्णय से अवश्य ही खुश हुए होंगे। मेरे तीन छोटे बच्चे हैं जो घर पर रहते हैं और मैं जानती हूँ कि मैं माता-पिता के रूप में जो उनके लिए सर्वोत्तम काम कर सकती हूँ वह है उनके साथ रहकर उन्हें अपना अधिक से अधिक समय देना।”

“तुम बिल्कुल सही कह रहे हो मैट, अपनी माँम को अपने पास पाने की बात से मेरे बच्चे वास्तव में ही बहुत ही खुश हैं। सच कहूँ तो मैंने पहले कभी उन्हें इतना खुश नहीं देखा।

“गार्ड का चेहरा अब सख्त हो गया था। “मिसेज कूज, मैं क्षमा चाहता हूँ, मुझे आपसे ऐसी बात नहीं पूछनी चाहिए थी, लेकिन क्या आपके साथवाले भद्र पुरुष के पास किसी प्रकार का पहचान पत्र है? जैसाकि आप जानती हैं, यह बिल्डिंग हाइ सिक्युरिटी क्षेत्र है और मुझे यह प्रश्न करना ही पड़ेगा अन्यथा मेरा बॉस मुझे मार डालेगा।” इसके बाद उसने जुलियन को देखा। “कोई अपराध नहीं कर रहे हो तुम लेकिन यहाँ इस स्थान पर संन्यासी कम ही आते हैं।”

“मैट, यह मेरा भाई जुलियन है। जुलियन मैनटल।”

“जुलियन मैनटल? वह प्रसिद्ध ट्रायल लायर (अधिवक्ता) !”

“हाँ, वही प्रसिद्ध अधिवक्ता।”

सिक्युरिटी गार्ड के काटो तो खून नहीं, एक भी शब्द वह बोल न सका। “ओह....., हेलो, मि. मैनटल। मैं आपके बारे में अखबारों में हमेशा ही पढ़ा करता था। मैं वास्तव में ही आपका प्रशंसक रहा हूँ। उसने जुलियन के हाथों को अपने दोनों हाथों में लेकर हाथ हिलाते हुए कहा, बिल्कुल उसी तरह से जैसे लोग पसंदीदा करी के लिए करते हैं। कुछ केस जो आपने जीते, वे जीते जा ही नहीं सकते थे लेकिन आपने अविश्वसनीय को कर दिखाया। याद कीजिए जब आपने फास्ट फूड रेस्तरां को लाखों मिलियन डॉलर का हर्जाना भरने के लिए उस पर मुकदमा किया था क्योंकि आपके मुवक्किल की जाँच पर गर्मागर्म कॉफी छलक गई थी।”

“मुझे वह मुकदमा याद है, मैट। वह बहुत बहुत ही मजेदार केस था जीतने के लिए।” जुलियन ने गरिमापूर्ण मुद्रा में कहा।

“मि. मैनटल आपके उन सभी फैन्सी सूटों का क्या हुआ जिन्हें आप पहना करते थे? और वह सलिक रेड फेरारी कार? वह बहुत ही प्यारी कार थी। मैं और दूसरे लड़के आपको उस कार में बैठकर शहर की ओर जाते हुए

देखा करते थे, जब तक आँख से कार ओझल न हो जाती। वो महिलाएं जो आपके बगल में बैठी होती थीं, उन्हें देखकर हमारे मुँह में पानी भर आता था। सिक्युरिटी गार्ड ने ऐसे हाव-भाव से ये सारी बातें कहीं कि जैसे कोई स्कूली लड़का पहली बार डेटिंग पर जा रहा हो।”

“प्राचीनकाल का इतिहास तुम बता रहे हो मेरे मित्र। दूसरी ओर देखते हुए जुलियन ने जवाब दिया, जैसेकि उसे इस बात से शर्मिंदगी हो रही थी कि उसकी पिछली जिंदगी कितनी दिखावे से भरी हुई थी।”

“क्या तुम अब संन्यासी बन गए हो? सिक्युरिटी गार्ड ने अब भी प्रश्न करना नहीं बंद किया।”

“ये जो मेरा पहनावा है, मैंने इसे ही पहनने का निर्णय किया है, मैट। मेरे शिक्षक यही वस्त्र पहनते थे। वे मुझे उस व्यक्ति की बात याद दिलाते थे जो मैं अब बन चुका था और उस मिशन की याद दिलाते थे जिसकी प्राप्ति के लिए मैं अपने आपको अर्पित कर चुका था। मैंने अब बहुत ही सरल और सादा जीवन जीने का व्रत ले लिया है। अब कोई फेरारी नहीं।” जुलियन ने सिक्युरिटी गार्ड की पीठ थपथपाते हुए कहा और एलीवेटर की ओर बढ़ गया।

“अच्छी बात है, मैटल अब तुम ऊपर जाओ। आपसे मिलना मेरा परम सौभाग्य था, सर। और मैसेज कूज आप अपना ध्यान रखिए। अपने बच्चों के साथ खूब मौज कीजिए। वे दोनों देखते ही देखते बड़े हो जाएंगे और आपको पता भी नहीं चलेगा।”

जैसे ही मैं और जुलियन वैभवशाली ऑफिस, जिसमें ब्रेवलाइन डॉट कॉम स्थापित था, में प्रविष्ट हुए मैं अपने सामने के कारोबारी दृश्य को देखकर अचंभे में आ गई। वहाँ की व्यस्तता इतनी थी कि हर कोई व्यस्त था। कर्मचारीगण एक जगह से दूसरी जगह भागमभाग कर रहे थे, कंप्यूटरों की हलचल थी, फोन की घंटियां बज रही थीं, फैक्स मशीनों से आ-जा रहे थे।

“कभी यह मेरी जिंदगी हुआ करती थी, इस बात पर यकीन कर पाना अब कितना कठिन था।” मैंने जुलियन से बहुत धीमे स्वर में कहा।

“अपने आपके लिए इतना निष्ठुर भी मत बनो कैथरीन। तुम्हारे पास तुम्हारे कवर के लिए मॉर्टगेज है और बिलों का भुगतान करना है। मेरा यकीन मानो, मेरे मन में इस उम्र के लोगों के लिए बहुत ही संवेदना है। वे अपने परिवार के लोगों के लिए सब प्रकार की सुविधाएं जुटाना चाहते हैं और इसलिए उन्हें कठिन परिश्रम और लंबे समय तक काम करना होता है। और अंततः इसके परिणामस्वरूप उनके अंदर का जीवन रस पूरी तरह सूख चुका होता है। वे अपने भूतकाल के स्वयं का आवरण मात्र बनकर रह जाते हैं। दिवसांत में वे अपने मृतप्राय शरीर को शव वाहक में ड्राइव करते हुए घर पहुँचते हैं, अपने घरों में रेंगते हैं, अपने परिवार के लोगों पर चिल्लाते हैं, और अपने लेज-ई-ब्वॉयस में सोने चले जाते हैं। मैं ऐसे लोगों के लिए बहुत दुखी होता हूँ।”

“शव वाहक क्या है?”

“ओह!” जुलियन ने चहकते हुए उत्तर दिया, “यह मेरा अपना शब्द है जो मैंने कार के लिए गढ़ा है। अधिकतर लोग इतने दुखी होते हैं कि जब वे दिन के अंत में अपने काम से थक-हार चुके होते हैं, उनकी कारें किसी शव-वाहक से कम नहीं होतीं जो उन्हें उनके घरों में ढोते हुए ले जाती हैं।”

“मैं हंस पड़ी”, जुलियन ने कहना जारी रखा, “उसे अच्छा लग रहा था कि मैं उसके प्रत्येक शब्द पर कितना गौर कर रही थी।”

“ऐसे लोग आधा जीवन ही जी पाते हैं, कैथरीन। ‘जो सबसे बुरा अनुभव किसी इंसान को हो सकता है, वह है जागरूक होना, उम्रदराज होना और चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाना, व्यर्थ जीवन जीने के करीब पहुँचना, सच कहें तो इंसान अपने पूरे जीवन काल के दौरान अपने एक छोटे से हिस्से को ही उपयोग में ला रहा था।’, ‘ये कहा है वी. डबल्यू बुरोस ने। और उसके इस कथन में बुद्धिमत्ता छुपी हुई है। इस खेल का नाम है काम के लिए अपनी कुर्बानी न देना और ऐसा न करना कि जिन लोगों को आप सच्चा प्यार करते हैं उनके लिए आप कुछ छोड़ें ही न। नियमों को बदल दें, बल्कि सभी नियमों को तोड़ दें तब आप पाएंगे कि पूरी की पूरी संकल्पना ही जीवन को सफल बनाने के लिए कार्यरत है न कि काम करने के लिए जिंदा रहने हेतु। अपने काम को उत्कृष्ट बनाओ। अपने काम पर ध्यान दो और अपने आपको अपने क्लाइंट्स के लिए समर्पित करो। लेकिन यह बुद्धिमत्ता कभी मत भूलो कि धन से अच्छी अच्छी चीजें तो खरीदी जा सकती हैं लेकिन जीवन में इसके आगे भी बहुत कुछ है। अच्छे सुंदर बच्चे और अच्छा सा घर संसार वाला जीवन क्या कुछ कम है? ये सब तभी हो सकता है जब तुम अपने घर संसार को संवारने में खुद को समर्पित कर दो। और मेरी छोटी बहिन, इसके लिए बहुत समय लगता है। कभी मत भूलो कि कोई अपने बच्चे को सबसे बढ़िया उपहार यही दे सकता है कि वह अपना समय अपने बच्चों को दे।”

“क्या वास्तव में ऐसा है ?”

“बिल्कुल सही । ऐसा ही है । इससे बच्चों को लगता है कि तुम उन्हें सचमुच ही प्यार करती हो और उनकी इज्जत करती हो । इससे अधिक मूल्यवान और महत्वपूर्ण कुछ भी नहीं है । यही बताने के लिए मैं तुम्हें यहाँ लेकर आया था ।”

“मैं तुम्हारी इस हरकत पर हैरान हो रही थी ।”

“ये ब्रेव लाइफ डॉट कॉम क्या चीज है?”

“यह एक कंपनी है जो अपने क्लाइंट संगठनों के कर्मचारियों को उनके काम करने के तरीके को बदलकर अधिक उत्पादकता देने, प्रभावी बनने और अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रशिक्षित करती है । हमारी फर्म इंटरनेट की दुनिया में सर्वाधिक प्रतिष्ठित ई-लर्निंग फर्म है ।”

“कुछ और भी ?”

“हमारी यूनिट टेक्नोलॉजी इस धरती पर कहीं भी कर्मचारी को उनके अपने ही डेस्कटॉप पर सुविधापूर्वक निष्णात विशेषज्ञों से कोचिंग उपलब्ध कराती है ।”

“क्या यही तुम्हारा अंतिम उत्तर है? जुलियन ने पूछा, जैसे किसी गेम शो का मेजमान चिल्लाकर बोलता हो ।”

“हाँ”

“जितने भी उत्तर तुमने दिए हैं, सब के सब सही हैं । लेकिन वह उत्तर जिसकी प्रतीक्षा मुझे थी वह है: दिवस के अंत में तुम्हारे साथी ही सामाजिक समुदाय हो जाते हैं ।”

“ऐसा क्या ?”

“बिल्कुल ऐसा ही है । जिस कंपनी को तुमने इतनी लगन और परिश्रम से खड़ा किया है, अंततः इंसानों का समूह है जो एकजुट होकर एक सामान्य ध्येय के लिए मिलजुलकर काम करता है । ब्रेवलाइफ डॉट कॉम वास्तव में कारपोरेट संस्था है ही नहीं । यह ऐसे व्यक्तियों का समूह है जो एक ही लक्ष्य के लिए काम करता है ।”

“क्या धन कमाने के लिए नहीं?” मैंने पूछा और अपनी इस शंका पर आश्चर्य कर रही थी ।

“नहीं, बिल्कुल नहीं । ये सब तो अर्थ लालसा हैं । अर्थ तो बस संतुष्टि महसूस करा सकता है । और ये सब बाद में कष्ट ही देते हैं, भले ही वे इसे महसूस कर पाएं या नहीं, लेकिन मैं उसे बंधनकारी कारण कहूँगा जो उनके हृदय को भावनाओं से ओतप्रोत कर देता है और उनके भीतर के सर्वोत्तम को बाहर ले आता है । डेड हॉक, वीसा के जनक ने इसे इस प्रकार कहा है: “सभी संगठन प्राचीन और प्राचीनतम मूलभूत संकल्पनाओं-समुदाय की संकल्पना-से प्रोद्भूत संकल्पना मात्र हैं । ये संगठन उनमें लाए गए व्यक्तियों के विश्वास, उनके चरित्र, उनके निर्णयों, उनके कार्यकलापों और प्रयासों के योग से अधिक कुछ भी नहीं ।”

“बहुत ही रुचिपूर्ण बात कही है तुमने”, मैंने पहले कभी कंपनी के बारे में इस प्रकार की बात नहीं सोची ।

“यह सत्य है । और हमारी इस तथाकथित आधुनिक अर्थव्यवस्था में, जहाँ हम ऑन लाइन काम करते हैं, बैंक के काम कर लेते हैं और यहाँ तक कि परचून आदि सामान खरीद सकते हैं, मैं जो सबसे अधिक कमी महसूस होती है वह है सामुदायिकता के गहरे बोध की कमी । हम अनिवार्य मानव संबंधों को खो चुके हैं जिनकी आवश्यकता हमें काम के लिए और उल्लास तथा हर्ष की अवस्था में रहने के लिए है । हम अपने आपको महत्व देने के आगे, उससे भी कहीं अधिक बृहद और अधिक प्रमुख के साथ अपने संबंधों को भुला बैठे हैं । इंटरनेट निर्मित निःसीम जगत में हममें से प्रत्येक को जो चीज चाहिए वह है थोड़ी सी जगह और ऐसी जगह जहाँ उसे प्यार मिल सके, उस पर विश्वास किया जा सके, और उसे महत्वपूर्ण होने का एहसास मिल सके । वह जगह ‘घर’ के नाम से जानी जाती है ।”

“तुम इंटरनेट के बारे में इतनी अधिक जानकारी कैसे रखते हो, जुलियन? तुम तो हिमालय पर्वत, जिसे ईश्वर का स्थान माना जाता है, में एकांतवास कर रहे थे ।”

“मैं एक निष्ठावान प्रशिक्षु और हठी विद्यार्थी हूँ, कैथरीन । इस नए जगत, जिसमें हम अब रहते हैं, मैं सीखने का काम अंतिम परीक्षा हो जाने के बाद भी नहीं रुकता । यह तभी रुकता है जब हम अपनी अंतिम सांसें ले चुके हों । कई वर्ष पूर्व एरैसमस ने लिखा था: ‘जब भी मेरे पास थोड़े से पैसे होते हैं, मैं पुस्तकें खरीदता हूँ और इसके बाद यदि कुछ बचे तो खाना और वस्त्र खरीदता हूँ ।”

“क्या बात कही है ।”

“मैं भी, मेरी छोटी बहिन, बिल्कुल ऐसा ही हूँ। मुझे ज्ञान की क्षुधा है-कभी-कभी तो मैं इसके लिए पीड़ित भी हो उठता हूँ। जबकि मैं जो कुछ भी पढ़ता हूँ, उसमें से अधिकांश बुद्धिमत्ता साहित्य ही होता है-विश्व के महानतम विचारकों की रचनाएं होती हैं-मैं अपना समय व्यतीत करता हूँ यह जानने में कि हमारे विश्व में क्या कुछ चल रहा है। ऐसी बुद्धिमत्ता का भी क्या करना यदि तुम्हें अपनी वर्तमान परिस्थितियों में इसे लागू करने का सूत्र ही नहीं पता?”

“उचित बात कही तुमने। मैंने निःसंकोच सहमति में कहा। और इसीलिए बिग ब्रदर मुझे बताओ कि हम अपने जीवन में सामाजिकता के उस खोए हुए बोध को फिर से पाने के लिए क्या करें?”

“बहुत ही उत्तम प्रश्न है यह तुम्हारा कैथरीन। वास्तव में मैं तुमसे इसी प्रश्न की अपेक्षा भी कर रहा था। समाज में और कॉरपोरेशन में आए परिवर्तन के कारण लोगों में जो सामाजिकता की अनुभूति कभी थी वह अब जा चुकी है। बिजनेस में या कारोबार में ईमानदारी तो अब बीती बात हो चुकी है, और बिजनेस के भीतर ही रीस्ट्रक्चरिंग के चलते अधिकतर कामगारों का मानना है कि यह अब सिर्फ एक गेम है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति को अपनी रक्षा स्वयं ही करनी होती है यदि उसे जीवित रहने की लालसा है तो।”

“तो लोग उस सामाजिकता के बोध को पाने के लिए, जिसकी भूख हम सबको है, कहाँ जाएं?”

“परिवार” जुलियन ने तत्क्षण ही उत्तर दिया। “आज लोग पुनः परिवारिक जीवन की ओर जा रहे हैं और उसे अपनी सर्वोच्च प्राथमिकता मान रहे हैं। लोगों को अब यह ज्ञान होने लगा है कि जो सामाजिक तुष्टि वे कभी अपने काम से प्राप्त किया करते थे, वह तुष्टि उन्हें अपने घरों में ही उपलब्ध है। उन्हें यह भान होने लगा है कि समाज का अस्तित्व बनकर उसका लाभ पाने के लिए उन्हें घर की दहलीज लांगने की कोई जरूरत नहीं रह गई है-यह तो उन्हें घर की चार दीवारी में ही प्राप्य है।”

“और वह भी उन लोगों से जो तुम्हें सबसे ज्यादा प्यार करते हैं। जुलियन ने जो कुछ भी कहा उसमें पूरी तरह आत्मलीन होकर मैंने आगे जोड़ा।”

“बिल्कुल ठीक कहा तुमने, कैथरीन। इसलिए अपने परिवार को अपना व्यक्तिगत समाज और वह स्थान मानो जहाँ से तुम्हें अधिकाधिक व्यक्तिगत संतुष्टि मिलेगी। इस बात को जान लो कि अपने परिवार के माध्यम से तुम अपने को और अच्छी तरह समझ पाओगी और अंतर्दृष्टि, ज्ञान, बुद्धिमत्ता विकसित कर पाओगी। अपने परिवार में ही रहकर तुम अपने अंदर की मानवता को बढ़ा सकती हो और अपने अंदर छुपी शक्ति को बाहर ला सकती हो। जिस बुद्धिमत्ता की बात मैं कहना चाह रहा हूँ वह है: आपके जीवन में नेतृत्व का प्रारंभ आपके अपने घर से ही होता है। आपका परिवार ही आधारस्तंभ है, जैसे किसी रॉकेट के लिए लॉचिंग पैड होता है। यदि यह सुरक्षित और दुरुस्त हो तो तुम इतनी ऊंचाइयों को छू लोगी जिसकी तुम कभी कल्पना भी नहीं कर सकती हो।”

“ओके कहाँ से प्रारंभ करें?”

“निहितार्थ यह है कि तुम्हारा परिवार तुम्हारे संगठन, ब्रेव लाइन डॉट कॉम, से किसी भी प्रकार भिन्न नहीं है।”

“क्या यह सच है?”

“बिल्कुल सच है। समानताएं स्पष्ट हैं। तुम्हारी कंपनी और तुम्हारा परिवार दोनों ही विशिष्ट संस्कृति के वाहक हैं, क्या यह सच नहीं है?”

“ठीक कहा, ब्रेव लाइफ डॉट कॉम निश्चय ही एक विशिष्ट संस्कृति का वाहक है। हमारा पहनने का ढंग अलग है और हमारे कुछ नियम-कायदे हैं और एक-दूसरे से पेश आने के तरीके भी अलग हैं जो हमें हमारे ही क्षेत्र की कंपनियों की तुलना में बिल्कुल ही अलग पहचान देती हैं।”

“और क्या तुम्हारा परिवार इसी तरह नहीं है?”

“नहीं, चलो इसके बारे में जरा सोचो, यह बिल्कुल ऐसा नहीं है। घर पर हमारी एक संस्कृति होती है। हमारे कुछ नियम विशेष होते हैं, मूल्य होते हैं और चीजों को करने के अलग तरीके होते हैं।”

“हाँ, और अलग संस्कृति तथा संगठनों की ही तरह, परिपक्व और आगे बढ़ना चाहते हो तो एक चीज है जिसकी उपस्थिति अनिवार्य होनी चाहिए।”

“क्या एक तानाशाह होना चाहिए?” मैंने हंसकर जवाब दिया।

“लगभग ठीक है, लेकिन सिगार के बिना”, छोटी बहिन। “परंतु मैं हास्य के इस पुट की तारीफ करता हूँ। वह चीज जिसकी अनिवार्यता किसी भी परिवार को सुदृढ़ और उत्कृष्ट बनाने के लिए होती है वह है नेतृत्व करना।”

“नेतृत्व?” मैंने कभी नहीं सोचा कि किसी परिवार में अथवा घर के भीतर नेतृत्व की महत्ता सर्वाधिक होगी।

“कैसे ब्रेव लाइफ डॉट कॉम सफलता के शिखर को छू सका है?” जुलियन ने पूछा। “मेरा मतलब है, मैंने नई दिल्ली में एक हाइ-टेक मैगाजीन के कवर पृष्ठ पर तुम्हारा चेहरा छपा हुआ देखा।”

“मैं मानती हूँ कि यह बेहतर प्रबंधन के कारण संभव हुआ है।”

“नहीं, यह संभव हुआ है बेहतरीन नेतृत्व के कारण, कैथरीन। और इसका मतलब यह नहीं कि मैं इसके लिए सिर्फ तुम्हें या तुम्हारे पार्टनरों और एक्जिक्यूटिव टीम के अन्य लोगों को श्रेय देता हूँ। इसका मतलब है कि कंपनी के प्रत्येक कर्मचारी ने कंपनी की जिम्मेदारियों और सफलता के स्वामित्व का निर्वाह बखूबी किया है। तुमने अपने कर्मचारियों को जो चित्र या विजन प्रस्तुत किया, प्रत्येक ने उसके प्रति प्रतिबद्धता और अपनी अखंडता का परिचय दिया। और इस तरह तुम्हारी कंपनी की तकदीर ही बदल गई। यही बात तो तुम्हारे घर के लिए भी लागू होती है। तुम्हें अपने परिवार का नेतृत्व करना होगा और प्रत्येक को घर की संस्कृति में अपना योगदान करने के लिए प्रेरित करना होगा। तुम अपने परिवार के लिए चीजों को जिस ढंग से करना चाहती हो उसका सुंदर चित्र तुम्हें अवश्य निर्मित करना होगा और क्यों तुम ऐसा चाहती हो, जॉन और बच्चों के साथ इसके लिए बाध्यकारी कारणों का खुलासा भी अवश्य करना होगा। यह इस निराले ढंग से तुम्हें करना चाहिए जिसे सुनकर उनमें उत्सुकता पैदा हो और वे दिल से तुम्हारा हाथ बटाएं। ऐसा होने पर ही तुम्हारी पारिवारिक जिंदगी संभावना के उच्चतम शिखर को छू सकेगी।”

“यह तो दूर की कौड़ी लानेवाली बात प्रतीत होती है, जुलियन, यहाँ तक कि तुम्हारे लिए भी यह कठिन है। मेरा अभिप्राय है, जॉन अपने बिजनेस में लगा हुआ है और बच्चों का भी लगातार कुछ न कुछ चलता ही रहता है। मैं कैसे उन्हें एक आदर्श परिवार, जिसका सपना साकार होते हुए मैं देखना चाहती हूँ, के विजन को पाने में अपने साथ जोड़ सकती हूँ? और मेरे बड़े भाई जरा ये तो बताओ कि कैसे मैं उन्हें घर के भीतर नेता की भूमिका खेलने के लिए तैयार कर सकती हूँ?”

“आसान है” त्वरित उत्तर मिला। “सबसे पहले तुम्हें ही नेतृत्व करना होगा। जैसा कि गाँधी ने कहा है, ‘तुम अपने जीवन में जिस परिवर्तन की चाह रखते हो वह तुम्हें खुद ही करना होगा।’ तुम नेतृत्व का उदाहरण प्रस्तुत करो और मैं तुमसे वादा करता हूँ कि जॉन और बच्चे उसका अनुसरण करेंगे।”

“क्या सच में?”

“सच है यह। हम ऐसे संसार में रह रहे हैं जहाँ हर व्यक्ति दूसरे व्यक्ति से अपेक्षा करता है कि पहले वह अपने को बदले। हम अपनी समस्याओं के लिए सरकार को कोसते हैं। अपने मानसिक तनावों के लिए अपने बॉस को जिम्मेदार मानते हैं। अपने खस्ताहाल होने का दोष ट्रैफिक के सिर मढ़ते हैं। लेकिन दूसरों के सिर दोष मढ़ना तो सिर्फ छुटकारा पाने का एक आसान बहाना मात्र है। तुम्हारे जीवन में जितनी भी बुरी बातें हुई हैं, कभी साहस का प्रदर्शन किए बिना और अपनी कमजोरियों का सामना किए बिना उन सबका का दोष दूसरों के सिर मढ़ना जीवन में आगे बढ़ाने का एक खूबसूरत तरीका है। वास्तव में ऐसा जीना डरकर जीना है और प्रमुख व्यक्ति बन जाने का आसान तरीका है। एम. स्कॉट पेक, जिन्होंने द रोट लेस ट्रैवल्ड, पुस्तक लिखी है इस बात को इन शब्दों में रखते हैं: ‘जब भी हम अपने स्वयं के व्यवहार की जिम्मेदारी से मुँह चुराते हैं, हम अन्य व्यक्ति अथवा संगठन अथवा संस्था को अपनी जिम्मेदारियाँ सौंपने का प्रयास करते हैं। लेकिन इसका मतलब हुआ कि हम अपनी शक्तियों को उक्त संस्था के हाथों में सौंप देते हैं।’

जुलियन की आवाज तेज हो रही थी और मैं उसके विश्वास को छलकते हुए अपनी आंखों से देख रही थी। इस तरह हम दोनों एक बोर्डरूम में प्रविष्ट हुए जबकि जुलियन का सूफी पाठ जारी ही रहा। “वास्तविक संदेश यहीं पर है, कैथरीन। जब तुम किसी बात का सारा दोष उससे जुड़ी जिम्मेदारियाँ अन्य व्यक्तियों के सिर मढ़ देती हो, तुम अनिवार्य रूप से यही कह रही होती हो कि तुममें वह योग्यता नहीं है कि तुम समस्याओं पर नियंत्रण पा सको। तुम यह भी कहती हो कि इस मामले में तुम्हारे पास कोई विकल्प नहीं था और परिणामों को मोड़ सकने की क्षमता तुममें नहीं है। तो इस तरह दूसरे व्यक्तियों को दोष देने से तो तुम अपनी शक्तियों का परित्याग उनके हाथों में कर देती हो। जैसे कि पेक ने कहा है: आप कहते हैं ‘तुम परिस्थितियों को बदलकर अच्छा नहीं बना सकते, केवल वे ही ऐसा कर सकते हैं।’ तुम इस बात को अंततः यही कहना चाह रही हो कि ‘मैं अपने जीवन की परिस्थितियों को प्रभावित नहीं कर सकती, केवल दूसरे ही ऐसा कर सकते हैं।’ और इस प्रकार की दूषित सोच तुम्हें खड़े में गिरा देगी जो अंततः तुम्हें उस स्थान पर धकेल देगी जिसे ‘कहीं का न रहा’ नाम से जाना जाता है।”

“मैंने इसे इस नज़रिए से कभी नहीं देखा। मैंने हाल ही में पढ़ा था कि विंस्टन चर्चिल कहा करते थे, ‘महानता

की कीमत है जिम्मेदारी ।' अब मुझे पता चल गया कि वह वस्तुतः क्या कहना चाहते थे ।"

"मेरी छोटी बहिन यह जान लो कि दिवस के अंत में हमें जो चीज मनुष्य बनाती है वह है शक्ति जिसका चयन हम में से प्रत्येक को किसी परिस्थिति विशेष को सुलझाने के लिए करना होता है । एक इंसान का कारोबार डूब जाता है लेकिन वह इससे जीवन की बहुत बड़ी सीख हासिल करता है जो उसे पहले से भी बड़ा कारोबार खड़ा करने के लिए हर तरह से काबिल और पहले से अधिक योग्य बना देता है । एक अन्य थोड़ा कम बुद्धिमान व्यक्ति किसी बड़े ट्रैफिक जाम पर 'सड़क का गुस्सा' निकालता है । इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप क्या हैं और आपकी पृष्ठभूमि क्या है, तुम्हारे पास फिर भी शक्ति है कि तुम चुनाव कर सको कि तुम्हें किस तरह जीवन में आगे बढ़ना है । मार्ग का चुनाव करने की उस क्षमता का अर्थ निरूपण हम इस प्रकार करेंगे कि हमारे साथ जो भी कुछ घटित होता है वह वह हमारा सर्वोच्च मानव विवेक होता है । इसलिए दूसरों से कभी यह अपेक्षा मत रखो कि वे तुम्हारी परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए अपने को बदलेंगे । तुम आगे बढ़ो और आदर्श मार्ग पर चलो । तुम वे सभी परिवर्तन करो जिनकी आवश्यकता है । मैं तुम्हें वचन देता हूँ कि अंततः अन्य परिजन तुम्हारा ही अनुकरण करेंगे ।"

"ओके", जुलियन जो ज्ञान मुझे दे रहा था उसे पचाने की कोशिश में मैंने अपनी चमड़े की वैभवशाली कुर्सी पर पीछे की ओर झुकते हुए कहा ।" तो फिर तो मुझे अपने घर में सामाजिकता का यह बोध जागृत करने के लिए पहले नेतृत्व संभालना होगा, है न?"

"बिल्कुल ठीक ।" जुलियन ने जवाब दिया जो संयासियोंवाले लिबास की आस्तीन संभालते हुए इस अत्याधुनिक बोर्डरूम में उतना ही अटपटा दिख रहा था जितना कि रेशमी कढ़ाई में टाट का पैबंद ।

"अन्य लोगों से परिवर्तन करने की उम्मीद करने से पूर्व मुझे अपने आप को बदलना होगा । बच्चों को अधिक नम्र होने के लिए डांटने से पूर्व संभवतः मुझे उनके साथ अधिक नम्रता बरतनी चाहिए । बच्चे साफ-सुथरे दिखें इसके लिए उन्हें उनके कमरों की साफ-सफाई करने के लिए कहने के बजाए मुझे अपने घर के ऑफिस को संवारना चाहिए । और अपने घर की जिंदगी को अधिक मजेदार और भावनापूर्ण बनाने के लिए जॉन से काम शीघ्रता से निपटाने के लिए झगड़ने के बजाए मैं सोचती हूँ कि मुझे ही पहल करनी चाहिए । मुझे अपने परिवार की संस्कृति में परिवर्तन लाने के लिए और कोई नहीं बल्कि स्वयं ही 'उत्प्रेरक की भूमिका भी निभानी होगी, जैसाकि तुमने कहा है ।"

"हूँ ।" जुलियन का हमेशा जैसा उत्तर मिला । अपने बच्चों को एक ऐसे वयस्क में परिवर्तित होते देखना चाहते हैं जिसका सपना आपने संजोया है तो उन्हें प्रेरित करने का सर्वोत्तम उपाय है कि आप स्वयं उसी प्रकार का वयस्क खुद अपने को बना डालें । सभी बच्चे, विशेष रूप से छोटे बच्चे जैसे तुम्हारे जॉन और सरिता, यह यकीन करते हैं कि उनके माँ-बाप जिस तरह का आचरण करते हैं वह बिल्कुल उचित है । तुम उन्हें सिखाओ कि किस तरह का आचरण किया जाना चाहिए और इसके लिए तुम खुद भी वैसा आचरण उनके सामने करो । तुम्हारे मूल्य और तुम्हारे विश्वास उनके अपने मूल्य और विश्वास बन जाएंगे । तुम्हारी नकारात्मक वृत्तियाँ निश्चय ही उनकी नकारात्मक वृत्तियाँ बन जाएंगी । तुम्हें यह सदैव याद रखना होगा कि तुम्हारे बच्चे तुम्हारी प्रत्येक बात को देखते हैं । और यदि तुम यह सोचती हो कि तुम पर नज़र रख रहीं वे नहीं आंखें तुम्हारे प्रत्येक शब्द और कार्य से बहुत अधिक प्रभावित नहीं होंगी तो यह तुम्हारी भूल है । कैथरीन याद रखो कि गुणवत्तायुक्त समय के बाद जो दूसरा सबसे अच्छा उपहार तुम अपने बच्चों को दे सकती हो वह है उनके सामने एक अच्छा उदाहरण प्रस्तुत करना ।"

"यह तो अनोखी अंतर्दृष्टि है जुलियन ।"

"क्या तुम जानते हो, मैंने अभी-अभी दूसरे दिन की रिपोर्ट पढ़ी है जो मुझे बहुत बुरी तरह परेशान कर रही है ।"

"उसमें ऐसा क्या है?"

"उसमें कहा गया है कि औसत अमेरिकन बच्चा प्रतिदिन लगभग पाँच घंटा टेलीविजन देखता है और मुश्किल से पाँच मिनट का क्वॉलिटी समय अपने माँ-बाप के साथ व्यतीत करता है । तमाम माँ-बाप अपने बच्चों को बड़ा करने की जिम्मेदारी नेशनल नेटवर्क्स के कार्यक्रम निदेशकों को सौंप रहे हैं । और मैं इसे अपराध मानती हूँ ।"

"ऐसे में मैं भला परिवार नेतृत्व का प्रदर्शन क्या कर पाऊंगी, अपने घर में वास्तव में ही नेता बनने और सामाजिकता का वह बोध, जिसके बारे में तुम कहते हो कि हम सब इस अनजाने नए संसार में सामाजिकता के भूखे हैं, कैसे जागृत कर पाऊंगी?"

"सबसे पहली बात जो तुम कर सकती हो वह है कि तुम अपनी आंखें खोलो ।"

“तुम क्या कहना चाहते हो ?”

“हेलेन केल्लेर ने इसे बहुत ही सुंदर शब्दों में इस प्रकार व्यक्त किया है: ‘इस संसार में सर्वाधिक दयनीय वह व्यक्ति है जिसके पास दृष्टि है लेकिन दूरदृष्टि नहीं।’ कितने ही लोग दिन-प्रतिदिन जी लेते हैं लेकिन उनके जीवन में कोई दिशाबोध नहीं है। जीवन में सही चुनाव करके जीने के बजाए वे जीवन को संयोग से जीते हैं इस उम्मीद में कि हर बात उनके अनुकूल ही रहनेवाली है। लेकिन जिंदगी ऐसी नहीं होती। अपने जीवन को संयोग से जीना यह प्रार्थना करते हुए कि तुम्हारे सारे दावं सही पड़ें और तुम्हारे बच्चे अनिवार्यतया महान बनें अपने जीवन के साथ रशियन रॉलेट जैसा खिलवाड़ करना है।

“यह तो बहुत ही भयानक सोच है”, मैंने टिप्पणी की जबकि मैं अभी भी जुलियन के डिजर्टेशन से बाहर नहीं निकल पायी थी।

“और मैं तुम्हें बता दूँ कैथरीन कि एक ही काम को प्रतिदिन करते रहने से तुम्हें परिणाम भी एक ही मिला करेगा।”

“किसी ने पागलपन के लिए कहा है कि पागलपन का अर्थ है एक ही काम को प्रतिदिन करना और प्रतिदिन अलग परिणाम की अपेक्षा रखना।”

“बिल्कुल सही। तो इस गेम को शुरू करो और अपने परिवार की नाव की खेवैया तुम बन जाओ। नीस्क ने इसे बहुत बढ़िया ढंग से यू कहा है: ‘मनुष्य का काम बिल्कुल सरल है। उसे यह सोचना बंद कर देना चाहिए कि उसका अस्तित्व बिना सोची-समझी घटना है।’

“माफी चाहती हूँ, लेकिन यह तो लिंगभेद है।” मैंने कहा।

मैं भी यही मानता हूँ, क्योंकि यह पाठ बहुत ही अच्छा है। यदि तुम देखना चाहती हो कि तुम्हारी जिंदगी पाँच वर्ष के बाद कैसी होगी तो सिर्फ इतना करो कि तुम सुनिश्चित कर लो कि तुम अपनी किसी भी आदत, सोचने की प्रवृत्ति अथवा अपने मूलभूत विश्वास को बदलोगी नहीं। तुम पाओगी कि अब से पाँच वर्ष के बाद तुम्हारा जीवन कमोबेश वही रहेगा जो आज भी है।”

“मुझे यह बात गले नहीं उतरी।” मैंने पूरी ईमानदारी से उत्तर दिया।

“मैंने अपने परिवार के लिए बहुत सुंदर सपने देख रखे हैं। मैं अपने बच्चों के साथ बहुत मजे करना चाहती हूँ। मैं उन्हें सुदृढ़, बुद्धिमान और ज्यादा से ज्यादा स्वतंत्र बनाना चाहती हूँ। मैं चाहती हूँ कि जॉन और मैं दोनों एक दूसरे के और भी करीब आएँ और और पहले से कहीं ज्यादा एक-दूसरे को चाहें। और मेरा यह भी सपना है कि हमारा घर इतना विशेष हो कि जहाँ भावनाएं, संवृद्धि और खुशियाँ मिलें जो हमें आज के इस विश्व, जिसमें हम रह रहे हैं, की कटुता से दूर एक अभयारण्य की तरह हो।”

“सही कहा, कैथरीन तुमने, लेकिन इस बात को समझ लो कि तुम्हें अपने परिवार की उन्नति के लिए संसार को देखने का अपना नज़रिया सबसे पहले बदलना होगा। तुम्हें अपनी कल्पनाओं के दृश्य-पटल पर एक बिल्कुल साफ चित्र उकेरना होगा कि तुम अपने परिवार की संस्कृति किस प्रकार की चाहती हो। इसके बाद तुम्हें अपने मस्तिष्क में उस आदर्श को स्पष्ट निरूपित करना होगा ताकि वह वैविध्यपूर्ण और विलक्षण रूप से ठोस हो। अंत में तुम एक कागज पर अपनी इस प्रतिबद्धता को लिखोगी।”

“लेकिन क्यों।”

“क्योंकि जब तुम अपने परिवार के भविष्य के लिए देखे गए विजन को कागज पर लिखोगी तब वह करार बन जाएगा।”

“सच ?” मैंने आश्चर्य व्यक्त किया।

“निश्चय ही।” मेरे भाई ने जवाब दिया। यह एक दिया हुआ वचन अथवा बाध्यकारी संविदा बन जाता है जो तुमने स्वयं अपने साथ किया है। जीवन में तुम्हारा अपना विश्वास करार से अधिक कुछ भी नहीं है जो तुमने अपनी स्वयं की परिस्थितियों को ध्यान में रखकर स्वयं के साथ किया है। कुछ लोगों का विश्वास है कि अपने को प्यार जताने के लिए उनके पास इतना समय नहीं है कि वे अपने बच्चों को दिन में कई बार अपने से चिपकाते। ऐसा करते हुए उन्होंने स्वयं के साथ करार कर इस ‘तथ्य’ को न्यायोचित ठहराने की कोशिश की है। कुछ लोगों का विश्वास होता है कि वे कभी भी उत्कृष्टता का जीवन नहीं जी सकते क्योंकि उनकी बीती जिंदगी बहुत तंगहाली में गुज़री है। ऐसा करते हुए उन लोगों ने स्वयं के साथ करार कर लिया है और इस ‘तथ्य’ को स्वीकार कर जीने के

लिए अपने को अभिशप्त कर रखा है। करार जो तुम स्वयं के साथ करती हो, बहुत ही शक्तिशाली होते हैं, कैथरीन।”

“मैंने अपने विश्वासों के बारे में इस प्रकार कभी सोचा ही नहीं, जुलियन।”

“इसीलिए तो यहाँ यह सब मैं तुमसे करवाना चाह रहा हूँ। तुम्हें पता है कि तुम अपने पारिवारिक जीवन के लिए क्या करना चाहती हो और अब तुमने उस मुकाम तक पहुँचने के लिए राह पकड़ने की स्वयं के साथ प्रतिबद्धता कर ली है।”

“निश्चय ही।”

“अब अपने परिवार का विजन करार तुम्हें निर्मित करना होगा जो तुम्हारा दैनंदिन मार्गदर्शन करेगा कि तुम अपने दिन को व्यस्त रखने और अपने समय का निवेश करने के बारे में अपना सही निर्णय कर सको। यह एक प्रतिबद्धता स्टेटमेंट के जैसा ही होगा जो तुम्हारा ध्यान उन बातों पर ही केंद्रित रखेगा जिनकी सार्थकता वास्तव में ही है।”

“और इस तरह परिवार विजन करार तैयार कर लेने और इसे लिख डालने से मैं संयोग से जीना बंद कर दूँगी तथा अपनी पसंद से जीना प्रारंभ कर दूँगी, है न?। सच में जुलियन जो कुछ मुझे बता रहा था, उससे पूरी तरह सम्मोहित होते हुए मैंने सवाल किया।”

“बिल्कुल। अंततः अपने भाग्य की विधाता तुम खुद ही बनोगी। तुम्हारा परिवार विजन करार लाइटहाउस की तरह तुम्हारा मार्गदर्शन करेगा जो तुम्हें हमेशा ही ‘घर’ का रास्ता दिखाता रहेगा जहाँ प्यार और शांति का निवास होगा, भले ही समुद्र कितना भी अशांत क्यों न हो जाए। यह तुम्हें आशा और आगे आनेवाले सुनहरे दिनों के लिए वादों की उमंग भर देगा। और यह तुम्हारी और तुम्हारे परिवार की सुरक्षा करेगा।”

“हमारी सुरक्षा?”

“हाँ। यदि तुम भली प्रकार से जानती हो कि तुम्हें अपने परिवार के भविष्य के लिए क्या करना है, यह तुम्हें उन सभी नकारात्मक प्रभावों से बचाता है जो हमारे जीवन में प्रवेश पाने के लिए आतुर रहते हैं। यदि तुम्हारे विचार पानी की तरह पारदर्शी हैं और तुम अपने परिवार के विजन या सपने को साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से लग गई हो, दूसरों की सोच का कोई अर्थ नहीं रह जाता। टेलीविजन पर नज़रबंद करनेवाले विज्ञापनों में दिखाया जाता है कि तुम्हें अपने आदर्श परिवार के लिए क्या करना चाहिए, इन सबका तुम्हारे ऊपर कोई प्रभाव न होगा। पड़ोसियों से और साथियों से तालमेल बैठाकर रहने की आवश्यकता एक ओर ही धरी रह जाती है। तुम और तुम्हारा परिवार स्वतंत्र हो जाता है। और ऐसा करके तुम अपने पारिवारिक जीवन को अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण, अधिक आनंददायक तरीके से जीने लगती हो।”

“मुझे बच्चों की स्वतंत्रता पसंद है, जुलियन। मैंने सीखा है कि बिजनेस की सफलता के लिए स्वतंत्र सोच रखना सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारकों में से एक है। कॉलिन बेदेन ओकले सनग्लासेस डिजाइन के वीपी, को फास्ट कंपनी मैगजीन में इस प्रकार उद्धृत किया गया है-”

“ओह, मैं उस प्रकाशन को बहुत पसंद करती हूँ,” जुलियन ने बीच में ही कहा।

“मैंने कहा मुझे ज्ञान पाने की भूख है। इसमें बहुत ही अच्छी बातें कही गई हैं।”

“ठीक है,” मैंने आगे अपनी बात जारी रखी, “इस वरिष्ठ कार्यपालक ने जो कहा है उसे इस प्रकार उद्धृत किया गया है ‘यदि आप किसी चीज को एक निर्धारित विधि से करते हैं, क्योंकि हमेशा ही उसे उस विधि से किया जाता रहा है, तो आप संभवतया गलत तरीके से कर रहे हैं।’, मुझे उनका यह कथन बहुत ही सुंदर लगा क्योंकि यह कथन करता है उस पर कि हमें, यदि हम बिजनेस में शिखर पर होना चाहते हैं, स्वतंत्र सोच रखने की आवश्यकता क्यों होती है।

“और आज की जिंदगी में तो तुम्हें अपने परिवार का विजन करार बनाने की हिम्मत जुटानी होगी ताकि तुम अपनी स्वेच्छानुसार अपना काम करना प्रारंभ कर सको, अपने मन के कहे अनुसार...”

“और जॉन का मन?” मैंने तत्क्षण ही बीच में टोका।

“और जॉन का मन,” जुलियन ने सुधार किया, “तुम्हें जो कहता है, वह आचरण के लिए सही है। और भविष्य में तुम अपने पारिवारिक जीवन को ठोस रूप में कैसा बनाना चाहती हो, इस विजन को सामने रखना भी कई सर्वोत्तम तरीकों में से एक है और मुझे पता है कि ऐसा करके तुम अपने परिवार के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के स्तर

को ऊंचा उठाओगी ।”

“क्यों?”

“क्योंकि मैंने अपने जीवन में पाया है कि वे बातें जिन्हें कागज पर लिख लिया जाता है जीवन में उनके प्रति प्रतिबद्धता हो जाती है ।”

“मैं मानती हूँ,” मैंने पूरे जोश में जवाब दिया । “मैंने अपने प्रोफेशनल जीवन में सफलता के कई राजों में से जिस एक को जाना है वह है मैं क्या परिणाम चाहती हूँ, उसके बारे में मुझे साफ-साफ पता होना चाहिए । मैं प्रत्येक नब्बे दिन के अपने कैरिअर लक्ष्यों को लिख लिया करती थी और लगभग उन्हें प्रतिदिन पढ़ा करती थी ताकि मेरा ध्यान उस पर ही रहे और मैं उस अवसर को हाथ में कर सकूँ जो मेरे दैनंदिन के काम में शायद आकर निकल भी जाता और मुझे उसका पता ही न चलता ।”

“बहुत ही सुंदर बात कही कैथरीन तुमने । अपने पारिवारिक जीवन में भी तुम बिल्कुल ऐसा ही करो । मैं तुम्हें सलाह दूँगा कि तुम अपना परिवार विजन करार लिख लो, इसका अध्ययन बारीकी से करो, उसमें जिन बातों की प्रमुखता हो उन्हें प्राथमिकता में क्रमानुसार रखो और फिर लक्ष्यों का निर्धारण करो-प्रत्येक प्राथमिकता के लिए एक समय निर्धारित करो ।”

“यह एक प्रकार की युक्तिपूर्ण सोच है, जिसने हमें ब्रेवलाइन डॉट कॉम में अभूतपूर्व सफलता उपलब्ध कराई है ।”

“और यह एक ऐसी युक्तिपूर्ण सोच है जो तुम्हें तुम्हारे घर के जीवन में और भी अधिक सफलता उपलब्ध कराएगी । मुझे समझ में नहीं आता कि लोग क्यों अपने प्रोफेशनल जीवन को इतने सुव्यवस्थित ढंग से आयोजित करते हैं जबकि अपने घर के जीवन को किस तरह जिएं, इस ओर उनका कोई ध्यान ही नहीं होता ।”

जुलियन चुप रहा लेकिन उसकी अंगुलियाँ टेबल पर रखे ब्रास कोस्टर पर खेल रही थीं जिससे उसकी दशा साफ दिख रही थी । उसने नीचे की ओर कुछ सेकंड देखा फिर कहना प्रारंभ किया । “महान नेता अन्य की तुलना में बड़े चिंतक हुआ करते हैं, कैथरीन । वे कम से कम एक बार एकांत में रहने का समय निकालते हैं और सब कुछ छोड़कर केवल चिंतन किया करते हैं । आइंस्टाइन ने इसे इस प्रकार कहा है, जानती हो?”

“नहीं, मुझे नहीं पता”, मैंने स्वीकार करते हुआ कहा ।

“हाँ, मैंने पढ़ा था कि उसके पास एक ‘चिंतन कुर्सी’ होती थी जिसमें जाकर वह किसी एकांत स्थान पर बैठ जाया करता था । और एक बार वह कुर्सी में धस गया तो बस एक ही काम करता था, वह था चिंतन ।”

“हमारा सबसे बढ़िया सेल्स पर्सन भी यही करता है,” मैंने कहा । “वह प्रत्येक अगले सप्ताह में एक दिन निकालता है और फिर ‘भाग जाओ’, यह उसका ही दिया हुआ शब्द है । वह अपना पेजर और सेलफोन ऑफिस में ही छोड़ जाता है और किसी ऐसी जगह को भाग जाता है जहाँ उसे कोई नहीं पा सकता । अपने साथ वह सिर्फ कागज और पेंसिल ही रखता है । और वह सिर्फ इतना ही करता है कि पूरे दिन सोचता है ।”

“मैं वाकई इम्प्रेस हुआ,” जुलियन ने अपने सिर को हिलाते हुए अच्छी सी मुस्कान के साथ कहा । “मुझे लगता है कि मैं उस जैसा ही बनना पसंद करूँगा ।”

“हम सब जब तक उसके परिणाम को नहीं देखते तब तक यही मानते थे कि वह पागल होगा । उसकी बिक्री अपने नज़दीकी प्रतियोगी से पाँच गुना अधिक हो गई थी । पाँच गुना अधिक ! इसलिए मैंने एक दिन उसे अपने पास बैठाकर उससे उसके काम करने के तरीके की जानकारी ली । उसने मुझे बताया कि वह उस एक दिन को अर्थात् ‘जुगत दिन’ यह उसका ही दिया हुआ नाम है, अपने भविष्य के बारे में सोचता है और अपने भविष्य के सपने देखता है । वह इन बातों को कागज पर लिख लेता है ताकि उसके दिमाग में ये बातें बिल्कुल साफ नज़र आती रहें ।”

“क्योंकि मास्टरी से पूर्व स्पष्टता होना आवश्यक है ।” जुलियन ने खुश होते हुए कहा ।

ठीक है, उसके मामले में यह सही था । मैंने जारी रखा । “उसने मुझे बताया कि जितना अधिक समय वह एकांत में व्यतीत करता, सिर्फ यही सोचता और तय करता होता कि उसे अपने जीवन में क्या चाहिए, उतने ही अधिक विचार कल्पना में आते रहते । और जैसे-जैसे विचार उसके दिमाग में आते वह उन्हें पेंसिल लेकर कागज पर उतार लिया करता । उसकी सजगता का संपूर्ण दायरा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकताओं के इर्द-गिर्द संकेद्रित हो जाता । उसने स्वप्न देखा, सोचा और कुछ बातें कहीं । इसके बाद उसने इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए ठोस परिणाम तय

किए और प्रत्येक को पूरा करने के लिए एक समयावधि निर्धारित की। उसने मुझे बताया कि इन विशेष दिनों के दौरान वह इतना उत्साहित और ऊर्जावान हो गया था कि वह अपने आपको नियंत्रण में नहीं रख पा रहा था। और इस नवीकृत ऊर्जा के साथ वह अपने ऑफिस आता और हम सबको पुनः आश्चर्य चकित कर देता।”

इसके बाद जुलियन ने कुछ ऐसा किया कि मैं निःशब्द हो गई। वह त्वरित गति से अपने पैरों पर खड़ा हुआ और चमचमाती हुई मीटिंग टेबल पर कूद गया। और फिर वह नृत्य करना शुरू हो गया, प्रारंभ में धीमा फिर पूरे जोश के साथ, मानो कि वह अवचेतन अवस्था में पहुंच गया हो।

“जुलियन ! ये तुम क्या कर रहे हो? क्या तुम अपना दिमाग खो बैठे हो ! कहना मानो और ये सब बंद करो।” जो मैं देख रही थी उससे खबरदार होकर मैंने याचनात्मक तरीके से कहा।

“चिंता करने की कोई बात नहीं छोटी बहिन,” मिलियनोयर रैप स्टार, जो रिकॉर्ड्स चार्ट में छाए रहते हैं, उनकी स्टाइल की नकल उतारते हुए जुलियन उत्तर दिया, “बस मैं तो थोड़ा आनंद ले रहा हूँ।”

“जुलियन मान जाओ। ये मल्टीबिलियन डॉलर फार्मों के कारपोरेट ऑफिस हैं। जब तुम यहाँ हो, तुम्हें अपने पर थोड़ा नियंत्रण रखना चाहिए।”

“प्रत्येक दिन, और उस दिन का जीवन, समझी-बूझी निर्मिति होनी चाहिए, जिसमें अनुशासन और आदेशानुसार काम को किसी नाटक तथा विशुद्ध मूर्खतापूर्ण बातों के द्वारा हल्का किया जाता है।” उसका गूढ़ उत्तर मिला।

“क्या?”

“ये शब्द हैं मेरे सेरटॉन के। और मैं इन्हें जीता हूँ। मैं अपने जीवन को बहुत अनुशासन में और अच्छे गुणों से संपन्न कर जीता हूँ, लेकिन मैं सुनिश्चित करता हूँ कि मैं ऐसा करते हुए भी आनंद उठाने के लिए समय निकालूँ। तो अब तुम मेरे साथ इस छणिक नृत्य में आकर मेरा साथ दो। मैं इस नृत्य के माध्यम से कुछ सिखाने की कोशिश में हूँ।”

“मैंने जुलियन के इस असाधारण अनुरोध पर गौर किया। मैं मान रही थी कि मेरे भाई की यह हरकत विक्षिप्ततापूर्ण थी। लेकिन मेरे दिमाग में अब कोई संदेह नहीं रह गया था कि उन पर्वतों में जाकर जुलियन ने जो ज्ञानार्जन किया था उससे उसे अंतर्दृष्टि मिली थी जो मेरे जीवन को आद्योपांत बदलने में सक्षम थी, बस कमी थी तो केवल यह कि मुझमें उन्हें स्वीकार करने की सामर्थ्य होनी चाहिए थी। जुलियन ने स्वयं के भीतर मुझे उन पाठों में दक्ष करने की अलौकिक योग्यता विकसित कर ली थी जिनकी अति आवश्यकता मुझे जीवन में आगे बढ़ने के लिए थी, और मैंने जान लिया था कि यदि मैंने उसका कहना न माना तो सर्वाधिक नुकसान मेरा ही होगा किसी अन्य का नहीं।

“ठीक है, तुम जीत गए।” मैंने पैर की जूतियाँ बिना उतारे ही मीटिंग टेबल पर चढ़ते हुए अनमने मन से कहा।

“अब नृत्य करो।” जुलियन ने हंसकर कहा। “तुम अपने भीतर के बाल मन को बाहर आने दो। वह बाहर आकर खेलने के लिए देखो मचल रहा है। यह तुम्हारी आत्मा के लिए सुकूनकारी होगा।”

मैंने अपने पग थोड़े से थिरकाए लेकिन मैं अपने आप में इतनी सजग थी कि अधिक नहीं कर पायी।

“नृत्य करो, नहीं तो मैं गीत गाना शुरू कर दूँगा, कैथरीन।” जुलियन ने मुस्कान भरी धमकी देते हुए कहा, जबकि उसकी आंखें किसी विलक्षण चमक से भरी हुई थीं।

“ओह, ठीक है” मैंने जवाब दिया और मैंने अपने हाथों को हवा में ठीक उसी तरह लहराना शुरू किया जैसे सटरडे नाइट फीवर में जॉन ट्रैवोल्टा करता था और इस क्रम में ये सब मुझे अच्छा लगना शुरू हो गया। “अरे यह तो एक प्रकार का आनंद है जुलियन,” अपने शरीर को दोनों ओर से से थिरकाते हुए मैंने कहा।

“मैं जानता हूँ। मेरी छोटी बहिन कभी भी अपने को इतना व्यस्त मत रखो कि तुम्हें नृत्य के लिए समय ही न मिले।” उसने अपनी दोनों तांबड़ी मुट्ठियों को हवा में खोलते बंद करते हुए और किसी एथलीट के जैसी शक्ति का प्रदर्शन करते हुए नृत्य में मगन होकर चिल्लाते हुए कहा।

उसी समय मेरे वरिष्ठ वाइस प्रेसीडेंट बोर्डरूम से होकर गुजरे। कुछ ही छणों के बाद वह लौटकर वहीं आए, उनकी आंखें बाहर को नकली आ रही थीं और उनका चेहरा आश्चर्य में डूबा लग रहा था। उन्होंने हम दोनों को बोर्डरूम टेबल पर अभी-अभी देखा। मैं तुरंत ही अपनी जगह पर जड़ हो गई। जुलियन ने अपने मनमौजी नृत्य को आनंद में लीन रहते हुए जारी रखा। मैं समझती हूँ कि वह इस तथ्य को जानकर आनंदित हो रहा था कि हम पकड़े

गए। मेरे साथी, जो इस अटपटे दृश्य को शीशे की आर-पार दिखनेवाली और हमें उन लोगों से अलग करनेवाली दीवार से देख रहे थे, अपनी-अपनी जगह पर जड़ होकर रह गए थे। इसके बाद उसने हंसना शुरू कर दिया। उसने सिर बोर्डरूम की ओर घुमाया।

“कैथरीन तुम पूरी तरह स्वास्थ्य लाभ कर सकी हो, यह देखकर मैं बहुत खुश हूँ। जब भी तुम्हें समय मिले, इस मैनेजमेंट प्रैक्टिस को, जो तुम्हारी नई खोज है, टीम के अन्य लोगों के साथ शेयर करनी होगी।” उसने मजाक करते हुए कहा।

“हाँ, ठीक है, मैं करूँगी, वादा रहा।,” मेरे अजीबोगरीब व्यवहार के प्रति अनुगृहीत होने के लिए कृतज्ञ होते हुए मैंने जवाब में कहा।

वीपी के जाने के बाद मैंने जुलियन की ओर देखा।

“जुलियन, इसमें कौन सी बात थी? मैं इस पूरी कंपनी के लिए हास्य का सामान बन जाऊँगी, यदि मैंने इस तरह की हरकतें करना जारी रखीं।”

“ओके, कैथरीन। मैं तो तुम्हारे साथ सिर्फ थोड़ी मौज-मस्ती कर रहा था। लेकिन मैं वापस अपने पाठ पर आता हूँ। यहाँ पर वह बात है। इस मेज पर खड़े रहकर तुम्हें नया परिदृश्य देखने को मिलता है। यह मेज तुम्हें चीजों को देखने के लिए ऊँचा स्थान उपलब्ध कराती है। याद करो अंतरिक्ष यात्रियों को और चांद पर उनका उतरना?”

“हाँ तो?”

“ठीक है। जब वे लौटकर आए तब उन्होंने ऊपर कैसा लगता है इसी बात को दुहराया और वहाँ से पृथ्वी को देखना उनको हमारे इस विश्व के बारे में नई दृष्टि दे गया था। और सबसे अहम बात यह है कि उन्होंने कहा कि हमारी पृथ्वी का ऊँचाई से देखा जाना उन्हें यहाँ के जीवन के बारे में अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण नई सोच दे गया था।”

“इसी प्रकार इस मेज पर खड़े होकर क्या मैं विश्व को और भली प्रकार नहीं देख सकूँगी?” मैंने थोड़ा सा झिझकते हुए पूछा क्योंकि जुलियन जो कायाकल्प का प्रस्ताव दे रहा था, उससे मैं भ्रमित थी।

“यह वापस उसी परिवार विजन करार की ओर जाता है, जिसकी बातें मैं कर रहा था। जिस प्रकार तुम इस मीटिंगवाली मेज पर खड़ी होकर अपने ऑफिस का बड़ा चित्र देख सकती हो, उसी प्रकार जब तुम अपना परिवार करार बनाती हो तो तुम अपने जीवन का बड़ा चित्र देख सकती हो। यह बड़ा चित्र तुम हमेशा ही अपने दिमाग में बैठा कर रख सकती हो और तुम छोटी-छोटी बातों में अपने को उलझाने से बच जाओगी जो हमें जीवन कहे जानेवाले उपहार की खुशियों का अनुभव प्राप्त करने से वंचित रखता है। तुम हमेशा ही इस गौण समुदाय, जिसे तुम परिवार कहकर प्यार करती हो, का विहगावलोकन करने में सक्षम रहोगी। बल्कि तुम अपना समय कुछ बहुत ही प्रमुख पर केंद्रित कर सकोगी।”

“कुछ बहुत ही प्रमुख?” मैंने पूछा क्योंकि इससे पूर्व मैंने यह शब्द नहीं सुना था।

“हाँ। कुछ बहुत ही प्रमुख। अपनी कंपनी की सबसे प्रमुख नेता और उससे भी बड़ी बात कि अपने परिवार का सबसे अहम नेता होने के नाते तुम्हें अपने आपको तमाम छोटी-छोटी बातों में उलझाकर रखने की अपेक्षा कुछ बहुत ही प्रमुख बातों पर अपना ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हममें से अधिकांश अपने जीवन का बड़ा भाग उन कामों में व्यर्थ गंवा देते हैं जो जीवन में उन्हें आगे बढ़ने में जरा भी मदद नहीं करते। वे टेलीविजन खूब देखते हैं, उनके जीवन में क्या सही हुआ उसके बारे में कभी कोई चिंतन न कर जीवन में क्या गलत हुआ इसके बारे में लगातार चिंतनशील रहते हैं, टेलिफोन पर गप्पें हाँकते हैं और अपने बच्चों की बुराई किया करते हैं। परिवार विजन करार तुम्हें उन सार्थक काम की बातों पर ध्यान केंद्रित करने में सहायता करेगा जो तुम्हारे जीवन को सर्वाधिक सार्थक परिणाम दे और यह सुनिश्चित करेगा कि तुम वहीं पर पहुँचो जहाँ तुमने पहुँचने का निर्णय किया था।”

जुलियन मेज पर से नीचे उतरकर कुछ छण ठहरकर नाटकीय प्रभाव देने के लिए दीवाल पर झुक गया था।

“अपना परिवार विजन करार और विशिष्ट ध्येय लिखकर तैयार करना तुम्हारे घर के संस्कारों को उन्नत करेगा और वही करेगा: ‘तुम अपना उत्तम परिवार बनाने के अवसरों को हाथ में ले सकोगी जो तुम्हारे हाथ नहीं आते क्योंकि तुम्हें उनकी ओर देखना ही नहीं था। जान लो कि जीवन में जिस किसी चीज पर तुम अपने को केंद्रित करोगी उसमें वृद्धि होगी और जिस किसी चीज के बारे में चिंतन करोगी उसमें विस्तार होगा। और वे चीजें जिन पर तुमने अपना ध्यान निविष्ट किया प्रमुखता पाती हैं।”

“मैं सहमत हूँ कि जिस किसी चीज पर तुम अपना ध्यान केंद्रित करोगे उसमें वृद्धि होगी। मैं जानती हूँ कि जब भी मैं कोई नया क्लाइंट पाती हूँ, अगले दिन मैं शहर में जब ड्राइव करती हूँ उस नए क्लाइंट के चिन्ह मुझे हर जगह दिखते हैं। मुझे उनका कोई चिन्ह फ्रीवे पर मेरी कार को पीछे छोड़कर जाते हुए दिख सकता है जिस पर उनका लोगो लगा होता है, या फिर उनका कोई विज्ञापन मुझे पेपर में दिख जाता है, या फिर घर लौटते समय मुझे उनका हेड ऑफिस दिख जाता है। ये सभी चीजें पहले से ही वहाँ थीं, लेकिन मैंने उन्हें कभी देखा नहीं क्योंकि तब वे मेरे फोकस के दायरे में आए नहीं थे। और अब मैं उन्हें हर जगह देख रही हूँ।”

“यह बहुत ही सशक्त प्रेक्षण है और कुछ ऐसा है जिसे मैं समझता हूँ कि हम सब नियमित रूप से अनुभव करते हैं। यदि तुम किसी चीज पर अपना ध्यान देना शुरू कर दो तो वह तुम्हारे संज्ञान में विस्तारित होती है और तुम्हारी जागरूकता में समा जाती है। इसलिए मैं हमेशा कहता हूँ कि परिवर्तन से पहले जागरूकता है। अपने जीवन में तुम किसी चीज को बदलो इसके पूर्व सबसे प्रथम तुम्हें इसके बारे में जागरूक होना होगा और तब वास्तव में ही उस ओर तुम्हें अपना ध्यान केंद्रित करना होगा। तुम्हें इसके बारे में थोड़ी जागरूकता तो निर्मित करनी ही होगी। तुम अपनी किसी दुर्बलता, जिसके बारे में तुम्हें पता ही नहीं है, को समाप्त कर पाने में समर्थ नहीं हो पाओगे।”

“मैं समझ सकती हूँ, ठीक इसी प्रकार तुम मुझे अपना परिवार विजन करार पेपर पर बनाने के लिए कहना चाहते हो ताकि वह एक सच्चा करार बन जाए। इसके बाद मैं उसे विशिष्ट लक्ष्यों में बाँट दूँ ताकि मैं जीवन में अपना अधिकाधिक ध्यान उन पर केंद्रित कर सकूँ।”

“हाँ।”

“और क्या तुम यह भी कहना चाहते हो कि मेरे ऐसा करने के कारण मुझे उत्तम घरेलू जीवन निर्मित करने के सभी अवसर मिल जाएंगे जो हममें से अधिकांश व्यस्त माता-पिता को कभी देखने को नसीब नहीं होते, क्योंकि हमारी सारी ताकत मामूली आपात स्थितियों में ही व्यय हो जाती है जो प्रायः हमारे जागृत छणों का हरण कर लेते हैं?”

“बिल्कुल ऐसा ही है। यह तो मुझे उस हॉलीवुड राइटर की याद दिला रहा है जिसके साथ मैं ड्रिक्स लिया करती थी।”

“वह मुझे भली भाँति याद है। वह ग्वालॉवाले बूट पहना करता था और हाथ में ईवियान वाटर की बोतल लिए बिना कभी कहीं नहीं जाता था।”

“वह ऐसा ही था। उसने एक बार मुझे बताया कि हॉलीवुड में सफलता का उसका राज यही था कि वह हमेशा पटाक्षेप को पहले लिखा करता था। वह पहले बिल्कुल सही पटाक्षेप लिख डालता था, इसके पश्चात वह अपना काम पीछे से प्रारंभ करता था।”

“ब्रिलिएंट।”

“मैं सहमत हूँ। और यही बात तुम अपने पारिवारिक जीवन में भी करो, मेरी तुमको यह सलाह है। अपनी आखें बंद करो और फिर खुशी के सर्वाधिक अच्छे छणों की कल्पना करो। इसके पश्चात अपने काम का प्रारंभ अंत से आज तक करो। इस बात को समझ लो कि परिवार विजन करार तुम्हारे जीवन की वास्तविक कहानी है-क्योंकि यह तुम्हारे परिवार से जुड़ा है। इसे परिभाषित कर तथा लिखित रूप में कागज पर वचनबद्ध कर तुम सुविचारित विकल्पों का चुनाव कर सकने में सक्षम होगी कि तुम्हें किसी भी दिन के प्रत्येक छणों को किस प्रकार व्यतीत करना है। यदि कोई कार्यकलाप अथवा व्यवहार किसी कारण वश तुम्हारी कल्पना के अनुरूप तैयार किए गए स्क्रिप्ट-सुखांत की ओर - के साथ तुम्हें आगे नहीं बढ़ा सकता तो तुम उसे मत करो।”

“समझ गई,” अंततः संकल्पना के महत्व को आत्मसात करते हुए मैंने उत्तर दिया। क्या शिवाना के संन्यासियों ने तुम्हें यह सब ज्ञान सिखाया है?

“उन्होंने मुझे एक महान जीवन के लिए संगठनात्मक सिद्धांतों की शिक्षा दी है। उन्होंने मुझे शिक्षा दी है कि प्यार भरे संबंध ही महान जीवन जीने का आधारस्तंभ निर्मित करते हैं। उन्होंने हमें शिक्षा दी है कि हमारे विचार हमारे विश्व का निर्माण करते हैं और हमें अपना जीवन सुधारने के लिए सबसे पहले हमें अपने विचारों में सुधार करना होगा। और भी बहुत सारी विद्या उन्होंने मुझे दी। उनका हिमालय का छोटा सा गांव छोड़ने के कई वर्षों के बाद मैंने उन सभी पाठों का चिंतन किया जिसका पाठ उन अति विशिष्ट मनुष्यों ने मेरे साथ साझा किया था। मैंने उनकी शिक्षा को मूर्त रूप दिया और तब मैंने अपनी अंतरदृष्टि विकसित की कि हमें अपना सर्वोत्तम जीवन जीने के लिए क्या करना चाहिए। मुझे ऐसे विचार मिले कि खुद मुझे भी हैरानी हो रही थी। और मेरी प्यारी बहिन, मैं उन्हीं

अंतर्दृष्टियों को तुम्हारे साथ साझा कर रहा हूँ।”

“बहिन,” मैंने आंख नचाते हुए कहा। जुलियन जोर से हंस पड़ा।

“लेकिन जुलियन, तुम्हीं बताओ मैं घर पर वास्तविक नेतृत्व देने और परिवार के साथ समाज की भावना विकसित करने के लिए और कर भी क्या सकती हूँ?”

“अपने घर को स्वर्ग बनाओ।” साधारण उत्तर मिला।

“बड़े भाई क्या तुम मेरे लिए इस पर थोड़ा और प्रकाश डाल सकते हो?”

“शिवाना के उन ऊंचे पर्वतों में संन्यासियों ने हमेशा ही अपने घरों को बहुत ही सुरुचिपूर्ण ढंग से संवार कर रखा हुआ है। यद्यपि वे सर्वाधिक शांतिपूर्ण और पवित्र स्थानों पर रहते हैं, जिसे मैंने अपने जीवन में शायद ही कभी देखा हो, उनके वे प्यारे से छोटे-छोटे घर जिनमें वे रहा करते हैं, वास्तव में उनके अभयारण्य होते हैं। वे इस बात का हमेशा ध्यान रखते हैं कि उनके प्यारे-प्यारे और छोटे-छोटे घरों में पूरी स्वच्छता रहे और सूर्य की किरणें उनके घरों में आती रहें। वे हमेशा इस बात का ध्यान रखते थे कि ताजी हवा उनके घरों में आती रहे और हर तरफ फूल लगे हों। और जबकि वे जीवन दर्शन पर चर्चा करने तथा बुद्धिमत्तापूर्ण बातों को साझा करने के लिए एक दूसरे को निमंत्रित करते रहते थे, तथापि इस बात का भी पूरा ध्यान रखते थे कि उनका घर शांतिपूर्ण भावों को जन्म देने, आत्मनिरीक्षण और स्वमूल्यांकन करने के लिए उन्हें पर्याप्त समय दे। मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि इस कोलाहलपूर्ण, गतिविधियों से लबालब विश्व में जहाँ हम हैं, तुम अपने लिए, जॉन के लिए बच्चों के लिए घर को स्वर्ग बनाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञा होकर अपने परिवार को वास्तविक नेतृत्व दे सकती हो।”

“और तुम भी ऐसा ही करो, जुलियन। हमें बहुत खुशी होगी, यदि तुम हम लोगों के साथ रहो। भले ही तुम नौजवान दिखते हो, पोर्टर और सरिता तुम्हारी आयु की बुद्धिमत्ता से लाभान्वित होंगे। वे दोनों तुम्हें अपने घर में पाकर बहुत ही खुश रहेंगे और वे तुम्हें देखने आए हैं क्योंकि उनके पितामह नहीं हैं।”

“जी, धन्यवाद।” जुलियन ने उत्तर दिया।

यह हास्यपूर्ण है-तुम्हारा उन पर ऐसा दावापूर्ण प्रभाव है। जॉन और मैं दोनों को हमेशा जल्दी करने के लिए कहती हूँ और तुम उन्हें हमेशा आराम से करने के लिए कहते हो।

“पितामह आक्सर ही ऐसे होते हैं, नहीं क्या?। हमारी पूरी सभ्यता को यदि देखा जाए तो हम पाएंगे कि सभी परिवारों में हमारे बड़ों का सम्मान किया जाता रहा है और उनके चरणों में बैठकर जीवन के सर्वाधिक आवश्यक पाठ सीखे जाते रहे हैं। हिमालय में विस्तारित परिवार एक आम बात होती थी। संन्यासीगण ऐसे स्थान पर जहाँ उनके आस-पास उनके माता-पिता की उपस्थिति न हो, रहने की सोच ही नहीं सकते थे। उनके बड़े और बुजुर्ग उनके लिए निश्चितता, ज्ञान और प्यार का निरंतर स्रोत बने रहते थे।”

“और मैं दावे के साथ कह सकती हूँ कि वे युवा संन्यासी उनका भरपूर लाभ पाते होंगे।”

“हाँ। बिल्कुल सही। और बल्कि यहाँ पश्चिम में स्कूल के शिक्षकों से पूछो उनके युवा विद्यार्थियों में से क्या वे ऐसे किसी एक को जानते हैं जिसके जीवन पर उसके पितामह की छाप हो, और उनका जवाब हमेशा ‘हाँ’ में होगा। वे बच्चे हैं जो शांत, एकांतमग्न और अन्य मनुष्यों का अधिक भरोसा कर लेते हैं। वे बच्चे हैं जो अधिक स्वतंत्र, विचारवान और दयावान होते हैं। कैथरीन तुम खुद अपने परिवार में ही पितामह और पितामही मैन्टल के साथ रहने के अनुभव को महसूस करो। उन्होंने हमेशा मुझे यही महसूस कराया कि जीवन के अंत में सब कुछ ठीक हो जाएगा।”

“सही कहा। मुझे उनकी बहुत याद आती है।”

“मुझे भी। मुझे इस बात की खुशी है कि बच्चे अपने आस-पास मुझे ढूँढते हैं। मैं उन्हें बहुत अधिक प्यार करता हूँ। मैं इतना आनंदित होता हूँ जब पोर्टर मेरे घुटनों पर बैठकर और सरिता मेरी बाँहों में झूलते हुए मुझे मेरे भारत प्रवास के दौरान हिमालय में मेरे साथ घटी घटनाओं को सुनाने की जिद करती है। और मैं पाता हूँ कि वे मुझे उतना ही शिक्षित करते हैं जितना मैं उन्हें। संन्यासियों का विश्वास है कि बच्चे हमारे पास वयस्कों से भी कहीं अधिक उच्च क्षमता के साथ आते हैं, हमें उन पाठों की शिक्षा देने के लिए जिनकी आवश्यकता हमें है। पोर्टर और सरिता निश्चय ही यही करते हैं। वे मुझे प्रतिदिन हमेशा उत्साह से भरे रहना, जिज्ञासु बने रहना और निरंतर दयावान बने रहना के महत्व को बताते हैं। मुझे प्राचीनकाल के दर्शनशास्त्री हेराक्लिटस की याद बरबस आ जाती है जिसने अपने प्रेक्षण में कहा था कि ‘मनुष्य अपने आप के सर्वाधिक करीब तब होता है जब वह खेलते हुए बच्चे की

गंभीरता को पा लेता है।”

“इसलिए नहीं कि तुम्हारे आत्मविश्वास को उठाने की आवश्यकता है जुलियन बल्कि तुम हमेशा ही बहुत सकारात्मक रहे हो। मेरा विश्वास है कि तुम अपने नए चोले में वास्तव में ही निश्चित हो और मैं तुम्हारे लिए इससे अधिक खुशी नहीं दिखा सकती।

“धन्यवाद। हेलेन केल्लर, वह महिला, जिसकी मैं अत्यधिक प्रशंसा किया करता हूँ, ने एक बार कहा था-‘किसी भी नकारात्मक दृष्टिकोणवाले व्यक्ति ने कभी किसी तारे के रहस्य का पता नहीं लगाया अथवा उसने किसी अज्ञात भूमि पर पैर नहीं रखा होगा अथवा मनुष्य की भावनाओं के लिए नया स्वर्ग नहीं रचा होगा।”

“कितनी सुंदर बात कही है।”

“बिल्कुल सही, है न? जब मैं कानून की प्रैक्टिस कर रहा था तब मुझे सकारात्मक सोच की बातें करनेवाले और स्व सहायता की पुस्तकें पढ़नेवाले लोगों पर हंसी आती थी। मैं अपने को महान समझते हुए मुस्कराया करता था जब मैं लोगों को हाथ में पुस्तकें पकड़े, जिनके शीर्षक अटपटे होते थे जैसे-मेगा लिविंग और हू विल क्राय व्हेन यू डाय?, सबवे की ओर उन्हें जाते हुए देखता था। कोई क्यों स्व सहायता की किताबें पढ़ेगा यदि वह पूरी तरह सामान्य है? मैं तब अपने मन में यही सोचता था। लेकिन मेरी सोच में विकास हुआ। मैं अपने जीवन में इन महान संन्यासियों के माध्यम से जान पाया कि जो सर्वाधिक सामान्य और बुद्धिमानी का काम किसी व्यक्ति के रूप में तुम कर सकते हो, वह है स्वयं का विश्लेषण करना। तुम अपने समय का सबसे अच्छा उपयोग यदि किसी काम के लिए कर सकते हो तो वह है अपने मस्तिष्क, चरित्र और आत्मबल को ऊंचा उठाओ ताकि तुम इस विश्व को और अधिक दे सको। बुद्ध ने इसे सर्वोत्तम रूप से निरूपित किया है-‘बढ़ई लकड़ी को मोड़ता है, तीर बनानेवाला तीर को मोड़ता है, और बुद्धिमान व्यक्ति अपने अंदर की कमियों को दूर कर स्वयं को बदलता है।”

“जब मैं तुम्हारे कमरे में ताजा फूलों का गुलदस्ता भर रही थी, मुझे अच्छा लगा जब तुमने मुझसे पूछा कि क्या मैंने कमरे की छत में लिखी हुई इबारतों को पढ़ा।”

“सुंदर थीं?” जुलियन ने गर्व के साथ अपनी अभिव्यक्ति की। “रात में जब बच्चे सोने चले जाते हैं, मैं अपने कमरे में जाता हूँ, बिस्तर पर लेट जाता हूँ और फिर उन इबारतों को जोर से बोलता हूँ। ऐसा करने से समयेतर सफलता के सिद्धांतों, जिसके द्वारा मानवता संचालित होती है, को जीवन में उतारने के प्रति मेरी प्रतिबद्धता बढ़ जाती है।”

मैं बहुत ही पुरानी भारतीय इबारत को पसंद करता हूँ जो कहती है- “दूसरों की तुलना में अपने को श्रेष्ठ मानने में कोई श्रेष्ठता नहीं है। सच्ची श्रेष्ठता तो अपने पूर्व के स्वयं को जीतकर श्रेष्ठ बनने में है।” मैंने प्रभावित होकर नोट किया।

“कितने प्रभावशाली हैं ये शब्द, है न? ये जीवन के प्रयोजन में वास्तव में क्या छुपा है, उसको उद्घाटित हैं। इसमें दूसरों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए नहीं कहा गया। यह तो तुम्हें स्वयं अपने आप को जीतने की बात है, मनुष्य के रूप में तुम अपने को प्रतिदिन निखारो और स्वयं को अधिक मूल्यवान मनुष्य में बदल सको, यही कहा गया है।

“तो हम अपने आस-पास के जितने भी लोग हैं उन सबमें मूल्यवर्द्धन कर सकते हैं।”

“तुम्हें समझ में बात आ गई है, कैथरीन।” जुलियन ने विश्वास के साथ कहा, जो मेरे सही जवाब से प्रसन्न दिख रहा था। “अब मैं वापस अपनी कही हुई बात पर आता हूँ कि तुम अपने घर को स्वर्ग कैसे बनाओ।”

“मैं बहुत बेसब्र हूँ।”

“मैं तो कहूँगा कि तुम इसके लिए सबसे पहले अपने घर में श्रेष्ठ पुस्तकों को रखना आरंभ करो। पोर्टर और सरिता को सिखाओ कि वे अपने जीवन में वह सब जरूर करें जिसे वे प्रतिदिन पढ़ते हैं। कोई भी माता-पिता अपने बच्चों को जो सबसे अच्छा उपहार दे सकता है वह है उनमें पढ़ने के लिए चाह पैदा करना, श्रेष्ठ पुस्तकें पढ़ने के लिए उमंग पैदा करना। बच्चे अपने जीवन में जिन प्रश्नों का समाधान ढूँढ़ेंगे वे सब पुस्तकों में पहले से ही मौजूद हैं। प्रतिदिन की पुस्तक पढ़ते रहने से पोर्टर और सरिता दोनों अपना समय उन महान व्यक्तियों के साथ बिताएंगे जिन्होंने हमेशा पृथ्वी को रोशन किया है। वे इतिहास के श्रेष्ठतम बुद्धिमान विचारकों की सोच की गहराई में जा सकेंगे और सर्वाधिक अच्छी अंतर्दृष्टि पा सकेंगे। मैं तो कहूँगा कि तुम प्रत्येक रात्रि अपने बच्चों के साथ आधा घंटा पुस्तकें पढ़ने में बिताओ। उन्हें किसी श्रेष्ठ लेखक की पुस्तक दो जिसे वे चाव से पढ़ें अथवा कोई रोमांचक सीरीज

दो ताकि वे इस समय के लिए आस लगाकर बैठें । मैं तुमसे वादा करता हूँ कि यह मामूली सा विधान उनके जीवन को असरदार तरीके से प्रभावित करेगा ।”

“कमाल का आईडिया है यह तो जुलियन । मैं तो यह मानकर चल रही थी कि ये सारी बातें उन्हें स्कूल से ही सीखने को मिल जाती हैं ।”

“स्कूल तो माता-पिता की शिक्षा को आगे बढ़ाने में सहायता भर करता है । इन दिनों और इस युग में, जहाँ माता-पिता को बहुत ही अल्प समय में बहुत कुछ करना होता है, यह कहना बहुत ही आसान है कि स्कूल तुम्हारे बच्चों को वह सारी बातें सिखा देगा जो तुम उन्हें अपनी व्यस्तता (एक के बाद एक इतने सारे काम हैं जिन पर तुम्हें ध्यान देना ही है ।) के कारण नहीं सिखा पायी । लेकिन यह गलत दृष्टिकोण है । माता-पिता के रूप में नेतृत्व करने का अर्थ है उन सभी कामों को करना जिसे तुम्हारी आत्मा सही मानकर करने के लिए तुम्हें प्रेरित करे, भले ही उन बातों को करना आसान काम न हो ।”

“क्या कोई उदाहरण दे सकते हो?” मैंने बेहद उत्सुकतावश पूछा ।

“हाँ, क्यों नहीं । पूरे दिन काम करने के बाद तुम क्या करती होगी, अधिक से अधिक सोफे पर लेटकर टीवी देखती होगी । लेकिन यदि सरिता तुमसे कहे कि तुम उसे कोई कहानी सुनाओ । सबसे आसान काम तुम्हारे लिए तब यह होगा कि तुम उसे एक तरफ करते हुए जॉन को आवाज देकर उसे बाहर कहीं घुमाने ले जाने के लिए कहो । लेकिन सही तो यह था कि तुम टीवी का स्विच ऑफ करती और कोई पुस्तक निकाल कर उसे अपनी लाडली को पढ़कर सुनाती । ऐसा करके तुम अपने परिवार का महान नेतृत्व करतीं ।”

“सही बात है ।” मैंने कहा ।

“अन्य उदाहरण है कि तुम अपना सत्य पोर्टर से कहो ।”

“मैं अपना सत्य पोर्टर से कहूँ? इसका क्या अर्थ हुआ?”

“अपना सत्य कहना अर्थात् अपने सच्चे दिल से बोलना । इस संसार में अधिक से अधिक दूसरे वही बोलते हैं जो दूसरे सुनना पसंद करते हैं । वे अपनी सच्ची भावनाओं को प्रकट न करके और एक ऐसी समझ, जो हमेशा आपसी प्यार को बढ़ाती है, को विकसित न करके अपने शब्दों को हेराफेरी करने और वशीकरण के लिए प्रयोग में लाते हैं । शब्दों का ऐसा चयन करके जिसमें उनकी सच्ची भावनाएं प्रकट ही न हो या जो वे बोलना चाहते हैं वह उससे प्रकट ही न हो, तो समझ लो कि वे अपनी आत्मा को धोके में रखकर अपना जीवन जी रहे हैं । तुम केवल अपना सत्य बताकर-तुम क्या सोचते हो, किसमें विश्वास करते हो और क्या जानते हो-पारिवारिक नेता बन सकते हो जो तुम्हें बनना है ।”

“वाह, क्या बात है”, मेरे मुँह से जवाब में इतना ही निकला ।

“वापस उदाहरण की बात पर आता हूँ । आक्सर हम अपने जीवन में अपने डर से भागते रहते हैं । बुद्धिमान, ज्ञानवान और पूरी तरह परिपक्व मनुष्य अपने डर का पीछा करने की ठानते हैं । हममें से अधिकांश ऐसे लोगों का सामना करने में घृणा महसूस करते हैं जिनकी करनी के कारण हमें शर्मिंदगी उठानी पड़ी । कोई हमारे साथ बुरा बर्ताव करता है अथवा हमें यथोचित सत्कार नहीं देता तो हम इस बात को परिपक्व तरीके से उठाने का साहस करने के बजाए ऐसी स्थिति दुबारा न आने पाए हम इसका उपाय ढूँढते हैं । लेकिन ऐसा करने से क्या होता है कि जख्म भरने के बजाए और भी बढ़ जाता है ।”

“और इसके कारण तुम्हारी ऊर्जा भी व्यर्थ जाती है ।” मैंने जोड़ा ।

बिल्कुल सही बात कही, कैथरीन तुमने । और इस प्रकार ये छोटे-छोटे जख्म तुम्हारे शरीर को भारी-भरकम बना देते हैं जिसे तुम अपने जीवन की यात्रा के दौरान ढोते रहते हो । नेतृत्व करने का अर्थ है कि तुम समस्याओं का सामना जब-जब वे आएँ तब-तब परिपक्व तार्किक और सच्चे मन से करो, इसकी परवाह किए बिना कि उनसे निपटने में तुम्हें कितनी कठिनाइयाँ आ रही हैं क्योंकि समस्याओं से सीधे-सीधे तुमको ही टकराना है । इसको मैं इस प्रकार कह सकता हूँ, जब पोर्टर कुछ और बड़ा हो जाएगा तब ऐसा कुछ करेगा जिसके कारण तुम्हें शर्मिंदगी उठानी पड़ सकती है । तुम्हारे पास एक विकल्प है तुम इस समस्या का समाधान ढूँढो या फिर समस्या को अपनी जगह बनी रहने दो । समस्या को अपनी जगह बनी रहने देने से जख्म हरा ही रहेगा । समस्या का समाधान ढूँढने से क्या होगा कि पोर्टर अपने किए हुए के बारे में सोचेगा और तुम दोनों के बीच आपसी समझ विकसित होगी ।”

“तो नेतृत्व क्या है, मेरी समझ से यह ऊँचाई का मार्ग पकड़ना और कठोर विकल्प चुनना है-भले ही यह मुझे

कितना भी कठिन लगे ।”

“ठीक है । और मैं तुम्हें बताऊंगा कैसे । तुम यदि स्वयं के प्रति कठोर रहोगे, जीवन तुम्हारे लिए सरल होगा । तुम अपने साथ जितने निष्ठुर रहोगे जीवन तुम्हारे लिए उतना ही रमणीय होगा । ”

“इसका क्या अर्थ हुआ?”

“मेरा मतलब है, जब तुम अपने प्रति निष्ठुर बन जाती हो और अपनी सभी कमजोरियों को अपनी मुट्ठी में कर लेती हो और स्वअनुशासन ऐसा कि प्रत्येक समय जो सही है वही करना है, तुम्हारा जीवन निश्चय ही महान बनेगा । जो आसान है उसको बाद में करने के लिए छोड़ देना और उन कामों को प्रधानता देना जिन्हें सही मानकर करने की अनुमति तुम्हारा हृदय देता है हमेशा तुम्हें तुम्हारे सपनों के पारिवारिक जीवन में आगे ले जाएगा ।”

“क्या यह वही है जिसे मैंने अपने पारिवारिक जीवन करार में सम्मिलित किया हुआ है?”

“बिल्कुल वही है, वही है, मेरी छोटी बहिन ।”

“बहुत ही विलक्षण भावना से ओत-प्रोत हो जुलियन ने अचानक ही हाथ ऊपर ले जाकर अपने लबादे का टोप अपने सिर के ऊपर से खींचकर हटा दिया । उसने खिड़की से बाहर देखा और क्षितिज, जहाँ सिर्फ स्काईस्क्रैपर्स ही दूर-दूर तक नज़र आते थे और जिनमें हजारों की संख्या में लोग उसी समस्या से जूझते हुए रह रहे थे जिस समस्या से मैं जूझ रही हूँ, को भरपूर आंखों से देखा ।”

“मुझे कहीं जाना है, कैथरीन । किसी के साथ मेरी मीटिंग है ।”

“क्या मैं पूछ सकती हूँ कि किसके साथ है?” मैंने उत्सुकतावश पूछा ।

“मुझे किसी क्राफ्ट्सपर्सन से मिलना था । वह मेरे लिए एक विशेष प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है । तुम्हें इसके बारे में सही समय पर जानकारी मिलेगी । जुलियन ने इतना ही प्रकट किया । लेकिन मुझे इस पाठ को जानने से पहले मुझे पूरा कर लेने दो । तो मैं कह रहा था: अपने बच्चों के चरित्र के विकास की जिम्मेदारी तुम अपने ऊपर लो । मत आशा करो कि स्कूल तुम्हारे बच्चों के लिए सब कुछ कर देगा । ऐसा करना न तो बच्चों के हित में है और न ही स्कूल के हित में । और पोर्टर तथा सरिता को श्रेष्ठ पुस्तकों को पढ़ने के लिए प्रेरित करो । हेनरी डेविड थोर ने इन पुस्तकों को अपने क्लासिक वाल्डेन में ‘साहसिक पुस्तकें’ कहा है । ऐसी पुस्तकें जिसके बारे में उन्होंने कहा है कि ये मानव के श्रेष्ठतम विचारों का अभिलिखित संकलन है ।”

“लेकिन सरिता अभी पढ़ नहीं सकती और पोर्टर ने अभी-अभी आर्थर और क्यूरियस जॉर्ज की पुस्तकों को पढ़ना प्रारंभ किया है । क्या यह सही है कि हम तमाम दर्शनशास्त्रियों की श्रेष्ठ पुस्तकों से अपने घर को भर दें, जबकि वह उसे पढ़ भी नहीं सकता?”

वह भले ही पढ़ने में सक्षम न हो लेकिन तुम उसे पढ़कर सुना सकती हो । यदि तुम अपने बच्चों को उनके जीवन में महान नेता की अभिप्रेरणा देने के लिए वास्तव में ही गंभीर हो तो तुम्हें अपने बच्चों को उन महान व्यक्तियों के जीवन से परिचित कराना ही होगा जो इस धरती पर हमसे भी पहले आकर चले गए । जैसाकि मैंने उल्लेख किया था, कुछ बातें बच्चों के लिए इतनी सशक्त और प्रभावी होती हैं जितना कि अच्छे उदाहरण । यदि तुम चाहती हो कि तुम्हारे बच्चे पढ़ने का शौक रखें तो तुम्हें टीवी का स्विच ऑफ कर प्रतिदिन रात में एक घंटा स्वयं भी पढ़ना होगा । यदि तुम चाहती हो कि तुम्हारे बच्चे उत्कृष्टता को प्राप्त करें तो तुम्हें भी पहले यही करना होगा । अपने घर में श्रेष्ठ पुस्तकें जोड़कर और उन्हें पढ़ने के लिए समय निकालकर-भले ही दिनभर में केवल पंद्रह मिनट का ही समय क्यों न निकालो-तुम अपने बच्चों को प्रभावी संदेश देती हो कि पढ़ना कितना आवश्यक है । आगे मैं नहीं समझता कि तुम अपने विलक्षण बच्चों के लिए पुस्तकालय, जिसमें इस धरती को प्रकाशित करनेवाले महान बुद्धिमान चरित्रों के विचारों का संकलन होता है, से भी बेहतर कोई चीज विरासत में छोड़ सकती हो । पोर्टर और सरिता को जहाँ तक मैं जानता हूँ, वे इसके लिए तुम्हारा आभार जीवन भर मानेंगे ।”

“कितना अनोखा विचार है यह, जुलियन । अपने बच्चों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करने के लिए उनके लिए विश्व की श्रेष्ठतम पुस्तकों से भरा पूरा पुस्तकालय बनाना ।”

“कैथरीन, यह करना सर्वाधिक श्रेष्ठ कार्य होगा । जहाँ कहीं भी तुम जाओ उनके संकलन में जोड़ने के लिए अच्छी पुस्तकों की खोज भी करती रहो । रात में इन पुस्तकों को जोर की आवाज में पढ़ो । तुम समझोगी कि बच्चे शायद उसे नहीं समझ पा रहे लेकिन जो बुद्धिमत्ता की बात है वह उनके दिमाग में घर कर जाएगी । और वह बीज जिसका रोपण तुम उनके चरित्र में कर दोगी वह समय आने पर उनके बुद्धिमान वयस्क के कार्यकलापों के रूप में

प्रस्फुटित होगा।" जुलियन ने काव्यात्मक तरीके से नोट किया।

"जब हम ब्रेवलाइफ डॉट कॉम को आगे ले जाने के लिए श्रम कर रहे थे, हमने कुछ परामर्शदाताओं को इस काम में लगाया जिन्होंने हमें काम पर सीखने की संस्कृति के बारे में बताया। उन्होंने हमें बताया कि यदि हम वास्तव में उत्पादनीय और क्रिएटिव कर्मचारी की इच्छा रखते हैं तो संगठन के नेता के रूप में हमारा यह कर्तव्य होता है कि हम संगठन में ऐसा वातावरण निर्मित करें जिसमें लोगों में सीखने की ललक पैदा हो।"

"बिल्कुल सही बात है। आज हम ऐसे संसार में रह रहे हैं जहाँ विचारों को सफलता की सीढ़ी माना जाता है। पुरानी अर्थव्यवस्था में मूल्यों का निर्धारण ईंट और गारा से किया जाता था - तुम कितने ऑफिस के स्वामी हो या तुम्हारे पास कितने कर्मचारी हैं। नई अर्थव्यवस्था में संगठनों की सफलता का आकलन दिमाग और भरोसा, संगठन के कर्मचारियों द्वारा दिए गए विचारों की गुणवत्ता से किया जाता है। किसी एक व्यक्ति से निकला हुआ विचार पूरे विश्व को बदल सकता है। और यदि तुम मुझ पर यकीन नहीं कर रही हो तो बिल गेट्स और स्टीव जॉब्स, जिस हाइ-टेक फील्ड में तुम काम करती हो उसी के ये दो उदाहरण देख लो। कंप्यूटर क्षमता के बारे में उनके विचार ने हमारे जीने की राह को ही बदल दिया। केवल एक आयडिया या विचार वास्तव में ही पूरे विश्व को बदल सकता है, यदि उस पर पूरी तन्मयता और लगन के साथ काम किया जाए।

"और ऐसा नहीं कि ये बात सिर्फ बिजनेस पर ही लागू होती है।" मैंने जोड़ा। "नेलसन मंडेला ने मात्र इतने से ही शुरुआत की थी कि उनके देश के लोगों को स्वतंत्रता चाहिए, इससे अधिक उन्होंने कुछ नहीं चाहा था।"

"जैसाकि महात्मा गाँधी ने किया।"

"अमेलिया ईअरहार्ट के पास उड्डयन के बारे में मामूली सी आयडिया था।"

"एक और बेहतरीन उदाहरण जुलियन ने पुष्टि करते हुए कहा।"

"और आईसटाइन के विचारों ने साइंस की दुनिया ही बदल दी।"

"बिल्कुल सही कहा, तुमने मेरी छोटी बहिन। इस विश्व के महान नेता वही होंगे जो महान विचारक होंगे। अतः एक माता-पिता के रूप में तुम्हारा कर्तव्य है कि तुम उन ऊंची कीमतवाले परामर्शदाताओं की बात मानो जिनको तुमने रखा है और सीखने की संस्कृति का विकास करो-न सिर्फ अपनी कंपनी के लिए अपितु अपने घर के भीतर भी। सीखने को मनोरंजन बना दो। अपने घर को विचारों के खेल का मैदान बना दो जहाँ बच्चे वास्तव में ही सीखने के लिए अपना मन लगा सकें।" मॉडल क्यूरियस जॉर्ज!

"पोर्टर और सरिता क्यूरियस जॉर्ज को पसंद करते हैं, है न?"

"वह उनका हीरो है।" मैंने जवाब दिया।

"ठीक है, प्रत्येक क्यूरियस जॉर्ज पुस्तक का आरंभ उसी वाक्य से होता है। क्या तुम्हें याद है?"

"निश्चय ही: 'जॉर्ज एक छोटा सा बंदर था लेकिन वह हमेशा ही बहुत जिज्ञासु रहा करता था।'"

"ठीक। मैं तुम्हें भी सिर्फ इतना कह रहा हूँ कि तुम पोर्टर और सरिता में जिज्ञासु बने रहने की चिंगारी को कभी बुझने न दो। उनमें हमेशा ज्ञान की भूख और बुद्धिमत्ता की प्यास पैदा करती रहो। उनमें पुस्तकें पढ़ने और संगीत सीखने तथा चिंतन करने की आदत पैदा करो। इस तरह तुम उन दोनों को असीमित परिवर्तनोंवाले इस जगत में सफलता दिला पाओगी।"

"क्या तुमने जो कहा है, जिसे तुम सीखने की संस्कृति कहते हो, उतना सब करने के बाद अपने घर को स्वर्ग बनाने के लिए कुछ और भी कर सकती हूँ?"

"फूल" जवाब मिला। तुम दुकान से ३.४९ डॉलर में फूलों का बुके लेकर अपने घर आ सकती हो जो तुम्हारे घर के वातावरण में मिलियन डॉलर का प्रभाव डालेगा।"

"क्या वास्तव में?"

"अपने घर में तुम फूलों से भरे एक या दो बॉक्केट कहीं रख दोगी तो तुम्हारा यह मामूली सा कृत्य तुम्हारे घर को शांति और चहुँ ओर प्रसन्नता का एहसास देगा। शिवाना में संन्यासीगण अपने छोटे-छोटे घरों को फूलों से भरा रखते थे और जीवन में सौभाग्य का प्रतीक मानकर उनकी पूजा किया करते थे। तुम्हारे घर के अंदर फूल रंगों की श्रीवृद्धि करेंगे, वे तुम्हें जीवन सरलतम आनंद से जोड़कर रखेंगे और वे तुम्हारे बच्चों को शिक्षा देंगे कि प्रकृति हमारे जीवन में सकारात्मक शक्ति है।"

"मैं सहमत हूँ, जुलियन। जब से मैं घर में हूँ, मैंने फिर से उस जंगल की साप्ताहिक सैर पर जाना प्रारंभ कर

दिया है, जहां हम बचपन में जाकर खेलते थे। मैं टीवी का स्विच ऑफ कर देती हूँ, जबकि बच्चे टीवी देख रहे होते हैं, और उन्हें जितनी बार संभव हो सके अपने साथ उन जंगलों में लेकर जाती हूँ। हम पत्तियाँ इकट्ठी करते हैं, लुका-छुपी खेलते हैं। और हम चट्टानों पर स्किप करते हैं, जो उस बड़े तालाब के किनारे है और जिसका सहारा लेकर तुम पानी में कूदते थे।”

“जुलियन हंसते-हंसते लोट-पोट हो गया। हाँ, मुझे याद है। प्रकृति की गोद में बच्चों के साथ बिताया हुआ यह समय हमारे लिए बहुत ही विशेष होता है।”

“यह वास्तव में ही हमें एक-दूसरे के नज़दीक लाता है और हमारे मन की अच्छी से अच्छी बातों को बाहर लाता है। और मैं जानती हूँ यह बच्चों की क्रिएटिविटी में मूल्यवर्द्धन करता है।”

“मेरी सलाह है कि जितना हो सके तुम अपने घर को अंदर से सुंदर बनाओ। सुंदरता के लिए अपने अंतर्मन में गहरा लगाव पैदा करो। जैसे-जैसे तुम इस बात का संज्ञान लोगी वैसे-वैसे, मुझे कहना चाहिए कि फूलों की सजावट घर में युक्तिपूर्ण तरीके से करके, तुम अपने घर में-और अपने जीवन में-अधिक सुंदरता पाओगी।”

“मस्तिष्क एक असाधारण चीज है, क्या मैं ठीक कह रही हूँ जुलियन?”

“वह तो है ही। और मुझे संन्यासियों ने इसके काम करने और इसके विस्मयकारी कारनामों के बारे में बहुत सारी जानकारी दी है।” जुलियन ने बिना श्वास छोड़े निरंतरता में कहा। “अपने घर को स्वर्ग बनाने की दिशा में मैं चाहूँगा कि तुम संन्यासियों द्वारा किया जानेवाला एक और कर्मकांड अपनाओ और वह यह कि अपने घर के प्रत्येक कमरे में वायु का निर्बाध गमन होने दो।”

“मगर क्यों?”

“यह पूरब में की जानेवाली कई प्राचीन प्रथाओं में से एक है, जिसे मैं भी ठीक-ठीक नहीं समझ पाया हूँ। लेकिन कैथरीन मैं तुम्हें किसी भी काम को उसके परिणाम से आकने के लिए प्रोत्साहित करूँगा, सिर्फ और सिर्फ उसके परिणाम से। मेरे छोटे से कमरे की खिड़की हमेशा खुली रहती है और मुझे पता है कि मेरे अच्छे स्वास्थ्य और उच्च कार्य क्षमता स्तर के लिए कई कारणों में से यह एक है। संभवतः यह इसलिए है क्योंकि हम अपने फेफड़ों में अधिक ऑक्सीजन जाने देते हैं, जो हमारी व्यक्तिगत क्षमता को ऊपर उठाती है। संन्यासी कहा करते हैं ‘सही तरीके से श्वसन करना ही सही तरीके से जीना है।’ मैं स्वयं अपने जीवन में सुनिश्चित करता हूँ कि मैं प्रतिदिन ताजी वायु का सेवन करूँ। मैं सुबह की सैर पर पूरी सजगता और पूर्णता के साथ श्वास लेता और छोड़ता हूँ। यह छोटा सा अनुशासन मुझे शक्तिवान और दमकती ऊर्जा से लबालब कर देता है। हम जन्म के बाद सबसे पहले कौन सा काम करते हैं, कैथरीन?”

“हम अपने भीतर वायु ग्रहण करते हैं।”

“सही कहा। तो अब याद रखना उचित श्वसन की आदत जीवन का केंद्र है।”

“ओके कुछ और भी कहोगे जो मुझे अपने घर को अभयारण्य बनाने में मदद दे सके, जो हमारी पारिवारिक संस्कृति को उत्कर्ष की ओर ले जाए और हमें वहाँ ले जाए जहाँ पहुँचने का स्वप्न हमने देखा है?”

“मैं जाने से पहले तुम्हें तीन बातें बताकर जाऊँगा। प्रथम, अपने घर के भीतर बहुत सारी सूर्य की किरणें आने दो। यह वास्तव में ही आत्मा को ऊर्जस्व करता है और सारी बातों को अच्छा बना देता है। फिर से, मैं कहूँगा कि मेरे क्वार्टर को देखो। मैंने एकमात्र इसी प्रयोजन से घर के भीतर स्काईलाइट लगा रखी है, और सूर्य की किरणें सारा दिन मुझे मुस्कुराते रहने देने में सहायक होती हैं। दूसरी बात, परिवार को पूरा समय देने की कोशिश करो और इसे प्राप्त करो-विशेष रूप से संध्या के समय जब जॉन अपने काम से वापस घर आ जाता है और बच्चे भी स्कूल से लौटकर घर आ जाते हैं। अधिकतर माता-पिता अपने घर के परिवेश में हो रहे शोर की मात्रा की ओर बिल्कुल ही ध्यान नहीं देते लेकिन फिर भी इस ओर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि इसकी आवश्यकता शांतिपूर्ण मस्तिष्क सेट के विकास के लिए है। तुम्हारा परिवेश तुम्हारे चिंतन का निर्माण करता है। यदि हर समय टेलिविजन ऑन रहता है, वीडियो गेम हमेशा ही चलता रहता है और रेडियो पूरी आवाज में बज रहा होता है तो तुम्हारा घर बाहर के संसार से निकल कर कभी भी शांति का द्वीप नहीं बन सकता-स्वर्ग नहीं बन सकता। वास्तव में ही यदि तुम अभयारण्य बनाना चाहती हो, जिसमें तुम्हारा परिवार अपना जीवन बिताना पसंद करेगा, तो यह तय करो कि यह वही जगह बनेगी।”

“सुनना कितना अच्छा लगता है जब तुम इसे व्याख्यायित कर रहे होते हो।” मैंने उत्सुकता व्यक्त करते हुए

कहा ।

“अपने बच्चों को एकांत की अलौकिकता को जानने दो । जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उन्हें बताओ कि उनके लिए लगातार रेडियो सुनते रहना और फोन की घंटी पर दौड़ते रहना, कंप्यूटर में लगे रहना बिल्कुल जरूरी नहीं है । उन्हें प्रेरक वार्तालाप में आनंद लेने के लिए प्रेरित करो । उन्हें बताओ कि वे पत्र लिखने की कला विकसित करें । और उन्हें सुंदर अतिसुंदर सूर्यास्त को देखने और बड़े सपने संजोने के लिए प्रेरित करो ।”

“मेरे बच्चे इन बातों का अनुसरण जरूर करें, मेरे लिए इससे अच्छी कोई और बात हो ही नहीं सकती ।” मैंने उत्कंठा से कहा ।

“एक नायाब कर्मकांड, जिसे तुम अपने परिवार की संस्कृति में सम्मिलित कर सकती हो, प्रतिदिन का भोजन परिवार के सभी सदस्य एक साथ ही करें और एक-दूसरे की संगत का आनंद लें । कई वर्ष पूर्व परिवार के भोजन का समय लगभग प्रत्येक परिवार के लिए नियमित रूप से सबसे बड़ी खुशी का पल हुआ करता था । लेकिन दुर्भाग्यवश हमारे समय पर सभी मार्गों का बोझ बढ़ जाने के कारण यह प्रथा जो चली आ रही थी वह समाप्त हो गई । मेरा सुझाव है कि तुम इस सबसे अहम समय को, प्रतिदिन के सबके काम की जानकारी लेने के लिए और यह जानने के लिए कि परिवार के प्रत्येक सदस्य ने इससे क्या सीखा, काम में लाओ । अपने परिवार विजन करार या अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों, जिसे तुम बताना चाहती हो, के बारे में बातचीत करो । किसी ऐसी नई रुचि या कहानी के बारे में बताओ जिसे तुमने कहीं से सुना होगा । ऐसा करने के पीछे सबसे बड़ा प्रयोजन यह है कि यह तुम्हें एक अच्छा अवसर देता है कि तुम दिन के अंत में सबके साथ अपने को फिर से जोड़ सको । और हाँ, अपने इस परिवार के भोजन के समय तुम्हें सभी फोन को स्विच ऑफ करना नहीं भूलना चाहिए ताकि तुम्हें बीच में किसी प्रकार का कोई व्यवधान न मिले ।”

“मेरा अनुमान है कि वॉइसमेल का यही प्रयोजन है, है कि नहीं?”

“सत्य है ।”

“और फिर भी फोन की घंटी जितनी बार बजती है, उसे लपक कर उठाने की प्रवृत्ति हम सबमें है, भले ही हम अपने बच्चों के साथ कुछ बहुत ही जरूरी काम क्यों न कर रहे हों ।”

जुलियन ने सिर हिलाया और फिर आगे अपनी बात कहने लगा । मैं भांप गई थी कि वह अब जाना चाह रहा था, लेकिन जाने से पूर्व वह मुझे अपनी बुद्धिमत्तावाली जितनी भी बातें थीं, सब बताकर जाना चाहता था ।

“अपने परिवार में प्रतिदिन परिवार के साथ भोजन का कार्यक्रम की युक्ति को कार्यान्वित करना अपने घर में वास्तविक नेतृत्व दिखाने का अनोखा तरीका है । और कभी न भूलो कि एक पाटर्नर के रूप में तुम नेता हो । नेतृत्व का ठेका केवल सीईओ के हाथों में ही नहीं है । चाहे तुम किसी बोर्ड रूम में जैसे यहाँ काम करो अथवा अपने घर में पुरे दिन माता-पिता की भूमिका में रहकर काम करो, तुम एक नेता हो ।

“और अंतिम बात क्या है?”

“कभी न भूलो कि वह परिवार जो एक साथ खेलता है वह एक साथ रहता भी है । प्रत्येक सप्ताह एक लाफ्टर नाइट का आयोजन करो जहाँ तुम वीडियो स्टोर से हंसने-हंसाने वाली मूवी लाकर प्रदर्शित कर सको अथवा कुछ फूहड़पन की हरकतें आप पर करो और ध्यान रखो कि वे सबको हंसा सके । कभी भी अपने भीतर के उस अनोखे हास्य भाव को मरने न दो, कैथरीन । और अपने बच्चों को एक अच्छे बेली लाफ की क्षमताओं के बारे में बताओ । हंसना-हंसाना सच में ही लोगों तक पहुँचने का सबसे छोटा रास्ता है और अपने मानवीय संबंधों को जोड़ने का सर्वोत्तम मार्ग है । जीवन कभी भी कठिन हो सकता है, लेकिन अपने परिवेश को बनाए रखो और नियमित रूप से सबके साथ मिलकर हंसने के लिए समय निकालो । जितना अधिक तुम हंसोगी पोटर् और सरिता को यह अनुभव होगा कि वयस्क होना कोई गंभीर बात नहीं है । कभी तुमने बच्चों को स्वयं अपना और जॉन का स्वांग रचाते हुए देखा है?”

“हाँ, मैंने देखा है ।”

“क्या वे गंभीरता से ऐसा नहीं करते?”

“तुम सही कह रहे हो । वे हम दोनों की नकल उतारते हुए गंभीर रहते हैं ।” इस बात को समझ में आने पर मैंने उत्तर दिया ।

“क्या वे हंसते हैं और ठहाके मारते हैं, जब वे तुम दोनों की नकल कर रहे होते हैं?”

“नहीं,” मैंने चुपचाप जवाब दिया ।

“तो इसका मतलब है, जो मैं पहले ही कह चुका हूँ वह सत्य हो सकता है । बच्चे वयस्कों से कहीं अधिक उत्कृष्ट परिपक्वता के साथ हमारे पास हमें वह पाठ देने के लिए आते हैं जिसकी हमें आवश्यकता है । और संभवतः मेरी सबसे अच्छी छोटी बहिन जिसे मैं बहुत प्यार करता हूँ, तुम्हारे लिए पाठ बस इतना ही है कि तुम इस गूढ़ विषय को जानो ।”

“लेकिन मैंने तो इस मेज पर डांस किया ।” मैं हंसी ।

“हाँ, तुमने किया ।” मुझे आलिंगन में लेते हुए और मेरे भाल पर ट्रेडमार्क स्नेहांकन करते हुए जुलियन ने उत्तर दिया । “मैं जानता हूँ कि तुम एक महान जीवन जीने की शुरुआत करने जा रही हो और तुम्हारे बच्चे गुणों से संपन्न किशोरावस्था को पार कर श्रेष्ठ वयस्क बनेंगे । तुम्हें उसकी जरा भी चिंता नहीं करनी होगी । आज जो भी कुछ मैंने तुम्हें सिखाया है उसे याद करो । मैंने बुद्धिमत्ता की जितनी भी बातें आज के दिन तुम्हें बताई हैं उन पर मनन-चिंतन करो और पूरी तन्मयता से सोचो कि कैसे इन बातों को तुम परिवार संस्कृति को और अपने घर को, जहाँ तुम्हारा प्यार भरा विशेष समुदाय है, श्रेष्ठ बनाने के लिए उपयोग में ला सकती हो । तुम्हारा जीवन साधारण की खोल को हटाकर असाधारण दुनिया में प्रवेश करेगा ।

और इतना कहकर मेरा महान भाई जुलियन मेटल बोर्डरूम में मुझे अकेला छोड़कर चला गया और मैं दोपहर की चमकती धूप में नहा रही थी । मैंने जो कुछ भी उस दिन सुबह सीखा था उसे याद कर मेरा मन कर रहा था कि मैं मेज पर चढ़कर नाचूँ ।

परिवार के नेता की द्वितीय मास्टरी

बच्चे को डांटना-फटकारना बंद कर उनमें नेतृत्व का विकास करें।

यह एक नियम बना लें कि जहाँ तक संभव हो रात को तब तक न सोएं जब तक यह कहने में समर्थ न हों कि, “आज के दिन मैंने कम से कम एक मनुष्य को थोड़ा अधिक बुद्धिमान, पहले से कहीं अधिक खुश अथवा पहले से कहीं अधिक बेहतर बनाया।”

चार्ल्स किंगसले

मैंने जी भरकर प्यार नहीं किया। मैं जिदगी के तार संभालने में व्यस्त और सिर्फ व्यस्त रह गया जबकि जीवन मेरे करीब से ही प्रवाहित हो रहा था, बिल्कुल मौन और चपल जैसे नौका दौड़।

लोरेन कैरी।

जुलियन की दी हुई सलाह कि जैसे सभी संगठनों में नेतृत्व की आवश्यकता होती है, उसी प्रकार परिवार नाम के संगठन में भी नेतृत्व की आवश्यकता होती है, मेरे दिमाग से निकल नहीं सकी। शहर में स्थित ब्रेव लाइफ डॉट कॉम के कार्यालयों में हुई हमारी बैठक के बाद के सप्ताहों में मैंने कुछ परिवर्तन करने का निर्णय किया ठीक वैसे ही जैसे हम अपने घरों में किया करते हैं। जॉन ने और मैंने स्वयं ही परिवर्तन का नेतृत्व और उत्प्रेरक की भूमिका करने की ठानी। हमने पाया कि जुलियन का कथन कि माता-पिता ही नेता हैं, और हमें वह करना बंद कर देना चाहिए जो जीवन में आसान है बल्कि हमें वह सब करना चाहिए जो उचित है, बिल्कुल सही था। हम दोनों कई बार लंबी सैर पर निकल गए जबकि जुलियन घर पर ही रहकर पोर्टर और सरिता के साथ खेलता था, और हमने अपने परिवार विजन करार, एक ऐसा अनुबंध जिसके लिए हम दोनों की वचनबद्धता थी और जो हमारे काम का मार्गदर्शन करता, तैयार करने की शुरुआत की। हमने इस बात का विश्लेषण किया कि हम जिस ढंग से अपने जीवन का संचालन कर रहे हैं वह हमारे बच्चों के लिए किस प्रकार का उदाहरण प्रस्तुत करता है और एक लंबी फेहरिस्त लिखकर तैयार की जिसमें उन सभी बातों का उल्लेख था जिन्हें हम जानते थे कि सुधारना ही होगा।

कई सौ वर्ष पहले थॉमस फुलर ने लिखा कि “वह उन्हें कोई मान्यता नहीं देता जो अपने ही मत के अनुसार नहीं जी पाए।” मेरे लिए तो इसका अर्थ हुआ कि यदि तुम उन बातों पर कायम न रह सके जो तुम्हारे अपने विश्वास थे तो तुम वास्तव में ही उन पर विश्वास नहीं किया करते थे। तुम जो चाहते हो वह कहते हो लेकिन कही गई बात पर रह नहीं पाते और साक्ष्य कभी झूठे नहीं हो सकते। तुम दुनियावालों को कह सकते हो कि तुम्हारे लिए तुम्हारा परिवार सबसे पहले है, लेकिन यदि तुम सप्ताह के अधिकांश दिनों में बिजनेस मीटिंग के चलते परिवार के साथ बैठकर डिनर नहीं ले पाते तो इस बात का अर्थ हुआ कि तुम्हारा परिवार वास्तव में तुम्हारी पहली प्राथमिकता नहीं है। तुम किताबें पढ़ने के फायदे गिना सकते हो और अपने बच्चों को अच्छी किताबें खरीदकर दे सकते हो, लेकिन यदि तुम अपना अधिकांश खाली समय टीवी के सामने बैठकर सिटकॉम में निकालते हो तो इसका अर्थ हुआ कि तुम जो कहते हो कि पढ़ना या सीखना तुम्हारी प्राथमिकता है, वह सिरे से ही गलत है और तुम्हें उस पर कोई यकीन नहीं है। हवाई जहाज दुर्घटना के बाद मेरे मस्तिष्क में इस बात को लेकर कोई शक नहीं रह गया था कि मेरे संसार में परिवार ही मेरी पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। अब मुझे इस बात को स्वीकार कर जीना होगा।

हवाई जहाज की दुर्घटना के बाद, जबकि जुलियन हमारे साथ ही गैरज के ऊपरवाले साधारण से कमरे में रहता था, के प्रारंभिक दिन बहुत ही अनमोल थे। जैसे-जैसे दिन बीतते गए मैं और जॉन एक दूसरे के निकट आ गए। जितना ही अधिक हम अपने परिवार के संस्कार को उन्नत करने पर तथा घर को स्वर्ग बनाने पर चर्चा करते उतना ही अधिक हममें एक दूसरे की संभाल करने की वह ज्योति जलती, जो हम दोनों ने सोच लिया था कि अब वह बुझ चुकी है। मैं अब जॉन के चरित्र की ताकत को और उस व्यक्ति को, जो वह था, समझने लगी थी। इसके बदले में उसने मुझे कहा कि वह मेरी बुद्धि, मेरे स्व अनुशासन और जीवन के लिए मेरी नई चाहत का सम्मान करता है। हम दोनों एक दूसरे को अधिकाधिक समझ पा रहे थे। हम एक दूसरे की इज्जत पहले से कहीं अधिक करने लगे थे।

और हम दोनों जितना बीते दिनों में एक दूसरे से प्यार करते थे अब उससे भी कहीं अधिक प्यार एक दूसरे को करने लगे थे ।

जबकि बच्चों के साथ और जॉन के साथ फिर से संबंध सामान्य बनाना मेरे लिए किसी भी समय आसान नहीं था । लेकिन हाँ, हमने अपेक्षाकृत कम ही समय में अपने संबंधों को सुधारने में अच्छी भली प्रगति कर ली थी जिसका सर्वाधिक बड़ा श्रेय हमारे पारिवारिक जीवन को सुधारने के प्रति मेरी प्रतिबद्धता को जाता है । लेकिन मेरी ओर से इतने वर्ष अनदेखी किए जाने के बाद चुनौतियाँ तो आनी ही थीं ।

जॉन को तो इन खोए वर्षों और मैंने जो विशेष परिवार समय गंवाया, उसके लिए उसके मन में रिक्तता आ गई थी । चूंकि वह लोगों में इतना ज्यादा घुल-मिलकर रहनेवाला व्यक्ति नहीं था, उसकी यह बेचैनी आमतौर पर उदासीनता में छुप गई थी । वह मुझे कहता कि उसे पिकनिक पर जाने में कोई रुचि नहीं है अथवा हम दोनों मिलकर कोई नई डिश तैयार करें तो उसमें भी वह अपनी कोई रुचि नहीं दर्शाता । मानव जाति के सबसे बड़े नेता महात्मा गाँधी ने कहा था कि “विश्व का तीन-चौथाई संताप और गलत धारणाएं समाप्त हो सकती हैं यदि हम अपने आपको विरुद्ध मत रखनेवालों की जगह पर रखकर देखें और उनके नज़रिए को जानें ।” भले ही जॉन मेरा विरोधी कहीं से भी नहीं था लेकिन मैं अपनी खुद की मदद के लिए कई बार इस उक्ति को, जब उसके साथ मेरे मतभेद होते थे, लागू करती थी । मैं अपने आपसे पूछती कि “इस समय वह क्या महसूस कर रहा होगा और मैं किस प्रकार उसकी इस स्थिति में मदद कर सकती हूँ?” मैंने वास्तव में ही कोशिश की थी कि “मैं उसकी आंखों से चीजों को देख सकूँ” ताकि उसका नज़रिया क्या है मैं जान सकूँ । हममें से प्रत्येक अपनी-अपनी खिड़की में लगे मैले कांच से विश्व को देखता है, उस खिड़की का प्रत्येक रंग एक अनुभव, प्रवृत्ति अथवा पूर्वाग्रह दर्शाता है । उसकी आंख से विश्व को देखना मेरे लिए मददगार साबित होता ।

समय बीतने के साथ-साथ मुझे पता चला कि एक साथ समय बिताने के अलावा भी जॉन की अपेक्षाएँ थीं । उसमें समझदारी पहले से कहीं अधिक थी । वह चाहता था कोई उसे दिल की गहराइयों से चाहे और चाहता था कि कोई ऐसा हो उसके जीवन में जिसे वह बदले में भरपूर प्यार दे सके । वह चाहता था कि कोई तो ऐसा हो जो उसकी कामयाबियों पर, क्योंकि उसने अपना कारोबार खुद खड़ा किया था, जश्न मनाता अथवा जिससे वह अपने मन की बात, जब फेंके गए पत्ते उस तरह नहीं खुलते थे जिस तरह उसने उम्मीद की होती थी, कह सकता था । वह ऐसा जीवनसाथी चाहता था जिसके साथ वह हंस सकता, एक प्यार करनेवाला इंसान चाहता था जिससे वह कुछ सीख पाता और एक पत्नी चाहता था जो उसकी सबसे अच्छी दोस्त फिर से बन सकती ।

मैं इस बात को भी स्वीकार करती हूँ कि पोर्टर और सरिता भी हर समय हाथ नहीं बटाते थे । हाँ, वे दोनों इस बात से अभिभूत थे कि मैं उनके साथ इतना अधिक समय बिता पाती थी और मैंने अपना ऑफिस भी घर में ही खोल लिया था । वे इस बात से बहुत खुश थे कि मैं पहले से कम गंभीर थी, पहले से अधिक खुश रहा करती थी और उन्हें पहले से कहीं अधिक स्नेह दे पा रही थी । लेकिन इतना सारा समय उनसे अलग जो रह गई थी उसके कारण बहुत नुकसान उठाना पड़ा । कई बार तो वे चिपकू बन जाते थे और मुझे छोड़ते ही नहीं थे । कई बार तो किसी भी बात पर ऐसा नाटक भी कर बैठते थे जो दूसरा कोई बच्चा सोच भी नहीं सकता था । मैंने जान लिया था कि उनकी यह असुरक्षा की भावना इस बात से है कि पता नहीं कब उनका बुना हुआ यह नया स्वप्न टूट जाए या कहीं उनकी माँ को काम के लिए फिर से न बुला लिया जाए और वह कहीं फिर से पुरानी जीवनशैली को न अपना बैठे । मैंने यह भी महसूस किया कि मुझे अभी थोड़ा और समय पोर्टर और सरिता का मन जीतने में लग सकता है । अपने बच्चों के प्रति आजीवन प्रतिबद्धता और समर्पण का विकल्प कुछ महीने आदर्श माता-पिता की भूमिका में रहना कतई नहीं हो सकता ।

मैंने पाया कि एक उत्कृष्ट माता-पिता बनने का मेरा स्वप्न प्रगति पर था । मैंने स्वयं के प्रति मनुष्यता का बर्ताव करना और बीते जीवन की नाकामयाबियों को गर्व से स्वीकार करना सीख लिया था । वे मेरे बदलाव का एक महत्वपूर्ण भाग थे, जहाँ तक मैं इसे समझ सकी । कोई भी घटना किसी न किसी कारण से घटती है, मैं स्वयं को स्मरण कराती । प्रत्येक जीवन का अंगड़ाई लेना एक प्रक्रिया है । हम जीते हैं, हम नाकामयाब होते हैं, फिर हम सीख लेते हैं और पथ पर आगे बढ़ते हैं । मैंने स्वयं से सिर्फ यह वादा कर लिया कि मैं जुलियन की बुद्धिमत्ता को खुले दिल से स्वीकार करूंगी और उसके विचारों को सच्ची ईमानदारी से लागू करूंगी । मैं दृढ़ मत थी कि इसके परिणाम जरूर सामने आएंगे और मेरा सर्वोत्तम जीवन अंततः जरूर खुलेगा ।

देर रात कई बार की बातचीत में और अपना खुद का आत्मनिरीक्षण गहराई से करने के बाद हमारे घर के भीतर

जो कुछ हुआ था उसे देखते हुए जॉन और खुद मैं भी और भी अधिक जिम्मेदारी की भावना से भर उठे। जैसे-जैसे समय बीतता गया, जॉन के मन में जो बची-खुची उदासीनता मेरे प्रति थी, जिसे वह समय-समय पर दिखाया करता था, पिघलकर सहानुभूति और प्रशंसा के शब्दों में बदल गए कि कैसे मैं परिवार के संस्कार की पुनर्स्थापना के लिए, जिसे हम दोनों जानते हैं कि इसकी अवस्थिति कहाँ होगी, कड़ा परिश्रम कर रही थी। हम अब कई-कई बार हंसते थे और चूंकि हंसना एक संक्रमण की तरह होता है मेरे दोनों बच्चे भी हमारे नक्शे कदम पर आगे बढ़ रहे थे। हम सब एक दूसरे को दिन में कई बार गले लगकर कहते आइ लव यू। ये शब्द अब घर में इतनी बार सुनाई देते कि जैसे दूध का बहना और शनिवार सुबह के कार्टून। और हम सब कुछ न करके सिर्फ एक दूसरे के संग आनंद का जीवन जी रहे थे।

बस आप इतना ही जान लो कि यह आमूलचूल परिवर्तन हमने जुलियन के साथ शहर में मुलाकात के बाद करना शुरू किया, मैंने और जॉन ने पहला काम किया कि जुलियन ने जिस परिवार करार को बनाने की बात के लिए हमें प्रेरित किया था हम दोनों ने उसे मिलकर तैयार किया। इसने हमारे लिए दिशा तय की; हमारे लिए उस लक्ष्य को भेदना असंभव होगा जिसे हम देख न सके। यदि हम अपने पारिवारिक जीवन में संपूर्ण निधियों का निवेश करना चाहते हैं और अपने घरेलू संस्कारों का आधार हार्दिक प्यार और खुशियों को बनाना चाहते हैं, वह मैं अपने मस्तिष्क में अंत के परिणामों को स्पष्ट रूप से देखना होगा और उसे कागज पर भी लिखना होगा। मास्टरी पूर्व स्पष्टता का होना अनिवार्य है, इस उक्ति को जुलियन हम दोनों के सामने दुहराया करता था जब हम सब फैमिली रूम में विश्राम किया करते थे।

अपने भविष्य की व्याख्या कर, अपने विश्वासों को परिभाषित कर और अपनी प्राथमिकताओं को सामने रख, हम पहले से अधिक ध्येयपूर्ति और सोचे समझे तरीके से जीने लगे थे। यह जिंदगी अब हम पर कोई कहर नहीं ढा पा रही थी-हमने अपने जीवन की जिम्मेदारी अपने हाथों में ले ली थी और अपना जीवन खुद अपनी शर्तों पर जी रहे थे। व्यक्तिगत रूप से मैं अपने को अधिक शांतिमय और संतुलित पा रहा था। पूर्णतया पराजित होने का बोध जो इस असभ्य और भ्रमित जगत में, जहाँ हम फुल टाइम जॉब के साथ बनिया के यहाँ से राशन या सामान की खरीददारी करते हैं या सोसर की प्रैक्टिस करते हैं और काम के लिए स्वयं को प्रस्तुत करते हैं, हममें से अधिकांश की जिंदगियों का प्रमुख हिस्सा बन चुका होता है, अब धूमिल पड़ने लगा था। जिंदगी फिर से मजेदार हो गई थी।

जुलियन का जहाँ तक प्रश्न है, उसने अपना अधिकांश समय गैरज के ऊपर बने अपने कमरे में पुस्तकें पढ़ने और ध्यान लगाने में बिताना प्रारंभ कर दिया था। कई बार मुझे ठोकने और आरी चलाने जैसी आवाजें सुनाई देतीं, लेकिन मैंने जहाँ तक हो सके चढ़कर ऊपर कमरे में जाना बंद कर दिया ताकि मैं जुलियन को वह स्वतंत्रता दे सकूँ जिसकी उसे आवश्यकता थी। कभी-कभी वह आरे के बुरादे से सना हुआ हमारे फैमिली रूम में आ जाता कुछ बुदबुदाते हुए कि “वे रफूगर क्राफ्ट्सवाले लोग। मेरा विश्वास है कि वे जानते हैं कि वे क्या कर रहे हैं।” मैंने नहीं पूछा कि उन बातों का क्या अर्थ था।

जुलियन की जरूरतें बहुत थोड़ी थीं ताजा फूल जब भी मुझे समय होता मैं उसके लिए तोड़ लाती, ढेर सारी खुली ताजा हवा और पोर्टर तथा सरिता के साथ बिताने के लिए बहुत सारा समय। जैसे-जैसे सप्ताह के बाद सप्ताह बीत रहे थे वैसे-वैसे उन दोनों के लिए उसका प्यार गहराता जा रहा था। जुलियन अपनी बेटी ऐली के लिए उसकी छोटी सी जिंदगी में एक अच्छा पिता साबित हुआ। लेकिन उसकी नई बुद्धिमत्ता और संवेदना को देखते हुए, मुझे एहसास हुआ कि वह महान पिता बन सकता था यदि वह फिर से बच्चे होने की चाहत दिल में जगा लेता। एक सुबह मैंने उससे इस बारे में बात की।

“हाय, जुलियन” जैसे ही मैंने उसे हाथ में स्प्रिंग वाटर की बोतल थामे हुए सुबह की रोजाना की सैर से लौटकर साइड के दरवाजे से प्रवेश करते हुए देखा तो कहा।

“गुड मॉर्निंग, कैथरीन।” मैं सोचता हूँ कि बाहर एक दिन बहुत ही मजे में बीतेगा। क्या तुमने देखा चाँद किस तरह दिख रहा था जबकि सूरज अभी भी आसमान में चमक रहा था?

“मैंने बिल्कुल नहीं देखा। लेकिन मैं एक बार जरूर देखूंगी बस मुझे पोर्टर को उसके स्कूल में और सरिता को उसकी दादी के घर पर छोड़ना होगा। वह छुट्टियों में यहाँ नहीं थी और अब वह अपनी दादी के पास जाकर आर्ट्स और क्राफ्ट्स में दिन बिताना चाह रही है। वह बहुत ही अच्छी महिला हैं, जुलियन।”

“हाँ, मैंने भी यही सुन रखा है। क्या तुम्हें परेशानी तो नहीं होगी यदि मैं तुम्हारे साथ कार में चलूँ?”

“अरे वाह, यह तो बहुत ही अच्छा होगा। सरिता को बहुत ही भला लगता है जब आप कार में उसके साथ पीछे

की सीठ पर बैठकर दूर गाइडरूटीन कर रहे होते हैं।”

“मैं उसकी खुशी के लिए कुछ भी कर सकता हूँ।” जुलियन ने जवाब दिया।

“मुझे पता है।”

“बच्चों को ड्रॉप करने के बाद,” मैंने जुलियन से कुछ प्रश्न, जो मेरे दिमाग में थे, पूछे।

“जुलियन।”

“हाँ कैथरीन।”

“क्या तुम सोचते हो कि तुम फिर से शादी कर अपना घर बसा सकते हो।

“क्या?” जुलियन ने विसमय के साथ ठहाका लगाया।

“नहीं, मैं गंभीर हूँ। तुम बहुत अलग दिखते हो। आज तक मैं जितने भी लोगों से मिली हूँ, तुम सबसे बुद्धिमान व्यक्ति हो। तुम्हें अपने इर्द-गिर्द पाकर कितना आनंद हुआ करता है और तुम्हारे पास सर्वाधिक अच्छी सोच है, जिसके बारे में मैं सोच भी नहीं सकती। मैं मानती हूँ कि तुम्हें मौके हाथ आएंगे और तुम किसी विशेष से मिलोगे। यहाँ तक कि तुम्हें दूसरा बच्चा भी होगा।”

जुलियन पैसंजर विंडो से बाहर की ओर देखने लगा और पूरी तरह खामोश रहा। मैंने आगे कुछ नहीं कहा। तुरंत ही उसकी आँखों में पानी भर आया जो जमा होने के बाद उसके चिकने गालों से ढुलकता हुआ नीचे उसके लाल रंग के लबादे, जिसे वह हर समय ओढ़े रहा करता था, पर गिरा।

“मुझे माफ़ करना जुलियन। मैं बुरे दिनों की याद दिलाकर तुम्हें पीड़ा नहीं पहुँचाना चाहती थी।”

“तुमने वास्तव में अच्छे दिनों की यादें ताजा की हैं।” जुलियन ने मीठेपन से जवाब दिया। “ऐली के साथ बिताए हुए मेरे दिन मेरे सबसे अच्छे दिन थे। पोर्टर और सरिता को संग पाकर मैं अपनी पुराने दिनों की दुनिया में लौट जाता हूँ। मैं वास्तव में ही बच्चों से बहुत प्यार करता हूँ।”

“तुम सही कहते हो, मुझे पता है।”

“और पोर्टर और सरिता बहुत ही विशेष गुणोंवाले बच्चे हैं। मैंने उनमें पिछले कुछ दिनों से ऐसी विलक्षण बातें देखी हैं।”

“धन्यवाद, मैं उन्हें अच्छा बनाने के लिए काम कर रही हूँ।”

“तुम यह काम कर रही हो, मुझे पता है।”

“मुझे बिल्कुल ही पीछे पड़ जाना अच्छा नहीं लगता, लेकिन मैं क्या करूँ तुम्हारी बहिन जो हूँ और मुझे तुम्हारी सबसे अधिक चिंता रहा करती है। क्या फिर से शादी करने पर गंभीर हो?”

“मैं अपने जीवन के इस पड़ाव पर ऐसा नहीं करूँगा, कैथरीन। लेकिन बाद में सोचूँगा। उसने चेहरे पर हंसी बिखेरते हुए कहा जबकि साफ जाहिर हो रहा था कि वह अपने ५० वर्ष पूरे कर रहा था, लेकिन शारीरिक रूप से कई दशक पीछे का नवयुवक दिख रहा था।”

“ठीक है, मैं अपनी बात पर अधिक जोर नहीं दूँगी। केवल अभी के लिए। लेकिन मेरी न जाने कितनी सुंदर, बुद्धिमान सहेलियाँ हैं जो तुम जैसे पुरुष से मिलना चाहेंगी।”

“मेरी छोटी बहिन मैं तुम्हारी बात पर विचार करूँगा। फिलहाल मेरे पास अन्य प्राथमिकताएँ हैं।”

“हाँ, लेकिन हम कहीं जा रहे हैं?” मैंने पूछा, क्योंकि जुलियन ने खिड़की का शीशा नीचे उतारा और हाथ बाहर करके हाथ को ऊपर फिर नीचे झुला रहा था जैसे बच्चे ग्रीष्मावकाश के दिनों में किया करते हैं।

“मैं इस उम्मीद में हूँ कि आज हम कॉटेज में चलें। मैं कई वर्षों से वहाँ नहीं गया। मैं समझता हूँ कि आज वह दिन आ गया है जब मुझे तुम्हारे साथ परिवार के नेता की द्वितीय मास्टरी पर चर्चा करनी चाहिए।”

“क्या सचमुच? मैंने खुशी से चहकते हुए कहा। मैं आश्चर्य में थी कि तुम कब मुझे इस बारे में बताओगे।”

“हाँ, कैथरीन।”

“परिवार के नेता की द्वितीय मास्टरी का अर्थ है विश्वास निर्मित करना और मानवता की ओर जाना।”

“मानवता की ओर जाना?”

“हाँ, बार-बार ऐसा करना कैथरीन, हम अपनी मानवता को बाधित करते हैं। हम लोगों को नहीं बताते कि हम उन्हें कितना प्यार करते हैं या हम उनकी प्रशंसा नहीं कर पाते। यह असफलता हमें प्यार के बंधन में बंधने से रोक

देती है जो अन्यथा अच्छे परिवार के संस्कार को जन्म देती। परिवार के नेता की द्वितीय मास्टरी कहती है बच्चे को झिड़कने डांटने के बजाए उन्हें बनाने की कोशिश करो। और ऐसा तभी किया जा सकता है जब घर पर हम अपने संबंधों को प्रगाढ़ बनाए।”

“ओके जुलियन, चलो पहले तो हम कॉटेज चलें। मैं इसे बहुत बढ़िया बात मानता हूँ। जॉन एक बड़े प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है और उसने कह रखा है कि वह रोज से पहले घर पहुँच जाएगा। मैं उसकी माँ से कह दूंगी कि वह स्कूल जाकर पोर्टर को ले आए। मैं जानती हूँ कि वह दिनभर के लिए बच्चों को घर में रखकर बहुत ही खुश रहेंगी।”

“बहुत ही अच्छी बात है। जुलियन ने खुश होकर जवाब दिया क्योंकि वह देख रहा था कि मैं अपनी समय-सारणी में परिवर्तन कर रही थी ताकि मैं पूरे दिन उसके साथ रहकर सीख पाती।”

“और मैं ईमानदारी से कहता हूँ कि मैं इस समय अंतराल का उपयोग कर सकूंगी। मैं बच्चों के साथ इतना समय बिताती रही हूँ तो मैं क्यों न कुछ समय निकालकर शहर से दूर बिताऊँ।”

“कैथरीन, यह बहुत जरूरी है कि तुम अपने लिए पूरा समय निकालो। कितने ही माता-पिता हैं जो अपने खुद के लिए समय निकालने पर अपराध बोध से ग्रसित हो जाते हैं। वे सोचते हैं कि ऐसा करना स्वार्थपूर्ण है। लेकिन समय निकालकर अपने अंदर नवस्फूर्ति भरना वास्तव में बिल्कुल ही स्वार्थरहित है।”

“सच में?”

“हाँ, यह सच है। ऐसा करने से तुम अपने परिवार के साथ अपनी प्रगाढ़ता बढ़ाओगी। यदि तुम खुश हो तो वे सब खुश होंगे। यदि तुम तनावमुक्त और शांतिमय रहोगी तो तुम सर्वोत्तम तरीके से अपने परिवार की देखभाल कर पाओगी। और तुम्हारा परिवार सर्वाधिक लाभ पा सकेगा।”

“बहुत बढ़िया बात कही। मैं इसे याद रखूंगी।”

“तो चलो अब शहर से बाहर चलें। मैं तुम्हें कुछ और सिद्धांत भी सिखाना चाहता हूँ जिसे जानकर तुम्हारा घरेलू जीवन और भी बेहतर हो जाएगा। इन दिनों तुम कुछ बहुत ही बड़े काम कर रही हो। तुम्हारे प्रयासों से मैं बहुत ही इम्प्रेस हुआ हूँ। हम दोनों की उस बातचीत जो [ब्रेवलाइफ.कॉम](#) के कार्यालयों में हुई थी, ने वास्तव में ही प्रभाव डाला है।”

“जुलियन तुमने मेरी आंखें बहुत सारी चीजों के प्रति खोल दी है। सारा सिद्धांत, जिसकी जरूरत मुझे घर में एक नेता बनने और अद्वितीय परिवार संस्कार विकसित करने के लिए थी, श्रेष्ठता की ऊँचाइयों को छू रहा है।”

“मैं बहुत खुश हुआ,” मीठी आवाज में जवाब मिला।

जुलियन ने कॉटेज जिसे कहा था, वह वास्तव में ही ऐसी प्रॉपर्टी थी जिसे मेरे पितामह ने बयालीस एकड़ के सुंदर मैदान में बनवाया था, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती थी और जिसे देखो तो बस देखते ही रह जाओ। यहाँ से बहुत ही आकर्षक ताजे पानी की एक लेक दिखाई पड़ती थी जिसमें हम जब बच्चे थे तब तैरा करते थे और नाव खेया करते थे। इस पूरे घर के चारों ओर फूल खिले होते थे और चिड़ियों का कलरव हर समय सुनाई देता था। यहाँ दुबारा आकर बहुत ही अच्छा लग रहा था।

जैसे-जैसे हम मुख्य घर की ओर बढ़ रहे थे, मेरे मस्तिष्क में बीते कल की यादें ताजा हो रही थीं। मैं उस दिन को याद कर रही थी जब जुलियन ने मुझे नाव कैसे खेते हैं, सिखाया था और जब मेरी माँ ने मुझे स्कूल की पढ़ाई पूरी होते ही हमें नाव खरीद कर दी थी। हम दोनों अपनी क्लासेस में अव्वल थे और माँ ने कहा था कि वह हम दोनों को कुछ विशेष खरीद कर देगी। हमने गर्मियों के सुस्ती भरे दिनों के बाद के दिन साहसिक कहानियाँ बुनने में और वयस्क होकर हम जीवन में क्या बनेंगे, इन सब बातों के सपने देखने में बिताया करते थे। यहाँ तक कि उन दिनों भी जुलियन का स्वप्न यही था : “मैं बहुत बड़ा वकील बनूंगा।” जुलियन कहा करता था।

“मैं मुस्करा पड़ी क्योंकि जब मैं छोटी थी, रात को हम आसमान के नीचे सोते थे और एक दूसरे को भूत-प्रेतों के किस्से सुनाते थे और इतना डर जाते थे कि मैं अपने पिता को पुकारती थी और तब मेरे पिता हाथ में फ्लैश लाइट लिए हमारे पास आ जाते थे। और मुझे इस सुनसान उपवन में परिवार के साथ बिताए वे मजेदार दिन भी याद आ रहे थे, जब हवा में प्यार और खुशियों की खुशबू हर कहीं से आती रहती थी।

“मैं बसंत के दिनों में इन फूलों की महक से अभिभूत हो जाया करता था।” जुलियन ने इत्मिनान भरे शब्दों में कहा।

“मैंने भी । मैंने शहर में कहीं भी इतने बड़े फूल नहीं देखे,” मैंने उत्तर दिया । उस बड़े घर की ओर चलते हुए जुलियन ने अपनी बांह मेरे कंधे पर डाल दी और फिर चुपचाप चलने लगा ।

“क्या तुम जानती हो क्यों यह स्थान हम दोनों को इतना अधिक पसंद है?” उसने कुछ छणों के बाद पूछा ।

“कहो, क्यों?”

“कैथरीन, यह हमारी याददाश्त का कमाल है ।”

याददाश्त?

“हाँ, अवश्य ही यह बहुत ही अद्वितीय स्थान है । लेकिन यह सवाल फिर भी अनुत्तरित रहा कि यह प्रॉपर्टी हमारे दिलों में क्यों इतनी अधिक जगह रखती है, इसका उत्तर है हमने अपने सभी मानवीय छणों को यहाँ आनंदपूर्वक बिताया है ।”

“मानवीय छण?” जुलियन के नए फ्रेज की उत्सुकता में मैंने उत्तर दिया ।

“हाँ, मानवीय छण । दि हार्वर्ड बिजनेस रिव्यू ने कई वर्ष पहले इस विषय पर काम किया था । लेखक ने लिखा है कि लोग काम पर अब खुश नहीं रहते, क्रीएटिव नहीं रहते तथा प्रेरणा नहीं लिया करते क्योंकि आधुनिक कार्यस्थल इतने व्यस्त हो चले हैं कि वहाँ मानव छणों के लिए कोई जगह बची ही नहीं ।”

“मानव छण वास्तव में हैं क्या ?”

“यह विशेष समय के संदर्भ में है जब मनुष्य गहराई से, खुले दिल से एक दूसरे के साथ जुड़ते हैं । कारपोरेट जगत में जब इतनी व्यस्तता नहीं थी और जिंदगी इतनी तेज रफ्तार नहीं थी तब हम वाटर कूलर के पास ही समय निकालकर एक दूसरे का हाल पूछ लिया करते थे, कि सप्ताहांत में हमने क्या किया और बाल-बच्चे कैसे हैं और उनकी उन्नति कैसी है । हम अपने साथियों को तब जानते थे और उनसे मिलने जाते थे क्योंकि वे हमारे जीवन के धागों में बहुत ही महत्वपूर्ण थे । अब लोग काम पर आते हैं और उनका स्वागत होता है ई-मेल के ढेर से, वॉइसमेल से जो कभी खत्म होने का नाम नहीं लेता और फैक्स संदेशों के ढेर से । नए बिजनेस वर्ल्ड में हमारे पास समय ही नहीं है कि हम अपनी रफ्तार धीमी करें, एक-दूसरे के साथ का आनंद लें और एक-दूसरे से दिल खोलकर मिलें । हम वास्तव में उन लोगों को जानते ही नहीं जिनके साथ हम अपने दिन का बड़ा भाग व्यतीत करते हैं ।”

“और विसंगति यह है”, मैंने जोड़ा, “कि जब हम इन संबंधों को, जिसकी बात तुम कह रहे हो, सींचने का काम करते हैं तो नवोन्मेषता, उत्पादकता और जॉब प्रभावोत्पादकता एकदम से बढ़ती है ।”

“यही बात तो इस कंसुल्टेंट ने इस आर्टिकल में लिखी है । लेकिन मैं मानता हूँ कि उसका वास्तविक कथन यह है कि : बिजनेस लीडर लोगों, जो उनकी कंपनियों से जुड़े होते हैं, के सामुदायिक आत्म बल को कार्य के समय उनके मानवीय छणों को बढ़ावा देकर उन्नत कर सकते हैं ।”

“मैं जानती हूँ, तुम्हारी इस बात का आशय क्या है ।” मैंने अंदाज लगाते हुए कहा ।

“इस सोच को तुम अपने परिवार पर भी लागू करो ।” जुलियन ने कहा ।

“क्या खूब ।”

“अपने परिवार में वास्तविक नेतृत्व प्रदर्शन के लिए,” जुलियन ने कहना जारी रखते हुए कहा, “अपने भीतर मानवीय छणों को प्रोत्साहित करो । बच्चों को झिड़कना बंद करो और उन्हें अपने निर्बाध प्यार के उपहार के जरिए नेता बनने के सांचे में ढालना प्रारंभ करो । सभी प्रभावी नेता अपने संबंधों, जो उनके संगठन से जुड़े होते हैं, की फिक्र पूरी गहराई से करते हैं । तुम उनसे कोई अलग नहीं हो ।”

“मैं मानती हूँ,” मैंने जोर देकर कहा, “यह जानते हुए कि वह कार्य अभी भी पूरा नहीं हुआ है क्योंकि उसे पूरा करने के लिए मुझे अपने उसी उत्साह की जरूरत थी जो कभी मैं तब दिखाया करती थी जब मेरे बच्चे चिल्लाते रहते थे, फोन की घंटियां बज रही होती थीं और काम की डेडलाइनें नज़दीक आती जाती थीं ।

“कैथरीन, तुम बिजनेस में स्टार हो,” जुलियन ने आगे, मुझे अच्छा एहसास दिलाते हुए कहा । “मैं निश्चय ही उस स्थिति में नहीं हूँ कि तुम्हें वर्ल्ड क्लास एंटरप्राइज निर्मित करने पर लेक्चर दूँ । तुमने उसे पूरा कर लिया है और अद्भुत सफलता पाई है ।”

“धन्यवाद, जुलियन ।”

“और तुम अपने कारपोरेट लीडर के अनुभव से अच्छी तरह जानती हो कि अंततः किसी बड़े बिजनेस के लिए बड़े टैलेंट की आवश्यकता होती है । महान, क्रीएटिव, ऊर्जावान लोगों की जरूरत होती है जो अपने काम को करते

हुए उसमें डूब जाया करते हैं।”

“पूरी तरह सच है,” मैंने उत्तर दिया और हम दोनों भवन के अंदर के भव्य लिविंग रूम में प्रवेश कर रहे थे।

“और मैं जानता हूँ तुम इस बात को भी मानोगी कि लोगों के अंदर के सर्वोत्तम को बाहर निकालने के लिए उन्हें यह एहसास दिलाना होता है कि तुम वास्तव में ही उनकी परवाह करती हो।”

“मैं मानती हूँ।”

“तो बिजनेस की सफलता का हृदय लोगों के हृदय को जोड़ने में है। मनुष्य में सच्चा नेतृत्व उन्हें वश में करने में है उन्हें धिक्कारने में नहीं। अन्य के साथ जितना गहरा तुम्हारा लगाव होगा उतना ही गहरा तुम्हारा नेतृत्व उनके बीच होगा। यदि लोगों का विश्वास तुममें नहीं है तो वे तुम्हारा अनुसरण नहीं करेंगे। और सबसे बड़ा पाठ यही है,” जुलियन ने भवन के शिखर पर पहुँचते हुए कहा: इससे पहले कि कोई तुम्हारी ओर अपना हाथ बढ़ाए, तुम्हें पहले उसके दिल को छू लेना होगा।

“इससे पहले कि कोई तुम्हारी ओर अपना हाथ बढ़ाए, तुम्हें पहले उसके दिल को छू लेना होगा। जुलियन ऐसा करना मुझे बहुत अच्छा लगता है।”

“जानती हो क्यों तुम्हें अच्छा लगता है?”

“मुझे नहीं पता, मगर क्यों?”

“क्योंकि यह सत्य की बात करता है। प्रत्येक मनुष्य, भले ही वह विकास के जिस किसी भी चरण पर क्यों न हो, में मानवता के सर्वोच्च सत्य को पहचानने की क्षमता है। और वह कहावत जो मैंने अभी-अभी कही है, मेरी तमाम कही हुई कहावतों में से एक है।”

“वाह क्या बात है! मुझे एक दृष्टांत याद आ रहा है, जिसे मैंने हाल ही में पढ़ा है और जो जर्मन कवि गोथ ने लिखी है, वे एक जगह कहते हैं: लोगों के प्रति अपना व्यवहार ऐसा करो जिसके वे हकदार हैं और उनकी मदद इतनी करो जिससे वे वह बन सकें जो वे अपनी क्षमता से बन सकते थे।”

“मानवीय छणों के बारे में इतना ही समझ लो। वे छोटे-छोटे अवसर तुम्हारे हाथ में आते हैं कि तुम अन्य के प्रति मानवता दिखा सको। वे छोटे-छोटे अवसर होते हैं कि तुम अन्य के प्रति प्यार और उदारता दिखा सको जो स्वयं को प्रतिदिन प्रकट करता है लेकिन हम उसे यूँ ही जाने देते हैं क्योंकि हम सभी व्यस्तता में व्यस्त रहते हैं।”

“और ‘मानवीय छण’ निर्मित करने के लिए इन अवसरों को हाथ में लेना कई तरीके से हमारे संबंधों को गहराईयों में ले जाता है। ठीक कहा मैंने?”

“बिल्कुल ठीक। और इतना ही नहीं बल्कि ये मानवीय छण हमें दिवसांत में अमिट यादें दे जाते हैं जो हमारे जीवन के लिए बहुत ही मूल्यवान होता है। तुम खुद ही देखो कैथरीन, महान जीवन अगर कुछ है तो वह कई महान छणों को एक साथ जोड़कर ही तो बना है।”

“क्या बात कही।”

“यह सत्य है। कितनी ही बार हम यही सोच बैठते हैं कि हमें अपने जीवन को उचित ठहराने के लिए और जीवन में बड़ी सफलताएं प्राप्त करने के लिए कुछ न कुछ हीरो के जैसे काम करने ही होंगे। हम दिन के अंत में खुद को बेवकूफ बना हुआ पाते हैं क्योंकि हम इस बात में यकीन कर लेते हैं कि अपने आपको भरा-पूरा संतुष्ट रखने के लिए हमें अवश्य ही महंगे खिलौने और अधिक से अधिक चीजें बटोरनी चाहिए। लेकिन वास्तविक खुशी प्राप्त करने का यह तरीका गलत है। वास्तविक और कभी न खत्महोनेवाली खुशी क्रमशः प्यार भरी यादों और विशेष छणों को संग्रह करने से आती है। तुम अपने बचे हुए दिनों के लिए कैथरीन, खुद से वादा करो कि तुम जितनी अधिक अच्छी पारिवारिक यादें एकत्र कर सको, करोगी। और याद रखना कि जीवन में वास्तविक रूप से सफल होने का तरीका है वास्तविक रूप में उदार होना। ये सभी विचार तुम कारपोरेट परिवेश, जहाँ समुदाय निर्माण और मानव छण होते हैं, से सीखो और उसे अपने घरेलू जीवन पर लागू कर दो। बिजनेस जगत की ये आजमाई हुई और सत्य नेतृत्व फिलासफी तुम अपने घर की चारदीवारी में ले जाओ।”

“लेकिन सच-सच बताना कि कैसे?” मैंने विस्मय से कहा।

“यह सोचना प्रारंभ कर दो कि घर में जॉन और बच्चों के साथ तुम्हारे संबंध जितने गहरे होंगे उतनी ही प्रभावी तुम्हारी नेतृत्व क्षमता तुम्हारे घर के भीतर होगी। पोर्टर और सरिता को झिड़कना, डाँटना, डपटना बंद कर दो और उन्हें महान मनुष्य बनाने के उपक्रम प्रारंभ कर दो जिसके बारे में हम दोनों ही जानते हैं कि वे क्या बन सकते हैं।”

“और उनकी बुराई न करके उनकी सराहना करना प्रारंभ करो?” मैंने जुलियन के ही फ्रेज को जड़ दिया।

“बिल्कुल सही कहा।” जुलियन ने उत्साहित होते हुए, हवा में कूदते हुए, जैसे कि वह किसी ट्रैम्पोलाइन में सवार हो, कहा। “अपने बच्चों की प्रशंसा तब जरूर करो जब उन्होंने अपना काम अच्छे ढंग से कर लिया हो। कभी न भूलो कि आचरण जिसे पुरस्कृत किया जाता है वह आचरण है जिसकी पुनरावृत्ति होती है। उन्हें मान्यता दो और उनकी प्रशंसा करो जब वे तुम्हारे साथ डिश बनाने में तुम्हारी मदद करते हैं या डिनर तैयार करते हैं। पूरी ईमानदारी से मुक्त कंठ से उनकी प्रशंसा करो जब वे कोई नई बात सीखते हैं या कोई नया खेल सीखते हैं। मुक्त कंठ से की गई प्रशंसा मानव दिल को प्रेरित करने का सर्वोत्तम उत्प्रेरक है, तथापि हम शायद ही कभी इसे उपयोग में लाते हों।”

“मेरा अनुमान है कि तुम सही बात कह रहे हो, जुलियन। हम अपनी मानवता को सीमित कर लेते हैं।”

“और इसमें इतनी जल्दी गुस्सा करने की कोई बात नहीं है जब उनसे थोड़ा सा दूध कहीं फैल जाता है या कोई नई डिश ही उनसे गिरकर टूट जाती है। वे तो बच्चे हैं और बच्चे तो यही करते हैं। यह कई तरीकों में से एक है जिसके माध्यम से वे सीखते हैं। मुझे एक इनवेस्टमेंट बैंकर का स्मरण हो आया जिसके पास मैं अक्सर अपने पुराने स्वर्णिम दिनों में जाया करता था, मुझे बताता था कि उसके पास जो अविश्वसनीय भरोसा है, उसका राज यह है कि उसने इसे बचपन से ही अपने अंदर पाला हुआ है।”

“किस बात की ओर इशारा है?”

“ठीक है, सुनो। उसका पालन-पोषण उसके पिता ने किया था और जब भी कभी कोई पेय या दूध उसके हाथ से गिर जाता तो उसके पिता गुस्सा नहीं होते बल्कि उससे पूछते : ‘तो जेरी यहाँ इस घटना से तुमने क्या सबक लिया?’ मामूली सा वह प्रश्न सर्वाधिक मज़बूत चरित्र को जन्म देने वाला था जिसे मैं जान पाया हूँ। कैथरीन याद रखो कि कोई भी गलती सिर्फ गलती ही रहती है, यदि तुम उसे दुहराती हो। पहली बार कि हुयी गलती तो तुम्हारे लिए सबक है जो तुम्हारे विकास के लिए आवश्यक है।”

“क्या वास्तव में ऐसा है?”

“अवश्य ही। क्या तुम सहमत नहीं हो कि हमारे विकास का प्राथमिक मार्ग ही हमारी असफलताएं और हमारी गलतियां हैं?”

“निश्चय ही। यदि मैं इस पर विचार करती हूँ तो मैं पाती हूँ कि मेरी सबसे बड़ी असफलताओं ने मुझे सर्वोच्च शिखर तक जाने का रास्ता दिखाया।”

असफलता महामार्ग है सफलता प्राप्त करने का। असफल रहना इससे अधिक कुछ नहीं कि तुम सफलता कैसे प्राप्त करो, यह सीख जाते हो। अच्छे माता-पिता विलक्षणतायुक्त असफलताओं को पुरस्कृत किया करते हैं। जब पोर्टर और सरिता हिम्मत के साथ कदम बढ़ाते हुए कुछ नया करते हैं और उसमें वे असफल रहते हैं तो उन्हें पुरस्कृत और प्रोत्साहित करो। ऐसा करने से उनमें विश्वास पैदा होगा और उन्हें अपनी क्षमताएं विकसित करने में सहायता मिलेगी। यदि उन्होंने कोई गलती की है तो उन्हें समझाने की कोशिश करो कि कहाँ पर वे गलत थे और फिर उन्हें आगे के लिए प्रोत्साहित करो। और उनके साथ कभी भी घटिया या भद्दी भाषा में बात मत करो। बच्चों को भला-बुरा कहने से वे अंदर ही अंदर मुर्झा जाते हैं और उनमें वह प्रकाश नहीं रह जाता जो उन्हें विशेष बनाता है। ऐसा करना पाप है, मैं ग्रेसरी स्टोर में बचकानी घटनाओं पर बच्चों को उनके पिता से बुरी तरह डाँट खाते हुए देखता हूँ। इससे पता चलता है कि माता-पिता को स्वयं अपने को सुधारने की जरूरत है न कि बच्चों को।”

“क्या बात है, जुलियन तुम्हारे पास तो कुछ बहुत ही विलक्षण अंतरदृष्टि है। तुमने अवश्य ही कई-कई घंटे बैठकर इन बातों पर विचार किया होगा।”

“बल्कि कई-कई वर्ष कहो,” जुलियन गहरी सोच में डूबा हुआ था और अपने लबादे को चोट पर चोट पहुँचाते हुए बहुत ही धीमे स्वर में जवाब दिया।

“और साथ ही उन सभी नेतृत्व के अनिवार्य सिद्धांतों के बारे में गंभीरता से सोचो जो मैंने तुम्हें बताए हैं, जिसके अनुसार : लोग तुम्हारा अनुसरण नहीं करेंगे यदि तुममें उनका भरोसा नहीं होगा। हमेशा के लिए इस बात को याद रखो कि माता-पिता के रूप में तुम्हारा पहला कर्तव्य है मानवीय भरोसे का निर्माता बनना।

“तो क्या मुझे मानवीय भरोसे का निर्माता बनना पड़ेगा,” इस फ्रेज से अभिभूत होकर मैंने पूछा।

“हाँ, कैथरीन भरोसा ही प्रत्येक परिवार के संस्कारों की नींव है। जैसाकि मैंने पहले भी तुम्हें बताया था कि कोई

तुम्हारा हाथ थामे इससे पूर्व तुम उसके दिल में अपनी जगह बना लो। और दिल में जगह बनाने के लिए उसका भरोसा जीतना ही होगा। और किसी के हृदय को छूने का अर्थ हुआ उनके विश्वास को जीतना।

“इसका मतलब हुआ यदि मैं चाहती हूँ कि पोर्टर और सरिता बिखरे हुए घर को सलीके से रखने में मेरी मदद करें जैसे - खेलने के बाद वे बिखरे हुए खिलौने सही जगह पर रख दें, तो क्या मुझे उनके दिल को बार-बार छूना होगा?”

“हाँ, बिल्कुल यही बात मैं कहना चाह रहा हूँ।”

“तो कौन सी व्यावहारिक बातें हैं जिन्हें मैं तुम्हारे कथनानुसार ‘भरोसे का निर्माता’ बनने के लिए अपने घर में कर सकती हूँ? कैसे मैं अपने संबंधों को गहराई तक ले जाना और अविस्मरणीय यादें निर्मित करना, जिसके लिए तुम कहते हो कि वे पारिवारिक जीवन के प्राण हैं, प्रारंभ कर सकती हूँ।”

“बिल्कुल ठीक। बहुत सारी बातें हैं जिन्हें तुम कर सकती हो। सबसे पहली और मुख्य बात है कि अपने वादे पर रहो और अपनी प्रतिबद्धताओं के प्रति ईमानदारी बरतो।”

“क्या कभी तुमने मास्टर बर्ड की कहानी सुनी है, जो रिटायर होने ही वाला था?” जुलियन ने कहना जारी रखा।

“मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी सुनी हो।”

“तो सुनो, वह अपने कैरियर की लंबी उम्र भवन निर्माण के लिए अर्पित कर चुका था। लेकिन एक प्रसिद्ध ठेकेदार के साथ शानदार काम की शुरुआत करने से पहले उसे बहुत ही खास वादा करना पड़ता था।”

“क्या था वह वादा?”

“बर्ड को ठेकेदार से यह वादा करना पड़ता था कि प्रत्येक वह भवन जो वह पूरे मनोयोग और समर्पण के साथ बनाएगा ऐसा होगा मानो कि वह इतना महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट हाथ में ले रहा हो जितना कि इससे पहले उसने कभी किया न रहा होगा। उसे वादा करना पड़ता था कि बनाया गया प्रत्येक घर पूरे मनोयोग और समर्पण, सावधानी और प्यार के साथ बनाया गया होगा। सेवानिवृत्ति पूर्व की तैयारी करते हुए बर्ड ने अपने बॉस को जाकर सूचित किया कि अभी-अभी जो घर उसने तैयार किया है, वह उसके द्वारा बनाया गया अंतिम घर होगा। बॉस ने कहा कि वह उसे अपने से अलग होते हुए देख बहुत दुखी हो रहा है और पूछा कि क्या वह उसका एक अंतिम काम कर सकता है, ‘सिर्फ एक और घर बनाकर दे दो।’ मालिक ने अनुरोध किया और कहा कि ‘इसके बाद वह खुशी-खुशी जा सकता है।’ बर्ड के मन में अपने मालिक के लिए बहुत इज्जत थी, इसलिए वह तुरंत तैयार हो गया और नया घर बनाना शुरू कर दिया। लेकिन जिस प्रकार उसने इतने वर्षों तक प्रत्येक घर को पूरी लगन से बनाया था, इस बार वह लगन उसमें न थी, उसने अपनी विशेषज्ञता का पूरा हुनर इस्तेमाल ही नहीं किया और घर पूरा करने में हर उस शॉर्टकट का इस्तेमाल किया जो वह जानता रहा होगा, ताकि रिकॉर्ड समय में ही घर बन जाता और वह अपना जीवन सेवानिवृत्त होकर गुजार पाता। उसने कोनों को काटा, घटिया सामग्री का इस्तेमाल किया और काम पूरा करने में हड़बड़ी की।

“उसने अपना पहले किया हुआ वादा तोड़ दिया,” मैंने बीच में ही जुलियन की कही हुई कहानी में सराबोर होते हुए कहा।

“हाँ, कैथरीन उसने यही किया।” जुलियन ने कहना जारी रखा। “कुछ ही सप्ताहों में घर बनकर तैयार था और उसने इस बात की सूचना अपने मालिक को दी। धन्यवाद तुम्हारे, जो तुमने मेरे लिए यह काम पूरा किया, उसने बर्ड से बहुत ही नम्रतापूर्वक कहा। इसके बाद मालिक ने बर्ड को सामनेवाले दरवाजे की चाबियाँ देते हुए कहा, ये तुम्हारे लिए हैं। जो घर तुमने बनाया है वह मेरी ओर से तुम्हारी बिदाई का उपहार है जो तुम्हारे इतने वर्षों की लगन और मेहनत के लिए है। बर्ड तो अब जैसे आसमान से जमीन पर गिरा हो। वह यकीन नहीं कर पा रहा था कि वह घर जिसे उसने अभी तुरंत बनाकर तैयार किया है, उसका अपना हो जाएगा। यदि यह बात उसे पहले से पता रही होती तो वह पूरी लगन, ईमानदारी और सर्वोत्तम कौशल से उसे बनाता।”

“कितनी बढ़िया कहानी है।”

“देखो, बर्ड ने अपने मालिक से और खुद अपने आपसे किए गए सबसे महत्वपूर्ण वादे को तोड़ दिया कि वह अपना काम उत्कृष्टता से और अपने हुनर की सच्चाई के साथ करेगा। और चूंकि उसने अपने सर्वाधिक महत्ववाली प्रतिबद्धता को ही तोड़ दिया, उसे उस तुच्छ घर में रहने के लिए अभिशप्त होना पड़ा जो उसने इसके पहले कभी

नहीं बनाया था। और ठीक ऐसा ही हमारे जीवन में भी होता है। हम अपनी प्रतिबद्धताओं को तोड़ते हैं और परिणामस्वरूप आदर्श स्थितियों में न जीकर उससे कमतर में जीने के लिए मज़बूर होते हैं, स्थितियां जिसे हमने खुद अपने कार्यकलापों से निर्मित किया है।”

“इसका मतलब हुआ पारिवारिक नेता को अपने वादों को हर हाल में पूरा करना चाहिए और अपने दिए गए वचन को निभाना चाहिए,” मैंने निष्कर्ष निकालते हुए कहा।

“हाँ, जब तक वे घटिया और खस्ताहाल घरों में रहने के लिए स्वयं न तैयार हों। और यह केवल वादा ही नहीं है जो वे अपने परिवार के सदस्यों के साथ करते हैं जिसे उन्हें हर हाल में पूरा करना ही चाहिए, कैथरीन। उन्हें अपने उन वादों को भी निभाना चाहिए जो वे स्वयं अपने ही साथ करते हैं। अन्य के साथ किए गए वादों को निभाना परिवार में विश्वास को जन्म देता है और परिवार के संस्कार में श्रीवृद्धि करता है। तुम स्वयं के साथ जो वादे करते हो उन्हें निभाने से तुम स्व-विश्वास अर्जित करते हो और इससे तुम्हारा अपना चरित्र धवल होता है।”

“यह तुमने निश्चित रूप से सत्य कहा है, जुलियन। तुम तो जानते ही हो, मैंने नियमित रूप से व्यायाम करना प्रारंभ कर दिया है।”

“मेरा ध्यान इस ओर गया है। मैं पाता हूँ कि तुम कभी भी बेहतर नहीं दिखीं।”

“धन्यवाद बड़े भाई। ठीक कहा, लेकिन क्या करूँ मैं यदि एक भी काम, जिसे मैंने प्लान किया है, पूरा न कर पाऊँ तो मैं बहुत बुरा महसूस करती हूँ। मुझे ऐसा लगता है कि जैसे मैंने स्वयं को नीचा दिखाया है या फिर इसी प्रकार की भावना से ग्रसित हो जाती हूँ।”

“ऐसा ही है। स्वयं के साथ किए गए वादे को पूरा करना, भले ही उसे पूरा करने में बहुत सारे काम करने पड़ते हों या प्रकृतिस्थ होने में समय लगता हो अथवा पूरे सप्ताह लगातार काम करते रहने के बाद मसाज भी करना पड़ जाए तो इसका मतलब हुआ कि तुम स्वयं के प्रति सच्चे थे। जब तुम स्वयं के साथ की गई प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए काम में जुट गए ताकि तुम अपना बेहतर तरीके से ख्याल रख सको, तुम परिणामस्वरूप स्वयं को ही सम्मानित करते हो। जब तुम इन वादों को तोड़ते हो तो तुम शनैः - शनैः स्वयं में अपना अर्जित विश्वास खो देते हो। तुम स्व-विश्वास को कमजोर कर डालते हो। जितने अधिक वादे तुम तोड़ते हो उतना ही अधिक विश्वास तुम स्वयं का खोते हो। अंततः तुम अपना पूरा विश्वास एक मनुष्य के रूप में खो बैठते हो। और जब तुम इसे खो बैठते हो तो तुम सब कुछ गंवा बैठते हो।” जुलियन ने नाटकीयता के साथ कहा, जबकि उसके लबादे की चमकीली स्वर्णिम कढ़ाई पर पड़ रही सूर्य की किरणें अठखेलियां कर रही थीं।

“जुलियन, यह कितनी पते की बात है। किसी ने मुझे कभी इस तरह से नहीं सिखाया। यहाँ तक कि ग्रेड स्कूल में भी नहीं। हाइ स्कूल में भी नहीं। बिजनेस स्कूल में भी नहीं। तुम कहते ही रहो।”

“विश्वास ही प्रत्येक मानव रिश्ते का आधार है, भले ही वह घर में हो या फिर काम की जगह पर। अपने परिवार के साथ अपने रिश्ते गहराई तक ले जाने के लिए तुम्हें अपने विश्वास, जो वहाँ मौजूद है, को बढ़ाना होगा। और ऐसा करने का सबसे शक्तिशाली तरीका है तुम अपनी बात पर खरे उतरो। शब्दों में असीम शक्ति होती है। मत कहो कि तुम कुछ करोगे जब तक तुम्हें यह भरोसा न हो जाए कि तुम कर लोगे। अपने प्रत्येक उस वादे को पूरा करने की कोशिश करो जिसे तुमने किया है। अपने शब्दों को अक्षरशः साबित करो। तुम अपने जीवन को पूरी तरह बदलने में सफल रहोगे। मैं तुम्हें इस बात का भरोसा दिलाता हूँ।”

“मैं अपने शब्दों को अक्षरशः साबित करूँ, यह कठिन लगता है। मेरा मतलब है मेरी बहुत सारी प्रतिबद्धताएं हैं। यह आसान नहीं है कि प्रत्येक को मैं पूरा कर पाऊँ।”

“तो तुम्हें ढेर सारी प्रतिबद्धताएं नहीं करनी चाहिए। प्रतिबद्धताएं कम करो ताकि तुम हमेशा उन्हें बल्कि उससे भी अधिक पूरी कर सको। जो तुम वादे करती हो उनका चयन करना सीखो। घर का बड़ा नेता बनने के लिए तुम्हें सबसे पहले अखंडता का आदर्श प्रस्तुत करना चाहिए। तुम्हें वह व्यक्ति बनना होगा जो प्रत्येक समय सही काम ही करता है। ऐसा व्यक्ति जो खुद के लिए आचरण संहिता तय करता और उस पर चलता है। ऐसा करोगी तो तुम अन्य लोगों से आदर पाओगी। यह और भी महत्वपूर्ण बात है कि जो लोग अपने वादों को पूरा करते हैं, उनकी स्विकार्यता बढ़ती है। उनका परिवार उन पर भरोसा करता है और जो कुछ वे कहते हैं उस पर पूरी श्रद्धा से भरोसा करते हैं।”

“क्योंकि वे जानते हैं कि यही सत्य है।” मैंने उत्सुकता से भर कर बीच में कहा।

“हाँ, इसीलिए क्योंकि वे जानते हैं कि यही सत्य है। और सत्य तुम्हें वास्तव में ही स्वतंत्र बना देता है, मेरी छोटी बहिन।”

मैंने कभी नहीं सोचा था कि अपने परिवार सदस्यों के बीच मुझे स्वीकार्यता प्राप्त करना इतना आवश्यक होगा। मैंने हमेशा यही माना कि एक पार्टनर और माता-पिता के रूप में मेरे लिए प्राथमिकताएं कुछ अलग हैं।

“स्वीकार्यता तो सर्वाधिक प्रमुख है, कैथरीन। स्वीकार्यता से विश्वसनीयता बढ़ती है और विश्वास, जैसा कि मैंने कहा था, का स्थान होता है प्रत्येक दिल की गहराई भरे सार्थक संबंधों में। इसलिए मैं तुम्हें सलाह दूंगा कि किसी के भी साथ तुम कोई वादा या प्रतिबद्धता तब तक न करो जब तक तुम्हें भरोसा न हो जाए कि तुम उसे पूरा कर पाओगी। मत कहो कि मैं पोर्टर और सरिता को इस सप्ताहांत में सर्फस में ले जाऊंगी जब तक तुम यह निश्चित न कर लो कि तुम ऐसा कर पाओगी। माता-पिता का किया गया वादा बच्चों की सबसे बड़ी दुनिया होती है। समझ सको तो समझो कि जब तुम उनके साथ किए गए वादे को तोड़ते हो तो तुम उनका हृदय भी तोड़ते हो। और जॉन से मत कहो कि तुम उसके लिए वह बिजनेस प्लान तैयार कर दोगी जिसके बारे में वह तुमसे बातें कर रहा था, जब तक कि तुम अच्छी तरह यह निश्चित न कर लो कि तुम ऐसा कर सकोगी। बहुत ही थोड़े समय में तुम पाओगी कि तुम्हारे जीवन में कुछ नया-नया सा घटित हो रहा है। परिवार के सदस्य, जो पहले तुम्हारी बातों को गंभीरता से नहीं सुनते थे, सुनना शुरू कर देंगे। वे तुम्हें भरपूर आदर देने लगेंगे। वे तुम्हें जान सकेंगे और एक ऐसे व्यक्ति के रूप में तुम्हारी इज्जत करेंगे जो अपनी कही हुई बात पर कायम रहता है। और इससे तुम सब के बीच प्यार निर्मित होगा।”

“विस्मयकारी ज्ञान है यह। फिर भी यह साधारण सी बात है।”

“मैं बुद्धिमत्ता को साधारण बात ही कहूंगा जिसे संन्यासियों ने मेरे साथ साझा किया,” जुलियन ने जवाब दिया जो अपने चालाकी भरे फ्रेज में उलझ गया था।”

“ओके जुलियन। मैं अपने सभी वादों को गंभीरता से लेना शुरू करूंगी और सभी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने लए अपने को समर्पित कर दूंगी। जो मैंने कहा है उसे पूरा करके रहूंगी। जब मैं कहती हूँ कि मैं कुछ करूंगी तो इसका अर्थ हुआ मेरे अंदर इतनी शक्ति है कि मैं उसे पूरा कर पाऊँ। मैं वह औरत बनने की हर कोशिश करूंगी जो अपने कहे हुए शब्दों को पूरा करती है और अपना वह जीवन नहीं जिऊंगी जिसमें मैं सबसे आसान काम को करती आई थी, बल्कि सही काम को करने पर अपना ध्यान केंद्रित करूंगी। इसके आगे मैं अपने घर में मानव संबंध को और अधिक मज़बूत बनाने के लिए क्या कर सकती हूँ?

“क्या, फिर से कहोगी?”

“मैंने कहा इसके आगे मैं अपने घर में मानव संबंधों को और अधिक मज़बूत बनाने के लिए क्या कर सकती हूँ? मैंने दुहराया।

“क्या?”

“मैंने कहा,” मैंने चिल्लाते हुए और आश्चर्य करते हुए कहा जैसे कि जुलियन की श्रवण शक्ति, उसके भौतिक शरीर के असाधारण रूप से हृष्ट-पुष्ट होते हुए भी जा रही हो, “इसके आगे मैं अपने घर में मानव संबंधों को मज़बूत बनाने के लिए क्या कर सकती हूँ?”

“उसे एक बार तुम फिर कहो, मेरी छोटी बहिन।”

“तुम मजाक कर रहे हो, जुलियन। मैंने तुमसे यही प्रश्न तीन बार पहले भी किया है, जुलियन। तुम क्यों नहीं सून पा रहे हो? ऐसा करके तो मैं पागल होना शुरू हो गई हूँ।”

“ओह, धन्यवाद। मैं जो जवाब सुनना चाह रहा था वही जवाब तुमने दिया,” जुलियन ने खुश होते हुए कानों तक लंबी मुस्कुराहट बिखेरते हुए कहा। “तुमने मेरी अगली बात को कहने में मेरी मदद की जो घर के भीतर संबंधों को बनाने के विषय में है।”

“मैंने ऐसा किया?”

“हाँ, तुमने यही किया। मानव संबंधों को वास्तव में गहराई तक ले जाने और अपने परिवार के लोगों के दिल को लगातार छूते रहना प्रारंभ करने के लिए, ताकि तुम्हारा संपूर्ण घरेलू जीवन सुधर सके, तुम्हें अनिवार्य रूप से आक्रामक श्रोता बनना होगा।”

“लेकिन क्या तुम्हारा संपूर्ण संदेश यह नहीं है कि मानव संबंधों के प्रति हमें मृदु, अधिक आग्रही दृष्टिकोण

रखना चाहिए, यदि हम उसे मज़बूत बनाना चाहते हैं? फिर ये अधिक आक्रामक होने की बात कहाँ से आई, जुलियन? मैं तो आक्रामक होने से तंग आ गई हूँ। मैं पूरे दिन की मेहनत और लोगों को लगातार ठेलते रहने से थक गई हूँ। मैंने सिर्फ यही किया जब मैं शहर में काम करती थी।”

“मैं तुम्हें उन पुराने दिनों की तरह काम करने की सलाह नहीं दे रहा, कैथरीन। वह तुम्हारा बीता हुआ कल था। अपने आपको उस रूप में देखने की कोशिश भी मत करो। अपनी कल्पना से जीना शुरू कर दो लेकिन अपनी यादों से नहीं।”

“मुझे यह फ्रेज पसंद आया, जुलियन। यह अच्छा है।”

जुलियन ने अपनी शिक्षा आगे जारी रखते हुए कहा, “आक्रामक श्रवण का मतलब आक्रामक व्यक्ति होना नहीं है।” इसका मतलब तो अधिक श्रद्धा से श्रवण करना है। आज के इस तेज चाल के जीवन में अधिकांश लोग यही मानते हैं कि सुनना प्रतीक्षा करने से अधिक कुछ नहीं है जब तक कि दूसरा व्यक्ति अपनी बात पूरी नहीं कर लेता। एक मास्टर श्रोता बनना आज की इस समय न दे सकनेवाले युग में खोयी हुई कला है लेकिन इसके बावजूद यह एक अनिवार्यता बन गई है अपने परिवार के लोगों का विश्वास अर्जित करने के लिए। ऐसा करने से तुम्हारे परिवार के संस्कार बहुत अच्छे हो जाएंगे, इतने अच्छे कि जिसकी तुम कल्पना भी नहीं कर सकती। तुम खुद ही देख लो सभी मानव भूखों में से सबसे बड़ी भूख है...”

“ये मानव भूख क्या है?”

“संन्यासी लोग इसे मानव भूख कहते हैं और उन्होंने इसकी व्याख्या में बहुत समय लगाया है। तो जैसाकि मैं कह रहा था, हम सबमें मानव भूख है-यथा अपनी बुद्धि को वास्तविक रूप में प्रयोग में लाने की, प्यार और समाज की आवश्यकता के लिए, हम बड़े हो रहे हैं और सीख रहे हैं इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए और जैसे-जैसे हम जीवन की यात्रा पर आगे बढ़ते हैं दूसरों के जीवन में हम अपना योगदान कर रहे हैं यह बात महसूस करने के लिए। दूसरी मानव भूख है प्रशंसा पाने की और समझ लिए जाने की। हममें से हर कोई चाहता है कि उसे सुना जाए और उसे यह महसूस हो कि वह जिन लोगों से अपनी बात कह रहा है वे उसकी बात सुने। जब तुम आक्रामक होकर किसी की बात को सुनती हो तो तुम उस व्यक्ति के कहे हुए प्रत्येक शब्द को ध्यानमग्न होकर सुनते हो और अत्यधिक समानुभूति और सावधानी से उसे सुनते हो। तुम्हारा यह कृत्य बोलनेवाले उस व्यक्ति को जिसे तुम आदर देते हो, मानते हो और जो वे कह रहे होते हैं उसमें रुचि लेते हो, को बदले में उच्चशक्ति के संकेत प्रेषित करता है। इससे संबंधों में विश्वास का स्तर बढ़ता है।”

“मेरा अनुमान है कि तुम कहा करते थे कि लोग तुम्हारी सहायता तब तक नहीं करेंगे जब तक तुम उनके दिलों को न छू लो। आक्रामक होकर सुनना वास्तव में ऐसे ही है जैसे किसी के दिल से जुड़ना।”

“हाँ, ऐसा ही है कैथरीन। इस धरती पर कुछ उपहार ऐसे भी हैं जो उतने ही कीमती हैं जितना कि उस व्यक्ति, जिसके साथ तुम रहते हो, को पूरी तरह सुनने की तुम्हारी योग्यता, वह भी ऐसे जिससे उस व्यक्ति को पता चले कि उसे पूरी तरह समझ लिया गया है। मानवता के ये कुछ विलक्षण कृत्य हैं जिन्हें हम व्यवहार में लाते हुए कभी नहीं दिखते। तन्मयता से किसी को सुनने के कारण उपजी अभूतपूर्व समझ से यह विश्व बहुत ही अच्छा स्थान हो जाएगा। प्यार का निर्माण करनेवाला ब्लॉक समझदारी ही है। उदाहरण के लिए पोर्टर को ही लो। भले ही वह मात्र छह वर्ष का है लेकिन मैं अच्छी तरह से जानता हूँ कि उसे बहुत अच्छा लगता है जब तुम उसे अपना पूरा-पूरा समय देती हो। इसका अर्थ हुआ कि जब वह तुम्हें अपने स्कूल की बातें बता रहा होता है और बता रहा होता है कि उसने स्कूल के प्रांगण में बच्चों के साथ क्या-क्या किया तो तुम वहाँ केवल अपने शरीर से ही नहीं बल्कि अपनी आत्मा से भी वहीं होती हो, तुम उसके शब्दों पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित करती हो, भले ही तुम थकने लग जाती हो और यह काम तुम्हें चुनौतीपूर्ण लगने लगता है। और मुझे पता है कि ऐसा करना कभी-कभी बहुत ही कठिन होता है लेकिन जितना ही अधिक तुम बातचीत पर ध्यान केंद्रित करने और सभी अवधानों को रोकने की प्रैक्टिस करोगी उतना ही अधिक तुम्हें इसमें निपुणता हासिल होगी। सुनना एक कौशल है, जिसमें उस्तादी हासिल की जा सकती है, न कि कोई जन्मजात गुण। जितना ही अधिक तुम इसे अभ्यास में लाओगे उतना ही इसमें तुम्हें उस्तादी हासिल होगी।”

“तुम ठीक कह रहे हो, पोर्टर की आंखों में चमक आ जाती है जब मैं उससे किसी ऐसी चीज के बारे में पूछती हूँ जिसके लिए वह छटपटाहट महसूस करता हो और इसके बाद मैं बस मात्र उसके जवाब को गंभीरतापूर्वक और प्यार से सुनती रहती हूँ। मैं जानती हूँ ऐसा करने से वह अपने आपको अहम मानने लगता है।”

“और समझ में बात आ गई।”

“और समझ में बात आ गई,” मैंने दुहराया। “क्या कुछ और भी कहना चाहते हो?”

“बस बुद्धिमत्ता की एक अंतिम बात और कहूँगा, कैथरीन, और मैं शीघ्रता से अपनी बात कहूँगा क्योंकि मैं जानता हूँ कि आज की सुबह सोचने के लिए मैंने तुम्हें बहुत कुछ दे दिया है।”

“मेरा यकीन मानो जुलियन, मैं इस ज्ञान को बहुत अच्छी तरह ग्रहण कर रही हूँ, इसे प्रवाहित होने दो।”

“ओके। परिवार के नेता की द्वितीय मास्टरी की अंतिम बात है मतांध सत्यनिष्ठ बनो।”

“इसका क्या अर्थ हुआ?”

“इसका अर्थ हुआ परिस्थितियाँ चाहे कैसी भी हों, कितना भी कठिन हो तुम्हारे लिए सत्य बोलना, तुम्हें अपनी सच्ची सोच को तप कर बाहर आने देना ही है। तुम वही कहो जो तुम कहना चाहती हो।”

“मैं अपने बारे में सत्य कहूँ?” मैंने जुलियन के पहले कभी कहे हुए शब्दों को ही दुहराते हुए सुझाव दिया।

“ओह! मेरी छोटी बहिन तुमने बिल्कुल सही कहा। मुझे अब इस बात को भी स्पष्ट कर देना चाहिए कि मतांध सत्यनिष्ठा से मेरा तात्पर्य यह नहीं कि तुम लोगों के साथ क्रूरता से व्यवहार करो और उन्हें अपमानित महसूस कराओ। मेरा संदेश यह नहीं है। मतांध सत्यनिष्ठा का तात्पर्य जानने के लिए तुम्हें वह करना होगा जो मैं पूर्व में कहता रहा हूँ—यह अपने शब्दों पर अक्षरशः खरा उतरने की बात है। अपने शब्दों को हंसी-खेल मत समझो। वे शक्तिसंपन्न हैं। जब भी तुम कोई बात कहो तो यह पक्का कर लो कि उसे पूरा करने की जिम्मेदारी तुम्हारी है। उदाहरण के लिए यदि तुम जॉन के साथ किसी परिस्थिति में कोई सोच मन में लाती हो जो तुम्हें अधीर कर रहा है, तो उसे कह डालो। अपने सभी वार्तालाप में गप्पेबाजी या लफ्फाजी को छोड़ दो और सत्यता तक सीमित रहो।”

“मतांध सत्यनिष्ठा का पालन करने का क्या प्रभाव होगा? मैंने आश्चर्यचकित होकर पूछा।”

“बहुत ही नाटकीय प्रभाव होगा। जुलियन का उत्तर था। ठीक वैसा ही जब तुम अपने वादों को निभाते हो और अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करते हो। यह तुममें लोगों का जो विश्वास है उसे और भी गहराईयों तक ले जाता है। वे जानते हैं कि तुम्हारी कही हुई बात सच है। तुम उनकी आंखों में अपने लिए बहुत सारा आदर पाती हो और मनुष्य के रूप में तुम्हारी शक्ति बढ़ती है क्योंकि तुम किन्हीं भी परिस्थितियों में सच बोलती हो। लोग जानते हैं कि तुम क्या कह रही हो और तुम्हारे बारे में कुछ भी झूठ नहीं है। हममें से अधिकांश के चरित्र के ऊपर चढ़ा हुआ चमक-दमक का मुलम्मा उतर जाता है और हम पूरी तरह अपनी मानवता में आ जाते हैं। और यह बहुत ही शक्तिशाली होता है, कैथरीन बहुत ही शक्तिशाली। तुम सिर्फ एक व्यक्ति मात्र ही नहीं रह जाते, बल्कि तुम प्रकृति की शक्ति के स्तर की बराबरी में आ जाती हो और तुममें से यह तेज फूट पड़ता है। मेरा यकीन करो लोग तुम्हारी इस शक्ति को पहचान जाते हैं।”

“क्या संन्यासियों के पास यह शक्ति होती है?”

“बहुत ही असाधारण मात्रा में होती है,” जुलियन ने आसमान की ओर देखते हुए कहा। “यही एकमात्र वह चीज है जिससे मैं उन शिक्षकों को याद किया करता हूँ उनमें से प्रत्येक सत्य के प्रति समर्पित था, सिर्फ भाषणों में ही नहीं बल्कि अपने विचारों में भी। मुझे महान रोमन दर्शनशास्त्री सेनेका के कहे हुए शब्द बरबस ही याद आ जाते हैं, जिसने लिखा है : “मैं अपने जीवन और विचारों को ऐसे नियंत्रित करूँगा मानो कि पूरा विश्व देखे एक को और पढ़े अन्य को।”

“मैं तो इस फ्रेज से पूरी तरह चौंधिया गई हूँ” मैंने टिप्पणी की।

“थोड़े कठिन शब्दों का उपयोग हो गया है, है न?” जुलियन ने कहा। “और संन्यासी लोग उस दर्शन को आधार मानकर जीते हैं। वास्तव में ही सत्य के प्रति समर्पित। इसके परिणामस्वरूप उनका मेरे ऊपर जादू की तरह नियंत्रण हो चला। सच बोलना और मतांध सत्यनिष्ठ बन जाना तुम्हारी जिंदगी में दिन दूना रात चौगुना सुधार लाएगा, कैथरीन।”

“और मुझ पर भरोसा करो मैं अपने बिजनेस जीवन में भी यही करूँगी।”

“बहुत उचित बात कही है। ऐसे समय में जब लोग हर समय यह जानकर झूठ ही बोलते हैं कि ऐसा ऐसा करने से वे बहुत आगे निकल जाएंगे, तुम उस भीड़ से बिल्कुल अलग और दूर अखण्डता की बेकन (बत्ती) की तरह चमकोगी। और मेरा यकीन मानो मेरी छोटी बहिन, अखंडता और अच्छा व्यवहार तुम्हारी प्रतियोगात्मक तीक्ष्णता को इतना बढ़ाएगी जो किसी भी बिजनेस प्रोसेस से कहीं अधिक शक्तिशाली होगा।”

“मेरा अनुमान है कि हमें अपने जीवन के सभी क्षेत्रों में नेतृत्व करने की आवश्यकता है। यह मुझे याद दिलाता

है महात्मा गाँधी ने कभी कहा था: 'कोई भी व्यक्ति जीवन के एक विभाग में सही काम नहीं कर सकता यदि वह दूसरे विभाग में गलत कर रहा हो। यह जीवन समग्र तथा एक है।' ये सारे पाठ जो तुम मुझे दे रहे हो, देखकर तो ऐसा लगता है कि जैसे नेतृत्व कुशलता के सभी सिद्धांत, जो एक्जीक्यूटिव्स के लिए हैं, समान रूप से घर के संदर्भ में भी लागू होते हैं और विलोमतः भी। मैं जानती हूँ कि यह सब तुम मुझे कई महीनों से बता रहे हो, लेकिन बातें अब स्पष्ट होती दिख रही हैं। और तुम कितना सही कहते हो: नेतृत्व कुशलता सीईओ का एकमात्र अधिकार नहीं है। विश्वास निर्माता और लोगों का विकासकर्ता के रूप में अपने आपको सामने रखकर नेतृत्व कुशलता को व्यवहार में लाना काम पर और घर में मेरे संबंधों को आगे बढ़ाने में आश्चर्यजनक रूप से कारगर सिद्ध होगा।"

"तुमने अब इस बात को जान लिया है, "जुलियन ने दूर तक फैले पाशियो की ओर जाते हुए कहा जहाँ से चमकती हुई झील दिखाई पड़ती थी। सूर्य की किरणें जल तरंगों पर नृत्य करती हुई एक जादुई प्रभाव निर्मित कर रही थीं। जुलियन ने अपने लबादे की एक पॉकेट में हाथ डाला और सनग्लासेज निकालकर अपनी आंखों पर चढ़ा लिया। वह किसी साहसी यात्री की तरह दिख रहा था। कूल शेड्स मेरे भाई।" मैंने चिढ़ाते हुए कहा।

"मैं धूप बरदाश्त नहीं कर सकता", जुलियन ने जवाब दिया।" आंखों के बारे में यदि तुम कह रही हो तो एक कविता सुनो मेरी छोटी बहिन।" जुलियन ने इसके बाद अपनी पॉकेट में हाथ डाला और आइवोरी रंग का कागज निकाला जो बहुत ही कोमल और पुराना लग रहा था। कागज पर लिखे हुए शब्दों को पढ़ने से पूर्व उसने जो कहा वह है:

"तुम अपने बच्चों का भविष्य लिखोगी।"

"मैं जुलियन के इस वाक्य से दंग रह गई। यद्यपि मैं इसके अर्थ को पूरी तरह नहीं समझी लेकिन इतना तो समझ में आ ही गया कि इसका कुछ विशेष अर्थ है और बुद्धिमत्ता की बड़ी बात इसमें छिपी है। मैं चुप ही रही।"

"जीवन में आगे बढ़ते हुए जो काम तुम करती हो और जो भी आदतें तुम अपने में डाल लेती हो पोर्टर और सरिता की आगे की पूरी जिंदगी को प्रभावित करेंगी। माता-पिता के रूप में तुम्हारा आचरण तुम्हारे उन दिनों की व्याख्या करता है जब तुम स्वयं भी बच्चे थे। तुम्हारा व्यवहार उनके जीवन को प्रतिदिन, तब तक जब तक वे जीवित हैं, प्रभावित करता रहेगा। सबकी आखें तुम पर लगी हैं, कैथरीन। इस बात को कभी मत भूलो, "उसने अपने लबादे में छिपाकर रखा हुआ कागज का टुकड़ा निकालकर गंभीरता से मेरे हाथ में देते हुए, जैसे कि वह कोई गड़ा धन दे रहा हो, कहा। कागज पर लिखे हुए शब्द नीचे इस प्रकार हैं।"

नहीं आखें तुम पर टिकी हैं
और रात-दिन वे सिर्फ तुम्हें देखती हैं।
नन्हें कान हैं जो तुम्हारे कहे हुए प्रत्येक
शब्द को आत्मसात कर लेते हैं।
नन्हें हाथ हैं जो उत्सुक हैं
वह करने के लिए जो तुम करती हो।
और नन्हा बच्चा है जिसका स्वप्न है
वह बन जाना जो तुम इस जीवन में हो।

तुम नन्हें बच्चे का आदर्श हो;
तुम बुद्धिमानों में बुद्धिमान हो
उसके छोटे से मस्तिष्क में तुम्हारे लिए कभी किसी संदेह की गुंजाइश नहीं।
वह तुममें विश्वास करता है अंधे की तरह,
तुम जो कहती और करती हो उसे ही सच मानता है;
वह जो भी कहता और करता है बिल्कुल तुम जैसा ही
और फिर बड़ा होकर बिल्कुल वही बनता है जो तुम हो।

बड़ी आंखोंवाला एक नादान बच्चा है

जो मानता है कि तुम हर छण सही हो;
और उसकी आंखें हमेशा खुली होती हैं
और उसकी निगाहें तुम पर होती हैं रात-दिन
तुम उसके लिए एक आदर्श प्रस्तुत कर रही होती हो,
प्रतिदिन जो भी कुछ तुम करती हो,
नन्हें बच्चे के लिए जो प्रतीक्षा में है,
कि वह बड़ा होकर तुम जैसा बने ।

अज्ञात

जब मैं कविता पढ़ रही थी मेरा पूरा चेहरा आंसुओं से भीग गया था । मैंने जो अभी-अभी पढ़ा था और उसके शब्दों की गहराई तक गई थी, उसके बाद तो मैं पूरी तरह द्रवित हो गई थी । जुलियन कितना सही था जब उसने कहा कि शब्दों में शक्ति होती है और मुझे अपने शब्दों का चयन सावधानी से करना पड़ेगा । उस छण मैंने महसूस करना शुरू किया कि मेरे अपने परिवार के भीतर नेता बनना और विश्व स्तरीय माता - पिता की भूमिका निभाना सर्वाधिक आदर्शपूर्ण काम है । बल्कि एक अच्छा माता - पिता बनने और परिवार का नेता बनने की हिम्मत करना वास्तव में किसी हीरो बनने जैसा काम ही है ।

वे सभी माता - पिता जो पूरा दिन काम करने और रात में रोजाना के काम करने के बाद भी अपने बच्चों का ख्याल रखने के लिए समय निकाल पाते हैं, किसी न किसी तरह हीरो ही कहे जाएंगे । वे सभी एकल माता - पिता जो विषम परिस्थितियों में ऊंचे उठते हैं और अपने घरों को सीखने-सिखाने, नेतृत्व प्रदान करने और प्यार देने, ताकि उनके बच्चों को इसका भरपूर लाभ मिलो सके, की जगह में बदलकर विषमताओं को अवसर बना देते हैं, किसी न किसी प्रकार के हीरो हैं । वे सभी लोग जो संज्ञान लेकर निर्णय करते हैं कि वे अपने बच्चों को मानव रूप में सर्वोत्तम गुणों से संपन्न करेंगे, भले ही यह करना कितना ही कठिन क्यों न हो, सत्कार किए जाने, आदर किए जाने और संभवतः पूजा किए जाने योग्य हैं ।

जब हम बड़े हो रहे थे, जुलियन ने एक बार मुझसे कहा था: मैं अंधकार को या तो कोसती रहूँ, या फिर मैं स्वयं ही उठकर मोमबत्ती जलाकर प्रकाश करूँ । हाल ही में मैंने पुराने विचारक प्लैटो की एक कहावत पढ़ी है जो इन विचारों को प्रकट करती है: हम आसानी से किसी बच्चे को माफ कर देते हैं जब वह अंधकार से डरता है लेकिन जीवन की वास्तविक त्रासदी तब होती है जब हम बड़े होते होते उजाले से डरने लगते हैं । अपने घर में नेतृत्व प्रदर्शन ने मुझे प्रकाशमय बना दिया, संभवतः जीवन में पहली बार ऐसा हुआ । इसने मुझे एक आदर्श व्यक्ति बना डाला । और इसने मुझे हीरो बना दिया ।

उस छण धूप में नहाए हुए पैशिओ, जिसने परिवार के अनगिनत खुशगवार दिनों को देख रखा था, मैं मुझे यह भान हुआ कि मैं यदि अपने दो बच्चों को पाल-पोसकर उत्कृष्ट, देखभाल करनेवाला और स्वस्थ वयस्क बनाने का काम कर सकूँ तो यह मेरे द्वारा किया हुआ सर्वोत्तम कार्य होगा । और इस संज्ञान ने मेरे हृदय को इतना विशाल बना दिया जितना यह पहले कभी नहीं था ।

मैंने जुलियन की ओर देखा लेकिन वह कहीं नज़र नहीं आ रहा था । मैं अपने को पूरी तरह अकेली पा रही थी । मैंने लिविंग रूम का मुआयना किया, इसके बाद रसोई में गई लेकिन जुलियन वहाँ नहीं था । मैं वहाँ से निकलकर सामने के विशालकाय लॉन में गई, जो अभी तक अद्भुत बसंत के दिन की भीनी-भीनी ओस से गीला था, लेकिन मेरा भाई वहाँ भी नहीं था । मुझे चिंता होने लगी । अब मैंने झील की ओर नज़र दौड़ाई और जो कुछ भी मैंने देखा उसे देखकर मैं तो किंकर्तव्यविमूढ़ हो गई । झील में तैरते रहने के निशान अर्थात् बोंय, जो पानी के बीच में प्लावित होता है, से आधी दूरी पर जुलियन दिखाई दिया । उसने अपना लबादा किनारे पर रख दिया था और पानी में पूरी मस्ती के साथ ठीक वैसे ही तैर रहा था जैसे वह किशोरावस्था में तैरा करता था, जब हम स्कूल बंद होने के बाद गर्मियों में पहली बार की तैराकी के लिए इस झील तक भागते हुए आते थे । जब मैंने और अधिक नज़दीक से देखा तो जुलियन के चेहरे पर लंबी-चौड़ी मुस्कराहट खेल रही थी । और जब मैंने और भी ध्यान से सुनने की कोशिश की तो मैंने उसे कुछ गाते हुए पाया । यह वही गीत था जो मेरी माता हमें सुलाने के लिए, जब हम बच्चे थे, गाया करती थी

परिवार के नेता की तृतीय मास्टरी

अपने बच्चे को ध्यान महानताओं की ओर दिलाएं, उसकी कमजोरियों की ओर नहीं।

दूर चमकती धूप में मेरी सर्वोच्च महत्वाकांक्षाएं पलती हैं। मैं भले ही वहाँ न पहुँच पाऊँ, लेकिन मैं उन्हें और उनकी सुंदरता को देख सकता हूँ, उनमें विश्वास कर सकता हूँ और उनका अनुसरण कर सकता हूँ।

लुईसा मे अलकांट

हममें से अधिकांश के लिए सबसे बड़ा खतरा यह नहीं है कि हमारे लक्ष्य अति उच्च हैं बल्कि खतरा यह है कि हमारे लक्ष्य बहुत नीचे हैं और हम उसे पा लेते हैं।

माइकल एंजिलो

मेरी कार की छत पर बरसात की मार पड़ रही थी और तभी मैंने जमीन के नीचे बने पार्किंग लॉट में प्रवेश किया जहाँ से मैं नैशनल म्यूजियम ऑफ आर्ट एण्ड गैलरी में पहुँचती, जहाँ जुलियन ने मुझे इस बरसात भारी दुपहरी में बुलाया था। अब तक पूरे दो सप्ताह बीत गए थे जब हमने अपने दिन कॉटेज में बिताए थे और उसने मुझे इस दौरान जो भी पाठ सिखाया था उनसे मुझे एक माता - पिता के रूप में तथा एक व्यक्ति के रूप में भूमिका का निर्वाह करने में अद्भुत सफलता मिली थी। मानव स्वभाव जो मेरी सोच प्रक्रिया को हमेशा निर्धारित करता था अब नई सोच, नए दृष्टिकोण और अंतर्दृष्टि के रूप में पुनर्गठित होना प्रारंभ हो चुका था और मेरे दिन अब इनसे बंधे होते थे। बल्कि मैं अपने घर में पहले से अधिक सकारात्मक रुख की हो गई और जीवन में घट रही घटनाओं से खुश रह रही थी।

नेतृत्व जो मैं अपने बच्चों को दे रही थी और जॉन को जो नए सिरे से अपना प्यार दे रही थी, हमारा पारिवारिक जीवन आध्यात्मिक रूप से काफी समृद्ध हो चुका था जिसके कारण हमें एक बिल्कुल ही नया दृष्टिकोण मिल चुका था। मेरा अनुमान था कि जैसे-जैसे मानव संबंध की जड़ें गहरी होती गईं वैयक्तिक उपहार, जो हमारे भीतर कहीं लुप्त हो गए थे, अदृश्य रूप से अब दिखते थे। हमारा घर अब ऐसा स्थान बन चुका था जहाँ आदर, विश्वास और सच का ही बोलबाला था, हममें से हर कोई अब अपनी भावनाओं और प्रतिभा को स्वतंत्रतापूर्वक प्रकट करता था जो हमें विशेष बनाता था।

मैंने हाल ही में नेबरास्का विश्वविद्यालय में अनुसंधानकर्ताओं द्वारा किए गए एक अध्ययन को पढ़ा था, जो इस बारे में था कि विश्व में कौन सी ऐसी चीजें हैं जो किसी परिवार को खुशहाली से भर सकती हैं। इस अध्ययन में कई सामान्य गुणों का उल्लेख किया गया था। प्रथम बात तो यह कि खुशहाल परिवार अपने पारिवारिक जीवन को पहली प्राथमिकता पर रखते हैं। जुलियन के शब्दों में वे मानते हैं कि 'जीवन में नेतृत्व का प्रारंभ पहले-पहल घर से होता है।' दूसरी बात कि इन परिवारों के सदस्य एक-दूसरे को खुले दिल से प्यार करते थे। पुनः जुलियन की कही हुई बात 'मानवीय छण' और परिवार की संस्कृति में दयालुता का महत्व। तीसरी बात कि अनुसंधानकर्ताओं ने पाया कि सर्वाधिक खुशहाल परिवारों ने सकारात्मक संप्रेषण के महत्व को पूरे मन से स्वीकार किया है। ठीक वैसे ही जैसे जुलियन ने मुझे सलाह दी थी, इन परिवारों ने विश्वास किया कि सुनना और कई तरह की पारिवारिक चर्चाएं अनिवार्य हैं। चौथी बात, यह पाया गया कि सर्वोत्कृष्ट निष्पादन देनेवाले ये परिवार एक साथ मिलकर अधिक से अधिक समय गुजारते थे। जैसाकि जुलियन ने कहा है, एकमात्र गुणवत्तापूर्ण समय ही प्रमुख नहीं है, बल्कि उचित मात्रा का होना भी उतना ही अनिवार्य है।

अध्ययन से यह भी पता चला है कि सच्ची खुशी परिवार की समग्र खुशी में सबसे बड़ी भूमिका निभा सकती है। जब माता - पिता के बीच के संबंध प्यार भरे हों और एक-दूसरे के प्रति सम्मान हो तो आमतौर पर परिवार इकाई में समग्र रूप से अधिक प्यार पाया जाता है और प्रत्येक सदस्य एक-दूसरे की आवश्यकताओं का अधिक ध्यान रखता है। यदि पति - पत्नी में अच्छी बनती है तो पूरा परिवार ही समग्र रूप से खुश रहता है।

लेकिन मैंने जैसे-जैसे सफल परिवारों के बारे में पढ़ा, जुलियन ने हमारे साथ रहकर जो कुछ मुझे सिखाया था

उस प्रेरणा के फलस्वरूप, वैसे-वैसे मुझे पता चला कि समकालीन परिवारों की बनावट में बहुत अंतर आ गया है। मैंने पढ़ा कि कैसे एकल पिता उत्कृष्ट माता-पिता बनकर बच्चों को कितने बेहतरीन ढंग से बड़ा करते हैं। मैंने उन एकल समर्पित माताओं के बारे में भी पढ़ा जो पूरा दिन नौकरी में रहती हैं और रात को घर आकर बच्चों को अद्भुत घरेलू वातावरण देती हैं, जबकि उनका देह दुखता रहता है और उनके पैर चोट खाए होते हैं। मैंने पाया कि उन दादा-दादी या नाना - नानियों की संख्या बढ़ रही है जो अपने नाती - पोतों की देखभाल, जिसके लिए अनेक कारण हो सकते हैं, के लिए प्राथमिक अभिभावक बने हुए हैं और इस कर्तव्य का निर्वाह वे बखूबी कर रहे हैं। मुझे एक मौका मिला जब मैं अपने बिजनेस स्कूल के एक साथी से मिली। वह एक महिला थी और हाल ही में वह तलाक की दर्दीली राह से गुजरी थी तथा अपने तीन छोटे बच्चों का पालन-पोषण अकेले के दम पर कर रही थी। इस दौरान उसने पाया कि भले ही उसके पास का सारा समय काम में बंटा हुआ था और करने के लिए बहुत कुछ था, वह अपने जीवन में इससे अधिक सुखी कभी नहीं रह पायी।

जैसे-जैसे मैं इस विषय की गहराई में गया और परिवार कहे जानेवाले मानव संगठन के बारे में मुझे अधिक जानकारी हासिल हुई, मैंने पाया कि सदियों पुरानी यह संस्था ठीक उसी प्रकार के नाटकीय परिवर्तनों से गुजर रही थी जो इस धरती के अन्य सभी संगठनों द्वारा अनुभव किए जा रहे थे। परंपरा से चले आ रहे दो-अभिभावक मॉडल, जिसमें पिता घर के बाहर की दुनिया संभालता है और माता घर पर रहकर घर संभालती है, अब आदर्श नहीं रह गए। जितना अधिक मैं इसकी छानबीन की और जितना ही अधिक मैं इसकी गहराइयों में गया, मैंने कितनी ही बार देखा कि घर पर रहनेवाले पिता बीच दुपहरी में अपने बच्चों के साथ बनिया की दुकान पर खरीददारी कर रहे होते थे। मैंने अन्य श्रमजीवी महिला एक्जिक्यूटिव्स को देखा जिन्होंने मेरी ही तरह अपने घर में ही कार्यालय बना लिया था तथा तेज रफ्तार पिताओं को देखा जिन्होंने अपने बच्चों का पालन-पोषण करने के लिए कुछ वर्षों के लिए घर पर ही रहने का निर्णय लिया था। मैंने मिलेजुले परिवार भी देखे जो पड़ोसियों की आंखों को जरा भी नहीं सुहाते होंगे और जुड़े परिवार भी देखे जहाँ डिनर के समय बच्चे, उनके माता-पिता और दादा-दादी टेबल पर एक साथ होते थे और सब के बीच खूब हंसी-मजाक और प्यार भरा माहौल होता था। हमारे समय की बड़ी खबरों में केवल हाइ-टेक कंपनियों द्वारा चालित नई अर्थ व्यवस्था का उभरना और नई कारोबारी संस्कृति भर ही नहीं होते थे। बल्कि उसमें हमें उभरते नए परिवारों-उसके सभी पक्षों और गैर परंपरागत परिवर्तनों सहित-की भी गिनती करनी होती थी, जिसके बारे में मुझे पता चला कि कितनी तेज रफ्तार से वे हमारी मानव संस्कृति को नया रूप दे रहे थे। पार्कड से म्यूजियम को जाने के लिए एलीवेटर पर चढ़ते हुए मेरे विचार मेरे अपने माता-पिता की ओर मुड़ गए। मेरे पिताजी अपने जन्म से ही उपहार लेकर पैदा हुए थे जिनकी महत्वाकांक्षा उन्हें कानूनी दुनिया की ऊंचाइयों तक ले गई। उनके विशाल हृदय ने उन्हें मेरे मन में सबसे ऊंचा स्थान दिला रखा था। मेरी माँ एक तीक्ष्ण बुद्धिवाली लेखिका थी जिसे आर्ट से उतना ही लगाव था जितना अपने बच्चों से। बड़े होते हुए मैंने अपने मन में हमेशा यही धारणा रखी कि जुलियन ही उसका लाडला था लेकिन पढ़ाई के अपने अंतिम वर्ष में उसने मुझे बताया कि ऐसा बिल्कुल नहीं था। वह हम दोनों को बराबरी से प्यार करती थी। भले ही जुलियन उसकी याद शायद ही कभी करता था, मैं जानती थी कि माँ की याद उसे भी उतनी ही आया करती थी जितनी कि मुझे। किसी ने मुझसे एक बार कहा था कि तुम अपने बच्चों को जब पाल-पोस कर बड़ा कर रही होती हो तो तुम एक पीढ़ी का लालन-पालन कर रही होती हो। मैं अपने को भाग्यशाली मानती हूँ और अब इस बात को मानती हूँ कि मेरे पिता और मेरी माता दोनों ही महान थे, जिन्होंने घर का महान नेतृत्व किया। मैंने सोचा कि उन्होंने अपनी पीढ़ी की बहत अच्छी परवरिश की।

जैसे ही दरवाजा खुला, मैं म्यूजियम के मुख्य हाल में प्रवेश कर गई। मैं इस स्थान पर आना हमेशा पसंद करती हूँ, जहाँ के पिकासो (चित्र) और इसके भीतर के स्टैचू (शिल्प) इतने मनमोहक होते थे कि कोई भी उसे देखकर चित्रलिखित सा होकर रह जाए। इन दिनों मैं पोर्टर और सरिता को यह स्थान इतनी बार दिखाना चाहती थी जितनी बार मैं उन्हें दिखा सकती। जॉन जिम में व्यायाम करने के बाद हमसे मिल सकेगा - उत्कृष्ट जीवन जीने और हमारे बच्चों के समक्ष उत्तम आदर्श प्रस्तुत करने के लिए हमारी समग्र योजना के हिस्से के रूप में उसने यह एक नई आदत डाल ली थी। मैंने महसूस किया कि बच्चों को कला की बेहतर समझ कराना और मानव जाति की महान निर्मितियों में से जितनी संभव हो सके उतने से उनका परिचय कराना आवश्यक था। मैं जानती थी अंततः इसका प्रभाव उनपर सकारात्मक ही पड़ेगा।

जुलियन ने मुझे माइकेल एंजिलो कक्ष में मिलने के लिए बुलाया था। मुझे पता था कि वह इस महान कलाकार

के जीवन के बारे में अध्ययन कर रहा था और इस कलाकार ने उत्कृष्टता के प्रति जो प्रतिबद्धता अपने क्राफ्ट में उकेरी थी, उसके लिए वह इस कलाकार को सिर झुकाता था। मैंने कक्ष में प्रवेश किया यह सोचकर कि मुझे चमकते लाल लबादे में लिपटा हुआ सुदर्शन पुरुष दिखाई देगा, लेकिन यह क्या, जुलियन यहाँ कहीं भी नहीं था। यदि मेरे साथ कोई था तो बस टूरिस्टों की एक टोली थी जो टूर पर थी और उनका गाइड उनका मार्गदर्शन कर रहा था। मैं लकड़ी की बेंच पर बैठकर अपने भाई की प्रतीक्षा करने लगी और अंदर क्या चल रहा है उसे देखने लगी। जीवन को आसान बनाने की प्रक्रिया के भाग स्वरूप मुझे अपनी सदियों पुरानी आदतों को तोड़ना था अर्थात् प्रत्येक जीवित छण को उन्माद में भरकर जीने की आदत को छोड़ना था। मैं खुद के लिए समय निकालकर खुश रहने लगी थी जिसमें मैं जीवन के आधारभूत लेकिन सुंदर छणों को - जैसे वर्षा और अंधड़ के बाद मकड़ी अपना जाल कैसे बुनती है, या खुले आसमान में तारे किस तरह शांत रहकर थिरकते हैं, को देखकर आनंदित होती थी। कभी - कभी जॉन मुझे स्कॉटलैंड बुकस्टोर में किताबें देखने के लिए कम से कम एक घंटे की फुर्सत निकालने के लिए प्रोत्साहित करता जहाँ हमारे घर से पैदल चलकर पहुँचा जा सकता था या पब्लिक गार्डन में जाने के लिए कहता जो हमारे घर के पिछवाड़े ही था।

मैं अपने जीवन के इन शांतिमय छणों को उतना ही जी रही थी जितना कि अपने परिवार के साथ बिताए गए कोलाहल भरे, अच्छे छणों को जीती थी। एमरसन ने कहा है, “बड़ा दिल हुए बिना धन एक कुरूप भिखारी की तरह है।” जितने वर्ष भी मैंने धन का पहाड़ खड़ा करने में बिताए, मेरे पास बड़ा दिल कभी नहीं हुआ। वे सभी घर से जुड़े काम जिन्हें मैं अब कर रही हूँ, उनमें मुझे अंततः मेरे दिल की धड़कनें सुनाई देती हैं।

कक्ष के भीतर मार्बल से बने स्टैचू को देखते हुए मैं टूर गाइड की कही हुई बातें सुनने लगी। मैं उसके ज्ञान की गहराइयों और मास्टर पिसेज, जो म्यूजियम में रखे हुए थे, के प्रति उसके प्रकृतिजन्य लगाव को देखकर हैरान थी। मैं उसके पहनावे को देखकर भी थोड़ा हैरत में थी। उसने यूं तो परंपरागत गाइड की पोशाक अर्थात् सफेद कमीज पर काली टाई के साथ मैच करता हुआ ट्राउजर पहन रख था लेकिन एक सामान्य से बड़े आकारवाली बेसबाल टोपी उसके सिर के अधिकांश भाग को ढके हुए थी और सफेद रंग के प्लैप उसके चेहरे के अधिकांश भाग को छुपा रहे थे। मैंने कॉलेज के विद्यार्थियों को स्प्रिंग (बसंत) की छुट्टियाँ फ्लोरिडा में बिताते समय इस तरह की टोपियाँ पहने देखा था, ताकि उन्हें बीच (समुद्री किनारा) पर बैठकर आराम के छण में बीअर पीते हुए सन स्ट्रोक न लग सके। मैंने सोचा कि टूर गाइड कितना विचित्र लग रहा है लेकिन किसी अन्य ने उसकी पोशाक के अटपटेपन को लगता है जैसे नोटिस ही नहीं किया था। टूरिस्टों ने सोचा कि उसने जो पोशाक पहन रखी थी गाइड के लिए सामान्य पोशाक होगी और उन सबने भी टूर के बाद उस जैसी ही टोपी खरीदने का मन बना लिया था।

गाइड ने बोलना जारी रखा और टूरिस्टों ने भी उसे पूरे मन से सुनना जारी रखा। किसी एक ने भी उससे कोई प्रश्न नहीं किया। तभी किसी एक वाक्य के बीच में गाइड ने ऐसा कुछ किया जिससे मुझे हंसी आ गई। उसने अपने पैंट की जेब में हाथ डाला और जब हाथ बाहर किया तो उसमें जंबो साइज का हॉट डॉग था, जिसे उसने अपनी पैंट की जेब में ठूस लिया था। उसने हॉट डॉग को चबाना जारी रखते हुए ही अपना लेक्चर भी जारी रखा जो माइकेल एंजिलो के काम और उसके प्रभावों के बारे में था-इस दौरान उसके मुँह से खाना भी बाहर निकलकर गिर रहा था।

अचानक ही उस समूह के पीछे खड़ी एक उम्रदराज महिला ने अपनी पर्स से डीजोन मस्टर्ड की बोतल और साथ ही एक चम्मच निकाला और टूर गाइड की ओर बढ़ने लगी। उससे बिना कुछ कहे उसने हॉट डॉग पर ढेर सारा मस्टर्ड फैलाना प्रारंभ किया। गाइड ने एक शब्द भी मुँह से नहीं निकाला और न ही अन्य किसी ने इस बात पर गौर किया। सेवा का यह कृत्य करने के बाद वह महिला भीड़ में पीछे अपनी जगह पर आ गई और गाइड ने अपना भाषण जारी रखा, साथ ही हॉट डॉग भी मुँह में चबाता रहा। पूरा दृश्य स्वप्न की तरह अवास्तविक लग रहा था-जैसे सारी दुनिया जब सो रही हो कोई ब्लैक एण्ड व्हाइट मूवी बीच सुबह आप देख रहे हों। लेकिन मैंने सोचा कि मैं यदि अपना काम करूँ तो वह सर्वोत्तम होगा। मैंने जुलियन के जल्दी आने की प्रार्थना की।

“सभी महान शिल्पकार अपने हाथ में छूरी पकड़ने के पहले अपने कार्य का नक्शा अपने मस्तिष्क में तैयार कर लेते हैं”, टूर गाइड ने कहना जारी रखा और मस्टर्ड उसके निचले होंठ से टपकता रहा। “लेडीज एण्ड जेंटलमेन आप सभी जानते हैं कि जीवन में सभी बातें दो बार निर्मित होती हैं, पहली बार तब जब वह उनका ही स्वप्न देखता है और इसके बाद तब जब वह उसका निर्माण करता है।”

“अरे यह व्यक्ति तो बहुत अच्छा है, मैंने सोचा। इसमें कोई आश्चर्य नहीं यदि म्यूजियम उसे ऐसी पोशाक पहनने की अनुमति देता है और जो कुछ वह कर रहा है, उसे वह सब कुछ करने की भी अनुमति देता है।”

“आप अपनी खुद की जिंदगी में, “उसने कहना जारी रखा साथ ही अपने पैंट की दूसरी जेब से ग्रेनोला बार निकालकर चबाना शुरू हुआ, “आपको अपनी कल्पना के दृश्य पटल पर दमदार चित्र निर्मित करना होगा और उस आदर्श को जीना होगा।”

अब मैं अपने को और रोक न सकी और पूरी ताकत से चिल्लाकर कहा अरे, “एक मिनट के लिए रुको” मैंने ये बातें पहले भी सुनी हैं। और मैं सोचने लगी कि मैंने यही आवाज तो पहले भी कहीं सुनी है, मैं विस्मय में थी और इस विचित्र पजल (पहेली) के एक-एक टुकड़े को जोड़कर देख रही थी। यह पूरा दृश्य वास्तविकता से कोसों दूर लग रहा था। मैं यह सोचकर विस्मय कर रही थी कि कहीं यह पूरा का पूरा कृत्य केवल एक प्रैंक या छलावा मात्र तो नहीं, बच्चे जिस तरह का छलावा करते हैं। कोई बचकानी हरकतें करनेवाला बड़ा व्यक्ति हो जो अपने बचपन के दिनों से ही इस तरह के प्रैक्टिकल प्रैंक या छलावे लोगों के साथ किया करता हो।

पूरे कक्ष में सन्नाटा हो गया। टूरिस्टों को आघात पहुँचा। अंत में उनमें से एक ने मुंह खोला। वह मस्टर्ड लेडी थी।

“मैं क्षमा चाहती हूँ, आपको क्या कष्ट है?” उसने मेरी आखों में सीधे देखते हुए पूछा, “लेकिन आप किसकी बात कर रही थीं?”

“यह संपूर्ण कवायद सिर्फ एक मज़ाक है, सच है या नहीं?” मैंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा। “जुलियन ने मुझे यहाँ बुलाया था और आप लोग शायद उसके परिचित हैं जो यहाँ टूरिस्ट का स्वांग कर रहे हैं, है न यही बात? मैं आप सबसे पूछती हूँ। आश्चर्यवाली बात यह ही नहीं गई। बहुत अच्छा काम किया आप सबने। लेकिन फिर भी आपने मुझे यहाँ कुछ देर के लिए ही सही अचंभे में डाल दिया था।” अपनी बात को प्रभावी बनाने के लिए ताली बजाते हुए और उपहासभरी मुस्कराहट लाते हुए मैंने कहा।

कक्ष पूरी तरह शांत रहा। अब गाइड ने कहा।

“मुझे लगता है सिक्यूरिटी बुलानी चाहिए। लेडीज एण्ड जेंटलमेन हो सकता है हम लोगों को यहाँ पर थोड़ी दिक्कत का सामना करना पड़े।” उसने लाल फोन की तरफ बढ़ते हुए कहा, जो दीवाल पर बुतों के बीच रखा हुआ था।

मैं पूरी तरह नर्वस हो गई और मुझे अपने आप पर संदेह भी होने लगा। यह कारनामा जुलियन के कुछ चुनिंदा कारनामों में से नहीं दिखते थे। कहीं ये लोग वास्तव में ही टूरिस्ट हुए और उनका यह गाइड असली निकलातो। यदि ऐसा ही हुआ तो क्या होगा? मेरी कांख में पसीने की बूंदें एकत्र होने लगीं। मेरी श्वास तेज-तेज चलने लगी। माइकल एंजिलो रूम का तापमान एकाएक जैसा तपने लगा था। तभी मैंने अपने मन के कोने से एक क्षीण सी आवाज सुनी जो मुझसे कह रही थी कि हो न हो इस पूरे कांड में जुलियन की कोई न कोई भूमिका अवश्य ही है। मैं जो सोच और समझ रही थी वह सत्य होना ही चाहिए।

नए विश्वास के साथ मैं उठी और सीधा टूर गाइड तक जा पहुँची और एक झटके में ही मैंने उसकी टोपी दूर उछाल दी। पूरी भीड़ में भय व्याप्त हो गया था। मैं अब हंस रही थी। वह और कोई नहीं, जुलियन ही था।

“अरे छोटी बहिन, क्या कोई आदमी अब कभी शांतिपूर्वक हॉट डॉग नहीं खा सकेगा?” उसने यह कह कर फिर ठहाके लगाने शुरू कर दिए। “टूरिस्ट्स” भी जुलियन के साथ ठहाके लगाने लगे।

“मि. मैटल, हमने इसे खूब बनाया, “मस्टर्ड लेडी ने चिल्लाकर कहा। “वास्तव में ही हमलोगों ने इसे खूब बनाया!”

जुलियन ऊपर पहुँच गया और उसने मुझे प्यार से अपनी बांहों में कसकर भर लिया और लगातार हंसता रहा। “हमने वास्तव में ही तुम्हें कुछ छणों के लिए विस्मय में डाल दिया, “उसने मेरे कान में फुसफुसाया।

“लेडीज एण्ड जेंटलमेन, “उसने इंग्लिश स्टेज के थेसपियन की नकल करते हुए आवाज दी। “मैं आपको अपनी छोटी बहिन कैथरीन को उपहार में देता हूँ।”

भीड़ में तालियों की गड़गड़ाहट से शोर मच गया, जाहिर था कि सभी लोग जुलियन के नाटक से कितने खुश थे।

“गैंग के सभी लोगों को धन्यवाद जिन्होंने मुझे आज इस तरह की मदद की।” जुलियन ने गर्मजोशी से कहा।

“ये सभी हैं कौन?” मैंने अपने भाई से पूछा।

“ये इतने अच्छे लोग कलाकार हैं और फर्नब्रुक सोसायटी से जुड़े हुए हैं।”

“तुम्हारा मतलब है ये वे कलाकार हैं जो प्रतिवर्ष बड़े-बड़े अवार्ड जीतते हैं?” मैंने आश्चर्य से पूछा।

“हाँ, ये लोग कितने महान हैं? मैं जब कानून की प्रैक्टिस कर रहा था तब मैंने इन लोगों के लिए बहुत बड़ा मुकदमा जीता था-हॉलीवुड स्टूडिओ में से किसी एक ने इनका आयडिया चुराकर उसे फिल्म में उतारने की कोशिश की थी। मैंने आज दोपहर को इनकी मदद लेने का निर्णय किया।”

“आपकी मदद के लिए हम किसी भी समय हाजिर रहेंगे, मि. मैटल, “मस्टर्ड लेडी जो समूह का नेता दिख रही थी, ने पूरे सम्मान के साथ जवाब दिया।

कक्ष के बाहर निकलते हुए कलाकार लोग जुलियन से हाथ मिलाकर और उसकी पीठ ठोकते हुए जा रहे थे, जैसे वे बहुत ही अधिक सम्मान दे रहे हों। कुछ ही छणों में कक्ष खाली हो गया और सिर्फ मैं और जुलियन ही वहाँ रह गए।

“मुझे यह तुम्हें सौपना था जुलियन। तुम अभी भी शो मैन हो जुलियन।”

“धन्यवाद, कैथरीन, “जुलियन ने चौड़ी मुस्कुराहट बिखेरते हुए कहा। ‘हमें कभी तो अपने को मनमाने ढंग से जी लेना चाहिए।”

“अरे, वो तुम्हारा लबादा कहाँ गया?” मैं तुम्हें पहली बार उस लबादे के बगैर देख रही हूँ।”

“वह तो ड्राइ क्लीनर्स के पास चला गया।” जुलियन ने हंसकर कहा, जबकि उसका चेहरा सकारात्मक ऊर्जा से दमक रहा था।

“ओके तो फिर हम यहाँ क्यों खड़े हैं?” मैंने काम की बात करते हुए कहा।

“मैं जानती हूँ कि इस मीटिंग में सिर्फ प्रैक्टिकल जोक जो तुमने मेरे साथ किया उतना ही नहीं है बल्कि इससे अधिक कुछ और भी है। जाने दो लेकिन तुम्हारे इस कारनामे से मेरे दिल की धड़कनें बढ़ गई थीं। तुमने मुझे बुरी तरह छकाया लेकिन वह बहुत ही बढ़िया रहा।”

“हाँ, वह बहुत ही मजेदार था।” जुलियन ने नोट किया जो अभी भी जैसे जूझ रहा था। “धन्यवाद जो तुमने मेरा साथ दिया।” बिल्कुल ठीक कहा कैथरीन तुमने, यहाँ एक और पाठ है जो मैं आज तुम्हारे साथ बांटना चाहता हूँ। यह सच पूछो तो परिवार के नेता की तीसरी मास्टरी के बारे में है और यह निश्चय ही सर्वाधिक प्रमुख है।”

“और यह तीसरी मास्टरी क्या है?” मैंने उत्तर प्राप्त करने की उम्मीद में कहा।

परिवार के नेता की तीसरी मास्टरी है ‘अपने बच्चे को अच्छे गुणों की ओर ले जाएं कमजोरियों की ओर नहीं।”

“वाह क्या बात है यह तो एक और अच्छी बात कही है।”

“और तुम्हारे बच्चे को नेता बनाने और उसमें अच्छे मानव गुणों का विकास करने के लिए यह करना अनिवार्य है। तीसरी मास्टरी पोर्टर और सरिता के अच्छे गुणों को पहचानकर उन पर अपना ध्यान केंद्रित करने से संबंधित है ताकि उनका विस्तार और विकास हो सके। कैथरीन तुम जानती हो कि अधिकतर मनुष्य अपनी कमियों की ओर ही ध्यान देते हैं लेकिन अपने गुणों के विकास करने की सोचते ही नहीं और इसके परिणामस्वरूप अधिकांश लोग कभी भी उदार मन से यह नहीं मान पाते कि ऐसा करना उनका कतर्त्य है।”

“क्या सभी जन अपने जीवन में उदार बनने की क्षमता रखते हैं?”

“सभी जन” तुरंत ही तैयार जवाब मिला। “जैसाकि मैंने तुम्हें पहले भी बताया था कि हम सभी आज इस धरती पर हैं तो किसी न किसी विशेष प्रयोजन के लिए हैं। हम सभी अपने-अपने विशेष तरीकों से इस संसार को कुछ विशेष देने के लिए आए हैं। माता-पिता के रूप में आपका काम है अपने बच्चों के विशेष गुणों को और उनकी प्रतिभा को संवरना और निखारना ताकि वे अच्छे व्यक्ति के रूप में चमकें और जिस बदलाव के निमित्त वे आए हैं, वह बदलाव ला सकें।”

“जुलियन तुम जानते हो कि तुमने जो कुछ कहा बिल्कुल सही बात है। मैंने पाया है कि बिजनेस में उदाहरणार्थ-मैं हर तरह के काम करती थी जिसे कहते हैं जैक ऑफ ऑल ट्रेड्स। मैं सबसे अच्छा संप्रेषणकर्ता और तेज दिमागवाली प्रशासक बनने की कोशिश किया करती थी। मैंने भविष्य दृष्टा नेता और सर्वोत्कृष्ट कॉम्पट्रोलर (नियंत्रक) भी बनने की कोशिश की। मैंने कंपनी में रहकर प्रत्येक क्षेत्र में सर्वोत्कृष्टता प्राप्त करने की कोशिश की लेकिन परिणाम यह था कि मैं किसी एक विषय का भी मास्टर न बन सकी।”

“सत्य है-यह करीब-करीब ऐसा ही था मानो कि तुम सफल हुई स्वयं के विरुद्ध कैथरीन। लेकिन अधिकतर मनुष्य तुम्हारी तरह भाग्यशाली नहीं हुआ करते। अधिकतर लोग कितने ही कामों को हाथ में लेते हैं और किसी

एक में भी सफल नहीं हो पाते । वास्तविक कुंजी है विशेषज्ञता प्राप्त करना ।”

“विशेषज्ञता?”

“हाँ, एक प्रभावी नेता बनने और जीवन के कार्यक्षेत्र में अपने निष्पादन के चरम को छूने के लिए तुम हरफनमौला बनकर नहीं रह सकतीं कि सभी लोगों के साथ अपने तरकश के सभी तीर आजमाती रहो । वे सभी जीनियस, जिन्होंने इस धरती को हमसे पूर्व कुछ देकर नाम कमाया है, उनमें सबमें एक बात सामान्य थी कि उन्होंने अपने भीतर के उन गुणों पर अपना ध्यान केंद्रित किया जो उन्हें विशेष बनाते थे । उदाहरण के लिए आइंस्टाइन को ही ले लो । उसके भीतर भौतिकशास्त्र या फिजिक्स के प्रति विलक्षण रुझान था जिसे उसने पहचाना और शेष जीवन उसी को निखारने में व्यतीत कर दिया । ‘उसने बायोलॉजी या केमिस्ट्री की ओर रुख ही नहीं किया । उसने अपनी दक्षता में विशेषज्ञता हासिल की । वह जिस विषय में सर्वोत्तम था उसी में रहा और वर्षों उसमें मास्टरी हासिल करने में लगा दिए, यही कारण था कि एक समय उसके जीवन में ऐसा आया जब उसने मानव रूप में महानता प्राप्त की ।”

“क्या कोई और भी उदाहरण तुम दे सकते हो जुलियन ?”

“हाँ, क्यों नहीं, तुम्हें रॉक म्यूजिक पसंद है तो तुम्हें जिमी हेन्ड्रिक्स के बारे में-जो कालजयी सर्वाधिक ब्रिलियंट गिटार वादक था-के बारे में पता होगा । जिमी को पता चला कि उसके पास गिटार बजाने की असाधारण प्रतिभा है । तो उसने सिर्फ इतना किया कि ड्रम बजाने और ट्रम्पेट पर भी हाथ आजमाने के बजाए उसने अपने आपको उस उपहार के प्रति समर्पित कर बल्कि डुबो दिया जो उसे जन्म से मिला हुआ था । उसने उसमें मास्टरी हासिल की । शेष जीवन उसने इसी दीवानगी को विकसित करने में लगा दिया । ऐसा ही आइंस्टाइन के साथ भी घटित हुआ और उसने महानता को प्राप्त किया ।”

“लेकिन क्या तुम मुझे सारा समय इस बात की शिक्षा नहीं देते रहे कि जीवन में संतुलित दृष्टिकोण का होना आवश्यक है? मेरा मतलब है कि मानवीय उपहार के विकास के प्रति ऐसा समर्पण रखना मुझे अतिशय उत्तम प्रतीत होता है, “मैंने जुलियन के सिखाए गए पाठ को पूरी तरह आत्मसात करते हुए ईमानदारी से जवाब दिया ।

“बिल्कुल सही बात कही तुमने, कैथरीन । तुम्हारे विचारों का मैं हमेशा ही कायल रहा हूँ । लेकिन यदि मैं एक सुझाव दे दूँ तो ।”

“जरूर कहो ।”

“अपने दिल की आवाज को अधिक से अधिक सुनना प्रारंभ करो । तुम्हें पता है कि विचारक केवल सोचता है लेकिन दिल उसे जानता है ।”

“इसका क्या मतलब है?”

“उसके अंदर की बुद्धिमत्ता से अपने आपको जोड़कर देखो । जब तुम उस क्षीण आवाज को, जो तुम्हारे भीतर बहुत गहराई से निकलती है, सुनोगी तो खुद ही जान जाओगी कि जीवन जीने का सही तरीका क्या होता है । लेकिन दिन के अंत में हममें से प्रत्येक उस मार्ग पर जा रहा होता है जो पहले से उसके लिए तय कर रखा गया है । आइंस्टाइन और हेन्ड्रिक्स के मार्ग में उनके अपने उपहार के प्रति सच्चा समर्पण अपेक्षित था । अधिकतर लोगों के मामले में तो उनकी सर्वोत्कृष्ट प्रतिभा को निखारने के प्रति किया गया उनका साधारण सा समर्पण उनके लिए सफलता का द्वार खोल देगी । अपने दिल की गहराइयों में जाकर देखो कि तुम्हारा मार्ग तुमसे क्या अपेक्षा करता है ।”

“जुलियन, मुझे पहले से ही पता है कि मेरा मार्ग मुझसे क्या अपेक्षाएं रखता है । मैं लगभग निश्चित तौर पर जानती हूँ कि मेरा मार्ग फिलहाल मुझसे यही अपेक्षाएं रखता है कि मैं पोर्टर और सरिता को बड़ा होने में मदद करूँ, पोर्टर और सरिता के प्रेरणादायक माता-पिता के रूप में अपने आप को समर्पित करूँ और उन्हें ऐसा वयस्क बनाऊँ जो बुद्धिमान, सुसंभ्य, मज़बूत और सफल हों । मेरा कैरियर मेरे लिए मायने रखता है लेकिन मैंने बीते कुछ वर्षों में इतना पा लिया है जितना अधिकांश लोग अपने संपूर्ण जीवनकाल में नहीं पा सकते - और मैं अपने आपको इसके लिए धन्य मानती हूँ । मैं अब महसूस करती हूँ कि समय आ गया है जब मैं अपने बच्चों के लिए अपना पूरा समय दूँ ।

“मैं जानता हूँ तुम्हारा मार्ग वही है और तुम्हें उस पर चलना होगा, “जुलियन ने जवाब दिया ।” और मैं इसे आज नहीं बल्कि बहुत पहले से ही जानता था ।” उसने चकित करते हुए कहा ।” और यही कारण है कि परिवार के

नेता की तीसरी मास्टरी तुम्हारे लिए क्यों इतनी आवश्यक है। तुम्हें पोर्टर और सरिता पर ध्यान देना होगा ताकि वे अपने जीवन में अच्छे गुणों को उतार सकें, न कि अपनी दुर्बलताओं में ही डूब जाए। परिवार के नेता के रूप में तुम्हारी एक और प्रमुख जिम्मेदारी यह है कि तुम अपने बच्चों की मूल क्षमताओं-संन्यासियों ने जिसे व्यक्ति की 'विशेष शक्ति' और उनकी 'वास्तविक प्रतिभा' कहा है-को निखारने में उनका नेतृत्व करोगी। इसके बाद तुम उनके भीतर की इस चिंगारी को इतना प्रखर करोगी कि वह दहकने लगे और इस तरह से दहके कि पूरा विश्व उसकी प्रखरता को देखे।"

"लेकिन पोर्टर और सरिता से आइंस्टाइन या जिमी हेनड्रिक्स या माइकेल एंजिलो जैसी प्रखर बुद्धि या ख्याति की उम्मीद करना उनके छोटे कंधों पर कुछ अधिक बोझ डालने जैसा है, गलत तो नहीं कहा न? मेरा मतलब है कि ऐसा करना उनको लगभग असफलता की ओर धकेलना है। मैं नहीं मानती कि मैंने इस प्रकार का कोई दबाव किसी पर बनाना चाहा है।"

"तुम मेरी बात को नहीं समझ पा रही हो, कैथरीन, "जुलियन ने प्यार से कहा। "मैंने यह नहीं कहा कि तुम्हें अपने बच्चों को इस ढंग से बड़ा करना चाहिए कि वे अपने काम में और अपने जीने के तरीके से पूरे विश्व में अपने नाम का झंडा गाड़ दें। मैं बहुत ही सामान्य सी बात कह रहा हूँ कि उन्हें प्रेरणा लेनी चाहिए कि वे जो भी बन सकते हैं वही बनें किंतु उसमें वे शिखर पर रहें। तुम्हें बच्चों को उनके अंदर की सर्वोच्च प्रतिभा की प्राप्ति में और अच्छा जीवन जीने में उनका मार्गदर्शन करना होगा। ऐसा करके तुम माता-पिता की जिम्मेदारियों का निर्वाह कर पाओगी।"

"क्या संन्यासियों ने तुम्हें यह सब भी सिखाया है?"

"मैंने तुम्हें पहले ही बता दिया है कैथरीन कि ये लोग अद्वितीय विचारक हैं और मुझे बल्कि कहना चाहिए कि वास्तविक रूप में प्रगतिशील मनुष्य हैं। वे इसमें यकीन नहीं करते कि जीवन में अंतरात्मा को मिलनेवाली संतुष्टि पूरे दिन पर्वत के शिखर पर बैठने से मिलती है। जबकि वे इस बात में पूरा यकीन करते हैं कि हमें प्रतिदिन शांति और चिंतन के लिए समय निकालना ही चाहिए, लेकिन शिवाना के संन्यासी इस बात में यकीन करते हैं कि सच्ची सफलता दुर्लभ कल्याणकारी कार्य को पूरा करने के लिए हमारे अंदर की मानवीय शक्ति को उन्मुक्त करने और सर्वोच्च प्रतिभा को पाने से मिलती है। वे इस बात में यकीन करते हैं कि जीवन का अंतिम प्रयोजन है अपनी सर्वोच्च प्रतिभा को दुनिया के सामने इस प्रकार लाना कि वह विश्व के मूल्यों में वृद्धि कर सके और इसे रहने लायक बेहतर स्थान बना सके। मुझे बरबस ही अलबर्ट शेविटजर के कहे हुए शब्दों का स्मरण हो जाता है: 'तुम्हारे जीवन में जब तुम्हारी प्रतिभा ब्रह्मांड की आवश्यकता को पूरा करने लगे, समझो कि ईश्वर तुम्हें वहीं उसी स्थान पर देखना चाहता है।"

"ये संन्यासी तो अद्वितीय थे, "मैंने बहुत धीरे से कहा।

"हाँ, ऐसा ही है। और इसीलिए मैं उनसे प्रेरणा पाकर सुझाव देता हूँ कि तुम पोर्टर और सरिता को उनकी अपनी शक्तियों को पहचानने में और उन्हें और दोषरहित करने में उनकी मदद करने को सर्वोच्च प्रथमिकता दोगी ताकि एक दिन वे व्यक्तिगत महानता के शिखर पर पहुँच जाएं। वे ऐसे अद्वितीय और असाधारण मानव होंगे जो दुनिया की भीड़ में अलग से ही नजर आ जाएं।"

"लेकिन क्या वे दोनों ऐसे काम के लिए बहुत ही छोटे नहीं हैं?" मैंने, जो हमेशा ही यथावार्ता में जीती थी, प्रश्न किया और कहना जारी रखा।

"नहीं, "त्वरित जवाब मिला।" अपने बच्चों के भीतर की शक्ति और सच्ची प्रतिभा जानना पहले दिन से ही प्रारंभ हो जाता है। जब तक तुम यह जानो कि उनमें उपहार के रूप में कौन सा गुण छुपा हुआ है, तब तक तो कई वर्ष बीत चुके होते हैं, जो एक आम बात है।"

"मैं और जॉन एक बार यदि बच्चों के अंदर छुपे विशेष गुणों और प्रतिभा का पता लगा भी लें, तो मुझे यह नहीं मालूम कि हमारा अगला कदम क्या होना चाहिए। मैंने कहना जारी रखा।"

"जब तुम उनके इन गुणों को ढूँढ निकालो तब तुम्हें बच्चों की सहायता करनी चाहिए ताकि वे अपने खुद के व्यक्तिगत गुणों को जान सकें और ऐसी समझ अपने में विकसित कर सकें जो उन्हें मनुष्य के रूप में विशेष बनाती हो। यहाँ से तुम्हें और जॉन को प्रक्रिया की शुरुआत करनी होगी जहाँ बच्चों की प्रतिभा विकसित होती है और जन्म लेती है। बच्चों में उनके विशेष गुणों तथा सच्ची प्रतिभा को विकसित होने में मदद करने के लिए उन्हें सेमिनारों में भेजने और पुस्तकें नियमित रूप से पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक हो सकता है ताकि उनमें

उन क्षमताओं को नियमित रूप से बढ़ाने का मौका मिल सके। लेकिन असली कुंजी तो है उनमें छुपे अद्वितीय उपहार पर जितनी जल्द और जितने अधिक समय तक हो सकें ध्यान केंद्रित करना चाहिए।”

“तो यह है तीसरी मास्टरी का छुपा रहस्य-अपने बच्चों का ध्यान उनके गुणों की ओर ले जाएं, उनकी कमजोरियों की ओर नहीं-माता-पिता के रूप में हमारे लिए यह करना अनिवार्य है ताकि जो अच्छे गुण रूपी उपहार उनमें विद्यमान हैं, वे उनमें निखार ला सकें।”

“हूँ,” जुलियन ने बड़े आराम से जवाब दिया। “और इसीलिए मैंने तुम्हें आज यहाँ इस-माइकेलएंजिलो-कक्ष में आने के लिए कहा। वह बहुत ही सम्मोहक व्यक्ति था, जिसके समान मुझे कोई दूसरा नहीं दिखा।”

“अब मुझसे यह मत कह देना कि माइकेलएंजिलो के बारे में जो भी कुछ तुम जानते हो वह सब सन्यासियों ने तुम्हें सिखाया है।”

“नहीं, वास्तव में मैंने इस पुरुष की असाधारण प्रतिभा के बारे में पढ़कर जानकारी हासिल की है। और एक कलाकार के रूप में उसके संगठनात्मक। सिद्धांतों में से सर्वाधिक प्रमुख था उसकी यह अनुभूति कि कई श्रेष्ठ मास्टर पीसेस का प्रारंभ संगमरमर पत्थर के कच्चे खंड की तरह हुआ। लेकिन प्रतिदिन मजबूत हाथों और एकाग्र आंखों से उसको तराशने, जिसमें अथक परिश्रम और पसीना बहता है, यह कच्ची सामग्री टकटकी लगाकर देखने योग्य, सही अर्थों में सच्ची कला, बन जाती है।”

“विश्व का सच्चा आश्चर्य।” मैंने जोड़ा।

“सही कहा। माइकेल एंजिलो ने कहा था कि वह संगमरमर जिसे अभी तक गढ़ा नहीं गया है, नामी कलाकार के मन में आई किसी भी कल्पना को साकार रूप दे सकता है। लेकिन उसके बड़े होने की वास्तविक कुंजी है, “जहाँ तक मेरा विश्वास है, जुलियन ने टिप्पणी की, “वह थी अपने स्वप्न को कार्यरूप देने की उनकी अद्भुत क्षमता। वह कार्य करने में यकीन करते थे। उन्होंने जाना कि बड़े सपने देखना और बड़ी सोच रखना मात्र ही पर्याप्त नहीं होता। जीवन की मास्टरी का मूल यही है कि सपनों को जीवन में साकार करने के लिए जो भी करना पड़े करो।”

“यह तो बिल्कुल वैसा ही है जैसा तुमने पहले कहा था कि प्रत्येक काम का प्रारंभ विजन से होता है, बाद में यह स्वप्नदृष्टा की जिम्मेदारी होती है कि वह इसे साकार करने के सभी उपाय करे।”

“हाँ, कैथरीन। और यही विचार तुम्हें अपने माता-पिता की भूमिका के लिए भी लागू करना चाहिए। तुम्हारे बच्चे संगमरमर के खंड की भांति ही हैं जिनकी प्रतिभा अभी कोरी है और क्षमताएं उनमें भरी पड़ी हैं। लेकिन तुम्हें उस महान कलाकार की भांति होना पड़ेगा जो अपने नेतृत्व के द्वारा उन्हें गढ़ता है, आकार देता है और परिभाषित करता है।”

“ताकि उन्हें वह जीवन जीने को मिल सकें जिसे जीने के लिए उनका जन्म हुआ है।”

“बिल्कुल ठीक। ताकि वे अपना जीवन सर्वोत्तम तरीके से जी सकें।”

“तो बड़े भाई अब बताओ तुम्हारे पास आज मुझे बताने के लिए कौन से व्यावहारिक उपाय और युक्तियाँ हैं?”

“विशेष रूप से चार हैं। सन्यासियों ने इसे व्यक्तिगत महानता के चार नियम का नाम दिया है। और सामान्यतया इन्हें कहा है: प्रतिदिन का स्वप्न, प्रति सप्ताह का लक्ष्य, नियम से बड़े लोगों का अनुसरण करो और दिल खोलकर देना सीखो।”

“ये सारी बातें पहेली बुझाने जैसी लगती हैं। क्या केवल सन्यासियों के बच्चे ही इन चार नियमों का पालन कर सकते थे?”

“नहीं, कैथरीन। समाज का प्रत्येक व्यक्ति इन चार गुणों का पालन करता है। वे महसूस करते थे कि यदि उन्होंने ऐसा किया तो वे निश्चित तौर पर दिन-प्रतिदिन विकास करेंगे। अंततः वे अपने आपको जान सकेंगे।”

“मैं दावे के साथ नहीं कह सकती कि मैं तुम्हारा अनुसरण करूंगी, जुलियन। क्या तुम कहना चाहते हो कि ऐसे असाधारण लोग यह भी नहीं जानते थे कि वे हैं कौन? मैं यहाँ पर थोड़ा भ्रम में पड़ गई हूँ।”

“पूरा जीवन कुछ और नहीं केवल एक खोज है।” एक मिनट की चुप्पी के बाद यह जवाब मिला। “ज्ञानी व्यक्ति जानते हैं कि खेल का संपूर्ण उद्देश्य है अपने जीवन को अनवरत स्वयं को जानने की खोज में लगाए रहना कि वास्तव में मैं हूँ कौन और जीवन में मेरा क्या लक्ष्य होना चाहिए। जीवन का उद्देश्य खोज करना है और फिर अपने अनिवार्य गुणों को प्रदर्शित करो।”

“तो तुम कहना चाहते हो कि जीवन का उद्देश्य हमारे अंदर विद्यमान ‘विशेष शक्तियों’ और ‘सच्ची प्रतिभा’ की

खोज करना है?" मैंने ईमानदारी से पूछा ।

"यह तो है ही और इसके अलावा बहुत कुछ है । उस उपहार की खोज करना जो मानव के रूप में तुम्हें अद्वितीय बनाता है, इसका एक अंश मात्र है । अंततः जीवन का खेल एक अंदरूनी खेल है, जो कानों के बीच खेला जाता है । जीवन में आत्मिक संतुष्टि वस्तुओं का संग्रह करने से नहीं बल्कि अपने आपको पाने से होती है । जीवन का उद्देश्य अच्छी वस्तुओं का संग्रह करना नहीं, भले ही उनको रखने में कोई बुराई नहीं है । लेकिन भौतिक वस्तुओं के पीछे भागना जीवन का मुख्य उद्देश्य, जो तुम्हारे जीवन को आगे ले जाता है, नहीं होना चाहिए । यदि ऐसा है तो, यदि तुम अपना समय अपने परिवारवालों के साथ व्यतीत करते हो और अपना विकास करने के लिए भौतिक वस्तुओं के पीछे भागते रहने में अपना समय गवांते हो, तुम बहुत बुरे समय में फंस जाओगे । कैथरीन तुम जानती हो कि मैंने जीवन में खुद संघर्ष किया है और ठोकरें खाई हैं और अब मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि जीवन में खुशियाँ कुछ मिल जाने से नहीं अपितु स्वयं को सिद्ध करने से मिलती है ।"

"क्या तुम इस बारे में थोड़ी और जानकारी दे सकते हो ? वास्तव में मैं इस विषय पर लगभग प्रतिदिन ही विचार करती थी । मैं चाहूँगी कि तुम इस विषय पर मेरी खातिर थोड़ा और प्रकाश डालो ।"

"बिल्कुल ठीक कहा । मैं सिर्फ यही कह रहा हूँ कि जीवन का असली सुख फिर से प्याज के छिलके उतारने में ही है ।"

"क्या कहा ?" मैंने तुम्हें विषय पर कुछ और मेरा मार्गदर्शन करने के लिए कहा है और तुम मुझे अंधकार में ही ढकेलने जा रहे हो, "मैंने हंसते हुए कहा ।

"मनुष्य रूपी प्रणी किसी प्याज की तरह ही है । केंद्र में हमारा सर्वोच्च स्व होता है, वह जो हम वास्तव में हैं । व्यक्ति के रूप में हमारा मुख्य उद्देश्य है अपेक्षित आंतरिक सभी कार्य को पूरा करना-फिर से सभी परतें उतारना-जब तक हम अपने भीतर के अनिवार्य स्व को पा न जाएं अर्थात् हमारा सर्वोत्तम स्व । अच्छी कार, बढ़िया घर और अच्छे कपड़े पा लेना निर्थक है यदि तुमने अभी तक उस व्यक्ति की परछाई भी नहीं देखी जो तुम्हें होना चाहिए । तो जीवन में अधिक पाने की कोशिश करना बंद करो और जीवन जीने की कोशिश में लग जाओ । स्थायी खुशी इसी में है ।"

"लेकिन मैंने सोचा कि तुम कह रहे हो कि जीवन का अंतिम उद्देश्य देना है-अन्य के जीवन को अपने योगदान से अच्छा बनाना?"

"बहुत ऊंची बात कह दी तुमने । तुम सच में ही बहुत गहराई से चिंतन में लगी थीं । मैं इतना खुश हूँ कि जितना समय मेरा तुम्हारे साथ बीता वह बहुत ही अच्छा बीता । यही बात है, कैथरीन । जीवन का अंतिम प्रयोजन है इस संसार को उन लोगों के माध्यम से रहने योग्य बेहतर स्थान में परिवर्तित करना जिनके जीवन को सुधारने में तुमने कुछ योगदान किया है । जीवन का उद्देश्य वास्तव में और कुछ नहीं सिवाय इसके कि जीवन किसी उद्देश्य के लिए मिला है । लेकिन अन्य व्यक्तियों के मूल्यों का वास्तव में ही वर्धन करने के लिए और संसार को तुम जितना कुछ दे सकते हो देने के लिए, तुम्हें सर्वप्रथम यह जानना होगा कि मनुष्य के रूप में तुम वास्तव में हो कौन ? अधिकांश व्यक्तियों को अपने भीतर के अनिवार्य स्व के बारे में कुछ नहीं पता अथवा अपनी मूल चारित्रिक विशेषताओं का ही पता है । उन्होंने कभी अपने खुद के जीवन के डीएनए में झांकने और यह जानने की कोशिश नहीं की कि उन्हें कौन मार्गदर्शन देता है । हममें से अधिकांश दिन भर की बहनेवाली धारा जिस ओर भी बहा कर ले जाती है उस ओर बहते चले जाते हैं और पूरा जीवन इसी प्रकार बीत जाता है । हम वास्तव में कभी भी खेल में शामिल नहीं होते । लेकिन बुद्धिमान लोग या सच्चे नेता जिस तरह अपने आपको संचालित करते हैं, वह औरों से सर्वथा भिन्न होता है । वे स्वयं अपने लिए और अपनी गतिविधियों, जिसमें उनके आंतरिक कार्य सम्मिलित होते हैं, के लिए समय निकालते हैं । और ऐसा करके वे स्वयं को जान पाते हैं ।"

"जितने भी फिलासफर हैं सबने यही बात तो कही है ?" मैंने बीच में ही कहा । " उनके सभी व्यक्तव्य जैसे स्वयं को जानो और परीक्षारहित जीवन जीने योग्य नहीं ।"

"बिल्कुल सही कहा । धरती पर जितने भी महान विचारक हुए हैं सबने यही पाया कि हमें सबसे पहले अपने आंतरिक कार्य को पूरा कर यह जान लेना चाहिए कि हम वास्तव में हैं कौन । तभी हम सुंदर जीवन निर्मित कर सकते हैं । यहाँ तुम मेरा अनुसरण करो । म्यूजियम में कुछ और भी है जो मैं तुम्हें दिखाना चाहता हूँ ।"

जुलियन ने इतना कहकर मेरा हाथ अपने हाथ में ले लिया और सामने के प्रदर्शनी हॉल में खींचकर ले जाने लगा । उसके प्रवेश द्वार पर लगा साइन पढ़ा उस पर लिखा था-दि टी. एस. ईलियट कलेक्शन ।

इस कमरे में टी. एस. ईलियट के बहुत सारे प्रसिद्ध कामों का संग्रह है। मैं आज की सुबह यहीं था और मैंने इन खुले हुए पन्नों में एक दृष्टांत पढ़ा। दृष्टांत उनकी खुद की लिखावट में था! यहाँ लिखा था, जुलियन ने एक पुरानी पुस्तक, जो सुरक्षा के लिए कांच के केस में रखी हुई थी, में पीले पृष्ठों की ओर इशारा करते हुए अति उत्साह से कहा। दृष्टांत इस प्रकार है:

हमें अन्वेषण बंद नहीं करना चाहिए। और हम अपने सभी अन्वेषणों के अंत में पाते हैं कि हम वहीं पहुँच गए हैं जहाँ से हमने प्रारंभ किया था और पहली बार हम अपनी जगह की पहचान कर पाते हैं।

मैं तो उन शब्दों की शक्ति पर दाँतों तले अंगुली दबा बैठी। अंततः मुझे समझ में आया जो जुलियन कहना चाह रहा था। अर्थात् मुझे बात समझ में आ गई। हमारा जन्म परफेक्शन (हर प्रकार से व्यवस्थित) में हुआ है। तड़क-भड़क का जीवन जीने के लिए हमारी जरूरत की सारी चीजें बाहर नहीं हैं। वे सब तो हमारे अंदर ही हैं। जुलियन जो बात मुझे कहना चाह रहा था वह थी कि ऐसा कोई भी व्यक्ति जो सफलता पाने के लिए जीवन भर भौतिक चीजों के पीछे भागता रहता है, वह बुरी तरह दिग्भ्रमित होता है। इस राह के अंत में खुशियां नहीं बल्कि बदनसीबी मिलती है। मेरा भाई अपने तरीके से जो बात मुझे बताना चाह रहा था वह बात थी कि असाधारण जीवन का मार्ग है स्वयं को ढूँढना अपनी उच्चतम क्षमताओं से सीखना और यह जानना कि व्यक्ति के रूप में हम वास्तव में क्या है। इसके बाद इस अनिवार्य ज्ञान से सुसज्ज होकर हम संसार में निकल सकते हैं वह करने के लिए जिसके लिए हमें कहा गया है और अच्छे काम कर सकते हैं जिसके लिए हमें यहाँ लाया गया है। इस छण मेरे भीतर का स्विच ऑन हो गया था। अंततः मेरे दिल की गहराइयों में कुछ हुआ। मुझे महसूस हुआ कि मेरे जीवन के लिए मुझे बुनियादी रूप से बदलना होगा। मैंने अपने दिल की गहराई से कसम ली कि मैं अपने जीवन के घंटे दुबारा कभी उन चीजों को पाने में व्यर्थ नहीं करूँगी जिनके पीछे मैं भागती रही। मैंने अपने आप से वादा किया कि उस दिन से मेरे जीवन का फोकस ऐसा व्यक्ति बनने के लिए होगा जो मैं जानती हूँ कि मैं बन सकती हूँ।”

“वापस व्यक्तिगत महानता के चार नियमों पर आ जाओ,” जुलियन ने असाधारण उत्साह से कहा।

“इससे बच्चों को सर्वोत्तम जीवन जीने में सहायता मिलेगी, “मैंने बीच में ही टोका।

“तुम मेरा यकीन मानो, ये चार सिद्धांत तुम्हारी भी मदद करेंगे। लेकिन हाँ, यदि यही सिद्धांत पोर्टर और सरिता को सिखाओगी तो उनके अपने आपको संचालित करने के ढंग में भी बदलाव आ जाएगा और उन्हें ऐसे व्यस्क के रूप में रूपांतरित करेगा जो हम अपने बच्चों को बनाने के लिए सोचते हैं। मैं तुम्हें पहले नियम के बारे में बताता हूँ- प्रतिदिन सोचना। प्रतिदिन का स्वप्न-इसका अर्थ है अपनी रचनात्मक कल्पना को उपयोग में लाकर हम अपनी सोच को वास्तविकता में बदलें।”

“यह तो मेरे लिए बहुत ही गूढ़ बात है, “जुलियन।

“वास्तव में मैंने बहुत सारी फिलॉसफी की बातें तुम्हारे साथ की हैं, उनमें से यह बहुत ही व्यावहारिक है। प्रतिदिन स्वप्न देखने का नियम कुछ और नहीं बल्कि भविष्य को देख पाने की शक्ति (विजुवलाइजेशन) है और हम कल्पनाओं के ड्राइंगबोर्ड में अपनी इच्छानुसार अपने कामों को सुधारने के लिए मानसिक टेम्प्लेट निर्मित करते हैं। मेरा सुझाव है कि तुम थोड़ा समय निकालकर चार्ल्स गेरफील्ड पीएचडी की लिखी पुस्तक पीक परफॉर्मेंस पढ़ो, जिसमें बताया गया है कि कैसे ओलिम्पिक के एथलीट (खिलाड़ी) विजुवलाइजेशन की प्रक्रिया के जरिये प्रतियोगी लाभ पाते हैं जो उन्होंने इसके पहले कभी नहीं देखा। इस तकनीक की नियमित सहायता से वे अपने अंदर छुपी हुई क्षमता को उपयोग में लाते हैं और अपने पसंद के खेल में क्षमता के सर्वोच्च स्तर का प्रदर्शन करते हैं। मैं तो किसी एक भी ऐसे ईलीट एथलीट के बारे में सोच भी नहीं सकता जो अपने प्रशिक्षण के दौरान विजुवलाइजेशन न जान पाया हो और जिसने इसका प्रयोग न किया हो। उनके मस्तिष्क की आंख में उनके आदर्श परिणाम को देखकर और इस सफल परिणाम को बार-बार दुहराकर, उनके मस्तिष्क की अंदरूनी चेतना प्रतियोगिता के दौरान उन्हें सफलता दिलाने के लिए पहले से ही प्रवृत्त रहती है।

“कितना विस्मयकारी है।”

“सच में ऐसा ही है। मैं जो कहना चाहता हूँ वह यही बात है: यदि प्रत्येक ईलीट एथलीट रचनात्मक विचार के द्वारा अपने आपको सहायता देकर अपनी क्षमता के शिखर को छू सकता है तो हम इस शक्तिशाली तकनीक को क्यों न अपने बच्चों को भी बताएं ताकि वे अपनी क्षमता के सर्वोच्च शिखर पर रह सकें।”

“मैं मानती हूँ। मैं किस प्रकार पोर्टर और सरिता को इसके बारे में बताऊँ-या उनकी आयु अभी इन बातों के लिए कम है?”

“मैं तीन वर्ष के बच्चे को जानता हूँ जो दक्षतापूर्वक विजुवलाइजेशन की कला में प्रशिक्षित था। लेकिन हमें नहीं भूलना चाहिए कि पृथ्वी पर सबसे अच्छे स्वप्नदृष्टा कौन हैं।”

“छोटे बच्चे?”

“बिल्कुल सही। तीन या चार वर्ष के बच्चे को जब वह खेल रहा हो, तब देखो। वे दिखाते हैं जैसे कि वे माउन्ट एवरेस्ट पर्वत की चढ़ाई चढ़ रहे हों या फिर चाँद पर टहल रहे हों। वे अपनी कल्पना को मूर्त रूप देते हैं और वे क्या कर सकते हैं या क्या बन सकते हैं, इसकी कोई सीमा नहीं रहती। छोटे बच्चों को स्वप्नदृष्टा बनने के लिए प्रशिक्षित करने का अर्थ है उन्हें स्वप्न देखने के लिए अधिक औपचारिक संरचना देना है जो वे पहले से ही कर रहे होते हैं।”

“इस बात को तो मैं समझ रही हूँ।”

“मुझे पता था कि तुम इसे समझोगी। और कभी नहीं भूलोगी कि एरिस्टोटल ने क्या कहा था: आत्मा कभी भी मस्तिष्क में तस्वीर उतारे बिना नहीं सोचती।”

“क्या खूब कही है।”

“तो मैं तुम्हें अब बताने जा रहा हूँ कि तुम्हें क्या करना चाहिए, कैथरीन। सप्ताह में एक या दो बार तुम बच्चों को लेकर उस पासवाले पार्क में जाया करो और वहाँ लगे बड़े ओक के पेड़ों में से किसी एक के नीचे बैठ जाया करो। अपने बच्चों से आखें बंद करने और गहरी सांस लेने के लिए कहो। ऐसा करने से उन्हें अपने मस्तिष्क को सुप्तावस्था में ले जाने में मदद मिलेगी और वे अधिक ताजा महसूस करेंगे ताकि जिन कल्पनाओं को वे जन्म दे रहे होते हैं, वे अधिक गहराई से उनके भीतर अपनी जड़ें मजबूत कर सकें।

“ओके, लेकिन इसके बाद अब मुझे क्या करना चाहिए?”

“अच्छी बात है, इसके बाद अपने आप में कल्पना करने लग जाओ कि तुम अपनी नई क्षमता अथवा योग्यता, जो तुम पाने की उम्मीद करती हो, से भरा जीवन जी रही हो। मैं तुम्हें एक उदाहरण देता हूँ।”

“बहुत अच्छी बात है। मुझे खुद भी लग रहा था कि ऐसा कोई उदाहरण तुम देते।”

“चलो मान लो कि तुम चाहती हो कि तुम्हारे बच्चे अधिक साहसी बनें - अर्थात् भयहीन बनें। जब वे किसी पेड़ के नीचे आराम से बैठे हों तब उनसे कहो कि वे अपने आप में कल्पना करें कि वे कोई बहादुरी का काम कर रहे हैं। उन्हें अपनी कल्पना में ऊँचा पर्वत चढ़ने के लिए भी उत्साहित किया जा सकता है। संभवतः तुम्हें सुझाव देना चाहिए कि वे एक ऐसे दृश्य को मन में उतारें जिसमें वे भीमकाय बने दिख रहे हों। यह कल्पना कुछ भी हो सकती है, लेकिन मुख्य बात है उन्हें अपनी कल्पनाओं को जागृत करने देने और अपने मस्तिष्क की पुनर्संरचना करने की ताकि भय जो उन्हें किसी काम को करने से रोकता है, उनमें से हट जाए और उसकी जगह शक्ति आ जाए जो उन्हें आगे बढ़ाती है।”

“क्या मैं सकारात्मक विजुवलाइजेशन की प्रक्रिया का सहारा पोर्टर के पिआनो की शिक्षा के लिए ले सकती हूँ? ताकि वह उसमें श्रेष्ठता पा सके?”

“हाँ, हाँ क्यों नहीं?” जुलियन ने अपनी बाहें मेरे ऊपर डालते हुए कहा और हम दोनों म्यूजियम के मुख्य हाल में प्रवेश कर गए। “आराम की मुद्रा में आने के बाद तुम उसे कल्पना करने के लिए कहो कि जैसे वह लिविंग रूम में पिआनो बजाने बैठा हो। उसे यह विश्वास दिलाओ कि जैसे पिआनो बजाने का दृश्य आंख के सामने साकार हो उठा है। जितना ही वैविध्यता से भरा दृश्य वह उतारता है उतना ही शक्तिशाली परिणाम भी निकलता है। यह भी अनिवार्य है कि वह तस्वीर में अपनी भावनाओं को डाले। भावनाओं से भरी करनी ही फलती है। भावनाएं ही किसी करनी को जन्म देती हैं। उसे वास्तव में महसूस करना चाहिए कि जैसे वह पिआनो बजा रह हो और अपनी पूरी क्षमता से बजा रहा हो। उसे अनुभव होने दो कि उन प्यारे पीसेज, जिन पर वह पूरी सफाई से उंगलियाँ फिराता है, को बजाना कैसा लगता होगा। उसे यह महसूस करने के लिए प्रोत्साहित करो कि उसे कैसा लगता होगा जब तुम, जॉन और सरिता सब मिलकर उसके लिए तब तालियाँ बजाती होंगी जब वह बिल्कुल ही नए अंदाज में और उत्कृष्टता के शिखर को छू रहा होगा। उसे उस खुशी की कल्पना में गोते लगाने दो जब उसके शिक्षक उसकी अद्वितीय क्षमताओं के प्रदर्शन पर उसकी प्रशंसा के पुल बांध रहे होंगे और उसे बधाइयाँ दे रहे होंगे।”

“यह विजुलाइजेशन कितने दिनों का होना चाहिए, जुलियन?”

“उचित प्रश्न है तुम्हारा। वयस्कों के लिए मैं कहूँगा कि जितने अधिक समय तक कर पाओ उतना ही अच्छा। लेकिन अधिकांश लोग जिस तरह का व्यस्त जीवन जी रहे हैं, उसमें विजुवलाइजेशन का बीस मिनट का सत्र पर्याप्त होगा, बच्चों के लिए तो सिर्फ पांच मिनट ही पर्याप्त होंगे। मेरा मानना है कि हम बच्चों को यह उपाय उपलब्ध कराएँ। उन्हें यह ज्ञान होने दो कि कहीं कोई उपाय है जिसके द्वारा वे अपनी दुर्बलताओं से पार पा सकते हैं, अपने व्यवहार को उन्नत कर सकते हैं, अपने को भय मुक्त कर सकते हैं और कार्य निष्पादन के शिखर पर पहुँच सकते हैं। उन्हें यह ज्ञान होने दो कि जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं उनके हाथ में यह टूल (उपाय) विद्यमान है जो उन्हें कठिनाइयों से बाहर निकालने में उनकी मदद करेगा, निराशाजनक स्थितियों में आशा का संचार करेगा और उन्हें खुशियाँ देगा जबकि अन्य दुख की मार सह रहे होंगे। इसके बाद बड़े होने पर यह उनकी जिम्मेदारी होगी कि वे इस तकनीक में मास्टरी हासिल करें और इसे वे अपने जीवन का अंग बना लें।”

“ओके। मैं आज देर रात को इंटरनेट पर जाऊँगी और विजुवलाइजेशन पर कुछेक लेख डाउनलोड करूँगी। मैं सचमुच ही इस प्रक्रिया के बारे में अधिक जानकारी चाहती हूँ और इसके लाभ की जानकारी अपने बच्चों के साथ बांटना चाहती हूँ। मैं इसे इस माह के लिए अपना लक्ष्य बना लूँगी।”

“क्या बात है। अगले नियम के लिए बिल्कुल उचित तैयारी।” जुलियन ने हंसते हुए कहा। यह ब्रह्मांड सच में ही कितने विस्मयकारी ढंग से सभी बातों को ठीक करता है।

“क्या यह सच है?”

“निश्चय ही। व्यक्तिगत महानता का दूसरा नियम है साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारण। लक्ष्य निर्धारण बच्चों को अनुशासन में बांधता है, कैथरीन। लक्ष्य निर्धारण को परिभाषित करके पता चला कि इसके कितने लाभ हैं। प्रथमतया, लक्ष्य निर्धारण हमारे जीवन में, जो असंख्य विकल्पों की मौजूदगी के कारण जटिलताओं से भरी है, ध्यान केंद्रित करने का बोध जगाता है। जिस जमाने में आज हम जी रहे हैं, किसी एक ही समय पर करने के लिए ढेर सारे काम हैं। हमारे ध्यान को बंटाने के लिए कितने ही विकर्ष हमसे टकराते हैं। लक्ष्य निर्धारण करने से हमारे इच्छाएं क्या हैं हमें मालूम होता है और हमें केवल उन्हीं कामों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है जो हमें वहाँ ले जाती हैं जहाँ हम पहुँचना चाहते हैं। मुझे उन असाधारण उक्तियों का स्मरण हो रहा है जिसे फ्लायिंग करमाजोव ब्रदर्स ने कहा है: कोई फर्क नहीं पड़ता कि तुम वहाँ कैसे पहुँचते हो, जब तुमको यही नहीं पता कि तुम जा किधर रहे हो।”

“यह बहुत सुंदर बात कही है।” मैंने मुस्कराते हुए कहा।

“स्पष्ट रूप से परिभाषित लक्ष्य तुम्हें बेहतरीन विकल्प उपलब्ध कराते हैं। यदि तुम्हें बिल्कुल ठीक पता है कि तुम किधर जा रहे हो तो उन कामों का चयन करना आसान हो जाता है जो तुम्हें उस लक्ष्य तक ले जाएंगे। विकल्प यह है कि जीवन को सहज रूप से अपने पर गुजर जाने दो, जिसके बाद तुम वह बन जाते हो जो तुम्हें स्वीकार नहीं। जैसा तुम चाहते हो वैसा जब नहीं होता तब बर्नाड शॉ ने कहा है: तुम मज़बूर होगे जो तुम्हारे सामने है उसी को मानो। अपने लक्ष्यों को लिखना तुम्हारे मन की बातों को स्पष्ट करता है और जैसा कि तुम स्वयं ब्रेव लाइफ डॉट कॉम की सफलता से इस बात को भली भाँति जानती हो, अपनी कल्पनाओं को साकार करने की दिशा में सबसे पहला कदम होता है उसे परिभाषित करना। लक्ष्य निर्धारित करने का तात्पर्य अनिवार्य रूप से यही है कि तुम्हारा प्रत्येक दिन जीवन के मिशन द्वारा शासित होगा न कि तुम्हारे मूड द्वारा।”

“कितनी अच्छी बात कही है। मैंने उत्साह बढ़ाते हुए कहा।

“लक्ष्य निर्धारण करने का दूसरा कारण यह है कि वह तुम्हें अवसर के प्रति हमेशा सतर्क रखता है। लक्ष्य निर्धारण करना और फिर तुम्हारे वैयक्तिक, प्रोफेशनल, सामाजिक और आत्मिक लक्ष्य की पुनरीक्षा-रविवार की रात-करना तुम्हारे मस्तिष्क को लगभग चुंबक की तरह उनकी पूर्ति की दिशा में अवसरों की तलाश में लगा देता है। मैंने भी यह पाया है कि लक्ष्यों का निर्धारण करके मैं एक बहुत ही महत्वपूर्ण कार्य को अंजाम देने के प्रति प्रतिबद्ध हो गया हूँ। ऐसा करने से बहुत ही आसानी से हम अपने अंदर की उस आग को भडकाते हैं जो हममें से हर किसी के अंदर सुलग रही होती है और उत्साह के झरने को, जो हममें से हर किसी के अंदर विद्यमान है, काम में लाते हैं। जब मैं लक्ष्य निर्धारण करता हूँ? मेरा जीवन रचनात्मक अस्तित्व की अनुभूति से भर उठता है। भले ही किसी भी व्यक्ति का जीवन किसी समय कितनी भी आपदों से क्यों न गुजरा हो और भले ही वे लोग आज वर्तमान में कितना भी अपने को दुखी और निराश क्यों न मानते हों, वे अपनी आत्मशक्ति को बढ़ा सकते हैं और कागज का एक टुकड़ा हाथ में लेने और उस पर अपने सपने को लिखने की साधारण सी क्रिया करके अपने को बहुत अच्छा

महसूस कर सकते हैं। मैं महसूस करता हूँ कि बहुमूल्य लक्ष्यों का निर्धारण करना ही अपने भीतर के सोए हुए जोश को फिर से जगाना है।”

“क्या यह सच है?”

“हाँ, बिल्कुल सच है। बड़े और रंगीन लक्ष्यों का निर्धारण हमारे अंदर की लगन को जगाती है, लगन जो हममें से अधिकांश के भीतर, जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं और संसार के प्रति दोषदर्शी रवैया अपनाते हैं, मर चुकी होती है। लक्ष्य निर्धारण करने से हम निःसीम संभावना के बोध को पाते हैं जो हमारे पास तब थी जब हम बच्चे होते थे और यह हमें इस बात का स्मरण कराती है कि हम अपने जीवन में लगभग प्रत्येक उस चीज को पा सकते हैं जिसकी हम इच्छा करें बशर्ते हम अपने लक्ष्यों के प्रति की गई प्रतिबद्धता के साथ ईमानदारी बरतें। शिला ग्रेहम कहती हैं: तुम किसी भी उस चीज को हासिल कर सकते हो जिसके लिए तुम कटिबद्ध होकर प्रयास करो। तुम्हें उस चीज की चाहत पर्याप्तता के साथ करनी होगी जो त्वचा से निकलती है और ऊर्जा में बदलकर विश्व का निर्माण करती है।”

“कितनी सुंदर बात कही है। मैं उस ऊर्जा के साथ अपने आपको जोड़कर देखना पसंद करूंगी जिसने इस विश्व का निर्माण किया है।”

“मेरी छोटी बहिन मेरा यकीन मानो तुम जो इस समय कर रही हो वह बिल्कुल यही प्रक्रिया है।” जुलियन ने बहुत ही गोपनीय अंदाज में अपनी बात पूरी की।

“ओह! तो लक्ष्य निर्धारण में दूसरी महत्वपूर्ण बात यह सुनिश्चित करना है कि तुम लक्ष्य के मैदान को कभी छोड़ कर भागोगी नहीं जब तक तुम उसको आगे ले जाने की दिशा में कोई ठोस कार्रवाई न करो।”

“बहुत ही सही बात कही है।” मैंने प्रशंसात्मक ढंग से कहा। “ब्रेव लाइन डॉट कॉम में तमाम नियमों में से एक नियम यह भी मैंने रखा था। जब भी कोई व्यक्ति किसी नई सोच अथवा महत्वपूर्ण नवोन्मेष प्रस्तुत करता, उन्हें उस सोच को लागू करने के लिए कुछ न कुछ करना ही होता था। केवल इतना ही काफी नहीं हुआ करता कि वे अपनी सोच हमें बता देते। कर्मचारी को उस पर काम करना आवश्यक होता था। भले ही इसके लिए उसे किसी को फोन भी करना पड़ सकता है, ताकि उसकी अर्थसंभाव्यता का पता चल सकता हो सकता है उसे अपना प्रस्ताव एक पृष्ठ पर लिख कर मुझे प्रस्तुत करना पड़ता। यह भी हो सकता है कि अन्य सभी लोगों को उसका प्रेजेंटेशन भी देना पड़ता। लेकिन पूरी बात का निचोड़ यह है कि उस आयडिया को किस प्रकार लागू किया जाता। उसको गतिशील करना होता। अन्यथा, हम सभी जानते हैं कि जीवन मार्ग में ही कहीं रह जाएगा और आयडिया की शीघ्र मौत हो जाएगी।”

“मैं पूरी तरह तुमसे सहमत हूँ कैथरीन। पृथ्वी पर प्रत्येक मनुष्य के पास कुछ न कुछ सोच या आयडिया है, जिसमें हमारे जीवन में क्रांति लाने की संभावना छुपी हो सकती है। कुछ ही लोग ऐसे होते हैं जो इन पर अमल करते हैं और ऐसा करके महान जीवन का निर्माण करते हैं। अन्य लोग सिर्फ हाथ पर हाथ धरे बैठे रह जाते हैं - और अपने आपको भाग्य भरोसे छोड़ देते हैं।”

“तुमने तो जुलियन लक्ष्य निर्धारण को ऐसा बना दिया जैसे वह कोई जादुई प्रक्रिया हो।”

“सही कहा तुमने, लेकिन बतौर हारवर्ड प्रशिक्षित कानूनविद, मैं जादू शब्द का प्रयोग करने से हमेशा हिचकिचाता हूँ। लेकिन मैंने अपने खुद के अनुभवों से जाना है कि लक्ष्य निर्धारण हमेशा कमाल किया करता है। यह कोई बुद्धिमानी की बात नहीं कि इस प्रक्रिया में महारत हासिल न की जाए और इसे अपने बच्चों को न सिखाया जाए। इसमें कोई शक नहीं कि वे इस समय इतने छोटे हैं कि वे अपने लिए अभी ठोस प्रोफेशनल लक्ष्य और ऐसी ही अन्य बातें निर्धारित नहीं कर सकते। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि उन्हें इस प्रक्रिया से गुजरने दिया जाए और खुद उन्हें अपने ही अनुभवों से यह जानने दिया जाए कि वह कितनी अच्छी तरह से काम करता है। माता-पिता के रूप में तुम्हारा यह कर्तव्य है कि तुम अपने बच्चों के भीतर की गुणता को पूरी तरह चमकने दो।”

“मेरे बच्चों के भीतर की गुणता? मैंने इस नए मुहावरे की क्षमता से अवाक होते हुए कहा।”

“बिल्कुल ठीक। एक माता-पिता के रूप में तुम्हारे कई प्राथमिक कर्तव्यों में से एक यह भी है कि तुम यह सुनिश्चित करो कि तुम्हारे बच्चे उस गड्ढे में कभी नहीं गिरेंगे जिसमें इस पृथ्वी पर के लगभग सभी वयस्क गिरते ही हैं।”

“किसमें?” मैंने अपना संपूर्ण ध्यान उस ओर ले जाते हुए पूछा।

“हममें से अधिकांश छोटी जिंदगी जीते हैं। हम छोटा ही सोच पाते हैं। हम छोटा ही काम कर पाते हैं और हम

छोटी भूमिका ही कर पाते हैं।”

“वयस्क छोटी भूमिका ही कर पाते हैं?”

“हाँ, हम। हम जीवन के चिकने मार्ग पर पैर ही नहीं बढाते और न ही बड़े जोखिम उठाते हैं। हम प्रतिदिन एक ही सोच सोचते हैं, एक ही तरह का कार्य करते हैं और एक ही जैसी कारगुजारियां करते हैं। हम अपना जीवन मायावी सुरक्षा चक्र में जीते हैं, यह मानकर कि यह सर्वोत्तम सुरक्षित स्थान है।”

“जबकि वास्तव में सबसे कम सुरक्षा यहीं है।” मैंने बीच में ही कहा। मैंने अपने भाई के साथ बिताए हुए समय में से जो सीखें ली थीं उन पर मुझे नाज हो रहा था।

“बिल्कुल सही। जीवन का वास्तविक आनंद तो तभी मिलता है जब तुम अंजान में प्रवेश करो। हम जीवन का संपूर्ण आनंद तभी मानते हैं जब हम अपने आपको समान्य से अधिक खींचते हुए तारों को अपनी मुट्ठी में लेने का प्रयास करते हैं-भले ही हमें इसके लिए कैसे भी प्रयास क्यों न करने पड़े। छोटा खेल खेलना मध्यम मार्ग की ओर अग्रसर होना है। अपने गुणों को चमकने का अवसर देना मास्टरी के मार्ग पर अग्रसर होना है।”

“और जोखिम उठाना महान जीवन जीने का मंत्र है।”

“हाँ, कैथरीन। जब तक वे विवेकयुक्त हैं, जोखिम कहाँ तक है वे जान सकते हैं। कोई भी तुमसे यह नहीं कहता कि तुम बच्चों को मूर्खतापूर्ण बातें सिखाओ। मेरी बुद्धिमत्तावाली बात सिर्फ इतनी ही है कि तुम उन्हें इस बात को स्वीकार करवाने के लिए प्रेरित कर सकती हो कि वे कई-कई बार अपने साहस का परिचय दें। उन्हें अपने मन की बात को सदैव ही सुनना चाहिए। यदि उनके दिमाग में कोई बड़ा आयडिया आता है, जिसे अमल में लाकर वे अपने जीवन के किसी महत्वपूर्ण भाग को उन्नत कर सकते हैं तो वह काम करने का साहस उनमें होना चाहिए। याद रखो कि जीवन में बड़ा नेता बनने के लिए तुम्हें काम करना होगा।”

“तो तुम उन्हें स्मार्ट जोखिम उठाने की शिक्षा दो और उन्हें कई-कई बार जोखिमों से खेलने के लिए प्रेरित करो। ठीक?”

“हाँ। और इसके बाद फिर वैयक्तिक महानता का दूसरा नियम-यह जरूरी है कि साप्ताहिक आधार पर लक्ष्यों के निर्धारण की रीति उनमें पनप रही हो, भले ही लक्ष्य एक या अधिक हो, जिसे वे आनेवाले सप्ताह में अपने जीवन में उतारना चाहते हों। मैं तुम्हें और बच्चों को एक बहुत ही जरूरी सलाह देना चाहूँगा कि तुम उनके साथ मिलकर उनके लिए एक स्वप्न पुस्तिका बनाओ।”

“स्वप्न पुस्तिका क्या बला है?” मैंने पूछा।

“यह बिल्कुल कोरा राइटिंग पैड है जो तुममें से प्रत्येक अपने पास रख सकता है, उसमें अपने लक्ष्यों को लिखने के लिए। इसे तुम एक पात्र समझ सकती हो जिसमें तुम और बच्चे अपनी इच्छाओं को देख सकते हो। तुम इसमें अपने प्रत्येक लक्ष्य और स्वप्न को उतार सकते हो और अपनी सर्वोच्च आकांक्षा को लिख सकते हो। तुम इसमें अपनी पसंद के हीरो की तस्वीर चिपका सकती हो, अपनी इच्छित चीजों और स्थलों जिनका भ्रमण तुम्हें करना है उनकी तस्वीरें भी तुम इसमें चिपका सकती हो। तुम इसमें उत्कृष्ट उद्धरणों और प्रेरणात्मक शब्दों को लिख सकती हो। यह तुम्हारे बच्चों के लिए लक्ष्यों का निर्धारण करने के लिए और इससे भी अधिक जरूरी उनकी प्राप्ति के लिए सर्वोत्कृष्ट मार्ग है।”

“मुझे यह आयडिया पसंद आया, जुलियन! सचमुच ही अनोखा आयडिया है। मैं तो अभी से ही प्रेरित हो गई हूँ।”

“यहाँ मेरी छोटी बहिन, “जुलियन ने मेरे हाथ को अपने हाथ में लेते हुए मुझे एक छोटे कमरे, जिसको मैंने कभी देखा नहीं था, में ले जाते हुए कहा। “महान व्यक्तियों की गैलरी” कांस्य अक्षरों में प्रवेश द्वार पर लिखा हुआ था।

“मैं इससे पहले कभी इस जगह पर नहीं आई, “मैंने कहा जबकि हम कई इतिहास महान महिलाओं और इतिहास महान पुरुषों के सुंदर और लाइफ पोर्ट्रेट की शृंखला जिसे जो देखे तो सांस उसकी वहीं की वहीं थम सी जाए, से गुजर रहे थे।

“यह वास्तव में बिस्कुल नया है। मैंने अभी-अभी इस कमरे की खोज खुद की है। मैं यहाँ बैठकर घंटों व्यतीत कर सकता हूँ, और सिर्फ और सिर्फ इन महान व्यक्तियों से निकली ऊर्जा को महसूस करते रहकर और उन लोगों के जीवन जीने के तरीके को देखते हुए। मैं हमेशा अपने आपको जिस पथ पर मैं चला जा रहा हूँ उसी पथ पर जाने के लिए प्रेरित और प्रतिबद्ध हुआ महसूस कर रहा हूँ।”

“क्या यहाँ आने का प्रयोजन कहीं वैयक्तिक महानताओं के अनुशासन के तीसरे नियम से तो नहीं?”

“हाँ, मैं शर्त के साथ कहता हूँ कि ऐसा ही है।” उसने त्वरित उत्तर देते हुए हवा में अपने हाथ के घूँसे को लहराते हुए कहा। “ओह! मैं इस नियम को बहुत पसंद करता हूँ!” उसने चिल्लाकर कहा।

“ओके, ओके - इसे सबको सुनने दो।”

“वैयक्तिक महानता का तीसरा नियम, जो मैं निश्चयात्मक रूप से जानता हूँ कि सरिता और पोर्टर के जीवन पर अपना प्रभाव अवश्य डालेगा, है - बड़े और महान लोगों के साथ नियमित रूप से चलो।”

“तुम्हें पता है कि मुझे इस नियम के बारे में कुछ पूछना है, मैंने इस बात से हतप्रभ होकर टिप्पणी की और कमरे के बीचोबीच रखी सिंगल बेंच पर बैठ गई जबकि मेरी बांहें क्रॉस बना रहा थीं।

‘बड़े और महान लोगों के साथ चलना’ अर्थात् “इतिहास प्रसिद्ध महान लोगों के साथ समय बिताना है। विश्व के सर्वाधिक नामी लोगों को अपने मस्तिष्क का मेंटर बनाना है। क्या तुम आज रात अपना कुछ समय मदर टेरेसा के साथ बिताना पसंद करोगी?” जुलियन ने अपनी चमकती आखों से पूछा।

“क्या तुम शर्त लगाते हो?”

“नेलसन मंडेला के साथ बैठकर बातें करना या गाँधी के साथ बातें करना कितना अच्छा लगेगा?”

“मुझे भी इसमें गिन लो मैंने अपनी स्वीकृति दी जबकि मुझे नहीं पता कि जुलियन की प्रश्न शृंखला का अंत कहाँ होगा।”

“तुम्हें पता है, आज का ज्ञान युग जिसमें हम जी रहे हैं, का उपहार यह है कि तुम और हम तथा हमारे चारों ओर के सभी लोग जब चाहें यहाँ तक कि प्रतिदिन भी इस पृथ्वी पर जनमें बड़े और महान विचारकों के साथ अपना समय बिता सकते हैं। तुम्हें एक लाइब्रेरी कार्ड के अलावा और कुछ नहीं चाहिए और तुम अपने बच्चों को महात्मा गाँधी के विचारों की गहराई तक ले जा सकती हो। सिर्फ एक इंटरनेट कनेक्शन के जरिए तुम हेलेन केलेर अथवा बेन फ्रैंकलिन या कनफ्यूसियस या अलबर्ट श्वेइत्जर के मस्तिष्क की गहराइयों में उतर सकती हो। तुम जान सकती हो कि ये नेता किन बातों पर हंसते थे और कौन सी बातें इन्हें रुलाती थीं। तुम जान सकती हो कि कैसे इन्होंने विषम परिस्थितियों में जीवन जिया। तुम संगठन के सिद्धांतों को जान सकती हो जिसके द्वारा इन लोगों ने अपना जीवन जिया। मेरे लिए यह सब विस्मयकारी है। हम विश्व के सर्वाधिक विस्मयकारी लोगों को अपना मित्र बना सकते हैं-जब भी हम चाहें पुस्तकों से, टेप से, वीडियो से और शिक्षा के अन्य साधनों से। और कैथरीन यहाँ वास्तविक कुंजी मिलती है: इतिहास के सर्वाधिक बुद्धिमान व्यक्तियों के साथ समय बिताकर न सिर्फ तुम मदद ही पाती हो बल्कि आधारभूत रूप से उत्कृष्ट व्यक्तियों के अनुभवों को भी जान लेती हो। मुझे यहाँ पर लेखक डोरोथिया ब्रांडे के शब्द याद आते हैं जो इस प्रकार हैं: ‘मैंने वह आयडिया पाया जिसके द्वारा मैं स्वतंत्र हुआ। मैं युक्तिपूर्वक इसकी आस लगाकर नहीं बैठा था। मैं किसी अन्य क्षेत्र में अनुसंधान का काम करने में लगा हुआ था। मैं एक पुस्तक पढ़ रहा था और पुस्तक में एक वाक्य ऐसा था जो इतना प्रभावी था कि मैंने पुस्तक को एक ओर रखकर उसमें लिखे उस एक वाक्य पर सोचना प्रारंभ कर दिया। जब मैंने पुस्तक दुबारा हाथ में ली, मैं कोई दूसरा व्यक्ति बन चुका था।’ महान व्यक्तियों के मस्तिष्क के साथ अपने को जोड़ना निश्चय ही अपने खुद के मस्तिष्क को उन्नत बनाने का सर्वोत्तम तरीका है। यह ऐसा ही है जैसे टेनिस के किसी ऐसे खिलाड़ी के साथ खेलना जो तुमसे अच्छा खेलता हो।”

“तुमने हमेशा ही पहले से अधिक अच्छा खेला है।” मैंने जवाब दिया क्योंकि मैं इस पहेली को पहले भी कई बार बूझ चुकी थी, इतनी बार कि मैं अब याद भी नहीं रख सकती।

“ठीक है। तो जब तुम नियमित रूप से विश्व प्रसिद्ध मानसिक, फिलॉसफी, विज्ञान और आध्यात्मिक महान लोगों की पुस्तकें पढ़ती हो, तुम्हारे सोचने और काम करने के तरीके में भी उसी के अनुरूप परिवर्तन आता है। तुम उनके समान स्तर तक ऊँचे उठती हो। तुम पाओगी कि तुम उन विचारों को मन में ला रही हो जो पहले कभी तुम्हारे मन में आए ही नहीं और तुम्हारा व्यवहार सकारात्मक हो जाएगा जो खुद तुम्हें भी आश्चर्यजनक प्रतीत होगा। तुम सरिता और पोर्टर को प्रति सप्ताह या कभी भी हमारे बीच के महापुरुषों - पुरुषों और स्त्री जिन्होंने हमारे समाज को बहुत बड़ा योगदान किया है-के इन कामों और उनके विचारों के दर्शन कराओ। उनका परिचय हमारे भूतकाल के जीनियस से और भविष्य के नेतृओं से कराओ। जब तुम उन्हें सोकर की प्रैक्टिस के लिए ले जा रही होती हो तब आइंस्टाइन या मोजार्ट या थोमास एडीशनकी बायोग्राफी की कॉम्पैक्ट डिस्क चलाकर उन्हें सुनाओ। तुम निश्चित रहो और देखो कि कैसे इसका प्रभाव उनके चरित्र को ढालने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है, तुम्हारे दोनों

अद्भुत बच्चों को इतनी प्रेरणा मिलेगी जो उन्हें सामान्य स्थितियों में नहीं मिल पाती। थोमास बेली अलड्रिच ने कहा है: "कोई भी व्यक्ति अपने मस्तिष्क में किस तरह की संगति रख रहा है उससे वह जाना जाता है।"

"और गाँधी ने एक बार कहा था: 'मैं अपने मस्तिष्क में किसी भी ऐसे को प्रवेश नहीं होने दूंगा जिसके पैर गंदे हों।' मैंने जोड़ा, मैंने इस महान नेता की आत्मकथा अभी हाल ही में पढ़ी थी।"

"क्या खूब! कैथरीन। वह स्पष्ट रूप से जान गया था कि जो भी तुम अपने मस्तिष्क में पालती हो वह तुम्हारे आगे के जीवन को प्रभावित करता है।"

जुलियन ने कहना जारी रखते हुए कहा, "मैं अपना साथी 'महान व्यक्तियों की पुस्तकों' में ढूँढता हूँ, जिसे मैं पढ़ता हूँ। तुम जानती हो मेरी छोटी बहिन मेरे लिए महान पुस्तकें आशा का सबेरा लाती हैं। वे एक अच्छे जीवन का वादा करती हैं। वे हमें विवेकपूर्ण और अच्छे संसार का सपना देखने में मदद देती हैं। और इन्हीं से पुस्तकें बनती हैं, और प्रतिदिन उन्हें पढ़ने की आदत जीवन का सबसे महत्वपूर्ण शौक होना चाहिए।"

"चूँकि पोर्टर और सरिता अभी बहुत छोटे हैं, हो सकता है कि मैं इन अच्छी पुस्तकों, जिनके बारे में तुम चर्चा कर रहे थे, को लाना शुरू करूँ। मुझे अभी भी ब्रेव लाइफ डॉट कॉम में काम करने के लिए मामूली यात्रा करनी होगी और फिर भी कुछ घंटे एअरपोर्ट पर व्यर्थ करने के लिए मेरे पास होंगे। वहाँ हमेशा ही बहुत सुंदर बूकशॉप्स हुआ करती हैं।"

"बिल्कुल ठीक कहा, कैथरी।" जुलियन ने जवाब में कहा। बहुत सफल लोग अक्सर उड़ान भरते हैं। और अधिक सफल लोग हमेशा पुस्तकें पढ़ते हैं। पुस्तक विक्रेताओं ने इस बात को अच्छी तरह समझा है और इसीलिए वे सबसे अच्छी पुस्तकों को बुकस्टोरेज में रखते हैं।"

"मैं इनमें से कुछ बढ़िया पुस्तकों की दुकानों पर जा सकती हूँ और कुछ बढ़िया पुस्तकें लूँगी जो बच्चों को उनकी बढ़ती उम्र के साथ अच्छी सीख दे सके, उन्हें प्रेरित और प्रभावित कर सके।"

"यह तो अनोखा आयडिया है, कैथरीन।" जुलियन ने जवाब दिया। "पुस्तकों के उस ढेर में तुम बच्चों को बड़ा करने के बारे में बुद्धिमत्ता के जेम्स पाओगी जो दिमाग, शरीर और चरित्र से सशक्त होंगे। तुम्हें ऐसी पुस्तकें भी मिल जाएंगी जो तुम्हें तुम्हारे कैरियर और परिवार के बीच सामंजस्य बैठाने में मददगार होंगी। तुम ऐसी पुस्तकें पाओगी जो तुम्हें स्वयं का सबसे अच्छा साथी बनने के लिए प्रेरित करेंगी और ऐसी भी पुस्तकें पाओगी जो तुम्हें तुम्हारे गंतव्य तक ले जाने में तुम्हारा मार्गदर्शन करेंगी। तुम्हें कोई पुस्तक ऐसी मिलेगी जिसमें तुम्हारे प्रत्येक संभावित प्रश्न के एक नहीं कई उत्तर होंगे। इसके लिए सिर्फ इतना ही करना होगा कि तुम्हें सही पुस्तक मिल जाती और इसके बाद उसे पढ़ने का अनुशासन होता।"

"जुलियन, अनुशासन के बारे में पूछ रहे हो, बच्चों को अनुशासित रखने के बारे में तुम्हारे विचार क्या हैं? यह मेरे पारिवारिक जीवन में हमेशा ही मेरे लिए चुनौती रही है, जबकि ब्रेव लाइफ डॉट कॉम में कर्मचारियों को अनुशासन में रखने में मेरे लिए कभी कठिन नहीं था। मैं जानती हूँ जब यही काम मुझे अपने बच्चों के साथ करना होता है तो मैं इसमें असफल रहती हूँ।"

"बच्चों का पालन-पोषण अच्छी तरह करना, जब अनुशासन में रखने की बात आती है, हमेशा आसान मार्ग को छोड़कर कठिन मार्ग पर चलने जैसा है। हमेशा वह करो जो तुम्हारा मन और तुम्हारा विवेक तुम्हारे नैतिक मूल्यों के अनुसार तुम्हें करने के लिए कहे, इसके उलट यह न हो कि उन परिस्थितियों में जो तुम्हें आसान प्रतीत होता हो तुम वह करो।"

"यह तो वही बात हो गई जो तुमने पहले कही थी। सब कुछ सही तरीके से करना ही नेतृत्व कुशलता है।"

"हाँ, और तुम्हें भी यह नहीं भूलना है कि अनुशासन एक उपहार है।"

"इससे तुम्हारा क्या तात्पर्य है?"

"बहुत से माँ-बाप मानते हैं कि बच्चों की मांगें निरंतर पूरी करना और उन्हें कभी न मना करना उनके बच्चों को दिखाता है कि वे उनको कितना अधिक प्यार करते हैं। लेकिन वे यह भूल जाते हैं कि बच्चों की भी सीमाएं बांधनी चाहिए। वे एकसमान मानक पर ही चलते हैं जो उनके जीवन को स्वरूप देता है। भले ही वे तुम्हें इसके बारे में न बताएं, लेकिन जब माता-पिता सीमा तय कर देते हैं और सुनिश्चित करते हैं कि परिवार के नियमों का अनुपालन किया जाता है, ये सीमाएं बच्चों को अच्छी लगने लगती हैं। उचित मात्रा में अनुशासन की खुराक देने से तुम्हारे बच्चों में चरित्र निर्माण भी होता है, क्योंकि विद्यमान परिस्थितियों में उन्हें क्या गलत है और क्या सही, इसके बारे में

सही बात की जानकारी है।”

“यह बिल्कुल सच है, जुलियन। भले ही मुझे मेरे माता - पिता ने जिस तरह लाइन में रखा, कभी पसंद नहीं था लेकिन छुपे तौर पर मुझे पता है कि यह उनका हमारे प्रति प्यार था। मुझे लगता है कि मैं लंबे समय तक पोर्टर और सरिता को उन्होंने जो मांगा सब देती आयी हूँ। मुझे लगता है कि मुझको उनके साथ थोड़ी सख्ती जरूर करनी होगी।”

“लेकिन जरूरत से ज्यादा न करना, कैथरीन। क्योंकि यह सब अनुशासन के महत्व को संतुलित करने के साथ ही उन्हें बच्चे बने रहने देना है। और यह भी न भूलो कि जब भी किसी प्रकार की सजा देने की नौबत आती है, तब हमेशा उसके बर्ताव को सुधारो न कि बच्चे को।”

“कृपया विस्तारपूर्वक कहो।”

“बच्चे के आत्म - विश्वास को क्षति न पहुंचाना सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। जब वे कुछ गलत करते हैं, उनसे कहो कि उनका अमुक व्यवहार गलत था न कि वे स्वयं गलत थे। यह और भी महत्वपूर्ण है कि तुम उन्हें बिनाशर्त प्यार दो और उन्हें यह जान लेने दो कि तुम उन्हें हर हाल में चाहोगी, चाहे वे कुछ भी करें। इन बातों को कहने के बाद कुछ नियम और सीमाएं हैं जिन्हें लागू करने की आवश्यकता है। तुम्हारे बच्चों को पता होना चाहिए कि जब भी वे इन सीमाओं को पार करेंगे, उन्हें अनुशासित किया जाएगा।”

“तुम्हारी इस बात में दम है, जुलियन। यह सत्य है कि बच्चों का आत्म विश्वास भंगुर होता है। छोटी आयु में जो शब्द वे सुनते हैं, भविष्य में कई वर्षों तक उनके पास ही रहते हैं।”

“बिल्कुल सही कहा। मैं तुम्हें यह भी सुझाव दूंगा कि तुम अपने बच्चों को, जब तुम गुस्से में हो, अनुशासित न करो।”

“सच कह रहे हो?” मैंने इस सुझाव के आशय को न समझते हुए आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा।

“हाँ, बच्चे को अनुशासित करने का संपूर्ण प्रयोजन है बच्चे में मौजूद ऊर्जा को और भी अच्छे ढंग से सरणीकृत करना। इसका प्रयोजन माता - पिता में दबे क्रोध को बाहर निकालना नहीं होना चाहिए। यह कोई ऐसा उपाय नहीं है जिसके द्वारा तुम अपने भीतर दबे आक्रोश को गुस्से में आकर बच्चों पर तब निकालो जब वे कोई गलत काम करते हैं। इसे बचाकर रखो-यह बच्चों के चरित्र निर्माण के लिए दिया गया टूल या उपाय है। केवल तभी इसका प्रभाव, जैसा तुम चाहते हो, देखने को मिलेगा।”

“और अंतिम नियम अर्थात वैयक्तिक महानता का चौथा नियम है - उदारतापूर्वक देने का नियम। यह नियम तुम्हारे बच्चों को खुले हाथों से और खुले दिल से देने की सीख के महत्व के बारे में है। याद रखो कि जो हाथ देता है वही हाथ बटोरता भी है और यह कि देने से ही मिलने की प्रक्रिया जन्म लेती है। जो सबसे अधिक देता है, वही जीतता है। यह मानवता का निःसीम नियम है कि हम सब कुछ बहुत शीघ्र भुला बैठते हैं। पोर्टर और सरिता को यह सीख दो कि वे अन्य लोगों की मदद करने पर और विश्व निर्माण में जिन लोगों ने अपना योगदान करके मूल्यवर्धन किया है उनको समझने पर अपना ध्यान केंद्रित करें। इसे अपना नियम बना लो कि तुम किसी न किसी को, जो उसके लिए पात्र होगा, प्रशंसा का उपहार नियमित रूप से दोगे। जब भी तुम अपने बच्चों के साथ किसी मित्र के घर जाते हो हमेशा कोई उपहार अपने साथ लेकर जाओ ताकि बच्चों में भी यह आदत जन्म ले सके। इसे बहुत बड़ा करने की जरूरत नहीं है। यह तुम्हारी सोच है जो वास्तव में प्रतिष्ठा पाती है। यह साधारण सी चीज जैसे तुम्हारे आंगन का कोई ताजा पुष्प का उपहार या बच्चों द्वारा रद्दी कागज से निर्मित कार्ड भी वस्तु हो सकती है। यह उपहार गर्मजोशी से भरा आलिंगन या तुम्हारी मनमोहक मुस्कान भी हो सकती है। शीघ्र ही वे भी देने के नियम में बंध जाएंगे। शीघ्र ही उन्हें एहसास हो जाएगा कि दूसरों के साथ साझा करना कितना आनंददायक होता है। वे अपने ही एक बड़े हिस्से से जुड़ जाएंगे और इस प्रक्रिया में ऊंचाइयों को छुएंगे। केवल एक बार उन्हें यह पता चल जाए कि प्रतिदिन उदारतापूर्वक देने में कितनी शक्ति छुपी है, वे जीवन का सर्वाधिक महत्वपूर्ण पाठ भी सीख जाएंगे।”

“धन्यवाद बड़े भाई,” मैंने विश्वास भरे हृदय से जवाब में कहा। “मैं तुम्हें बहुत प्यार करती हूँ? मेरे भाई।”

“मेरी बहिन मैं भी तुम्हें बहुत प्यार करता हूँ। मैं कहीं भूल न जाऊँ, मैं अपनी ओर से तुम्हारे लिए एक उपहार लाया हूँ।”

जुलियन ने अपनी पैंट की जेब में हाथ डाला और और तुड़ी - मुड़ी रुमाल जेब से बाहर निकाली, जिसमें मस्टर्ड

कहीं - कहीं लगा दिख रहा था ।

“मैं जानता हूँ यह बहुत कहने योग्य तो नहीं है लेकिन जो शब्द मैंने इस रुमाल पर लिखे हैं उनकी कीमत सोने में आकी जा सकती है । मेरा सुझाव है कि तुम इन्हें एक तख्ती पर लिख लो और फिर उसे घर में ऐसी जगह लगा दो जहाँ हर कोई इसे पढ़ सके । क्या तुम नहीं चाहोगी कि मैं इसे तुम्हें पढ़कर सुनाऊँ?” जुलियन ने भाबुक होते हुए भरी आखों से कहा ।

“जरूर कहो, “मैंने मृदुल स्वर में कहा ।

“मुझे नहीं पता कि ये शब्द उतनी ही शक्ति से क्यों मेरे सामने कौंध जाते हैं जितना कि उनका वजन है । मैं उनके साथ कितनी गहराई से अपने आपको जुड़ा हुआ पाता हूँ और वे मुझे कितना अच्छा मार्गदर्शन देते हैं । मैं तो यही मानता हूँ कि इनमें जीवन का सार भरा हुआ है जिसे जीने का सवप्र मैं संजोये हुए हूँ और उस व्यक्ति की बात करते हैं जिसके बारे में मैं सोचता हूँ ।”

जुलियन ने शब्दों को पढ़ा, जो विलियम पेन का उद्धरण था :

“मैं जीवन से होकर गुजरना चाहता हूँ लेकिन केवल एक ही बार, इसीलिए, यदि मैं कोई दयालुता दिखा सकता हूँ, या कोई कल्याणकारी काम मैं अपने किसी साथी के लिए कर सकता हूँ तो अभी करना होगा, उसे बाद में नहीं करना या उसकी अनदेखी नहीं करनी, क्योंकि मैं इस मार्ग से दुबारा नहीं गुजरूंगा ।”

मैं और जुलियन जब म्यूजियम (संग्रहालय) से एक दूसरे का हाथ थामे बाहर निकले उस समय बहुत धीमी - धीमी बारिश हो रही थी ।

“भारत में यह विश्वास किया जाता है कि रोशनी जिसमें बौछारें दिखाई दें, आनेवाले अच्छे समय का सूचक होता है ।” जुलियन ने इतने धीमे स्वर में कहा कि मैं मुश्किल से ही सुन पायी । अब उसने आकाश की ओर देखा जबकि उसके चेहरे पर बारिश की बूंदें थिरक रही थीं । अपनी आखें बंद रखकर और चेहरे पर टायटेनिक जैसी मुसकुराहट बिखेरते हुए जुलियन ने छणिक चुप्पी के बाद इतनी ऊंची आवाज में कहा कि लोगों के कदम अपनी - अपनी जगह पर जड़ हो गए: ‘जिंदा रहने के लिए यह सर्वोत्तम अवसर है !”

नेतृत्व कुशलता के इतने अच्छे पाठ इतने खुले हृदय, जो पहले इतना खुला कभी नहीं था, के साथ मैं अपने को सहमत हुए बिना रोक न सकी ।

परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी

उत्कृष्ट माता-पिता बनने से पूर्व उत्कृष्ट व्यक्ति बनें ।

जीवन एक नाटक की तरह है । यह कितना बड़ा है इससे कोई फर्क नहीं पड़ता बल्कि फर्क पड़ता है तो कितनी उत्कृष्टता से आप अपनी भूमिका अदा करते हैं ।

सेनेका

विश्व में जितनी भी बुराईया हैं, वे सब हमारे दिलों में हैं। लड़ाई लड़ना ही है तो यहाँ लड़ो ।

महात्मा गाँधी

यह अद्भुत संदेश था । मिस विलियमसन मेरी एकांतप्रिय पड़ोसन जो अपनी चौदह बिल्लियों के साथ रहती है और जिसके लिए मैंने मजाक में कहा था कि जुलियन पर वह हावी होना चाहती है, ने मुझे वॉइस मेल भेजा था जिसमें उसने अनुरोध किया था कि मैं उसके घर के पिछवाड़े के गार्डन में उससे मिलूं ।

अब मैं आपको बता दूँ कि मिस विलियमसन को झक्की औरत कहना बिल्कुल ही न्यायसंगत नहीं होगा । वह बिल्कुल ही अनोखी महिला थी । इसके जैसी मुझे आज तक कोई नहीं मिली और मैं नहीं समझ पाई कि वह इस तरह क्यों रहा करती थी । लेकिन वह निष्ठावान पड़ोसन थी और जब भी मैं अपने पड़ोस से होकर गुजरती उसने मेरी ओर हमेशा मुस्कुरा कर देखा, अतः मैंने उससे बात की और कहा कि मैं उसके गार्डन में उससे मिलने नियत समय पर खुशी-खुशी आऊंगी ।

अगले दिन की सुबह जॉन और बच्चों को प्यारभरा चुंबन देने के बाद मैं बगल के दरवाजे से बाहर निकली और गली में जाने लगी । जैसे ही मैं मिस विलियमसन के फ्रंट लॉन के बीच से गुजरी पीछे की झाड़ियों से तीन बिल्लियां कूद पड़ी और मैं बुरी तरह डर गई । कुछ छणों के लिए मैं किंकर्तव्यविमूढ़ होकर वहीं जड़वत खड़ी रह गई, मेरी दिल की धड़कनें बुरी तरह बढ़ गई थीं । शीघ्र ही मैंने अपने आपको संभाला और सावधानीपूर्वक घर के चारों ओर आंगन तक, फिर वापस बड़े गार्डन में, जहाँ उसने अपने कितने ही घंटे लगाए होंगे, चलने लगी । जो मैं देख रही थी उसे देखकर मुझे अपनी आखों पर यकीन नहीं हो रहा था ।

टोमैटो पैच के पास ही बड़ा सा काक-भगोड़ा पुतला खड़ा था जो लगभग छह फीट से अधिक ऊंचा रहा होगा । वह एक झीने से कपड़े में लिपटा हुआ, जिसे मेरा अनुमान है कि मिस विलियमसन ने किसी गैरेज सेल में खरीदा होगा, योगासन की मुद्रा में खड़ा था जो मैंने डक्यूमेंटरी में योगियों को करते हुए देखी थी तथा जॉन, बच्चे और मैंने भी डिसकवरी चैनल पर देख रखी थी । इतना ही गढ़ विस्मयजनक था बृहदाकार बैनर जो काक-भगोड़े के शरीर से प्रारंभ होकर मिस विलियमसन के पीछेवाले पोर्च तक जाता था । इस पर मार्क ट्वेन की पंक्तियाँ खुदी हुई थीं, जो चमकीले लाल अक्षरों में लिखी गई थीं और ऐसे दिखती थीं जैसे प्रातःकाल के सूरज की स्वर्णिम किरणों के बीच प्लास्टिक बैकग्राउंड बाहर आ गया हो । दृष्टांत बहुत ही साधारण सा था, जो इस प्रकार है :

यदि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से सतुष्ट हो जाता है तो फिर कोई हीरो भविष्य में होगा ही नहीं ।

और प्रातः काल के आलस को दूर भगाने के लिए था म्यूजिक, शोर के जैसा म्यूजिक जो बूमबॉक्स से बज रहा था तथा जिसे किसी ने बहुत सोच-समझकर रणनीति के तहत पिकनिक टेबल के नजदीक रख छोड़ा था । गीत को कोई भी पहचान सकता था । यह गीत ग्रेट लुइस आर्मस्ट्रांग का लिखा हुआ था 'कितना सुंदर यह संसार ।' मैं वहीं पर खड़ी की खड़ी रह गई और इस असाधारण रूप से सुंदर वातावरण में चहुँ ओर बिखरी सकारात्मक ऊर्जा को महसूस कर रही थी । मुझे जरा भी भान नहीं था कि वहाँ क्या हो रहा है । मुझे यह भी पता नहीं था कि वहाँ पर मुझे क्यों बुलाया गया था । और यदि मैं पूरी ईमानदारी से कहूँ तो मैं जरा भी इस बारे में चिंतित नहीं थी । जब से जुलियन लौटकर आया है तब से मेरे जीवन में कुछ न कुछ चमत्कार जैसा हो रहा था और मैं दिन प्रतिदिन ही खुश रहने लगी थी । यह एक तरह का अनुभव था, जो मेरे पोतों के लिए बहुत ही रोचक कहानी बन सकती थी ।

“मिस विलियमसन? क्या आप यहाँ हैं?” मैंने पुकारा, यह कोशिश करते हुए कि मेरी आवाज लुईस की चीख - पुकार से ऊपर सुनाई दे सके।

जब मुझे कोई प्रत्युत्तर नहीं मिला तो मैंने दुबारा आवाज लगाई।

“हेलो, मिस विलियम? क्या आप यहाँ हैं?”

फिर भी कोई प्रत्युत्तर नहीं। केवल लुईस अपना गीत पूरा करते हुए सुनाई दिया; गीत के बोल थे “आइ सेड टु मायसेल्फव्हाट ए वंडरफुल वर्ल्ड।”

अंततः गार्डेन में पूरा सन्नाटा छा गया था और मैं टोमैटो पैच और बहादुरी की पोशाक में सजे काक-भगोड़े की ओर बढ़ चली। तभी अचानक एक गूँजती हुई और गहरी आवाज में किसी का गाना सुनाई दिया “आइ से टु मायसेल्फ, दिस इज ए वंडरफुल वर्ल्ड!” मैंने अपने चारों ओर देखा लेकिन मुझे कोई दिखाई नहीं दिया। मैं गार्डेन पथ पर अब आगे बढ़ने लगी थी, तभी मुझे फिर वही आवाज सुनाई दी “वंडरफुल वर्ल्ड” इस बार सिर्फ इतना ही था। यह आवाज काक-भगोड़े के आस-पास से, जो टोमैटो पैच के बगल में ही था, आ रही थी। ‘हो सकता है इसका कहीं कोई संबंध उस उपहार से हो जो मिस विलियमसन ने मुझे अपने वॉइसमेल में देने के लिए कहा था,’ मैंने सोचा।

जैसे ही मैं और भी नजदीक पहुँची, ‘वंडरफुल’ शब्दों का उच्चारण मुझे लगा कि जैसे काक-भगोड़े के ओंठों से निकल रहा हो जो लगभग पूरी तरह से धुंधले काले वस्त्र में था और शेष चेहरे को और उसके सिर को ढंके हुए था। इसके ऊपर हर जगह जुलियन का नाम लिखा हुआ था। लेकिन मैं जानती थी कि वह वहाँ था ही नहीं क्योंकि वह कनेक्टीकट में अपनी छुट्टियाँ बिता रहा था, जहाँ के उसे सात दिनों तक वैयक्तिक उन्नयन के लिए रहना था।

“मुझे अपने अंदर और भी गहराइयों तक जाने की जरूरत अभी भी है, “हमने उसे जब एअरपोर्ट पर बिदा दी तब उसने यह बात कही।

जैसे ही मैं काक-भगोड़े के नजदीक पहुँची ये शब्द सुनाई पड़े “क्या हर कोई इस बात से भली भाँति परिचित है कि यहाँ कोई हीरो न होगा।” बूमबॉक्स जैसी आवाज आई। मैं सहम सी गई। इन सब के पीछे कौन है और भला इसमें मुझे कोई क्यों घसीटना चाहेगा?

अचानक ही काक-भगोड़े ने चलना शुरू कर दिया। पहले तो बहुत धीमे - धीमे फिर उसने झटके के साथ बाँह और पैर हिलाने शुरू कर दिए। जल्द ही उसने टोमैटो पैच में गोल-गोल नाचना शुरू कर दिया जैसे कोई अलमस्त फकीर। दीवानगी में जमीन पर गिर पड़ने के बाद काक-भगोड़ा शांत हुआ। इसके बाद वह हंसना शुरू हो गया। और हंसता ही रहा।

जाहिर था कि छद्म रूप में कोई इसके अंदर अवश्य था और जो भी था वह पुरुष था, जिसे मैं जानती थी। मैं उस तक पहुँची और मैंने काक-भगोड़े के चेहरे पर लगे कपड़ों को फाड़ दिया। जिसका अंदेशा था वही निकला, प्रैंक के बादशाह फिर से हरकत में आ गए थे। वह जुलियन ही था।

“मैंने तो समझा कि तुम कनेक्टीकट में हो और अपनी आत्मा को अधिक से अधिक जानने का प्रयास कर रहे हो?” मैंने झुठा गुस्सा दिखाते हुए कहा, यह जानते हुए भी कि मेरे चेहरे पर मुस्कुराहट की रेखा उभर रही है। “यह दृश्य उपस्थित करके मुझे डराने के अलावा क्या दूसरा कोई अच्छा काम करने के लिए तुम्हारे पास बचा ही नहीं?”

“छोटी बहिन इस तरह के प्रैंक करने में मुझे बहुत मजा आता है।” जुलियन ने जवाब दिया। “जब तुम प्रत्येक दिन सूर्य के उगते ही जागते हो, समय के अनुसार चीजें एकांतिक हो जाती हैं।”

“चलो ठीक है। आज के इस पाठ के बारे में तुम मुझे क्या बताना चाहते हो। मुझे हैरानी हो रही है कि इस व्यावहारिक मजाक के लिए तुमने बेचारी विलियमसन को फंसा लिया। तुम्हें पता है, उस महिला की आयु करीबन कुछ नहीं तो नब्बे वर्ष की है।”

“उन्हें मेरे साहसिक कारनामे का आयडिया पसंद आया।” जुलियन ने जवाब दिया और मिस विलियमसन की दूसरी मंजिल के बेडरूम की बालकनी की ओर देखने लगा।

“हाय,” जुलियन, अपने घर की रेलिंग पर झुकते हुए उसने आवाज दी। आवाज के साथ उसकी हंसी भी सुनाई दे रही थी। “लड़के तुम बहुत अच्छे हो। वह जो तुमने किया बहुत ही मजाकिया था और अपने जीवन में एक लंबे समय के बाद मुझे इतना मजा आया। जब कैथरीन के साथ बातें कर चुको तब मेरे यहाँ आकर एक कप चाय पीकर जाना। मैं भारत में तुम्हारे साहसिक अनुभवों को अधिक से अधिक सुनना चाहती हूँ।” टा-टा हैंडसम,

उसकी आवाज इतनी अधीर थी जो मैंने पहले कभी नहीं सुनी ।

जुलियन ने अब मेरी ओर देखा ।

अभी भी वह उसी मुद्रा में था । मैंने नोट किया ।

“अरे, वह बहुत ही प्यारी महिला है और साथ ही इतनी अच्छी कैमोमाइल चाय बनाती है कि जो मैंने आज तक कभी नहीं पी ।”

“लेकिन सच कहूँ, मैंने कहा, “मैंने सोचा था कि तुम अपने अध्यात्म में डूबे हुए होगे । तुम लौटकर कैसे आ गए ।”

“मैं जानता हूँ कैथरीन कि यह मैंने कोई बहुत बड़ी जिम्मेदारी वाला काम नहीं किया है और मैं उसके लिए तुमसे क्षमा मांगता हूँ, कैथरीन लेकिन क्या करूँ मुझे मेरे मन ने कहा कि मैं तुम्हें परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी का पाठ देर से नहीं बल्कि जितनी जल्द हो सके सिखा दूँ । जब से शिवाना के संन्यासियों का साथ छूटा है, “मैं उनके द्वारा हुई बात मन के भीतर से उठनेवाली निःस्वर आवाज को सुनेने के प्रति अधिक जिज्ञासु हो गया हूँ ।”

“इतने बड़े - बड़े शब्दाडंबरों में मुझे मत उलझाओ जुलियन ।” मैंने जवाब दिया और साथ ही अचंभित हुई अपने ही अधीरपन पर जिसके लिए मैंने असमय घंटे को दोषी ठहराया ।

“मैं पूरी तरह गंभीर हूँ । हम सबके भीतर छिपा हुआ गुण है जिसके द्वारा हम जीवन में सभी परिस्थितियों में सत्य को जान सकते हैं । जब हम अपने आपको अपने सर्वोच्च स्व से जोड़ने के लिए आवश्यक सारे सभी आंतरिक कार्य पूरे कर लेते हैं, यह शक्ति-जिसे अधिकतर लोग अंतर्मन कहते हैं-बहुत ही स्पष्ट रूप से काम करने लगता है । मेरे अंतर्मन ने मुझे बताया कि मुझे अपने व्यक्तिगत उन्नयन और विकास के लिए एक सप्ताह के लिए कहीं जाने की जितनी जरूरत है उससे कहीं अधिक जरूरत तुम्हें चतुर्थ मास्टरी के बारे में जानने की है । और इसलिए मैं यहाँ हूँ, तुम्हारी सेवा में हाजिर । जुलियन मजाक में मेरी ओर ऐसे ही झुका जैसे कोई बटलर अपने मालिक के आगे झुकता हो ।”

“और मुझे बताओ कि इस बात का मुझसे क्या संबंध कि यदि प्रत्येक व्यक्ति स्वयं से संतुष्ट हो जाता है तो कोई हीरो पैदा ही नहीं होगा ।”

“इसका पूरी तरह तुमसे ही संबंध है कैथरीन । हम सब यहाँ इस गार्डन में हैं, इस सत्य का लेनादेना तुम्हीं से है कैथरीन । यह सत्य कि मैंने आर्मस्ट्रॉंग के गीत की व्यवस्था की, इसका संबंध भी तुम्हीं से है ।”

“असली बात क्या है, वह तो बताओ मेरे बड़े भाई” मैंने झुंझलाते हुए कहा ।

“परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी वह व्यक्ति बनने में है जो तुम बनने के लिए पैदा हई थीं । यह तुम अपने को सर्वोत्कृष्ट कैसे बनाओ इसके बारे में है और तुम अपने मस्तिष्क, शरीर और अपनी आत्मा की पूरी क्षमता का दोहन कैसे करो इसके बारे में है । अपने जीवन में तुम अपने आपको हीरो किस तरह बनाओ इसके बारे में है ।” जुलियन ने सपाट देखते हुए कहा ।

“परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी क्या है जुलियन ?” मैंने बहुत ही अच्छे ढंग से पूछा, मेरा मूड ठीक होता लगा रहा था और साथ ही जीवन के इस अगले अध्याय के प्रति मेरी रुचि बढ़ती जा रही थी ।

“इसे साधारण रूप से कहा जा सकता है- जैसे जीवन के अन्य सिद्धांत होते हैं । उत्कृष्ट माता-पिता बनो, तुम अवश्य ही सर्वोत्कृष्ट व्यक्ति बन सकते हो । यह मास्टरी स्वयं को पुनः पाने और स्वयं को फिर से जीने के बारे में है ।”

मैं सच में उस अंतिम शब्द से परिचित नहीं हूँ जिसका प्रयोग तुमने किया ।” “तुम उस कारपोरेशन को क्या कहोगी जिसने अनुसंधान और विकास पर न कोई धन खर्च किया और न ही उसके लिए समय निकाला?” सटीक उत्तर मिला ।

“बहुत तो नहीं । मैं तो निश्चय ही उसमें कभी कुछ न खर्च करूँ ।” मैंने कहा ।

“सही कहा और न ही मैं करता ।”

“ओह, तुम ऐसा नहीं कह सकते तुम फिर से स्टॉक मार्केट में खेलना शुरू हो गए जुलियन । मैं हेड लाइनें देख रही हूँ: मिलियनोयर लायर ज्ञानी संन्यासी बनकर पैसे कमा रहा है । इस संपत्ति से उसने फेरारी खरीद ली, मैंने हंसते हुए कहा ।”

“बाजार में पैसे लगाने के मेरे दिन पूरे हो गए । लेकिन स्वयं के लिए निवेश करने के मेरे दिन अब प्रारंभ हुए हैं ।

और मैंने इससे अच्छा निवेश अभी तक कभी नहीं किया। तुम जानती हो तुम उस कंपनी में एक पैसा भी नहीं लगाओगी जो दैनिक आधार पर सुधार लाने की ओर कोई ध्यान न दे और इसके बाद भी संसार में अधिकांश लोग महीने में ही सही एक घंटा भी अपने आपको विकसित करने में नहीं खर्च करते। इसीलिए मैं इस कहावत को पसंद करता हूँ, यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने आपसे संतुष्ट हो जाए तो कोई हीरो पैदा ही नहीं होगा। ऐसे लोग जो वास्तव में इस संसार में राज करते हैं और बड़ा जीवन जीते हैं - व्यक्तिगत रूप से, अपने प्रोफेशन में अथवा आध्यात्मिक रूप से-वे कभी अपने आप से संतुष्ट नहीं हुए। वे निरंतर अपनी क्षमताओं को बढ़ाते गए और शक्तिवान, बुद्धिमान और अधिक प्रभावशाली होते गए।”

“लेकिन क्या तुम्हें अपने आपसे संतुष्ट होना चाहिए और जो व्यक्ति तुम्हें बनना चाहिए, इसके बारे में कुछ कहना आवश्यक है?”

“मैं नहीं कहता कि तुम जो भी हो उसे तुम मत चाहो और अपने सभी व्यक्तिगत उपहारों को मत चाहो। मैं सिर्फ यह कह रहा हूँ कि हमें अकर्मण्यता के भंवर में नहीं फंसना चाहिए। इससे भी अधिक जरूरी बात है कि हमें अपने जीवन को और भी बढ़िया बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए, उत्कृष्ट।” जुलियन ने जोर देते हुए कहा। “आह,” मैंने गहरा निःश्वास छोड़ते हुए कहा। “अब मुझे मालूम हुआ कि तुमने वह म्यूजिक और गीत सुनाया था।”

“अब तुम समझी,” जुलियन ने मेरे गालों पर चुंबन लेते हुए उत्तर दिया।

“मैं अभी भी यह नहीं समझी कि हम फिर भी अभी तक गार्डन में ही क्यों हैं?”

“स्व ओजसीकरण और व्यक्तिगत पुनःस्थापना के लिए गार्डन बिल्कुल सही जगह है। यह इस बात का आदर्श उदाहरण प्रस्तुत करता है कि प्रकृति किस तरह देखभाल, खेती और ध्यान देने को पुरस्कृत करती है। मिस विलियमसन अपना अधिकांश समय यहाँ बिताती है, इन वनस्पतियों की देखभाल में यह सुनिश्चित करते हुए कि उनकी सही तरीके से देखभाल की जाए और उन्हें स्वस्थ वातावरण मिले जिसमें वे बढ़ सकें। और ‘जैसा वे बोती हैं वैसा ही वे काटती हैं।’ वे अपना अधिक से अधिक समय इसमें लगाती हैं और प्रकृति उन्हें अच्छी फसल देती है। यही नियम दूसरे लोगों पर भी लागू होता है। स्व ओजसीकरण और व्यक्तिगत पुनःस्थापना के लिए अपने व्यस्त कार्यक्रम में से थोड़ा सा समय चुराना तुम्हारे जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को सकारात्मक परिणामों से भर देगा।”

“स्व ओजसीकरण से तुम्हारा वास्तविक अभिप्राय क्या है, जुलियन?” “कहीं तुम व्यायाम करने और अच्छा भोजन करने की बात तो नहीं कर रहे?”

“वह तो है ही, लेकिन उससे भी कहीं अधिक जरूरी बातें हैं जो मैं कहना चाहता हूँ।” जुलियन कुछ समय के लिए खामोश रहा और फिर मुझे खाने की टेबल तक ले गया। उसने चतुर्थ मास्टरी पर अपना प्रवचन जारी रखते हुए ही मेरे लिए एक ग्लास में टोमैटो ज्यूस डाला।

“क्या तुम्हें याद है जब तुम उस दुर्भाग्यपूर्ण हवाई जहाज में बैठी थीं।”

“मुझे दुखी होकर कहना पड़ रहा है कि हाँ, मुझे याद है।” मैंने बहुत धीरे से कहा।

“फ्लाइट अटेंडेंट ने क्या अनुदेश उस समय दिए थे, उन्हें तुम याद करो।”

“हा, उन्होंने कहा था कि शांत रहें और घबराएं नहीं और अपना सिर अपनी टांगों के बीच में कर लें।”

“उन्होंने ऑक्सीजन मास्क के बारे में क्या कहा?”

“जितनी बार भी मैं जहाज में बैठी हूँ, फ्लाइट अटेंडेंट हमें एक ही बात को दुहराते हैं।”

“कौन सी बात है वो?”

“अनिवार्य रूप से वे यही बताते हैं कि अन्य लोगों को मास्क पहनने में मदद करने से पहले सर्वप्रथम हम खुद अपने चेहरे पर मास्क चढ़ा लें।”

“बिल्कुल सही जवाब।” जुलियन ने मेरे जवाब पर खुश होते हुए कहा। “बिल्कुल यही बात परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी और स्व ओजसीकरण की संकल्पना में भी सिखायी जाती है।”

“मैं अभी भी थोड़ा भ्रम की स्थिति में हूँ।” मैंने ज्यूस पीना प्रारंभ करते हुए

कहा।

“तुम अन्य लोगों की मदद करने से पहले खुद को उसके लिए तैयार करो। अच्छा माता - पिता बनने के लिए सर्वप्रथम अच्छा व्यक्ति बनना होता है। अपने परिवार को बढ़िया तरीके से चलाने के लिए तुम्हें खुद को भी बढ़िया

तरीके से ढालना होता है। मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि घर के बाहर नेतृत्व तभी प्रारंभ हो सकता है जब तुम घर के अंदर नेतृत्व दे सको।”

“मैं तुम्हारी इस बात से सहमत होती हूँ।” मैंने अपनी प्रतिक्रिया में कहा।

“तुम अपने बच्चों के लिए कोई अच्छा काम तब तक नहीं कर सकोगी जब तक तुम अपने मन में कुछ अच्छे विचार न लाओ। जुलियन ने पूरे उत्साह से कहना जारी रखा जैसे कोई पादरी अपने विचारों को जारी रखता हो।”

“सत्य कहा” मैंने भी उसी धुन में कहा।

“तुम अपने जीवन में कुछ अच्छा नहीं कर सकतीं जब तक तुम अच्छा महसूस न करो।”

“इस बार भी तुमने सत्य कहा।” मैंने सिर हिलाते हुए कहा।

“और तुम अपने बच्चों को तब तक प्यार नहीं दे सकतीं जब तक तुम खुद अपने आपसे प्यार न करो।” जुलियन ने कहा।

मैं अब पूरी तरह चुप थी। उसका कहा हुआ अंतिम वाक्य मुझे अंदर तक भेद गया था। और मेरे आंसू बह चले। जुलियन की बुद्धिमत्ता ने मेरी आत्मा को भेद कर रख दिया था। वह कितना सत्य कह रहा था। मैं वास्तव में ही बच्चों को और जॉन को कैसे प्यार कर सकती हूँ, यदि मैं खुद अपने आप ही प्यार नहीं कर पाती? कोई भी इंसान कैसे किसी दूसरे इंसान को प्यार दे सकता है यदि वह खुद अपने आपको ही प्यार न दे पाए? मेरा भाई मुझसे कहना चाह रहा था कि पोर्टर और सरिता जिस तरह के माता-पिता को पाने के हकदार हैं, उस जैसा माता-पिता बनने की इच्छा करने से पूर्व मुझे अपने आपको विकसित करने के लिए गंभीरता से कुछ करना होगा और घर के अंदर से बाहर का नेतृत्व करना होगा।”

“और मजेदार बात यह कि स्व-ओजसीकरण और व्यक्तिगत विकास के प्रति की गई गहरी प्रतिबद्धता न सिर्फ तुम्हें प्रभावी माता-पिता बनाती है बल्कि तुम्हें अधिक खुश इंसान भी बनाती है, जैसाकि जॉन एफ. केनेडी ने कभी कहा था: ‘व्यक्ति जब उत्कृष्टता के साथ-साथ अपनी शक्तियों का पूरा-पूरा उपयोग करता है तब वह सबसे खुश व्यक्ति होता है।”

“ओके, जुलियन, तो बताओ मैं स्व - ओजसीकरण और अपने आपको बेहतर, बुद्धिमान तथा परिपूर्ण मानव बनाने के लिए क्या - क्या उपाय कर सकती हूँ?”

“पहली बात तो यह है कि तुम अपना काम सुबह जल्दी प्रारंभ किया करो।” तुरंत जवाब मिला।

“इसे खुलकर बताओ।”

“यदि तुम बेहतर व्यक्ति बनना चाहती हो तो तुम पाँच बजे सुबह उठकर क्लब जाना शुरू करो, जैसा तुमने आज किया है।”

“क्या तुम चाहते हो कि मैं सप्ताह के प्रत्येक दिन पाँच बजे सबेरे उठ जाया करूँ?” मैंने आश्चर्य में पड़ते हुए कहा। “क्या तुम बहक गए हो?”

“संन्यासी तो सुबह चार बजे उठ जाया करते हैं, लेकिन पाँच बजे का समय तुम्हारे लिए बिल्कुल ठीक रहेगा, कैथरीन। बिस्तर जल्दी छोड़ने की लड़ाई जीतकर, मस्तिष्क को चटाई पर रखकर और सुबह जल्दी उठकर तुम जीवन का अधिक आनंद ले सकोगी। पाँच बजे उठने से तुम्हें मानसिक ताकत मिलेगी। जब तुम जागोगी और वो सारे काम करोगी, जो सभी इंसान जानते हैं कि महान जीवन जीने के लिए करना अनिवार्य है लेकिन समय ही नहीं होता कि वो उसे करें, उस समय शेष जगत सो रहा होगा।”

“जैसे की?”

“जैसे उगते हुए सूरज को देखना। जैसे उठकर जंगलों की सैर करना। जैसे श्रेष्ठ पुस्तकें पढ़ना। जैसाकि मैंने तुम्हें पहले भी कहा था कि प्रतिदिन कुछ - कुछ पढ़ते रहने से तुम्हारा जीवन बदल जाएगा। अपने दिन की शुरुआत किसी अच्छी पुस्तक, जो प्रेरणादायी और आनंददायी हो, को तीस मिनट तक पढ़ने से करना तुम्हारे दिन के प्रत्येक शेष मिनट को वह सारी बुद्धिमत्ता प्रदान करेगी जिससे तुम जुड़ी हुई हो और जबकि शेष लोग सो रहे होंगे। बच्चों के साथ तुम्हारा व्यवहार बदलेगा। जॉन के साथ तुम्हारा जैसा व्यवहार है, उसमें भी बदलाव आएगा। तुम्हारे कर्मचारियों के साथ तुम्हारे संबंधों में सुधार आएगा। जो तुम्हारे लिए बिल्कुल ही अजनबी हैं, उनके प्रति भी तुम्हारा व्यवहार सहृदयतापूर्ण रहेगा। जुदाह इब्न-इबोन ने कितनी सटीक बात कही है: ‘उन पुस्तकों को अपना संगी बनाओ। उन केसेस और शेल्व्स (पुस्तकें जिनमें रखी जाती हैं) को खुशी का मैदान और गार्डन समझो।”

“कितनी सटीक बात कही है।”

“कल्पना करो कि शेष जीवन के लिए तुम्हारे पास अतिरिक्त एक घंटा या दो घंटे होंगे। उन घंटों को अपने आंतरिक कार्य के लिए सुरक्षित रख लो और फिर देखो कि तुम्हारा जीवन किस तरह बिल्कुल ही नई ऊंचाइयों को छूता है। इस समय को तुम ध्यानस्थ होकर अपने आदर्श दिन या आदर्श जीवन की कल्पना करने में लगाओ। अपनी आत्मा को शांत रखने के लिए मधुर गीत सुनो या अपना समय गार्डन की देखभाल में व्यतीत करो और प्रकृति के साथ गप्पें मारो जैसे मेरी बूढ़ी मित्र मिस विलियमसन करती हैं। सच बात तो यह है कि कल ही उन्होंने मुझे बताया था कि वह सत्तर वर्ष से भी अधिक समय से सुबह पाँच बजे उठती रही हैं और यह उसकी एकल अच्छी आदत थी जिसे उसने विकसित कर लिया था।”

“मैंने तो कभी नहीं जाना।”

“कैथरीन, इस पृथ्वी पर प्रत्येक प्राणी - और मेरा तात्पर्य है प्रत्येक प्राणी - के पास सुनाने के लिए कोई न कोई कहानी है और सिखाने के लिए कोई न कोई पाठ है। समस्या यह है कि हममें से अधिकांश अति व्यस्त होने के कारण - और अपने ही भार से इतने झुके हुए हैं कि हम समय ही नहीं दे पाते कि अपने आस-पास के वातावरण से कुछ सीखें। मैं तुम्हें, छोटी बहिन, दोष नहीं दे रहा। तुम्हारे सामने तुम्हारा व्यस्त कैरियर है और प्यारा संसार है जो तुम्हारा ध्यान अपनी ओर चाहता है। मैं सिर्फ तुम्हें याद दिला रहा हूँ कि व्यक्ति का जीवन महान तभी होता है जब उसके संबंध भी महान हों। यदि तुम जीवन में भरपूर खुशी चाहती हो तो अपने आस-पास के लोगों से जुड़ो और तब तुम अपने बड़े होने की खुशी को देखो और महसूस करो। जीवन में सतृप्ति अधिक से अधिक चीजों का संग्रह करने से नहीं आती बल्कि अधिक से अधिक प्यार पाने से आती है।”

“जुलियन यहाँ मैं तुमसे पूरी तरह सहमत हूँ। बीते कुछ महीने मेरे जीवन के सर्वाधिक अच्छे महीने थे। मैं कभी भी पोर्टर और सरिता के इतना करीब नहीं आई थी। मैंने जॉन से भी इतना प्यार पहले कभी नहीं पाया। मैंने अपने स्टाफ से भी पहले कभी इतना सम्मान नहीं पाया। और मैं पहले कभी तुम्हारे प्रति इतनी कृतज्ञ नहीं हुई। मुझे बहुत लंबा सफर तय करना है और मुझे पता है कि मैं सही दिशा में जा रही हूँ।

“निस्संदेह, तुम सही दिशा में जा रही हो।”

“तो, बताओ कि मैं अच्छा व्यक्ति बनने के लिए और क्या कर सकती हूँ?”

“मंदिर की देखभाल करो।” जुलियन का जवाब था।

“मंदिर’ क्या मतलब?” मैंने आश्चर्यचकित होकर जोर से पूछा।

“तुम्हारा शरीर ही तुम्हारा मंदिर है।” जवाब दिया जुलियन ने, काग-भगोड़े के पहनावे की अंतिम परत को हटाते हुए और अब वह अपने पवित्र लबादे, जो उसका ट्रेडमार्क बन चुका था, में खड़ा था। प्राचीन विचारकों में एक कहावत प्रचलित थी: ‘मेन्स सैना इन कारपोर सैनो।’

“अनुवाद करके बताओ। मेरी लातिन अब वैसी नहीं रही जैसी कभी हुआ करती थी।” मैंने कुछ न समझते हुए कहा।

“इसका सीधा और सपाट अर्थ है कि एक स्वस्थ शरीर में एक स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है। यह बुद्धिमत्ता की अकाट्य अनिवार्य बात है और फिर भी अधिकतर लोग इसकी अनदेखी करते हैं। तुम्हारा शरीर वस्तुतः एक मंदिर है। तुम्हें इसे ऐसे ही मानना चाहिए जैसे कि यह कोई वाहन हो जो तुम्हें वहाँ ले जाएगा, यदि तुम इसकी उचित देखभाल और रखरखाव करती हो, जहाँ तुम्हारे जीवन की शिखर ऊंचाइयाँ होंगी। वैयक्तिक मास्टरी प्राप्त करने का सबसे उत्तम मार्ग भौतिक मास्टरी प्राप्त करने से होकर गुजरता है।”

“क्या सच में?”

“बिल्कुल सच। सप्ताह में पाँच या छह बार जिम में जाने के अनुशासन के बारे में सोचो। सोचो कि हम जिस स्तर पर व्यायाम कर रहे होते हैं, उस संदर्भ में अपने सुविधाजनक जोन से बाहर अपने को खींचना कितना दुष्कर होता है और कितना कठिन हम पाते हैं प्रत्येक सत्र में व्यायाम को मामूली सा श्रमसाध्य करना। स्वयं के प्रति किए गए संकल्प के बारे में सोचो कि हमें प्रतिदिन स्वास्थ्यकर, प्राकृतिक खाद्य खाना और जितना हो सके जल पीना आवश्यक है जबकि हम जहाँ भी जाते हैं हमें लुभावनी वस्तुएँ अपनी ओर आकर्षित करती हई प्रतीत होती हैं। लेकिन यदि तुम अपने अंदर अपने शरीर-वह मंदिर जिसमें तुम्हारे व्यक्ति का निवास है - का सम्मान करने का साहस कर सको तो वैयक्तिक मास्टरी कोई दूर नहीं रह सकती। किसी भी दिन जब तुम व्यायाम के लिए जिम में

जाओगी, तुम्हें व्यायाम करने की इच्छा नहीं होगी क्योंकि मानव के रूप में तुम थोड़ा अधिक शक्ति अर्जित कर लेती हो। जितनी बार भी तुम ठिठुरती ठंड के दिनों में दौड़ के लिए निकलती हो, जबकि उस समय रजाई में दुबके रहने से बेहतर स्थान दूसरा कोई नहीं नजर आता, तुम अपने अंदर मानवता का एहसास थोड़ा अधिक कर पाती हो। अपनी शारीरिक बनावट को सुधारने के लिए श्रम करने का मार्ग ही तुम्हारे चरित्र को निखारने का सर्वोत्तम मार्ग है और यह तुम्हारे जीवन की गुणवत्ता में वृद्धि करता है। और ऐसा करके तुममें न सिर्फ एक व्यक्ति के रूप में निखार आएगा बल्कि माता - पिता की तुम्हारी भूमिका में भी निखार आएगा।

“बड़े भाई मैं अब भी पक्के तौर इन संबंधों को नहीं समझ पा रही।”

“नियमित व्यायाम, स्वस्थ आहार और विश्राम के लिए समय निकालना और अपने शरीर की उचित देखभाल करने से तुम खुश रहोगी। यह तुम्हें इतनी सारी ऊर्जा देगा जितनी तुमने कभी पाई न हो। यह तुम्हें अपार शक्ति और मानसिक बल प्रदान करेगा। यह तुम्हें अधिक गंभीरता और करुणा देगा। और तुम अपने काम के घंटों के दौरान अधिक स्थिरचित रह सकोगी। क्या ये सभी लाभ तुम्हें पोर्टर और सरिता के लिए अच्छा माता - पिता बनने में सहायक सिद्ध नहीं होंगे,” जुलियन ने जोश में कहा।

“पूर्ण सत्य”

“उपहार की देखभाल अर्थात् अपने शरीर की देखभाल करने से तुम एक प्रखर और मजबूत विचारक बनोगी। और चूंकि तुम्हारे विचार अंततः तुम्हारे संसार को स्थापित करेंगे जो स्वयं ही अनमोल लाभ है। एक सप्ताह में १६८ घंटे होते हैं। निश्चय ही हममें से प्रत्येक अपनी तमाम व्यस्तताओं के बावजूद अपने मंदिर की देखभाल और अपनी शारीरिक अवस्था की मास्टरी करने के लिए चार या पाँच घंटे तो निकाल ही सकता है। मुझे पता है कि तुम पिछले कुछ दिनों से व्यायाम करती रही हो और मैं तुम्हें तुम्हारी प्रगति के लिए बधाई देता हूँ, लेकिन मैं तुम्हें सुझाव दूँगा कि तुम इसे अगली ऊंचाई तक ले जाओ। अपनी शारीरिक क्षमताओं को विमुक्त करने और सर्वोत्तम अवस्था को पाने के प्रति अधिक गंभीर बनो।”

“लेकिन क्या मैं तुमसे पूछ सकती हूँ जुलियन कि क्या अपने शरीर को पूरी तरह स्वस्थ बनाने को लेकर ध्यान केंद्रित करना एक तरह की सनक भरा है? एक खास अंदाज में दिखने को लेकर मैं बहुत दबाव महसूस करती हूँ, विशेष रूप से मीडिया में बनी हुई छवि जो हमारे इर्द-गिर्द है।”

“मुद्दे की बात उठायी है तुमने। इसका जवाब यह है कि: मैं यह नहीं कहता कि शारीरिक मास्टरी के लिए प्रयास करने का अर्थ है किसी सुपर मॉडल या मूवी स्टार जैसा दिखना। इस पूरे अभ्यास का प्रयोजन है अपने भीतर के सर्वोत्तम, जो तुम हो, को बाहर निकालना। और इसे पाने के लिए तुम्हें बाह्य जगत से अपना ध्यान हटाकर अपने मन के भीतर झांकना होगा। अपने शारीरिक सौष्ठव की तुलना फैशन पत्रिकाओं के पन्नों पर छपी महिलाओं से मत करो बल्कि अपनी तुलना अपने बीते दिनों वाली आप से करो।”

“यह तो बहुत ही गूढ़ संकल्पना है, जुलियन। वास्तव में तुमने जब यह बात कही, मेरी रीढ़ में झुनझुनी सी दौड़ गई।”

“महान संन्यासियों ने मुझे इसकी शिक्षा दी है। वह प्राचीन भारतीय कहावत याद है तुम्हें जो मैं तुम्हें पहले ही बता चुका हूँ? कहावत का अर्थ है: अन्य से श्रेष्ठ होने में कुछ भी श्रेष्ठता नहीं है। सचमुच की श्रेष्ठता तो इसमें है कि तुम अपने बीते दिनों के आप से कहीं अधिक श्रेष्ठ बन सको।”

“मुझे याद है और मैं इसे स्वीकार करती हूँ!” मैंने विस्मय से कहा। “यह अधिक स्वीकार्य - और समझदारी भरा दृष्टिकोण है।”

“तो अपने बीते आप को अपना बेंचमार्क बनाओ। और इसे कभी मत भूलो कि वह व्यक्ति जो व्यायाम के लिए समय नहीं दे पाता अनिवार्य रूप से बीमारी को न्योता दे रहा होता है।”

“सत्य है।” मैंने बेबाकी से कहा।

“यह मुझे विस्मय देने से कभी नहीं रोकता”, जुलियन ने अपार उत्साह के साथ कहना जारी रखा। कैसे हम जब कम आयु के होते हैं तब मामूली अधिक दौलत पाने की लालच में अपना स्वास्थ्य ढाँव पर लगा देते हैं, और जब हम अधिक आयु के हो जाते हैं और हममें बुद्धिमानी आ जाती है तब हम कैसे अपनी सारी दौलत छोड़ने को तैयार हो जाते हैं।”

“मामूली अच्छे स्वास्थ्य के लिए।” मैंने बीच में टोका।

“बिल्कुल सही कहा। लेकिन जब बात अपने शारीरिक सौष्ठव की संरचना के शिखर को छूने और फिट रहने के लिए व्यायाम करने की आती है तब इसे जरूर याद रखना कि जितनी बार भी तुम सही व्यायाम नहीं करती हो उतनी बार तुम गलत काम करने की आदत को बढ़ावा देती हो।”

“तुमने मुझे फिर बहका दिया।”

“ठीक है मैं इसे इस प्रकार कहता हूँ: व्यायाम जिसे मिस कर दिया गया उस मिस किए गए व्यायाम से कहीं अधिक कीमती था।”

“अब बनाना बंद भी करो, जुलियन”, मैंने कहा।

“ओके। मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूँ कि जब तुम कोई एक व्यायाम मिस करती हो तब तुम जिस स्तर पर थीं उसी स्तर या ऊंचाई पर नहीं रह जातीं बल्कि कुछ सीढ़ियाँ नीचे उतर आती हो। जितनी बार तुम व्यायाम मिस करती हो उतनी बार तुम कुछ ऐसा करती हो जो तुम्हारे व्यायाम न करने की आदत को बढ़ावा देता है। और जितनी अधिक बार तुम व्यायाम को मिस करती हो उतनी ही अधिक बार तुम्हारी नकारात्मक आदत को बल मिलता है। अधिक से अधिक व्यायाम मिस करती जाओ और एक दिन वह आएगा जब व्यायाम न करने की तुम्हारी नकारात्मक आदत बढ़ते-बढ़ते व्यायाम करने की तुम्हारी सकारात्मक आदत, जिसका अर्जन तुमने कितनी कठिनाई से किया था, को विस्थापित कर देगी। तो अब जान लो कि मैं जब भी यह कहता हूँ कि जितनी बार तुम सही काम करने में असफल रहती हो उतनी बार तुम गलत काम करने की आदत को बढ़ावा देती हो। और यह छोटा सा सिद्धांत तुम्हारे पूरे जीवनकाल में लागू रहता है। जितनी बार तुम किसी को धन्यवाद कहना भूलती हो उतनी बार तुम धन्यवाद कभी न कहने की आदत डालने की नींव रखती हो। जितनी बार तुम किसी के फोन कॉल का जवाब शीघ्रता से न देने की भूल करती हो उतनी बार तुम समय पर फोन का जवाब न देने की आदत डालने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ती हो। जितनी बार तुम अपने बच्चों को सोते समय पुस्तक पढ़कर सुनाने से यह कहकर मना करती हो कि तुम बहुत थकी हुई हो, उतनी बार तुम उनके सो जाने तक पुस्तक पढ़कर न सुनाने की आदत की बुनियाद रखती हो। कैथरीन इसे याद रखना कि जीवन में छोटी-छोटी बातें ही वास्तव में बड़ी बातें होती हैं और अपने जीवन की गुणवत्ता का आस्वादन तुम जब करोगी तो अंततः, वह निर्भर करेगा तुम्हारे छोटे-छोटे इच्छित विकल्पों पर जिसका चयन तुमने प्रत्येक दिन के प्रत्येक घंटे और उसके प्रत्येक मिनिट में किया था।”

“मैं मानती हूँ, जुलियन। हम कितनी आसानी से अपने उन दैनिक कामों को भुला बैठते हैं जो तय करते हैं कि हम कितना आदर्श जीवन जिएं,” मैंने कहा। मुझे इस बात का एहसास हो रहा था कि मैं जैसे-जैसे दिन बीतते जा रहे थे जुलियन की तरह बोलने लग गई थी। मेरा अनुमान है कि व्यस्तता भरा जीवन जो हममें से अधिकांश जीते हैं, उन बातों को देख कर भी नहीं देखते जो वास्तव में ही हमारे ध्यान को बंटती हैं। यहाँ प्रबंध गुरु पीटर ड्रकर की बात याद आती है- ‘उसने कहा था इससे अधिक उपयोगहीनता क्या हो सकती है कि हम प्रभावी तरीके से वही करते हैं जो हमें बिल्कुल ही नहीं करना चाहिए।’

जुलियन हंसने लगा। “बहुत खूब। मुझे निश्चित रूप से इसे याद रखना होगा। इस बात में कितना बड़ा सच छिपा हुआ है। वास्तव में ही कितनी बेकार बात है कि हम अपने दिन के अधिकांश घंटों में उन्हीं कामों को करते हैं जो जरा भी जरूरी नहीं हैं। बुद्धिमान नेता - याद रहे कि हम सब कहीं न कहीं किसी पत्रकार का नेतृत्व करते हैं - अपने दिन को यह तय करने में गुजारते हैं कि जीवन में किस काम का कितना महत्व है और उसकी कितनी अनिवार्यता है। वे इस बात का पता लगाने के लिए अपना समय लेते हैं कि उनकी सर्वोच्च कार्यक्षमता वाले कार्य कौन से हैं- वे कार्य जो किए गए निवेश पर उच्चतम प्रतिफल दे - और तब वे अपनी ऊर्जा केवल उन्हीं कार्यों पर व्यय करते हैं। वास्तविक प्राथमिकताओं के प्रति इतनी उच्चशक्ति का ध्यान केंद्रण ही सफलता का राज है। जैसाकि चायनीज मिस्टिक लिन युतांग ने कहा है: कार्य करवाने के नोबल आर्ट के अलावा कार्य को न करने के नोबल आर्ट की मास्टरी भी आनी चाहिए। जीवन की बुद्धिमत्ता उन्हें जीवन से निकाल फेंकने में है जिनकी कोई उपयोगिता जीवन में नहीं रही।”

“मैं अपने अंदर किस प्रकार नई ऊर्जा का संचयन कर सकती हूँ और घर से ही नेतृत्व कैसे कर सकती हूँ, जुलियन? सुबह जल्दी उठना और अपने मंदिर को संवारना कुछ ऐसे बेजोड़ सुझाव हैं। मैं और अधिक जानना चाहूँगी।”

“अपने जीवन का अभिलेख रखना अगली महत्वपूर्ण बात है जो मैं तुम्हें स्व मास्टरी के लिए बताना चाहूँगा।”

“यहाँ हम पुनः वहीं जाएंगे। ओके जुलियन,” मैंने छकाते हुए टिप्पणी की “जीवन को अभिलिखित करने का

तुम्हारा क्या अर्थ है ?”

“मैं तुम्हें जीवन का लेखा-जोखा या जर्नल रखना प्रारंभ करने की ओर अभिमुख करना चाहता हूँ। ऐसा करके तुम अपने जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं से सीख हासिल करने की स्थिति में होगी और जैसे-जैसे दिन बीतेंगे तुम बुद्धिमान होती जाओगी। जर्नल में तुम अपना बीता कल देख सकोगी। यह तुम्हारे लिए एक टूल की तरह है जो तुम्हें अपने भविष्य की सफलता के लिए बीते कल के अनुभवों को उपयोग में लाने की सहूलियत देता है। अपने जीवन के दिनों की घटनाओं को उनसे मिली सीख के साथ लिपिबद्ध करने से तुम्हें अधिक जागरुकता प्राप्त होगी। यह तुम्हें अधिक स्पष्ट रूप से बता सकेगा कि तुम जो कर रही हो वह करना क्यों जरूरी है और यदि तुम जीवन के अगले उच्च चरण में उठने की इच्छुक हो तो तुम्हें अपने दैनंदिन के किन पक्षों को बदलने की आवश्यकता है। जर्नल में लिखी हुई बात तुम्हें एक मौका देती है कि तुम नियमित रूप से अपने आप से अपना सामना कर सको। यह अनुशासन तुम्हें एक ऐसे संसार में कुछ गहरी सोच के लिए प्रेरित करता है जहाँ गहराई से किए गए विचार मंथन और आत्मविश्लेषण को महत्व नहीं दिया जाता। यह तुम्हें अधिक जागरुकता और अंतरराष्ट्रीय प्रकार से जीवन यापन करने में सहायता करता है ताकि तुम जीवन में अपने मन की करो, न कि जीवन तुमसे अपने मन की करवाए।”

“जर्नलिंग क्या इतनी शक्तिशाली तकनीक है ?”

“हाँ, है।” जुलियन ने मिस विलियम के गार्डन से तोड़े गए एक पके टमाटर का बड़ा ग्रास मुंह में लेते हुए कहा।

“क्या तुम्हें इसे पोंछना नहीं चाहिए, जुलियन?” मैंने आश्चर्य व्यक्त किया।

“तुम कैथरीन बहुत अधिक चिंता करती हो। मैं ठीक रहूंगा। इसके अतिरिक्त जर्नल तुम्हें एक केंद्रीय स्थान उपलब्ध कराता है जहाँ तुम महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में वांछित अंतरदृष्टि लिख सकती हो, महत्वपूर्ण सफलता की युक्तियों का उल्लेख कर सकती हो जो तुमने अन्य लोगों से सीखी हैं या अपने आप ही सीखी हैं और उन सभी बातों को अभिलिखित कर सकती हो जो तुम जानती हो कि उच्चगुणवत्तावाले वैयक्तिक, प्रोफेशनल और आध्यात्मिक जीवन के लिए, जिसकी तुम हकदार हो, बहुत आवश्यक हैं।”

“क्या तुम आध्यात्मिक जीवन विस्तार से बता सकते हो ?”

“निश्चय ही, लेकिन इन दिनों इस शब्द को लेकर तरह-तरह की भ्रांतियां पैदा हो गई हैं। मैं दलाई लामा को उद्धृत करता हूँ जिन्होंने कहा है : जब मैं आध्यात्मिक शब्द का प्रयोग करता हूँ तब उसका तात्पर्य मूलभूत मानवता के अच्छे गुण होता है। ये हैं: मानव प्रेम, अन्य लोगों से जुड़ने का बोध, ईमानदारी, अनुशासन और मानवीय समझ जो अच्छे मन से दिशानिर्देशित हो। कैथरीन ये सभी गुण ऐसे हैं जिनके कारण हम मानव कहे जाते हैं। और हम सभी इन गुणों के साथ ही जन्म लेते हैं।”

“क्या हम हैं ऐसे ?”

“हम सभी अनिवार्य अध्यात्म मानव के रूप में जन्मे हुए हैं-अपनी अपूर्णता में संपूर्ण। दुर्भाग्यवश जैसे-जैसे हम बड़े होते हैं हम नकारात्मक प्रवृत्ति की ओर खिंचने लग जाते हैं - अपने माता - पिता की या फिर अपने गुरुजनों की या फिर अपने परिवेश की नकारात्मकता। अधिकांश व्यक्ति अपने मौलिक स्वयं से दूर बहुत दूर होते चले जाते हैं - उस व्यक्ति से जो वास्तव में वे होते हैं - जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं और अपने विचारों का संसार बुनते हैं और उसमें ही खो जाते हैं। मेरा ध्येय है अपने मौलिक स्वरूप में लौटना और पुनः अपनी खोज करना कि मैं वास्तव में हूँ कौन? उस संपूर्णता को फिर से प्राप्त करना जो मैं पहले कभी धारण करता था लेकिन तब मेरे अंदर इतनी अधिक नकारात्मकता नहीं आई थी जो मेरे चक्षुओं, जिनसे मैं ब्रह्मांड दर्शन करता हूँ, को ढक लेती।”

“अरे वाह, तुमने वास्तव में ही मुझे सोचने पर मजबूर कर दिया है, जुलियन। अब हम वापस जर्नलिज्म की प्रक्रिया पर आ जाते हैं। क्या जर्नल एक डायरी है ?”

“दूसरा उत्कृष्ट प्रश्न किया है तुमने। नहीं, डायरी तो वह है जिसमें तुम घटनाओं को लिपिबद्ध करती हो और जर्नल वह है जहाँ तुम उन घटनाओं का विश्लेषण और मूल्यांकन करती हो।”

“क्या खूब अंतर्दृष्टि दी है तुमने।” मैंने खुश होते हुए कहा।

“जर्नल तुम्हें प्रोत्साहन देगा कि तुम क्या करो, और क्यों करो और तुमने जो अब तक किया है उससे क्या सीखा है। चिकित्सा जगत के अनुसंधानकर्ताओं ने पाया है कि दिन में केवल पंद्रह मिनट तक निजी जर्नल लिखने

से भी स्वास्थ्य में, इम्यून सिस्टम में और समग्र प्रवृत्ति में सुधार हो सकता है। मेरी छोटी बहिन तुम जान लो कि यदि तुम्हारे जीवन में सोच का महत्व है-और वह है ही - तो उसे लिखने का भी महत्व है।”

“बहुत अच्छी सलाह है।”

“जो स्वयं को पुनः ऊर्जस्व और वैयक्तिक मास्टरी करने की मेरी अंतिम संस्तुति पर आ जाता है: साप्ताहिक अध्ययन अवकाश लो।

“कारोबार जगत में अध्ययन अवकाश लेना आजकल बहुत ही सामान्य बात हो गई है। मेरे एक प्रबंधक ने मुझे एक प्रस्ताव दिया है जिसमें उसने अपने परिवार के साथ एक वर्ष की छुट्टी लेकर विश्व भ्रमण करने के लिए अनुरोध किया है। उसने कहा है कि उसे नहीं पता कि कौन उसके बच्चे हैं और अपनी पत्नी के साथ उसका संबंध अब नहीं रहा है। जरा सोचो कि मेरा क्या उत्तर नहीं होना चाहिए?” मैंने मुस्कुराकर कहा।

“मैं जानता हूँ। तुम्हारे लिए बहुत अच्छा है। लेकिन जिस तरह के अध्ययन अवकाश की बात मैं कर रहा हूँ उसमें नाटकीयता बहुत ही कम है, परंतु उसकी प्रभाविता में कोई कमी नहीं है। पुरातन विश्व में सप्ताह के सातवें दिन को सब्बाथ कहा जाता था। इसे जीवन के कुछ महत्वपूर्ण लेकिन अधिकतर अनछुए कामों के लिए आरक्षित रखा जाता था, जिसमें अपने परिवार के साथ मिल बैठकर समय बिताना और अपने किसी शौक को पूरा करना भी शामिल है। सब्बाथ का दिन कठिन परिश्रम करनेवाले लोगों को उनकी बैटरी री - चार्ज करने और एक पूरा दिन भरपूर मजे करने का अवसर उपलब्ध कराता था। जैसे-जैसे जीवन की गति तेज रफ्तार होती गई, यह कमाल की परंपरा भी लुप्त होती गई और साथ ही लुप्त हो गए ढेरों वैयक्तिक लाभ जो इससे ही निसृत होते थे। मैं तुम्हें इस रीति को तुम्हारे अपने जीवन में पुनः स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहूँगा। सप्ताह में एक दिन उन कामों के लिए अलग रखो जिन्हें करने में तुम आनंद पाती हो लेकिन कभी भी उनसे बचने का उपाय मत सोचो। तुम इसे सप्ताहांत में ले सकती हो अथवा, अपनी समय-सरणी की परिवर्तनीयता के अनुसार, तुम्हारा अध्ययन अवकाश मंगलवार या बृहस्पतिवार को पड़ सकता है। बड़ी बात यह है कि तुम्हें सुनिश्चित करना है कि स्वयं के प्रति कुछ दयालुता का प्रदर्शन करने में एक सप्ताह भी हाथ से निकलना नहीं चाहिए।”

“मेरे मस्तिष्क में दो प्रश्न तात्कालिक रूप से उभरे हैं। प्रथम, क्या मुझे इस साप्ताहिक अध्ययन अवकाश के दिन अकेला ही होना चाहिए और द्वितीय, मैं किस प्रकार के कामों को करूँगी?”

“हाँ, इसे निश्चय ही अकेले ही करना है। यह तुम्हारे लिए अवसर है विचार मंथन का और स्वयं से जुड़ने का। यह तुम्हारे लिए अवसर है कि तुम अकेले जंगल में टहलने निकलो और अपने चेहरे पर ताजी हवा के झोंकों का स्पर्श महसूस करो। यह तुम्हारे लिए अवसर है कि तुम आगामी बैठक के लिए भागदौड़ की चिंता से मुक्त होकर गली के गवैये को रुककर सुनो। यह तुम्हारे लिए अवसर है कि तुम अपनी पसंद के बुक स्टोर में जाकर वहाँ शेल्व्स में रखी पुस्तकों में हॉट चॉकोलेट की चुस्कियां लेते-लेते खो जाओ। यह तुम्हारे लिए अवसर है कि तुम बिना जूते के नंगे पैर किसी पार्क में डांस करो या बारिश के बाद मकड़े के जाले को गौर से देखो - पूरी तरह ध्यान मग्न, शरीर तथा मन से केंद्रित होकर। वास्तव में यह स्वर्णिम अवसर है शेष जीवन में प्रत्येक सप्ताह जीवन को संपूर्णतया जीने का।”

“तो सप्ताह में एक दिन का अध्ययन अवकाश स्वयं मेरे लिए उपहार होगा,” मैंने कहा।

“बिल्कुल उचित कहा तुमने। वास्तव में ऐसा ही है। सप्ताह भर अच्छी तरह काम करने के लिए यह तुम्हारा पुरस्कार है। और निस्संदेह यह तुम्हें खुश और ताजा, ऊर्जावान, चिंतामुक्त और सामान्य रखने में बहुत ही कारगर सिद्ध होगा। यह तुम्हारे समय का सर्वोत्तम उपयोग है और ऐसा निवेश है जो तुम्हें पूरे सप्ताह माता - पिता, पार्टनर और व्यक्ति के रूप में अपनी भूमिका का निर्वाह सर्वोच्च क्षमता के साथ करने देगा।”

“तुम तो जानते हो कि यह आदत मुझे आश्चर्यजनक परिणाम देगी, मैं तो सिर्फ इतना ही जानती हूँ। यह मुझे थोड़ा श्वास लेने का मौका तो देगा ही। मैं सोचती हूँ कि मैं इसकी शुरुआत इसी शुक्रवार से कर दूँ। सुबह की शुरुआत एक संदेश के साथ हुआ करेगी। इसके बाद मैं अपना जर्नल किसी प्राकृतिक स्थल पर बैठकर लिखूँगी। और मैं नदी किनारे के नए रेस्तोरां में दिन का लंच निरामिष (वेजिटेरियन) आहार से करूँगी।

“वहाँ का आहार उत्कृष्टता से परिपूर्ण है,” जुलियन ने बीच में कहा। उसका स्वामी कभी मेरा मुक्किल हुआ करता था। जब भी मैं वहाँ जाता हूँ, वह मेरी खातिरदारी किसी प्रिंस की तरह करता है और लहसुन का उपयोग खाने में मेरी पसंद के अनुरूप करता है। अम्म, अम्म-लहसुन शक्ति! मैं भाग्यशाली हूँ कि मुझे इस फीस्ट (जायकेदार पकवान) के बाद अपना कमरा किसी अन्य के साथ साझा नहीं करना पड़ता।” उसने चहकते हुए कहा

।

“तुम तो कुछ ज्यादा ही बातें करते हो, जुलियन। मुझे कुछ नहीं पता जुलियन कि तुम आजकल कहाँ गायब हो जाते हो। तुम कभी-कभी तो घंटों गायब रहते हो। मैंने संभल-संभल कर कहना जारी रखा। कभी तो हमें तुम्हारे कमरे से आरी के चलने की आवाजें आती हैं। और कभी हथौड़ियाँ चलने की भी आवाजें आती हैं। फिर कभी हमें सुनाई पड़ता है कि तुम मध्य रात्रि में कमरा छोड़कर कहीं जा रहे हो। मैं चाहती हूँ कि तुम स्वतंत्रतापूर्वक रहो लेकिन मैं सच कहती हूँ कि मुझे तुम्हारी बहुत अधिक चिंता होती है।”

“मेरी फिक्र करने के लिए धन्यवाद कैथरीन। मेरे पास बहुत सारे काम हैं जो मुझे करने होते हैं और मुझे लोगों से मिलना होता है।” एकमात्र जवाब यही मिला जिसकी मैं उम्मीद करती थी।

“ओके, प्रत्येक सप्ताह अध्ययन अवकाश लेने के सुंदर आयडिया पर लौट आते हैं जो मुझे अपने आपको पुनः ऊर्जावान बनाने के लिए लेना चाहिए। कोई अन्य बात जो मुझे इस बारे में जाननी जरूरी हो सकती है?”

“बिल्कुल ठीक, मैं समझता हूँ कि तुम अब सही रास्ते पर हो। इस समय का उपयोग तुम खेलने-कूदने, नृत्य करने, विचार-मंथन करने, अपनी आत्मा को नई खुराक देने और जीवन के आश्चर्य को जानने में करो। यह तुम्हें एक अनोखा अवसर देता है कि तुम कृतज्ञता के प्रति अपना दृष्टिकोण विकसित करो। प्रत्येक सप्ताह कुछ समय निकालकर अपने जर्नल में सभी से मिली शुभकामनाओं को लिख डालो। स्मरण रहे कि जिस पर भी तुम्हारा ध्यान केंद्रित होगा उसमें श्रीवृद्धि होगी, जो तुम सोचोगी उसमें विस्तार होगा और जिसका तुम विचार मन में लाओगी वह तुम्हारे गंतव्य का मार्ग निर्धारित करेगा। तुम्हारे जीवन के सभी पक्ष जिन पर तुम सर्वाधिक ध्यान देती हो, उन्हें तुम बड़े आश्चर्य के रूप में खिलते हुए पाओगी। तो अपने जीवन की सभी अच्छी बातों पर ध्यान केंद्रित रखो और तुम उन्हें साकार होते हुए पाओगी। जीवन के कष्ट वर्तमान परिस्थितियों और उन परिस्थितियों को तुम्हारे मन के मुताबिक जैसा होना चाहिए था उसके बीच का अंतर से अधिक और कुछ नहीं है यदि तुम वर्तमान परिस्थितियों की वास्तविकता को आशीर्वाद समझ कर स्वीकार कर सको लेकिन हमेशा यह महसूस किए बिना कि अन्य के जीवन की तुलना में तुम्हारा जीवन खोखला है तुम ज्ञान प्राप्त करने की दिशा में लंबी छलांग लगा जाओगी। वास्तव में ऐसा व्यक्ति बनने का प्रण करो जो अपना जीवन निरंतर रूप से कृतज्ञता और सकारात्मक आशाओं के दीप जलाकर व्यतीत करता है। सपने भी देखो तो बड़े देखो, जिस स्थान पर तुम अपने आपको किसी भी समय पाती हो उस स्थान को सुवासित रखो। यह मार्ग वास्तव में उतना ही सुंदर है जितना इसका अंत। जब तुम अपने मस्तिष्क को इस फ्रेम में ढाल लोगी, प्रकृति तुम्हारे ऊपर निश्चय ही खुशहाली की झड़ी लगा देगी। मुझे सीसेरो के कहे हुए शब्द बहुत पसंद हैं : ‘कृतज्ञता सभी गुणों में मात्र सर्वोच्च ही नहीं, अपितु शेष सभी गुणों की माता भी है।’”

जुलियन इसके बाद गार्डन के मध्य में टहलना शुरू हो गया। उसकी बाँहें ऐसी फैली हुई दिख रही थीं मानोकि उन्हें स्वर्ग से किसी उपहार के मिलने की उम्मीद हो वह भी इसलिए क्योंकि उसने मुझे बुद्धिमत्ता और प्यार का पाठ बांटा था। जैसे ही उसकी बाँहें ऊपर उठीं प्रकाश का एक पुंज पूरे आकाश में कौंध गया। “क्या तुमने भी वही देखा?” वह पूरे जोश में भरकर चिल्लाया, उसका चेहरा पूरी तरह उल्लास से भर उठा था और आंखें फैली हुई थीं।

“विश्वास नहीं होता, क्या था वह?”

“मैं भी निश्चित तौर पर कुछ नहीं कह सकता, जुलियन ने जवाब दिया। लेकिन इससे मेरे मन में एक बात आई है जो मैं सुबह से ही तुम्हारे साथ साझा करने की सोच रहा था, कैथरीन।”

“कौन सी बात?”

“तुम प्रकाश बनो। अपने बच्चों के लिए तुम प्रकाश का काम करो और उनका मार्गदर्शन करो। जॉन के लिए तुम प्रकाश बनो और उसके जीवन को प्रकाशमय करो। और इस संसार के लिए प्रकाश बनो ताकि यह संसार रहने के लिए बेहतरीन, बुद्धिमत्तापूर्ण, अधिक शांतिपूर्ण स्थल बन सके। तुम तो असाधारण प्रतिभावाली महिला हो। जो पाठ मैंने तुम्हें सिखाए हैं उनको सीखो और उन्हें इस तरह उपयोग में लाओ कि तुम वह व्यक्ति बनकर उभरो, जिसे मैं अपने हृदय की गहराई से जानता हूँ, जो तुम्हें होना चाहिए था। अब से जो भी काम तुम करोगी उसमें तुम्हें शिखर पर होना है और पूरे मनोयोग से उसे पूरा करना है। जहाँ कहीं अंधकार हो वहाँ तुम रोशनी बन जाओ। जहाँ कोई रास्ता भटक जाए वहाँ तुम उसके गाइड बन जाओ। और कभी मत भूलो कि एक प्यार से भरा हृदय और आत्मबल से लबालब आत्मा इस पृथ्वी को इतने प्रकार से सुधारेगी कि तुम कभी उसके बारे में सोचना भी शुरू नहीं

कर सकोगी ।”

इतना कहकर जुलियन नीचे उतर गया और अपने हाथ मिट्टी में घुसाना शुरू हो गया और गहराई तक खोदता चला गया । वह गहरा और गहरा खोदता गया, उसके चेहरे के भावों से पता चलता था कि वह कितना एकाग्रचित है जो उसकी दाँतों तले उंगली दबा लेनेवाली सफलता, जो उसने अपने संपूर्ण जीवनकाल में अर्जित की थी, के कई मार्ग में से एक था ।”

उत्साह में आकर किए गए काम के कुछ ही देर बाद जुलियन रुक गया । उसकी भौंहों पर पसीने की बूंदें पनाह पा रही थीं, और उसका वह लबादा गंदा हो चुका था । जुलियन शीघ्रता से उस बिलुकुए में घुसा जो वह खोद रहा था और उसमें से कोई वस्तु निकाली जिसकी तरह की अन्य कोई वस्तु मैंने अपने जीवन में कभी नहीं देखी । वह लगभग पाँच इंच लंबी, पत्थर से बनी, और हाथ फैलाए हुए मनुष्य की मुद्रा में थी ।

“वह क्या है ?” मैंने धड़कते कलेजे से पूछा ।

“इसे इनुकशुक कहते हैं । इनका जन्म आर्कटिक में हुआ था, जो धरती पर सबसे कम आबादीवाली जगह मानी जाती है । लेकिन हमें बहुत से पाठ यहाँ सीखने को मिलते हैं कि मानव समुदाय को किस तरह रहना चाहिए । इनुइट साहित्य के अनुसार इनुकशुक हमारे जीवन की सुरक्षित यात्रा के लिए मार्गदर्शिका है और प्रतीक है इस बात का कि हममें से प्रत्येक का कर्तव्य है कि वह उनके मार्ग को प्रकाशमय करें जो मार्ग से भटके हुए हैं । सदियों से पाई जानेवाली पत्थर की मानव जैसी ये आकृतियाँ आर्कटिक के बंजर और बियाबान में यात्रियों का मार्गदर्शन करती रही हैं और भटके हुए लोगों का पथ प्रदर्शन किया है । तुम मेरी प्यारी बहिन प्रकाश बनने की तैयारी में हो - एक अनोखा गाइड - जो तुम्हारे परिवार का मार्गदर्शन और उन अन्य लोगों का मार्गदर्शन जिनके जीवन का स्पर्श तुम्हारे हाथ करेंगे, जीने के अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण तरीके से करेगा । मैं जानता हूँ एक न एक दिन यह अवश्यसंभावी है । और इसीलिए जबकि भारत में मेरी आंखें बिल्कुल ही एक नई तरह की सच्चाई को देख रही थीं, मैंने इस उपहार को यहाँ तुम्हारे लिए लाने की व्यवस्था की । उस समय तो मुझे यह मालूम नहीं था कि कब मैं इसे तुम्हें दे पाऊंगा या मैं इसे यहाँ तक ला भी पाऊंगा । लेकिन मैंने अपने दिल पर भरोसा किया और मुझे जवाब हाँ में मिला, बिल्कुल उसी जगह पर जहाँ इसे होना चाहिए था ।”

जब मैं वहाँ पहुँची और मैंने जुलियन के खुले हुए हाथ से इनुकशुक को अपने हाथ में लिया, मैंने देखा कि उसकी पत्थर की सतह पर चार शब्द खुदे थे । सरल शब्दों में लिखा था: “जीवन के प्रति अपना ध्यान दो ।” इसने मुझे हेनरी मुलर के शब्दों की याद दिला दी जिसे जुलियन ने बड़े अक्षरों में यहाँ की छत के बीचोबीच में लिखा था :

जिस छण व्यक्ति किसी भी चीज पर, यहाँ तक कि तिनके के किनारे पर भी, अपना ध्यान केंद्रित कर देता है, पूरे विश्व में वह चीज अपने आप ही विलक्षण अद्भुत अवर्णनीय परम आकर्षक बन जाती है ।

परिवार के नेता की पाँचवी मास्टरी

वंशानुगत उपहार के माध्यम से अपने बच्चों को अनश्वरता प्रदान करें।

बहुत कम लोगों में इतिहास को बदल डालने की महानता होती है लेकिन हममें से प्रत्येक घटनाओं के एक छोटे से भाग को बदलने की दिशा में कार्य कर सकता है और ऐसे सभी कार्यों के सकल परिणाम को इस युग के इतिहास के रूप में लिखा जाएगा।

रॉबर्ट एफ. केनेडी

प्रत्येक के जीवन में कभी न कभी कोई ऐसा मौका आता है, जिसके लिए उसका जन्म हुआ होता है। वह मौका जब वह अपने हाथ में कर लेता है, तब उसका मिशन पूरा हो जाता है-जिस मिशन के लिए वह विलक्षण रूप से अर्हताप्राप्त है। उस मौके में वह अपनी महानता को प्राप्त होता है। यह उसके जीवन का वर्णिम छण होता है।

विंस्टन चर्चिल

मैं वर्षों से ऑक्सफोर्ड मूवी हॉल में नहीं गई थी। जब यह अपने पूरे चरम पर था, उन दिनों पूरे शहर में इसे मूवी देखने के लिए सबसे अधिक मनोरंजक स्थान माना जाता था क्योंकि उसी भीड़ में स्टार्स के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आप चल सकते थे और शनिवार की रात को यादगार बनाया जा सकता था। लेकिन शीघ्र ही वह भीड़ अब दूसरी जगहों की ओर मुड़ गई थी और मालिकों ने ऑक्सफोर्ड को बंद ही कर दिया। भले ही मूवी अभी भी वहाँ चलती हैं लेकिन बड़ी रिलीज नहीं और थियेटर बहुत हुआ तो आधा भरा हो सकता है।

वह मंगलवार की रात थी जब जुलियन ने मुझे कोई डॉक्यूमेंटरी देखने के लिए वहाँ शाम को सात बजे का शो देखने आने के लिए कहा था। डॉक्यूमेंटरी ओसिओला मैक कार्टी नाम की महिला के जीवन पर थी जिसका नाम था द वाशरमैन हू टच्छ द वर्ल्ड। मैं डॉक्यूमेंटरी के बारे में या उस महिला के बारे में, जिस पर वह फिल्म बनी थी, बिल्कुल कुछ भी न जानती थी लेकिन जुलियन ने कहा कि मेरे लिए आवश्यक है कि मैं उस महिला के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त करूँ और मुझे अपने भाई के साथ मूवी देखने का विचार भा गया।

मिस विलियमसन के बैंक गार्डन में परिवार के नेता की चतुर्थ मास्टरी सीखने के बाद से छह सप्ताह बीत चुके हैं, मेरे जीवन में परिवर्तन आने शुरू हो गए जिन्हें चमत्कार से कम कुछ भी नहीं कहा जा सकता। मैंने जुलियन की सलाह मानी और फाइव ओ क्लॉक क्लब की आजीवन सदस्यता ग्रहण कर ली। सर्वप्रथम तो मैं निश्चित रूप से तय नहीं कर पा रही थी कि मैं इतनी सुबह उठ भी पाऊँगी लेकिन प्रारंभ के कुछ पीड़ादायी सप्ताहों के बीत जाने के बाद आदत ऐसी पड़ी कि जैसे ग्लोव की फिटिंग। सुबह जल्दी उठने के कारण अतिरिक्त घंटों में मैं प्रकृति के साथ बातचीत करती, ध्यान लगाती और मेरे लिविंग रूम में रखी कॉफी टेबल पर जुलियन की छोड़ी हुई फिलॉसफी की पुस्तकों को पढ़ने का आनंद उठाती। या मैं अपने समय का उपयोग अपने दिनों की प्लानिंग करने, जीवन को जीने के लिए युक्तियाँ ढूँढने और अपने सपनों को और भी स्पष्टरूप देने में बिताती। कई सुबह तो मैं अपने साफ-सुथरे डेन में शांति का आनंद लेते हुए बैठती और खिड़की के बाहर बड़े गुलाब के बागीचे को देखती जो मेरे और जॉन दोनों ही के लिए बहुत प्यारा है और उस पवित्र वातावरण को निहारती। एकांतवास के उन दिनों में मुझे गहरी अंतर्दृष्टि प्राप्त हुई जो इस बारे में थी कि किस प्रकार मैं अपने शेष दिनों को व्यतीत करूँगी और मेरे मूल्यों के बारे में थी जिसे मैं इस संसार को दे सकती थी यदि मैं वास्तव में अपने परिवार के लिए वांछित नेतृत्व दे पाती। फ्रांसीसी फिलॉसफर जिसने कहा था कि मनुष्य के सभी कष्टों के मूल में है उसका किसी कमरे में एकांत चुपचाप बैठ पाने में सक्षम न होना, कितना सच कहा था।

मैं अपनी सोच के उच्च स्तरों पर पहुँच चुकी थी और वहाँ पर छह सप्ताहों से अधिक समय से रहने के परिणामस्वरूप नई सोच और भावनाओं का अनुभव कर पा रही थी जिन्हें, मैं मानती हूँ, मैंने पहले कभी सोचा ही नहीं। मैं अब इस संसार को सुंदर और खुशहाल स्थान पा रही थी और अंततः यह महसूस करने लगी कि इसके भीतर मेरी भूमिका महत्वपूर्ण जरूर है। मैं अब जॉन को और अपने दोनों बच्चों को इतना अधिक प्यार दे पा रही

थी कि जितना इससे पहले कभी मैंने दिया नहीं था और इसके बदले में मुझे उनसे भी इतना अधिक प्यार मिल रहा था जिसकी कल्पना भी मैंने नहीं की थी। अंधकार जो मेरे हृदय में घर कर गया था धीमे-धीमे छंट चुका था और मैं अपने आस-पास की हर चीज को अद्भुत और आकर्षक पाने लगी थी। जुलियन ने कहा था कि ऐसा ही होगा। और वही हुआ।

मंदिर की देखभाल करने की जुलियन की सलाह रंग लाई। मेरी ऊर्जा के स्तर में बहुत ही ठोस सुधार हुआ तथा मेरे मूड में भी विलक्षण सुधार दिखाई देने लगा। अब जॉन तथा बच्चों के साथ मेरा मन अधिक से अधिक रमने लगा था और मैं अपने आपके लिए अधिक समय दे पा रही थी। जर्नल रखने से मुझे सबसे बड़ा लाभ यह था कि मैं प्रत्येक दिन को कैसे जी रही थी, इसके बारे में अपनी जागरूकता को ऊंचाइयों तक ले जाने में समर्थ हो सकी थी तथा इसके बाद के दिन को अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण ढंग से जीने के लिए प्रस्तुत होती थी। और साप्ताहिक अध्ययन अवकाश संकल्पना ने मुझे अपनी आत्मा और खुशियों-जो मैं पता नहीं कितने वर्ष पहले कहीं गंवा चुकी थी-के आंतरिक भावों से जोड़ दिया था। मैं महसूस कर पा रही थी कि मैं अपनी महानता को बाहर ला रही थी, जुलियन संभवतः यही कहता और इस प्रक्रिया में मैं अपने सर्वोत्तम रूप में निखर रही थी।

लेकिन साथ ही मैं यह भी स्वीकार करती हूँ कि मैं थोड़ा दुःख भी महसूस कर रही थी। भले ही उसने कभी खुलकर नहीं बताया लेकिन मैं जानती थी कि वह हमें छोड़कर जाने की तैयारी में था। एक दिन शाम को जब हम सब परिवार के लोग खाना खाने बैठे, जुलियन ने जॉन से पूछा कि किसी व्यक्ति को बस से मेक्सिको जाने में कितना समय लगता होगा। दूसरी रात उसने पोर्टर से कहा कि वह उसे इंटरनेट से कनाडा का नक्शा निकालकर दे। और एक दिन जुलियन को फेडेक्स पैकेज मिला जिस पर लिखा था इसके साथ इटली के बारे में सूचना पैकेज प्राप्त करें। मेरा अनुमान था कि मेरे हृदय में मैं जानती थी कि जुलियन मुझे उन पाठों की शिक्षा देने के लिए आया था जिनकी आवश्यकता मुझे अपने जीवन में सर्वाधिक थी और जब मैं उन पाठों को सीख गई तब उसे अपने अगले प्रोजेक्ट की खोज में निकल जाना था। लेकिन मेरा मस्तिष्क इस सत्य को स्वीकार नहीं कर पा रहा था कि शेष जीवन मुझे अपने भाई, जिसे मैं इतना प्यार करती हूँ, की प्रज्ञात्मक अनुपस्थिति में बिताना होगा।

गैरेज के ऊपर बने जुलियन के कमरे से आते विस्मयजनक शोर की निरंतरता मेरी चिंता को और भी बढ़ा रहा था। हथौडियाँ चलने, आरी चलने और कभी-कभी रेती भरने जैसी आवाजें दिन में कई घंटे तक रहा करतीं और दिन के अंत में जुलियन चेहरे पर चौड़ी मुस्कुराहट बिखेरते हुए बाहर आता और उसके लबादे पर लकड़ी के बुरादे चिपके हुए दिखते। वह मुझे नहीं बताता कि वह क्या कर रहा था। और न ही मैं उससे पूछती कि ऊपर वह क्या करता रहा था। हेनरी डेविड थोर ने लिखा है यदि कोई मनुष्य अपने साथियों के साथ कदम से कदम मिलाकर नहीं चल सकता तो संभवतः उसके पीछे कारण यही है कि वह किसी और ही धुन को सुन रहा होता है। उसे उस संगीत पर थिरकने दो जो वह सुन रहा है भले ही वह कितना भी सीमित और कितनी भी दूर क्यों न हो। जुलियन को उसकी आजादी देना, मेरे लिए ऐसे ही था जैसे उसे उसकी पसंद की धुन पर थिरकने देना।

जब मैं मूवी हॉल के अंदर दाखिल हुई, मुझे जुलियन की उपस्थिति का कोई संकेत नहीं दिखा। उसने मुझे कहा था कि मैं सातवीं पंक्ति में बैठ जाऊंगी और यदि वह बिलंब से आता है तो उसके लिए एक सीट बचा कर रखूंगी। जैसे ही बत्तियाँ सुप्तप्राय हुई, एक अशर (टिकट देखकर सीट बतानेवाला व्यक्ति) कमरे के बीचोबीच आ खड़ा हुआ, और स्पाॅटलाइट उसके युवा चेहरे को नहला रही थी। उसने बोलना प्रारंभ किया। “गुड ईवनिंग लेडीज एण्ड जेंटलमेन। आज की रात यहाँ ऑक्सफोर्ड में हमारे साथ एक बहुत ही विशेष महिला पर बनी डॉक्यूमेंटरी को देखने आने के लिए आप सबका बहुत-बहुत धन्यवाद। कृपया अपने सेलफोन ऑफ करें और शो का आनंद लें।” थियेटर में अब पूरी तरह अंधेरा था, और फिल्म के प्रारंभ का संगीत बजना शुरू हो गया। इसी समय मैंने अपनी बाँह पर महसूस किया जैसे कोई टैप हो। मैंने सिर घुमाया और देखा कि जुलियन हाथ में पॉपकार्न के दो बड़े बैग, स्प्रिंग वाटर की दो बड़ी बोतलें और जेलीबीन्स का बैग लिए खड़ा था। उसकी पीठ पर एक छोटा बैग लदा था जिसके कारण उसके लबादे के आगे के हिस्से पर क्रीजें पड़ गई थीं।

“माफ करना मेरी छोटी बहिन मुझे आने में देर हो गई। मैं घर पर कुछ चीजों की सफाई कर रहा था।” उसने बड़ी सी मुस्कुराहट चेहरे पर लाते हुए कहा।

“कोई बात नहीं जुलियन। मैं सोचने लगी थी कि मैं भी आज की रात जाग कर ही बिताऊंगी। जैसे ही वह बैठा और उसने मुझे मेरे हिस्से का भक्ष्य मेरे आगे किया, मैं हंस पड़ी।

“कोई चांस नहीं कैथरीन ।” मैं पूरे सप्ताह आज की इस रात की उम्मीदें लगाए बैठा था । यह एक अनोखी कहानी है ।” उसने मेरी ओर बढ़ते हुए और मुझे मेरी पेशानी पर हल्का सा चुंबन अंकित करते हुए उत्तर दिया ।

ओसिओला मैककारटी के जीवन की कहानी वास्तव में ही अनोखी कहानी थी । उसकी आंखें गरीबी में खुलीं, बिल्कुल ही छोटे से घर में पली बढ़ी और गली में जाकर बनिया की दूकान से सौदा खरीदने और अपने चर्च जाने के अलावा उसने घर के बाहर कहीं और अपना कदम रखा ही नहीं था । वह अपना गुजारा दूसरे लोगों के गंदे कपड़े धोकर, सावधानीपूर्वक गिलट और डाइम (दस सेंट) बचाकर और बदले में मिले क्वाटर्स से चलाती थी । वह नहीं जानती थी कि ड्राइव कैसे करे और उसने आजीवन ब्याह नहीं रचाया - भले ही उसने किसी रिपोर्टर से, जब वह अपने अस्सी वर्ष के आसपास रही होगी, कहा था कि वह अब भी किसी आकर्षक व्यक्तित्ववाले पुरुष की बाट जोह रही है । ओसिओला का जीवन सीधा-सादा, सादगी भरा और मितव्ययी था । जो भी वह प्रतिदिन, प्रति सप्ताह और प्रतिमाह कमाती थी उसे सहेज कर जमा करती जाती थी और इस तरह करते-करते दशक के बाद दशक बीतते गए ।

एक दिन जब वह सतासी वर्ष की थी, अपने स्थानीय बैंक में गई और उसे एक बैंकर ने यह कहकर उसका स्वागत किया कि क्या उसे तनिक भी आडिया है कि उसने अपनी दैनिक छोटी रकम बचाते बचाते, जो वह अपने पूरे जीवनकाल में करती चली आई थी, कितनी बड़ी रकम जमा कर ली है । जब उसने प्रकट किया कि उसे कोई आयडिया इस बात का नहीं है, तब वह बैंकर मुस्कराया और उसे जानकारी देते हुए बताया कि चौथाई मिलियन डॉलर की रकम से भी अधिक रकम उसके बैंक खाते में जमा है । जब बैंकर को लगा कि ओसिओला को यह रकम कितनी बड़ी है इसका अंदाज शायद नहीं था तो उसने दस डाइम निकालकर काउंटर पर रख दिए । “ये दस डाइम हैं जो तुम्हारी रकम का प्रतिनिधित्व करते हैं, ओसिओला । तुम इस रकम का क्या करोगी?” उसने प्रथम डाइम की ओर इशारा करते हुए कहा कि वह इसे चर्च को देगी । इसके बाद के तीन डाइम उसने अपनी भतीजियों और भतीजों के लिए अलग किए । और इसके बाद ओसिओला के चेहरे पर प्यारी सी मुस्कराहट तैर गई जब उसने कहा कि शेष रही रकम वह किसी बहुत ही खास काम के लिए उपयोग में लाएगी ।

एक महीने के बाद ओसिओला के गृहनगर के विश्वविद्यालय को \$, ५०, ००० डॉलर का चेक ओसिओला से प्राप्त हुआ इस अनुरोध के साथ कि इस रकम का उपयोग गरीब छात्रों को उनका स्वप्न पूरा करने में सहायता देने के लिए छात्रवृत्ति कोष की स्थापना करने के लिए उपयोग में लाई जाए । मैंने डॉक्यूमेंटरी से पता किया कि मानवता के इस एक कृत्य ने विश्व भर में लोगों के दिलों को छू लिया । ओसिओला को राष्ट्रपति से और प्रधानमंत्री से सम्मान प्राप्त हुआ और हारवर्ड विश्वविद्यालय, जो जुलियन की मातृ संस्था थी, से सम्मान स्वरूप डॉक्टोरेट प्राप्त हुआ । इतना नाम पाने के बाद भी उसने यही कहा कि वह फिर भी अपना जीवन साधारण और सैद्धांतिक तरीके से जीना चाहती है । लेकिन उसका एक सपना था - वह अपनी छात्रवृत्ति कोष की सहायताप्राप्त प्रथम विद्यार्थी को ग्रेजुएट होते हुए देखना चाहती थी । लेकिन उसने दबी जुबान में यह भी कहा कि वह इतनी अधिक आयु की हो चली है कि उसका यह सपना शायद ही पूरा हो पाए । लेकिन ओसिओला की मृत्यु से एक माह पूर्व, उसके द्वारा स्थापित छात्रवृत्तिकोष से सहायताप्राप्त प्रथम छात्र ने मंच पर पहुँचकर उसका रिवाइड प्राप्त किया ।

ओसिओला की मृत्यु के पश्चात एक रिपोर्टर उस युवा छात्रवृत्तिधारक के पास गया और उससे पूछा कि वह अपने हितकारी की मृत्यु पर प्रतिक्रिया व्यक्त करना चाहेगा । उस छात्र का उत्तर था : “स्वर्ग में भी उससे अच्छे फरिश्ते नहीं होंगे । वह संपूर्ण पृथ्वी के लिए ईश्वरी प्रेरणा, आशीर्वाद और कोष थी ।”

डॉक्यूमेंटरी समाप्त हो जाने पर रिक्त मूवी हाल में जुलियन ने बोलना प्रारंभ किया ।

“मानवजाति में वास्तविकता को ढूँढने की सर्वसाधारण उत्कंठा ने पूरे विश्व को हीरोइज्म के लिए अनिवार्यतः एक थियेटर बना दिया है ।” ये पहले शब्द थे जिसे उसने बीसवीं शती के प्रारंभ में हुए सायकोलॉजिस्ट विलियम जेम्स से उद्धृत किया । मैं तुम्हारे साथ यहाँ इस पुराने थियेटर में आया, जिसे यह शहर भुला चुका है, इस अनिवार्य सीख को बताने के लिए ।

“तुम्हारा जीवन कैथरीन अंततः हीरोइज्म के लिए एक थियेटर ही है । तुम्हारे जीवन के शेष रहे दिन-और भी बहुत आंगे-अनिवार्य रूप से नेतृत्व और दयालुता के अच्छे कार्य के लिए स्टेज बनेंगे ।” जुलियन ने आवेशात्मक भाव में बहते हुए कहा । मेरी हिम्मत नहीं हुई कि मैं उसे बीच में टोकती ।

“ओसिओला मैककारटी के जीवन को देखो,” उसने कहना जारी रखा । वह एक छोटे से घर में रहती थी और संसार में उसे कोई नहीं जानता था । लेकिन फिर भी उसने अपने प्रतिदिन के अंशदान से -पूरी जिंदगी एक अच्छे

कार्य के लिए उन सिक्को को जमा करती रही- पूरी दुनिया को कितना सुंदर उपहार दिया। इस महिला ने अपने पीछे कितनी सुंदर विरासत छोड़ी है।”

“क्या हममें से किसी के पास भी इस तरह की विरासत उपहार में देने का दिल है?” मैंने धीमे स्वर में पूछा।

‘हाँ, है। वास्तव में मैंने एक संन्यासी से सीखा था कि हममें से प्रत्येक अपने जीवन में कुछ न कुछ विशेष करने के लिए प्रोग्राम्ड है ताकि इस जहाँ को छोड़कर जाने के बाद वह दूसरों के दिल में जिंदा रह सके। लेकिन सबसे बड़ी दुःखद बात यह है कि हममें से अधिकांश यही सोचते हैं कि कोई महत्वपूर्ण विरासत उपहारस्वरूप छोड़कर जाने के लिए उन्हें कुछ बहुत ही महान काम करने होंगे। ऐसा होने पर ही हम महसूस करते हैं कि हमारा जीवन सफल रहा और हमने अपने सर्वाधिक बड़े कर्तव्य का निर्वाह किया। लेकिन हममें से अधिकांश लोगों से ऐसा करना कतई अपेक्षित नहीं है। इस संसार में यदि हम अपनी कोई सार्थक निशानी छोड़ना ही चाहते हैं तो हमें अपने प्रतिदिन के महानता भरे छोटे-छोटे काम करने होंगे। जब तुम इसे करोगी तब तुम्हारा विरासती उपहार अपने आप ही पूरा हो जाएगा।”

“उसी तरह जिस तरह ओसिओला मैककार्टी ने छोटा ही सही प्रतिदिन-दिखने में बिल्कुल ही महत्वहीन-उन सिक्कों को अपने खाते में जमा करने का काम करती थी जो बढ़ते-बढ़ते उसके जीवन के अंतिम समय में बहुत बड़ा कोष बन गया?” मैंने पूछा।

“बिल्कुल सही कहा,” जुलियन ने संतोषजनक भाव से उत्तर दिया। छोटे काम प्यार से और ध्यान से करो बड़े काम अपने आप ही बन जाएंगे। और वास्तव में यही बात परिवार के नेता की पाँचवी और अंतिम मास्टरी कहता है। अपने बच्चे को विरासती उपहार के रूप में अनश्वरता का उपहार दो।

“यह तो बिल्कुल ही अनोखा लगा,” मैंने प्रफुल्लता और दुःख मिश्रित स्वर में कहा-यह अंतिम पाठ था जो मुझे जुलियन से सीखना था।

जितने भी प्रकार की मास्टरी हैं, उन सबमें यह सर्वाधिक प्रमुख है, कैथरीन। यह वह पाठ है जिसमें तुम्हें पोर्टर और सरिता को सिखाना है कि दिवस के अंत में मनुष्य रूप में उनकी नियति है किसी ऐसे काम के लिए जीवन जीना जो स्वयं से जीने से अधिक महत्वपूर्ण है। और यदि वे इस चुनौती को स्वीकर करते हैं, जैसाकि मैं जानता हूँ वे अवश्य करेंगे, वे अनश्वरता को प्राप्त कर लेंगे, कहने का तात्पर्य कि वे उनके दिलों में रहेंगे जिनके जीवन को उन्होंने स्पर्श किया होगा।”

ठीक उसी समय “डेस्टिनी पिक्चर्स” शब्द पूरी मूवी स्क्रीन पर फ्लेश हुआ। “क्या तुमने इसकी व्यवस्था की थी, जुलियन?”

“नहीं” उसने जवाब दिया, लेकिन यह वही बात कह रही है जो मैं कहता हूँ। “तुम जानती हो कि हम सभी का अपना-अपना प्रारब्ध है, जिसे पूरा करने के लिए हम अपने कर्तव्य से बंधे हैं, यदि हम अपने जीवन को उसकी सर्वोच्चता में जीना चाहते हैं तो। जरा सोचो वाक्लव ने क्या कहा है: मनुष्य की असली परीक्षा यह नहीं कि वह अपनी पसंदीदा भूमिका को कर पा रहा है बल्कि उसकी असली परीक्षा तब होती है जब वह उस भूमिका में होता है जो प्रारब्ध के कारण उसे करनी पड़ी।”

“और पोर्टर और सरिता को इस महत्वपूर्ण प्रारब्ध की खोज करने में मैं उनकी क्या सहायता कर सकती हूँ?”

“बिल्कुल आसान” जुलियन ने जवाब दिया। “दोनों को ऐसा प्रशिक्षण दो कि वे अपने दिलों के पवित्रतम स्थानों से उठनेवाली अच्छी आवाज़ को सुन सकें।”

“जरा इसे खुलकर बताओ,” मैंने अनुरोध किया, क्योंकि तभी एक क्लीनर आ गया जो फर्श की सफाई करने लगा था।

“गुड ईवनिंग, मिस्टर मैन्टल” उसने कहा।

“जुलियन क्या तुम्हें हर आदमी जानता है?” मैंने विस्मय से कहा। “मेरा मतलब है, विशेष रूप से इस थियेटर का नाइट क्लीनर भी कैसे तुम्हें जानता है?”

“क्योंकि मैं यहाँ इस डॉक्यूमेंटरी को देखने के लिए पिछले कुछ सप्ताहों में लगभग दस बार आ चुका हूँ।” उसने हंसते हुए यह जवाब दिया। “ओसिओला की कहानी से मुझे बहुत अच्छी सीख मिली है। यह मुझे अंशदान के महत्व को, अपने जीवन को अन्य लोगों के लिए जीकर इसे और अधिक मूल्यवान बनाने का स्मरण कराती है- इसका लाभ पूरे संसार को मिल सके। आगे की बात करें, तुम्हारे प्रश्न का उत्तर देने के लिए, अपने दिल के

पवित्रतम कोने से निकली सादगी भरी आवाज को सुनना ही खोज है -और फिर उसको मानना- आवाज जो तुम्हारे दिल की गहराई से निकल कर आ रही है। कभी हमें ये आवाजें तब सुनने को मिलती हैं जब हम पूरी तरह प्रकृति की सुंदरता में खोए होते हैं, उदाहरण के लिए आम तौर पर तब जब हम किसी खूबसूरत बसंत के दिन जंगलों में एकांत के लिए टहल रहे होते हैं। कभी-कभी हमें ऐसी आवाजें तब सुनाई पड़ती हैं जब हम शांति निमग्न होते हैं- ध्यान लगा रखा हो या अन्य किसी तरीके से शांति में डूबे हों। और कभी-कभी ऐसा भी होता है कि जब ये आवाजें हमें तब सुनाई देती हैं जब हम जीवन के सबसे कठिन भंवर में फंसे होते हैं और वो छण हमारे लिए निश्चय ही निराशा के छण होते हैं, जैसे जब हमारा कोई सबसे प्यारा व्यक्ति हमें छोड़कर सदा के लिए चला जाता है या जब हमारा कोई सपना चकनाचूर हो जाता है। यहाँ बुद्धिमत्ता की बात बहुत सरल सी है: 'ध्यान केंद्रित करो और अपने अंतरात्मा की आवाज को पहचानो, जो तुम्हारे प्रारब्ध के मार्ग पर तुम्हें आगे ले जाएगी। सुनो कि तुम्हारा दिल तुमसे क्या करने के लिए कहता है। और प्रतिज्ञा करो कि तुम अपने प्रारब्ध को जिओगी ताकि तुम अपने पीछे सार्थक विरासती उपहार छोड़कर जा सको।'

"पता नहीं कि मैं बच्चों को उनकी इस उम्र में उन्हें यह सब सिखा पाऊंगी," मैंने बहुत धीमे स्वर में कहा।

"कैथरीन, इस बारे में तुमसे अच्छा निर्णय कोई दूसरा नहीं कर सकता। हाँ, वे छोटे हैं, लेकिन तुम्हें खुद ही लगेगा कि यह समय सर्वथा अनुकूल है उन्हें अपने दिल की बातों को सुनने और जीवन ऐसे जिओ कि जो दूसरों को भी लाभ दे सके, के महत्व समझ पाने का। कम से कम उन्हें शांति के छणों को कैसे जिया जाता है इसके महत्व को समझने दो। जैसे-जैसे वे बड़े होते हैं, उन्हें पता लगने दो कि वे अपना जीवन जीने के लिए भले ही कोई भी रास्ता पकड़े, तुम्हारा निर्बाध प्यार और समर्थन उन्हें मिलता रहेगा। उनके साथ इस बात को साझा करो कि उनकी निरंतर उन्नति के लिए आत्म निरीक्षण करने की नियमित अवधि का महत्व उनके लिए कितना अधिक है। उन्हें बड़ा स्वप्न देखने के लिए प्रेरित करो और यह देखने के लिए प्रेरित करो कि जीवन में सफलता आती है। महत्वपूर्ण तरीके से जीवन जीने से, अर्थात् ऐसे जिओ कि तुम्हारे जीवन से इस संसार को भी कुछ हासिल हो। एक बहुत ही उत्तम प्रश्न जो तुम्हें अपने बच्चों को स्वयं से बार-बार करने लिए अभिप्रेरित करना चाहिए वह सीधे शब्दों में यह है: 'मैं संसार के लिए कैसे उपयोगी और मूल्यवान हो सकता हूँ?' दूसरा उत्तम प्रश्न है: मेरे समय और मेरी प्रज्ञा का सर्वोच्च उपयोग क्या है? केअरकेगार्ड ने कभी कहा था कि मनुष्य की मुख्य जिम्मेदारी है कोई ऐसा विचार पाना जिसके लिए वे जी सकते हैं और मर सकते हैं। मुझे सहमत होना ही होगा। 'कोई ऐसा ठोस कारण ढूँढना जिसके लिए तुम अपने प्राणों का उत्सर्जन करने के लिए तैयार हो जाओ', कोई ऐसा लक्ष्य जो कम से कम एक जिंदगी को सुधारने में सहायता कर सकता और जो तुम्हारी आत्मा को झकझोरता रह सकता, सही मायने में जीवन जीने की शुरुआत यहाँ से होती है। और इस छण संपूर्ण ब्रह्मांड तुम्हारी सफलता के लिए एजेंट का काम करने लग जाता है।"

"क्या सच में?"

"बिल्कुल सत्य है," जुलियन ने पूरे विश्वास के साथ कहा।

"ब्रह्मांड के पास हममें से प्रत्येक के लिए बहुत ही उत्तम योजनाएं होती हैं। यदि तुम पता कर लो कि वह योजना क्या है और स्वयं का ताल-मेल इसके साथ बैठा लो तो चिंगारियां अपने आप उड़ने लगेंगी। इस तरह मेरा अंतिम पाठ तुम्हारे लिए यही है कि तुम अपने प्यारे, गुणी और अनोखे बच्चों को यह सीख दो कि महानता वह है जो मनुष्य के जीवन में किसी चीज के प्रारंभ होने से आती है लेकिन वह उसके साथ ही मर नहीं जाती।"

"तुम कुछ ऐसा प्रारंभ करने की बात कर रहे हो जो मनुष्य का जीवन समाप्त हो जाने के बाद भी जीवित रहता है?" "विरासत?"

"हाँ, सही कहा।" तुम जानती ही हो कि मनुष्य के हृदय की गहराई में जिस चीज की आवश्यकता है वह है, जीना है तो कुछ ऐसे कामों के लिए जियो जो हमसे भी कहीं अधिक मूल्यवान हो। यदि पोर्टर और सरिता इस बात को समझ सके तो वे ऐसे सफल रहेंगे जिसे देखकर तुम भौचक्की रह जाओगी। मैं सफलता को उसके सही अर्थों में ले रहा हूँ। सफलता जो ड्राइव वे में सुंदर सी बीएमडबल्यू पार्क कर रखने या कार्य पर जाने के लिए सुंदर सूट्स रखने से भी कहीं आगे की बात है। मैं उस सफलता की बात कर रहा हूँ जो पूरे संसार को रोशन करता है और महान प्यार देता है। मैं उस सफलता की बात कर रहा हूँ जो लोगों को और पाओ, और पाओ तथा दूसरों के लिए और लाओ, और लाओ की ओर धकेलता रहता है। मैं उस सफलता की बात कर रहा हूँ जो तुम्हें इस धरती पर सर्वाधिक गर्व करनेवाला माता-पिता बना देगा।

“मेरे मुँह में तो अब शब्द ही नहीं बचे ।” मैंने कहा और मेरी आँखों से आंसू बह निकले ।

“हममें से प्रत्येक को स्वयं से यह प्रश्न करना चाहिए, न सिर्फ माता-पिता के रूप में बल्कि लोगों के रूप में भी कि मेरी मृत्यु के पश्चात मेरे जीवन का क्या होगा ? हमें अपने पीछे छूट जानेवाले कदमों के निशान के बारे में सोचना है और सोचना है कि भविष्य की पीढ़ियाँ कैसे जान पाएंगी कि हम ने भी यहाँ अपना जीवन व्यतीत किया है । मैं नहीं कहता कि हम सबको गाँधी या मदर टेरेसा बनना चाहए । वो ऐसे मार्ग थे जिनका नक्शा उन्हीं लोगों के लिए था । मैं जो कहना चाह रहा हूँ वह यह है कि हम सबको अपना जीवन ऐसे संचालित करना है जो हमें उसमें पूरी तरह उतार सके । हमें ऊपरी मन से काम करने से दूर ही रहना चाहिए अन्यथा हमारी शिकायत रहेगी कि संसार में हमारी कोई जगह नहीं । इसके बजाए हमें अपने संसार को खुद ही बनाना चाहिए और अपना जीवन ऐसे संचालित करना चाहिए जो दूसरों को दया, करुणा और उनकी जरूरतें दे पाए । हमें उन जंजीरों से मुक्त होना है जो हमारी सोच को बाधित करता है और हमारे कामों को ओछा कर देता है, और यह देखने की हिम्मत जुटानी होगी कि हमारा सर्वोत्कृष्ट स्व कैसा दिखता है । कैथरीन, ऐसा करने के लिए ऐसा होना पड़ता है, सही अर्थों में जीना इसी को कहते हैं । बुद्धिमत्ता का यह उपहार तुम अपने बच्चों को दो और ऐसा करके तुम माता-पिता के रूप में सबसे अच्छा काम कर पाओगी । अपना जीवन तुम इसी अनुशासन में जिओ और तब तुम सुनिश्चित कर पाओगी कि तुम हमेशा ही महान व्यक्ति रही हो ।”

“जुलियन, तुम्हारा धन्यवाद,” मैंने प्यार से कहा और जुलियन ऊपर आ गया तथा मुझसे बच्चों की तरह गले लग गया तथा मेरे अंदर तपिश और गहरी अनुभूति पैदा हुई ।

“कैथरीन”

“हाँ,” मैंने किसी अनहोनी की आशंका से भयभीत होते हुए कहा ।

“आज की रात मैं तुम्हारे साथ हूँ? लेकिन इसके बाद मैं तुम्हें कभी नहीं मिलूँगा । मैंने जुलियन और बच्चों से अलविदा ले ली है और तुमसे भी अब मैं अलविदा लूँगा । मेरे जीवन में जुदाई का इससे कठिन छण कोई दूसरा नहीं हुआ । मैं अपने दिल की गहराइयों से चाहता हूँ कि मैं अपनी मृत्यु पर्यंत तुम्हारे साथ ही रहता लेकिन मैं इस काम के लिए पैदा ही नहीं हुआ हूँ । मैंने शिवाना के संन्यासियों से वादा किया है कि उन्होंने खुले मन से जिन बातों की शिक्षा मुझे दी है मैं उसका प्रचार उनके बीच जाकर करूँगा जिन्हें उसकी जरूरत है और यही वह काम है जिसे मुझे करते ही रहना है । मैं तुम्हें बहुत ही ज्यादा प्यार करता हूँ और तुम जो कुछ भी कर रही हो उस पर तथा जिस तरह की महिला बनकर तुम उभरी हो मुझे उस पर गर्व है । तुमने पाँच मास्टरी को खुले दिल से अपनाया है और अपने परिवार को महानता के स्थान पर ले जा रही हो । तुम एक बुद्धिमान गाइड और शक्तिशाली प्रकाश बन चुकी हो जो तुम्हारे जीवन में तुम्हारी इज्जत करनेवालों को और दूसरे लोगों को यह समझ दे सकेगा कि हमें संसार में रहने के साथ-साथ क्या करना जरूरी है ।”

जुलियन ने इसके बाद अपनी आँखें बंद कर लीं और दोनों हाथों को परंपरागत भारतीय तरीके से जोड़ लिए । “मेरी छोटी बहिन मैं तुम्हारे अंदर के सर्वोत्तम को नमस्कार करता हूँ । जब तक तुम जीवन के मार्ग पर चलती रहोगी, मैं हमेशा तुम्हारे साथ रहूँगा । जब-जब तुम जीवन में कठिनाइयों का सामना करोगी, मैं हमेशा तुम्हारे पास रहूँगा । मैं हमेशा तुम्हें एक भाई का विशुद्ध प्यार भेजता रहूँगा जब-जब तुम अपने परिवार के सदस्यों के साथ अपनी बातें साझा करोगी । कुछ छणों की चुप्पी के बाद उसने आगे कहा: ईश्वर करे भविष्य में तुम्हारे दुःख के दिन तुम्हारे बीते हुए खुशी के दिन से भी अधिक अच्छे बीतें, मेरी छोटी बहिन मैं तुम्हें प्यार करता हूँ ।”

और इसके साथ ही जुलियन ने मेरे भाल पर एक प्यारा सा चुंबन दिया, अपने लबादे पर गिरे पॉपकॉर्न के दानों को झाड़ा और थियेटर के बाहर निकल गया, जहाँ मुझे पता चला कि जीवन जिसे कहते हैं उसमें हीरोइज्म का उपहार क्या होता है ।

मैं अपनी सीट पर बैठ गई जो अंतहीन प्रतीत होने लगा था, मेरा हृदय जिस नुकसान को सहने जा रहा था उसकी मार से संतप्त हुआ पड़ा था । अंततः मैं उठ खड़ी हुई जाने के लिए । जॉन को आश्चर्य हो रहा होगा कि मैं कहाँ चली गई, और मुझे अगले दिन के स्कूल के लिए अपने बच्चों का लंच बॉक्स भी तैयार करना था । जैसे ही मैं दरवाजे की तरफ बढ़ी, कोई चीज जुलियन जिस सीट पर बैठा था उससे गिरी और खड़-खड़ की आवाज के साथ फर्श पर आ गई । मैंने उसे उठाया और थियेटर के बाहर गली में ले आई जहाँ बला के खूबसूरत पूरे खिले चाँद का दूधिया प्रकाश मेरा स्तवन कर रहा था ।

यह कुछ और नहीं बल्कि गैरेज के ऊपर जुलियन के कमरे की चाबी थी । एक टाइप किया हुआ लेबल भी

इसके साथ ही जुड़ा था जिस पर लिखा था: बुद्धिमत्ता की चाबी तुम्हारे अपने भीतर के घर में है। मैं नहीं समझ सकी कि जुलियन क्या कहना चाहता था लेकिन मैंने चाबी को अपनी पर्स में रख लिया और चेहरे पर निरंतर बहती अश्रुधारा को पोंछा और अपने परिवार में जा पहुँची। जैसे मुझे कुछ पूर्वार्भास हुआ और मैंने अपने घर में जाने से पूर्व ऊपर जाकर जुलियन के कमरे को देखने का निर्णय किया। मैंने सीढ़ियाँ चढ़ीं और ताले में चाबी लगाई। उसने मेरे लिए बत्तियाँ खुली छोड़ रखी थीं। जैसे ही मैं छोटे लेकिन साफ-सुथरे और व्यवस्थित कमरे में घुसी, मैंने जो देखा मुझे यकीन नहीं हो रहा था।

पूरा का पूरा कमरा ही बदलकर बहुत ही सुंदर लायब्रेरी बन चुका था। उसमें बला के सुंदर लाइनिंगवाले शेल्क्स में सजावटी जिल्द चढ़ी पुस्तकें करीने से रखी थीं। चंदन की महक से पूरा वातावरण सराबोर था और मेरे शरीर की रगों में निस्सीम शांति की अनुभूति पैदा हो रही थी। मैंने पुस्तकों पर नजर दौड़ाई जिन पर कुछ नाम दिख रहे थे जैसे-एपिकटेटस द्वारा लिखी गई ए मैनुअल फॉर लिविंग, सेनेका द्वारा लिखित दि मेडिटेशन ऑफ मरकस और लेटर्स फ्रॉम स्टोइक। इन संकलनों की देखभाल और उनकी सजावट बहुत ही सावधानी से की गई थी।

इसके बाद मुझे जुलियन का लिखा हुआ नोट मिला जिस पर लिखा था:

तुम्हारे लिए, पोर्टर, सरिता और जॉन के लिए मैं अपना प्यार प्रकट कर सकूँ, उसके लायक शब्द नहीं हैं मेरे पास और इसलिए मैं ऐसा करूँगा भी नहीं। इसके बजाए मेरी प्यारी बहिन कैथरीन मैं तुम्हें महानतम उपहार जिसे मैं जानता हूँ तुम्हें दूँगा- बुद्धिमत्ता का उपहार। इस लायब्रेरी में कुछ अनमोल पुस्तकें हैं और इनके जैसी दूसरी कोई नहीं हो सकती, वे सब पोर्टर और सरिता के लिए हैं। मेरी सबसे बड़ी आशा है कि तुम और जॉन तमाम बीते हुए खुशी के क्षणों को और यहाँ बिताए खुशी के दिनों को इन दोनों अद्भुत बच्चों के साथ साझा करोगी। और चूंकि तुम इन असाधारण पुस्तकों के पृष्ठों में सब कुछ सीख सकोगी, संभवतः तुम मेरे बारे में सोचोगी।

नोट पर हस्ताक्षर थे नेतृत्व और प्यार भरा, तुम्हारा भाई जुलियन।

जब मैं अपनी नई लायब्रेरी से बाहर आई और हाल ही में पेंट की गई सीढ़ियों से नीचे उतरी, मेरा दिल खुशी से झूम उठा। अपने परिवार के भविष्य के वादे को लेकर मैं बहुत ही उत्तेजित और आनंदित थी। मैं अपने आपको इतना बुद्धिमान, खुश और प्रज्ञावान महसूस कर रही थी जितना कभी मैंने महसूस किया था। जैसे ही मैंने अपने घर में प्रवेश किया, जुलियन के कमरे की खुली खिड़की से बहता हुआ संगीत सुनकर मेरे कदम रुक गए-वह सीडी प्लेयर चलता हुआ छोड़कर गया था। शब्द जो मेरे कानों में पड़ रहे थे वे थे: -कितना खूबसूरत यह संसार है-जिसे सुनकर मुझे रुलाई आ गई। लेकिन बाद में मैं मुस्कुरा रही थी।

लेखक के बारे में

रोबिन शर्मा उत्तरी अमरीका के सर्वाधिक जानेमाने नेतृत्व विशेषज्ञ और छह पुस्तकों के लेखक हैं, जिसमें उनकी पूरे अंतरराष्ट्रीय जगत में सर्वाधिक ख्यातिप्राप्त पुस्तक द मॉन्क हू सोल्ड हिज फेरारी (संन्यासी जिसने अपनी फेरारी बेच दी) भी सम्मिलित है, इसकी शृंखला लीडरशिप विसडम फ्रॉम द मॉन्क हू सोल्ड हिज फेरारी और हू विल क्राय व्हेन यू डाय? भी सर्वाधिक बिकनेवाली पुस्तकें हैं। रोबिन शर्मा व्यावसायिक व्याख्यानों की दुनिया के चमकते सितारों में से एक हैं। उन्होंने फॉरचून ५०० कंपनियों तथा अन्य एसोसिएशन्स और संगठनों, जो अपने कर्मचारियों को उनके सभी काम में नेतृत्व प्रदान करने की अभिप्रेरणा देने के लिए समर्पित हैं, के लिए वर्ष में ८५ की - नोटिंग की है।

एक भूतपूर्व लॉयर (वकील) जो दो डिग्रियों का धारक है, जिनमें से एक मास्टर ऑफ लॉ की डिग्री भी है। रोबिन शर्मा संस्थापक और सीईओ हैं शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल के (एसएलआइ)। यह एक फर्म है जो कर्मचारियों को प्रत्येक स्तर पर उनकी सर्वोच्च क्षमता की प्राप्ति में सहायता करने के लिए सेवाओं और उत्पादों की पूरी रेंज उपलब्ध कराता है तथा विश्व के मूल्यों में वृद्धि करता है। सैन फ्रांसिस्को और टोरंटो में खोले गए कार्यालयों के साथ एसएलआइ ख्यातिप्राप्त रोबिन शर्मा कोचिंग प्रोग्राम एक क्रांतिकारी कोचिंग प्रक्रिया है जिसमें व्यक्ति को एक वर्ष की अवधि के दौरान अपने व्यक्तिगत कोच के रूप में रोबिन के साथ काम करने का अद्वितीय अवसर मिलता है ताकि वे अपने जीवन का निर्माण सही अर्थों में अपने मनोनुकूल ढंग से कर सकें। “शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल” मासिक कोच प्रोग्राम भी चलाता है, मासिक क्लब की पुस्तक / टेप जहाँ रोबिन व्यक्तिगत रूप से नए विषयों का चयन करते हैं जो आपकी श्रीवृद्धि करने और आपके जीवन को प्रकाशमय करती है, और ये सामग्री आपके पास ३० दिनों में भेज दी जाती है। इन सेवाओं संबंधी अधिक जानकारी के लिए अथवा लर्निंग प्रोडक्ट्स की संपूर्ण जानकारी के लिए www.robinsharma.com पर जाएं अथवा इस नंबर पर संपर्क करे १-८८८-

RSHARMA

शर्मा नेतृत्व की रिपोर्ट

इस पुस्तक को खरीदने के लिए सीमित अवधि तक (वार्षिक अभिदान का मूल्य है ९५ डॉलर) अभिदान निःशुल्क रहेगा ।

शर्मा नेतृत्व की रिपोर्ट, रोबिन शर्मा का सर्वाधिक पढ़ा जानेवाला इलेक्ट्रॉनिक न्यूजलेटर है जिसमें विशेष प्रकार की बुद्धिमत्ता, पाठ और टूल्स का वर्णन है जो आपको अपना जीवन व्यक्तिगत और आध्यात्मिक रूप से उच्च संस्कारयुक्त बनाएगा । पूरे विश्व में तथा जीवन के सभी क्षेत्रों में काम करनेवाले लोग इस अत्यधिक प्रेरणादायी रिपोर्ट को पढ़ते हैं जो उन्हें उनके परिवार और उनके कार्य के बीच में उचित संतुलन कायम रखने में, उच्च निष्पादनीयता प्राप्त करने में, दबावों पर काबू पाने में तथा संबंधों को मजबूती देने और उनके सपनों को साकार करने में सहायक होती है । यह बहुत ही मूल्यवान प्रकाशन है जो आपके लिए परम सहायक सिद्ध होगी ।

अपने निःशुल्क अभिदान के लिए आपको सिर्फ इतना ही करना है कि आप www.robinsharma.com पर जाएं और आज ही अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवाएं । हम आपको इस शक्तिशाली इलेक्ट्रॉनिक न्यूजलेटर को पढ़ने हेतु निमंत्रित करते हैं और आपको कहेंगे कि आप इसे अपने मित्रों के बीच साझा करें ताकि वे भी अपना जीवन महान बना सकें और अपने पीछे विरासती उपहार छोड़कर जा सकें ।

की-नोट्स और सेमिनार रोबिन शर्मा के साथ

रोबिन शर्मा विश्व के सर्वाधिक चर्चित प्रोफेशनल स्पीकरों में से एक हैं जो नेतृत्व कुशलता, उच्च निष्पादनीयता, परिवर्तन प्रबंधन और वैयक्तिक अन्वेषण पर पूरा अधिकार रखते हैं। इन विषयों पर उनकी प्रेरणादायी अंतरदृष्टि ने उन्हें संगठनों, जो कुलीन और उच्च की-नोट स्पीकर अथवा सेमिनार नेता को आमंत्रित किया करते हैं, की पहली पसंद बना दिया है क्योंकि उनके संदेश आज के अनिश्चितता के दौर में जिंदगियों को आमूलचूल रूप से परिवर्तित करने, ठोस परिणाम प्राप्त करने और प्रतिबद्धताओं तथा उत्पादकता की पुनःस्थापना करने में पूरी तरह कारगर हैं। रोबिन के असाधारण प्रेरणादायी प्रजेंटेशन्स एक विशेष प्रक्रिया से गुजर कर पूर्णतया कस्टोमाइज हैं और व्यवहार्यता की दृष्टि से बहुत ही मूल्यवान हैं जिसे आपके यहाँ के लोग तत्काल ही उपयोग में लाना प्रारंभ कर सकते हैं। इसमें इस बात की पूरी सावधानी बरती गई है कि यह व्यक्तियों को निष्पादन, लगन और रचनात्मकता तथा व्यक्तिगत संतुष्टि की नई ऊँचाइयों को प्राप्त करने की दिशा में उनकी पूरी सहायता करे।

अपने यहाँ आयोजित किए जानेवाले अगले सम्मेलन या इन-हाउस सेमिनार के लिए रोबिन शर्मा को बुक करने के लिए www.robinsharma.com पर जाएं अथवा नीचे लिखे पते पर संपर्क करें :

मरनी बालेन

वीपी ऑफ स्पीकिंग सर्विसेज

शर्मा लीडरशिप इंटरनेशनल

फोन : १.८८८. RSHARMA (७७४.२७६२)

ई-मेल : marine@robinsharma.com